

भारतीय रिज़र्व बैंक  
**बुलेटिन**



जनवरी 2019

खंड 73 अंक 1

संपादन समिति

राजीव रंजन  
डी. पी. रथ  
सितीकांत पट्टनाईक  
जी. पी. सामंता  
एस. गंगाधरन  
पल्लवी चव्हाण  
स्नेहल हेरवडकर

संपादक

शशीधर एम. लोकरे

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन संपादकीय समिति के निर्देशन में आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग द्वारा मासिक आधार पर प्रकाशित किया जाता है। इसमें व्यक्त व्याख्याओं और विचारों के लिए बैंक का केंद्रीय निदेशक मंडल उत्तरदायी नहीं है। हस्ताक्षरित लेखों में व्यक्त विचारों के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी हैं।

© भारतीय रिज़र्व बैंक 2018

सर्वाधिकार सुरक्षित।  
सामग्री के पुनः प्रयोग की अनुमति है,  
बशर्ते स्रोत का उल्लेख किया जाए।

बुलेटिन के सदस्यता शुल्क के लिए कृपया “भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के महत्वपूर्ण प्रकाशन” खंड देखें।

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन को इंटरनेट के माध्यम से <http://www.bulletin.rbi.org.in> पर भी देखा जा सकता है।

# विषय-वस्तु

## लेख

विदेशी क्षेत्र की वर्ष-मध्य समीक्षा	1
भारत का कॉर्पोरेट बॉण्ड बाजार: बाजार की सूक्ष्म संरचना से जुड़े मुद्दे	19
वर्ष 2017-18 में कारोबारी रुझान और प्रत्याशाएं	31

## वर्तमान सांख्यिकी

43

## हाल के प्रकाशन

87

## अनुपूरक

भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति रिपोर्ट 2017-18 और वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट, दिसंबर 2018
---



# लेख

विदेशी क्षेत्र की वर्ष-मध्य समीक्षा

भारत का कॉर्पोरेट बॉण्ड बाजार: बाजार की सूक्ष्म संरचना से जुड़े मुद्दे

वर्ष 2017-18 में कारोबारी रुझान और प्रत्याशाएं



## विदेशी क्षेत्र की वर्ष-मध्य समीक्षा \*

वैश्विक विपरीत परिस्थितियों के चलते 2018-19 की पहली छमाही में भारत का भुगतान संतुलन दबाव-ग्रस्त रहा। तेल के मूल्य में वृद्धि का असर चालू खाता घाटा (सीएडी) के बढ़ने के रूप में साफ दिखाई पड़ रहा था, वहीं अमेरिकी फ़ैडरल रिज़र्व द्वारा नीति सख्त बनाए जाने और अमेरिकी डॉलर को मजबूती प्रदान किए जाने के परिणामस्वरूप विदेशी संविभाग निवेश (एफपीआई) का बहुत अधिक बहिर्वाह हुआ। चालू खाता घाटे के निवल वित्तीय प्रवाह से अधिक रहने के कारण आरक्षित निधियों का स्तर घटा। अनुमानों के मुताबिक 2018-19 की पहली छमाही में चालू खाता घाटे का स्तर वहनीय स्तर से अधिक रहा। भारतीय रुपये पर भी दबाव पड़ा और इसमें सांकेतिक और वास्तविक प्रभावी -दोनों ही रूप में मूल्यहास हुआ।

### प्रस्तावना

2018-19 के पूर्वार्द्ध (अर्थात्, अप्रैल-सितंबर या पहली छमाही में) में वैश्विक आर्थिक परिवेश में महत्वपूर्ण परिवर्तन देखे गए। वैश्विक संवृद्धि का संवेग चरम पर रहा और विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों के बीच यह कमजोर हो रहा प्रतीत होता है। विदेशी मांग में एक वर्ष पूर्व हासिल की गई मजबूती में थोड़ी कमी होने के बावजूद तीव्र हो रहे व्यापार युद्ध के कारण उसे क्षति पहुंची और 2016 के मध्य में प्रारंभ हुई उर्द्धवगामी चक्रीय गति के पूर्ण होने से वैश्विक व्यापार अगस्त 2018 में घटकर 13 महीने के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया। इस बीच, जनवरी और मई में कच्चे तेल के अंतरराष्ट्रीय मूल्य में तीव्र वृद्धि होने के कारण यह तेल मूल्यों में अत्यधिक वृद्धि के रूप में परिणत हुई, जो अक्टूबर के प्रारंभ में 47 महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। इसके कारण भारत जैसे पूर्ण रूप से ऊर्जा आयातकों के लिए तेल आयात के बिलों में काफी वृद्धि हुई जिसका इनके चालू खाता घाटे पर विपरीत असर पड़ा। भारत में घरेलू स्तर पर कोल की कमी को आयात के माध्यम से पूरा किया गया। इनके अलावा, आयातों पर निर्भरता को कम करने या घरेलू उद्योग को बढ़ावा देने के लिए आयात की बहुत सी मदों पर अपेक्षाकृत अधिक कर लगाया जा रहा था। ब्याज में वृद्धि करने और अमेरिकी फ़ैडरल रिज़र्व द्वारा तुलन-पत्र को सामान्य बनाए जाने की चालू प्रक्रिया, भू-राजनैतिक तनावों एवं विशिष्ट-ईएमई की 'लेफ्ट टेल' घटनाओं से जोखिम विमुखता बढ़ने के संयुक्त असर के रूप में सभी उभरते

\* अंतरराष्ट्रीय वित्त प्रभाग, आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक के राजीव जैन, धीरेंद्र गजभिए, सौमाश्री तेवारी एवं आनंद शंकर। लेख में व्यक्त विचार सिर्फ लेखकों के हैं।

बाजारों वाली अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) के लिए वैश्विक वित्तीय बाजार की परिस्थितियां तंग हुईं। परिणामस्वरूप, उनके पूंजी बाजारों से संविभाग बहिर्वाह बहुत अधिक हुआ। हलचल भरी इन वैश्विक परिस्थितियों में, भारतीय पूंजी बाजार भी अपवाद नहीं रहा और निवेश सीमा में वृद्धि होने एवं न्यूनतम अवशिष्ट अपेक्षाओं से संबंधित मानकों में शिथिलता बरतने तथा कर्ज बाजार में प्रतिभूति-वार सीमाओं को लागू करने के बावजूद 2018-19 की पहली छमाही में इसे (भारतीय पूंजी बाजार) एफपीआई के काफी बहिर्वाह का सामना करना पड़ा।

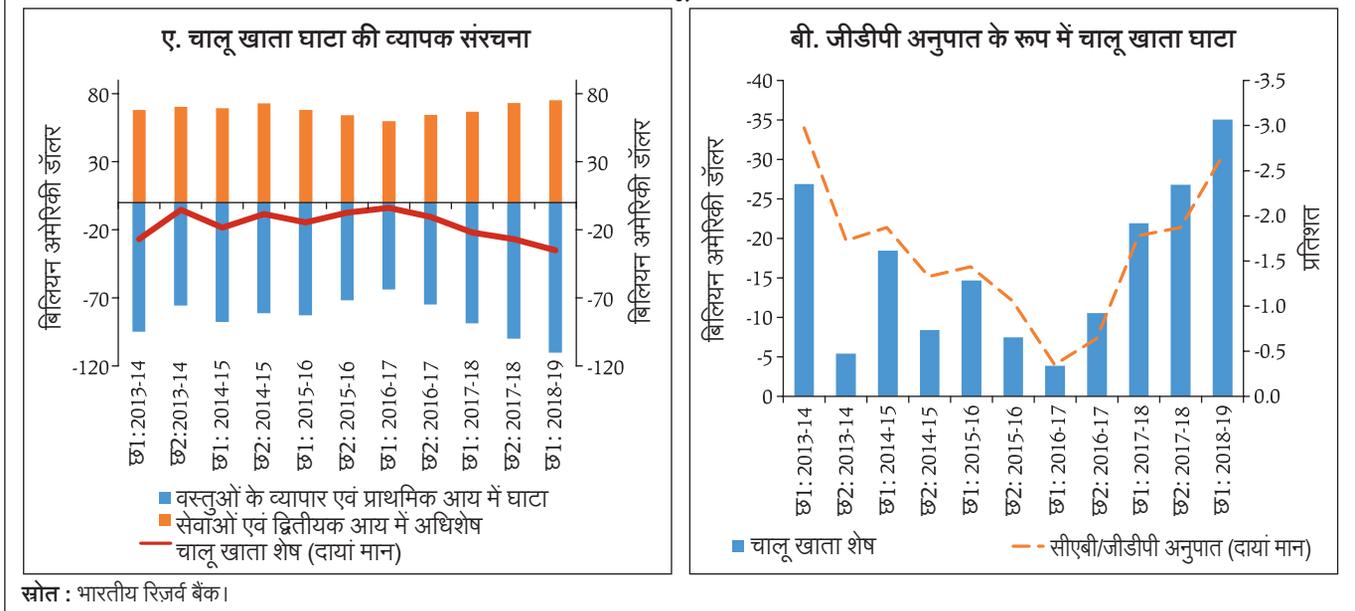
इस लेख में, इन वैश्विक और घरेलू गतिविधियों को 2018-19 की पहली छमाही में भुगतान संतुलन (बीओपी) के परिणामों का विश्लेषणात्मक विवरण प्रदर्शित किया गया है। इसमें चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिवेश के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था के संपर्क की अवधि के दौरान भारत के विदेशी क्षेत्र के हालात निर्धारित करने वाले और आगे चलकर विदेशी क्षेत्र की स्थिरता को प्रभावित कर सकने वाली मुख्य शक्तियों पर ध्यान केंद्रित करने का प्रयास किया गया है।

शेष लेख को चार खंडों में बांटा गया है। खंड II में चालू खाता के विभिन्न अवयवों का विस्तृत विश्लेषण दिया गया है। खंड III में पूंजी एवं वित्तीय खातों की प्रमुख कार्यात्मक श्रेणियों के माध्यम से विदेशी/बाहरी वित्तपोषण के पैटर्न की चर्चा की गई है। खंड IV में विदेशी/बाहरी कर्ज तथा निवल अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति की वहनीयता के परिप्रेक्ष्य में भुगतान संतुलन के विश्लेषण के संबंध में विमर्श प्रस्तुत किया गया है। खंड V रुपया की प्रभावी विनिमय दरों में घट-बढ़ को दर्शाया गया है और खंड VI में भारत के भुगतान संतुलन के उद्भव से संबद्ध जोखिमों के संभावनायुक्त संतुलन को प्रदर्शित करते हुए समापन किया गया है।

## II. चालू खाता

चालू खाता के अंतर्गत आर्थिक जरूरतों को प्रत्यक्ष रूप से पूरा करने वाले सभी लेनदेन आते हैं और इन्हें माल एवं सेवाओं के व्यापार, प्राप्तियों या निवेशों से होने वाली आय के भुगतान (प्राथमिक आय), एवं एकपक्षीय अंतरणों (द्वितीयक आय) के रूप में जाना जाता है। राष्ट्रीय लेखांकन एकरूपता की दृष्टि से दी गई परिभाषा के अनुसार चालू खाता विदेशों से अर्थव्यवस्था में संसाधनों के निवल अंतर्वाह के तुल्य, और सकल घरेलू बचत तथा निवेश के बीच अंतराल के समरूप होता है। ऐतिहासिक रूप से, भारत चालू खाता घाटे (सीएडी) में चलता रहा है, जो व्यापक रूप से विपणन योग्य (वस्तुओं) के व्यापार घाटा से निर्धारित होता है और आंशिक रूप से इसमें कमी सेवाओं के निवल निर्यात तथा द्वितीयक आय (अंतरणों) खाता की निवल

चार्ट 1: भारत का चालू खाता घाटा



प्राप्तियों से होती है। 2018-19 की पहली छमाही में भारत का चालू खाता घाटा 35.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर के स्तर तक तेजी से बढ़कर जीडीपी का 2.7 प्रतिशत (2018-19 की पहली तिमाही में 2.4 प्रतिशत और दूसरी तिमाही में 2.9 प्रतिशत) हो गया, जो चार वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। यह एक वर्ष पूर्व 1.8 प्रतिशत के स्तर पर था। जैसा कि इस खंड में संकेत दिया गया है, इससे व्यापार घाटे के बढ़ने और प्राथमिक आय के निवल बहिर्वाह के अपेक्षाकृत अधिक रहने का पता चलता है। सेवाओं के निवल निर्यात में तेजी और विप्रेषणों के कारण इस प्रभाव में आंशिक कमी आई (चार्ट 1ए एवं 1बी)।

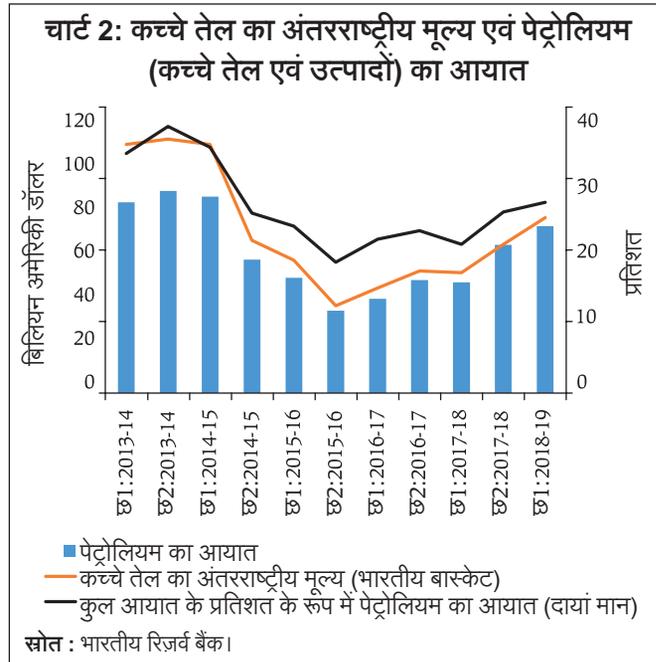
## II.1 वस्तुओं में लेनदेन

वस्तुओं और सेवाओं में होने वाले सीमा-पार लेनदेन उत्पादन संबंधी गतिविधियों के परिणाम हैं (आईएमएफ, 2010)। शेष संसार से वस्तुओं के शुद्ध आयातक होने के कारण भारत के भुगतान संतुलन की वहनीयता के निर्धारण में व्यापारिक वस्तुओं का व्यापार संतुलन वर्षों से महत्वपूर्ण कारक बना हुआ है। इसी संदर्भ में, कच्चे तेल की कीमतों में आए तीव्र उछाल के चलते 2018-19 की पहली छमाही में व्यापार घाटे में हुए तीव्र विस्तार को, हाल की भुगतान संतुलन गतिविधियों की पृष्ठभूमि के साथ, महत्वपूर्ण विशेषता माना जा सकता है, जिसका असर सीएडी और इसके वित्तपोषण पर भी पड़ता है।

निर्यात की बात करें तो वैश्विक व्यापार में मंदी के बावजूद 2018-19 की पहली छमाही में भारत से होने वाले पोतवहन

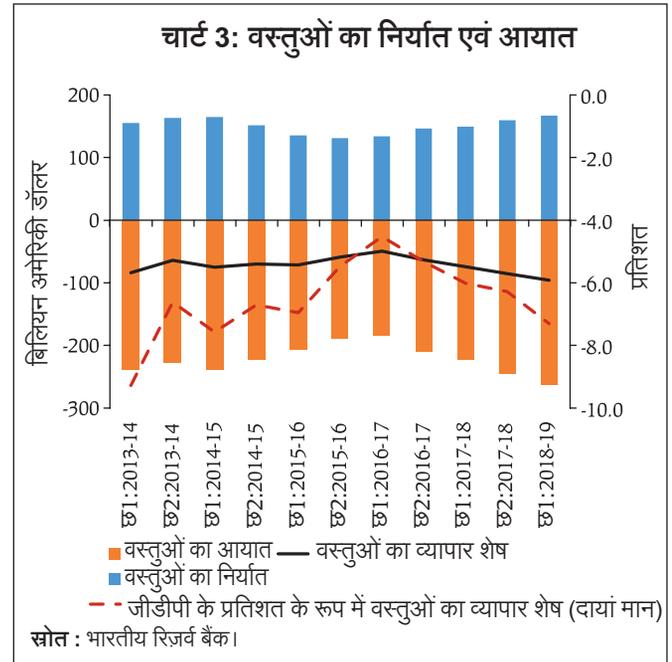
में क्रमानुसार और वर्ष-दर-वर्ष आधार -दोनों ही रूपों में, तेजी आई। वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) द्वारा एकत्र जानकारी से संकेत मिलता है कि यह सुधार तेल से इतर क्षेत्रों, नामतः - अभियांत्रिकीय वस्तुओं, रसायनों और दवाओं तथा औषधियों के कारण हुआ। पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात भी बढ़ा, जिसे कच्चे तेल के अपेक्षाकृत अधिक अंतरराष्ट्रीय मूल्यों से भी सहारा मिला। इन चार क्षेत्रों से हुए समग्र पोतवहन का कुल निर्यात वृद्धि में 84 प्रतिशत योगदान रहा। वर्ष 2018-19 की पहली छमाही में भारत के निर्यात का 37.4 प्रतिशत हिस्सा प्रमुख गंतव्यों में से, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, चीन, हांगकांग और सिंगापुर को प्राप्त हुआ।

आयात में मजबूती आई, जो घरेलू मांग की संनिहित मजबूती को अभिप्रमाणित करती है, और इसके निर्धारक मुख्यतः पेट्रोलियम (कच्चे तेल एवं उसके उत्पाद), कोल, इलेक्ट्रॉनिक सामान, मशीनरी और रसायन रहे। पेट्रोलियम और कोल के अपेक्षाकृत अधिक आयात से अंतरराष्ट्रीय मूल्यों के बढ़े स्तर का पता चलता है। भारत की वस्तुओं के व्यापार घाटे का कच्चे तेल के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों के रुझान से बहुत अधिक सहसंबंध रहा (चार्ट 2)। तुलनात्मक सांख्यिकी के रूप में, कच्चे तेल के प्रति बैरल अंतरराष्ट्रीय मूल्य में एक अमेरिकी डॉलर की बढ़ोतरी होने पर व्यापारिक वस्तुओं का व्यापार घाटा 1.25 बिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़ जाता है। यह गणना कच्चे तेल के मूल्य स्तरों पर निर्भर है। समग्ररूप से भुगतान संतुलन पर कच्चे तेल के मूल्यों के पूर्ण प्रभावों का आकलन करने के लिए सेवाओं, विप्रेषणों और



तेल मूल्य के परिवर्तनों में होने वाले पूंजी प्रवाह के कुछ अवयवों की निहित संवेदनशीलता का ध्यान रखना होगा। 2018-19 की पहली छमाही में, कच्चे तेल के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों में 46 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि हुई। परिणामस्वरूप, वर्ष-दर-वर्ष हुए व्यापार घाटे में 21.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर के विस्तार में तेल के शुद्ध आयात का तीन चौथाई हिस्सा रहा। अन्य आयातों के अंतर्गत, मात्रा और अंतरराष्ट्रीय कीमतों -दोनों में वृद्धि होने के कारण कोल के आयात में तीव्र वृद्धि हुई। घरेलू उत्पादन के अपेक्षाकृत अधिक रहने के बावजूद, कोल क्षेत्र में मांग-आपूर्ति का अंतर बना रहा तथा ऊर्जा क्षेत्र में आपूर्ति की कमी को पूरा करने के लिए कोल के आयात की मात्रा में बढ़ोतरी हुई। हाल के वर्षों में विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक सामानों पर करों में वृद्धि के बावजूद, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के आयात में द्वि-अंकीय वृद्धि हुई तथा 2018-19 की पहली छमाही में व्यापारिक वस्तुओं के व्यापार घाटे में इसकी एक तिहाई हिस्सेदारी रही। मशीनरी के आयात में हुई 25 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि घरेलू निवेश गतिविधियों में बेहतरी के अनुरूप रही।

मात्रा की दृष्टि से 9 प्रतिशत की वृद्धि होने के बावजूद, स्वर्ण आयात - आयात की जाने वाली सामग्री में चौथी सबसे बड़ी मद - बुलियन की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में कमी होने के कारण निम्न स्तर पर बना रहा। इस अवधि के दौरान जिन वस्तुओं पर अपेक्षाकृत अधिक करारोपण किया गया, उसके अंतर्गत खाद्य वनस्पति तेल में 16.3 की गिरावट आई। भारत के आयात के प्रमुख स्रोतों में से वृद्धि में सबसे बड़े योगदान का उद्भव अमेरिका, सउदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, हांगकांग एवं ईरान से होता है। आयात वृद्धि

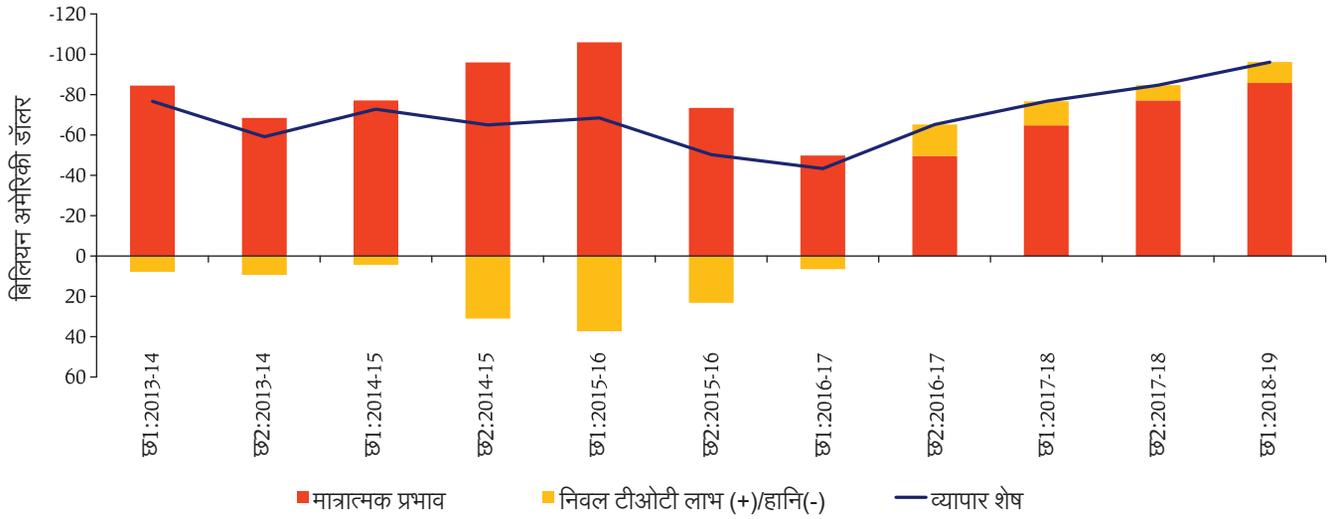


(17.4 प्रतिशत) के निर्यात वृद्धि (11.8 प्रतिशत) से अधिक रहने के साथ व्यापारिक वस्तुओं का व्यापार घाटा बढ़कर जीडीपी का 7.3 प्रतिशत हो गया जो एक वर्ष पूर्व 6.0 प्रतिशत था (चार्ट 3)।

पण्यों के बढ़े हुए अंतरराष्ट्रीय मूल्यों, विशेषरूप से कच्चे तेल और कोल के मूल्य, ने 2018-19 की पहली छमाही में भारत के व्यापार खाते के संबंध में व्यापार की शर्तों (टीओटी) पर विपरीत असर डाला। इस अवधि के दौरान निवल टीओटी में 1.8 प्रतिशत की या जीडीपी के 0.8 प्रतिशत कमी होने का अनुमान है। यह आघात न पड़ता, तो 2018-19 की पहली छमाही में व्यापार घाटे में 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक की कमी हो सकती थी (चार्ट 4)<sup>1</sup>। ऐसा अनुमान है कि 90 प्रतिशत व्यापार घाटा सकल टीओटी में परिवर्तनों (अर्थात्, आयात की मात्रा निर्यात की मात्रा की अपेक्षा तेजी से बढ़ी) के कारण हुआ और शेष घाटा निवल टीओटी में हुए नुकसान के कारण हुआ। इन विपरीत प्रभावों (आघातों) तथा वैश्विक व्यापार के बढ़ते तनावों के बावजूद, 2018-19 की पहली छमाही में वैश्विक निर्यात में भारत अपनी 1.7 प्रतिशत हिस्सेदारी बनाए रखने में सफल रहा। हालांकि, कुछ उत्पादों/क्षेत्रों से संबंधित जाहिर तुलनात्मक लाभों (आरसीए) में गिरावट, भारत के शीर्ष 5 निर्यात क्षेत्रों में अपनी लाभपूर्ण स्थिति को बरकरार रख पाने के बाद भी, तुलनात्मक लाभ में कमी को दर्शाता है। भारत की निर्यात बाजार हिस्सेदारी में परिवर्तनों के विश्लेषण से पता चलता है कि

<sup>1</sup> पण्य व्यापार के संबंध में डीजीसीआई एंड एस द्वारा जारी मासिक आंकड़ों एवं 2018-19 की पहली छमाही के दौरान प्रमुख पण्यों के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों पर आश्रित निवल टीओटी अनुमानों पर आधारित।

**चार्ट 4: व्यापार लाभ/हानि एवं वस्तुओं के व्यापार शेष के अनुमानित आंकड़े**



स्रोत : लेखक के स्वयं के अनुमान ।

परिवर्तनों के घटित होने में बढ़ावा देने वाले कारक महत्वपूर्ण रहे, किंतु इस पर उत्पाद एवं भौगोलिक घाल-मेल का भी असर पड़ा (भारि बैंक, 2018)।

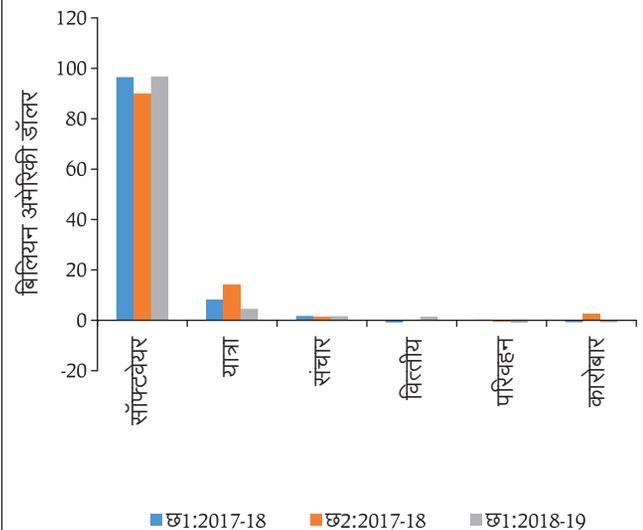
## II.2 व्यापार लेखा : सेवाएं

वर्षों के दौरान सेवाओं के व्यापार से होने वाली निवल कमाई में टिकाऊ स्थिरता ने वस्तुओं के व्यापार घाटे की भरपाई करते हुए भारत के चालू खाता में काफी वृद्धि की है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की विश्व व्यापार सांख्यिकीय समीक्षा 2018 के अनुसार वर्ष 2017 में भारत दुनिया में सेवाओं का 8वां सबसे बड़ा निर्यातक था, यद्यपि निर्यात में सॉफ्टवेयर निर्यातों की अधिकता रही है, जो आईटी सेवाएं प्रदान करने वाली भारतीय कंपनियों की लागत प्रतियोगितात्मकता को दर्शाता है (चार्ट 5)। भारतीय आईटी कंपनियों के समक्ष वैश्विक कारोबारी माहौल के चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद 2018-19 की पहली छमाही में सॉफ्टवेयर सेवाओं का निर्यात 7.4 प्रतिशत बढ़ा, जिसमें अमेरिका द्वारा प्रौद्योगिकी पर खर्च करने; बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं एवं बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र के पुनरुज्जीवन तथा सौदों के नवीनीकरण के कारण उछाल आया। बीएफएसआई, खुदरा एवं विनिर्माण तथा प्रौद्योगिकी जैसे सभी प्रमुख औद्योगिक खंडों में व्यापक-आधार जनित मांग तथा धीमी गति से क्लाउड कंप्यूटिंग और एनालिटिक्स के उन्नत प्रौद्योगिकीय हिस्से में विविधीकरण से प्रमुख कंपनियों की बहाली प्रक्रिया को सहारा मिला। वर्ष 2017 में, भारत ने दूरसंचार, कंप्यूटर तथा सूचना सेवाओं (डब्ल्यूटीओ, 2018) के वैश्विक निर्यातों में 10.4

प्रतिशत का योगदान किया। इसके अलावा, इस अवधि के दौरान रुपया के अवमूल्यन से भी इन कंपनियों के अपेक्षाकृत अधिक निवल मार्जिन में सहायता मिली।

सेवाओं के क्षेत्र में खर्च की बात करें तो पर्यटन सेवाओं के आयात के लिए भुगतानों में निर्यातों की तुलना में तीव्र वृद्धि हुई, जिसके कारण 2018-19 की पहली छमाही में इस क्षेत्र से निवल निर्यात से होन वाली कमाई में 42.0 प्रतिशत की गिरावट आई। संयोगवश, विदेशी पर्यटकों के आगमन में हुई मंद वृद्धि का असर

**चार्ट 5: प्रमुख सेवाओं का निर्यात (निवल)**

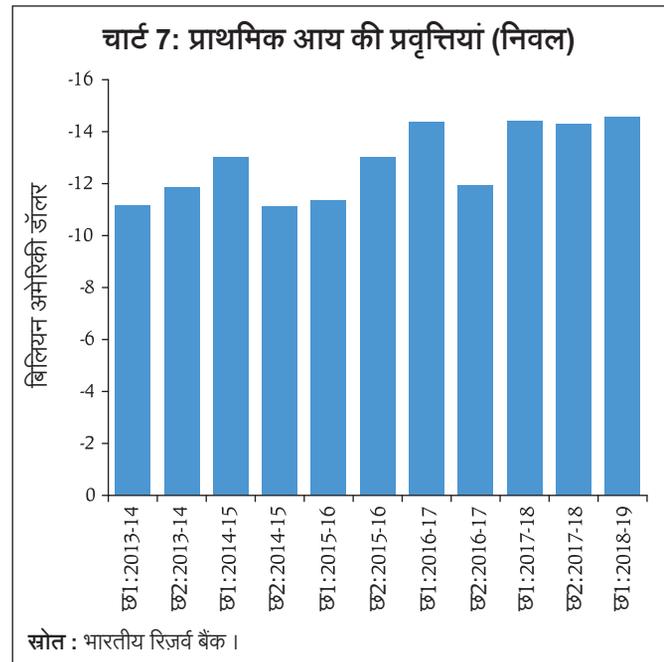
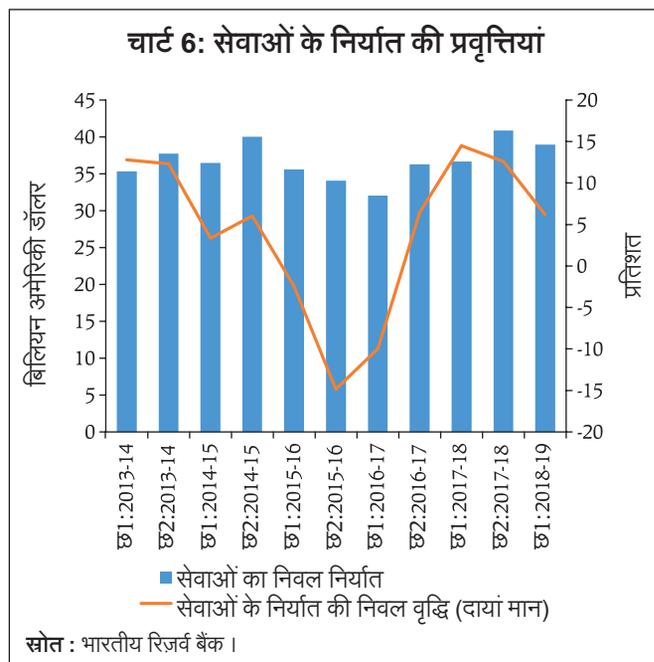


स्रोत : भारतीय रिजर्व बैंक ।

पर्यटन सेवाओं से होने वाली निर्यात संबंधी कमाई पर पड़ा। भुगतान पक्ष में, हाल के वर्षों में बाहर जाने वाले पर्यटकों तथा प्रति व्यक्ति व्यय -दोनों में वृद्धि हुई। पर्यटन व्यय का बड़ा हिस्सा अमेरिका, यूके, आस्ट्रेलिया एवं कनाडा जैसे स्थानों पर उच्चतर शिक्षा के लिए जाने में व्यय हुआ। इसी भांति, प्राथमिक रूप से अपेक्षाकृत अधिक माल ढुलाई किराये के कारण हुई माल-वहन सेवाओं के आयात में वृद्धि निर्यात वृद्धि से अधिक रही। इसके कारण यह क्षेत्र निवल आयातक बन गया, जबकि 2017-18 की पहली छमाही में यह निवल निर्यातक हुआ करता था। कारोबारी सेवाओं के भीतर, अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी), पेशेवर तथा प्रबंध सलाहकार सेवाओं से होने वाले निवल निर्यात में सुधार आया, यद्यपि 2018-19 की पहली छमाही में तकनीकी और व्यापार संबंधी कारोबारी सेवाओं में घाटा बरकरार रहा। इन घटनाओं के कारण 2018-19 की पहली छमाही में निवल सेवाओं के निर्यात में एक वर्ष पूर्व के स्तर की तुलना में 6.2 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई (चार्ट 6)।

### II.3 प्राथमिक आय

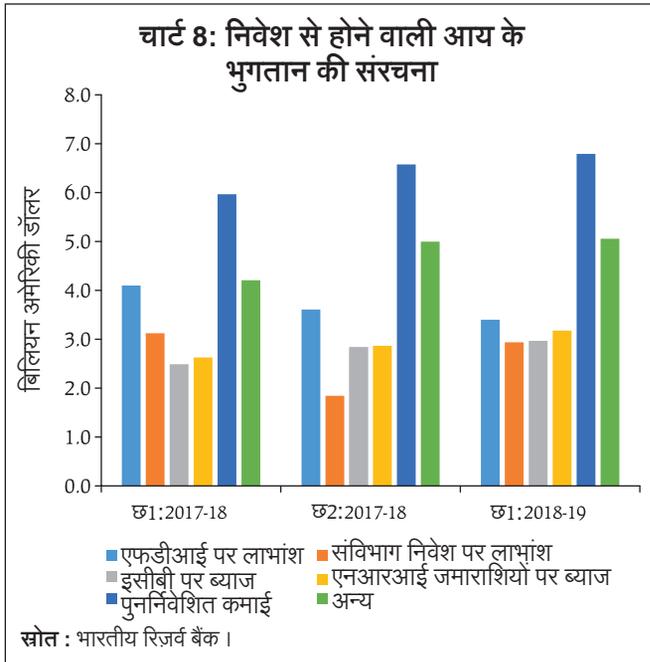
प्राथमिक आय लेखों में राशियों को दर्ज किया जाता है, जो श्रम, वित्तीय संसाधनों या गैर-निर्मित गैर-वित्तीय आस्तियों वाली किसी अन्य संस्था को अस्थायी रूप से प्रयोग हेतु उपलब्ध कराने के लिए देय एवं प्राप्त हों (आईएमएफ, 2009)। शेष प्राथमिक आय को जीडीपी में जोड़ा जाता है, ताकि अर्थव्यवस्था की सकल राष्ट्रीय आय की गणना की जा सके, जिसमें सभी क्षेत्रों से संबंधित सकल शेष प्राथमिक आय के समग्र मूल्य की माप की जाती है



(एसएनए, 2008)। भारत के मामले में, प्राथमिक आय लेखा से सतत् बहिर्वाह होता रहा है। लाभांश एवं ब्याज के भुगतानों के साथ ही साथ पुनर्निवेश से होने वाली कमाई के कारण 2018-19 की पहली छमाही में यह बढ़कर 14.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया (चार्ट 7)। पुनर्निवेशित कमाई के रूप में होने वाले भुगतानों का कुल आय भुगतानों में लगभग एक तिहाई योगदान रहा, वहीं शेष हिस्से में बाह्य वाणिज्यिक उधारियों (ईसीबी) की कर्ज अदायगी एवं अनिवासी जमाराशियों तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के स्टॉकों के संबंध में लाभांश भुगतानों और विदेशी संविभाग निवेश (एफपीआई) का योगदान रहा (चार्ट 8)। प्राथमिक आय लेखा से अपेक्षाकृत अधिक बहिर्वाह का होना 2018-19 की पहली छमाही में कॉर्पोरेट क्षेत्र द्वारा अच्छी कमाई की रिपोर्ट किए जाने के अनुरूप है। ईसीबी के बड़े हिस्से के परिवर्तनशील दर के आधार पर लिए जाने के कारण इस अवधि के दौरान लिबोर (एलआईबीओआर) में तीव्र वृद्धि होने से ईसीबी पर अदा किए जाने वाली लागत में वृद्धि हुई होगी।

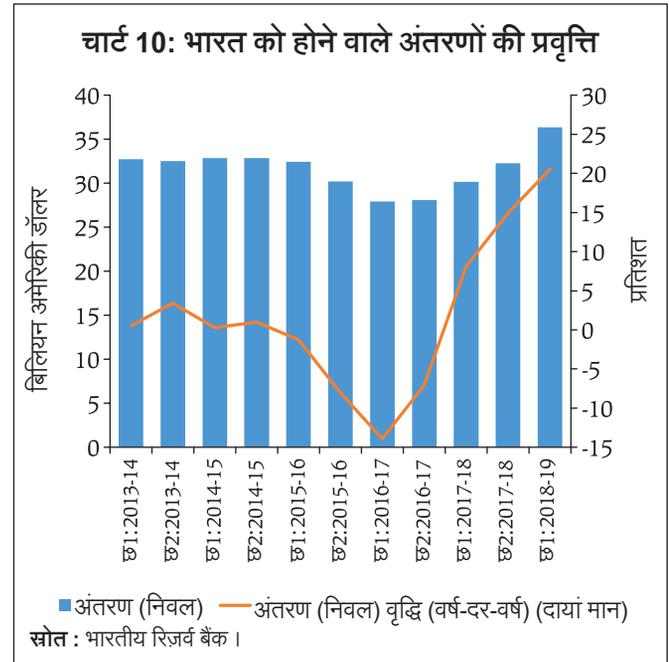
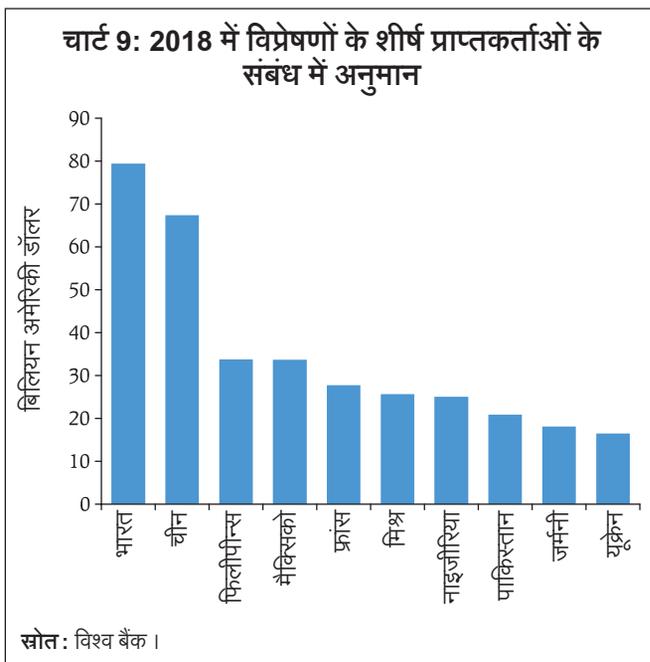
### II.4 द्वितीयक आय

द्वितीयक आय लेखा निवासियों और अनिवासियों के बीच चालू अंतरणों को दर्शाते हैं, जिससे अर्थव्यवस्थाओं के बीच आय वितरण की प्रक्रिया और उपयोग हेतु उपलब्ध उनकी सकल राष्ट्रीय आय का पता चलता है। भारत के मामले में, द्वितीयक आय मुख्यतः विदेशों में रहने वाले भारतीयों से होने वाले व्यक्तिशः



अंतरणों (विप्रेषणों) के रूप में प्राप्त हुई। विश्व बैंक (2018) के अनुसार 2018 में भारत विप्रेषण-प्राप्तकर्ता देशों के शीर्ष पर था, इसके बाद चीन, फिलीपीन्स, मेक्सिको, फ्रांस और मिस्र का स्थान रहा (चार्ट 9)।

2018-19 की पहली छमाही के दौरान, द्वितीयक आय में 20 प्रतिशत की मजबूती देखी गई (36.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर) (चार्ट 10)। भारत को प्राप्त कुल विप्रेषणों में से लगभग 82 प्रतिशत की प्राप्ति सात देशों, नामतः यूएई, अमेरिका, सउदी अरब, कतर,



कुवैत, यूके और ओमान से हुई (जैन एवं अन्य, 2018)। विशेषरूप से, दो तिहाई भारतीय प्रवासी गल्फ देशों में हैं और इसलिए इन देशों में, मुख्यतः कच्चे तेल के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों द्वारा निर्धारित होने वाले गतिविधियों के स्तर, का विप्रेषणों के स्तर को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है (भा.रि. बैंक 2016)। ऐसा प्रतीत होता है कि कच्चे तेल मूल्यों में तीव्र वृद्धि होने और भारतीय रुपया (आईएनआर) के अवमूल्यन का 2018-19 की पहली छमाही में भारत में विप्रेषणों के प्रवाह पर अच्छा असर पड़ा। इसी तरह से, भारत में विप्रेषण भेजने की औसत लागत में भी हाल के वर्षों में कमी आई है, हालांकि यह 2030 तक 3 प्रतिशत के वहनीय विकास लक्ष्य (एसडीजी) लक्ष्य की तुलना में अधिक स्तर पर बनी हुई है।

पण्य कारोबार घाटा के बढ़ने और प्राथमिक आय के निवल बहिर्वाह के कारण 2018-19 की पहली छमाही में सीएडी में तेजी से वृद्धि हुई, हालांकि विदेशों में रहने वाले भारतीयों से प्राप्त होने वाली सेवाओं के निवल निर्यात और अंतरण प्राप्तियों में वृद्धि होने से इसमें थोड़ी कमी आई और 2013-14 की पहली छमाही के बाद पहली बार सीएडी वहनीय स्तर के थोड़े पार चला गया।

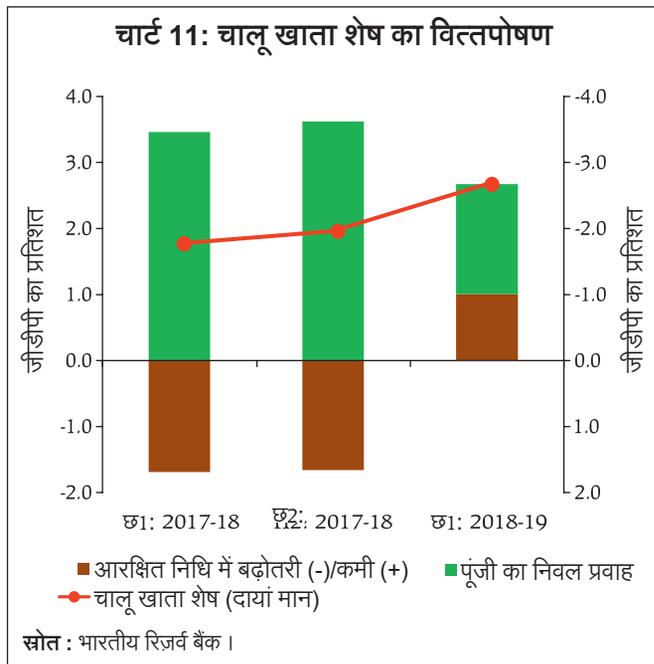
### III. वित्तीय प्रवाह

चालू खाता घाटा का वित्तपोषण भुगतान संतुलन खाता की 'पूंजी' और 'वित्तीय' मदों के संबंधित अतिरेक से किया गया, जिसके अंतर्गत निवासियों और अनिवासियों के बीच गैर-वित्तीय

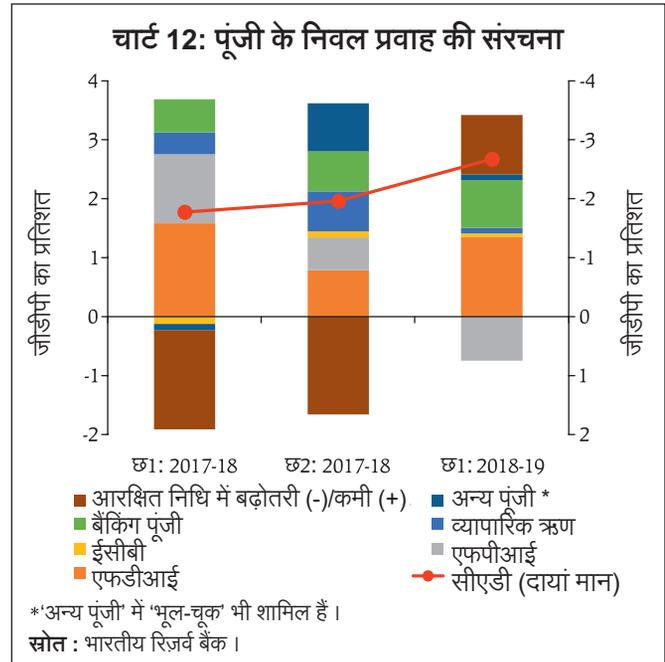
एवं वित्तीय - दोनों तरह की आस्तियों के अंतरण शामिल हैं। वर्ष 2018-19 की पहली छमाही में उनके एक वर्ष पूर्व के स्तर के सापेक्ष एफपीआई से वापसी होने और एफडीआई के निवल प्रवाह धीमा होने के कारण पूंजी और वित्तीय निवल प्रवाह से सीएडी के सिर्फ 62.0 प्रतिशत हिस्से का ही वित्तपोषण हो पाया। तदनुसार, सीएडी का आंशिक रूप से वित्तपोषण विदेशी मुद्रा आरक्षित निधि से आहरण के माध्यम से किया गया (चार्ट 11 एवं 12)।

2018-19 की पहली छमाही में पूंजी खाता, जिसमें गैर-निर्मित गैर वित्तीय आस्तियों<sup>2</sup> एवं अन्य पूंजीगत प्राप्ति को शामिल किया जाता है, से निवल आधार पर 3.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर का मामूली बहिर्वाह हुआ, जबकि 2017-18 की समरूप अवधि में 19.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर का बहिर्वाह हुआ था।

बीओपी के वित्तीय लेखों में परिवर्तन हुए, जिसके तहत निवासियों और अनिवासियों के बीच घटित वित्तीय आस्तियों एवं देयताओं को शामिल किया जाता है। समीक्षाधीन अवधि में प्रमुख कार्यशील श्रेणियों के तहत हुए प्रवाहों में संरचना की दृष्टि से महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए।



<sup>2</sup> गैर-निर्मित, गैर-वित्तीय आस्तियां वे आस्तियां हैं जो जिनका निर्माण उत्पादन बाउंड्री के भीतर नहीं हुआ है, और उनका उपयोग वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन में किया जा सकता है (उदा. प्राकृतिक संसाधन, करार, पट्टे एवं अनुज्ञप्तियां; और विपणन संबंधी आस्तियां तथा सदेच्छा)।

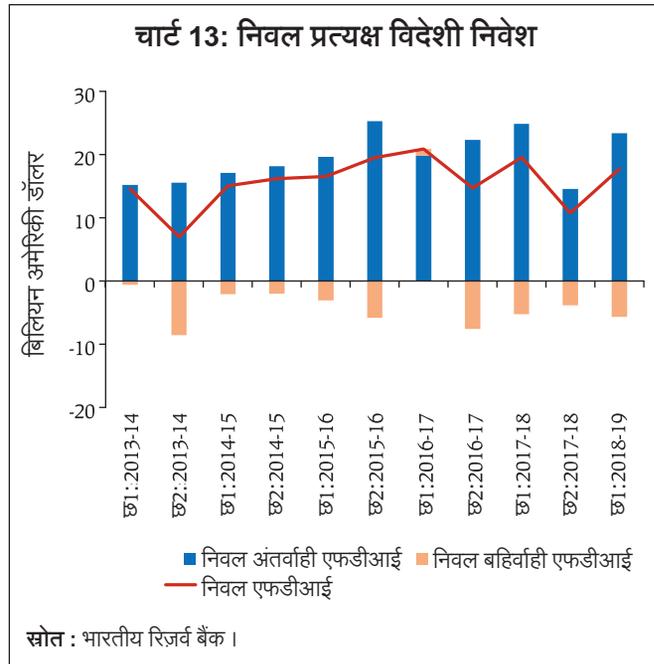


### III.1 प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई)

प्रत्यक्ष निवेश सीमा-पार के प्रवाहों की उस श्रेणी को कहा जाता है जिसमें किसी अर्थव्यवस्था के निवासी का किसी दूसरी अर्थव्यवस्था में निवास वाली कंपनी के प्रबंधन में नियंत्रण होता है। संविभाग निवेश के सापेक्ष एफडीआई को ईएमई में विदेशी वित्तपोषण का अधिक स्थिर स्रोत माना जाता है। पिछले तीन दशकों के दौरान भारत के निवेश माहौल में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। सिर्फ पिछले दो वर्षों को देखा जाए तो विश्व बैंक द्वारा जारी वार्षिक “कारोबार करने की सहूलियत से संबंधित सूचकांक” में भारत के श्रेणी क्रम में 53 स्थानों का सुधार हुआ है। वर्तमान में 190 देशों<sup>3</sup> की सूची में भारत का क्रम 77वां है। कारोबार करने की सहूलियत के लिहाज से विभिन्न मानदंडों में सुधार (उदा. – कारोबार की शुरुआत करना, संरचना संबंधी अनुमति से संबंधित मामले, बिजली की उपलब्धता, कर अदायगी और सीमा-पार व्यापार करना) उन हितधारकों के लिए अच्छा रहा है जिनकी भारतीय अर्थव्यवस्था में रुचि लंबे समय से रही है। वर्ष 2017 में देश भर में निवेश की ग्रीनफील्ड परियोजनाओं के अनुमोदनों के आधार पर एफडीआई आसूचना (2018) की हालिया रिपोर्ट में भारत को अमेरिका बाद दूसरे स्थान पर रखा गया है।

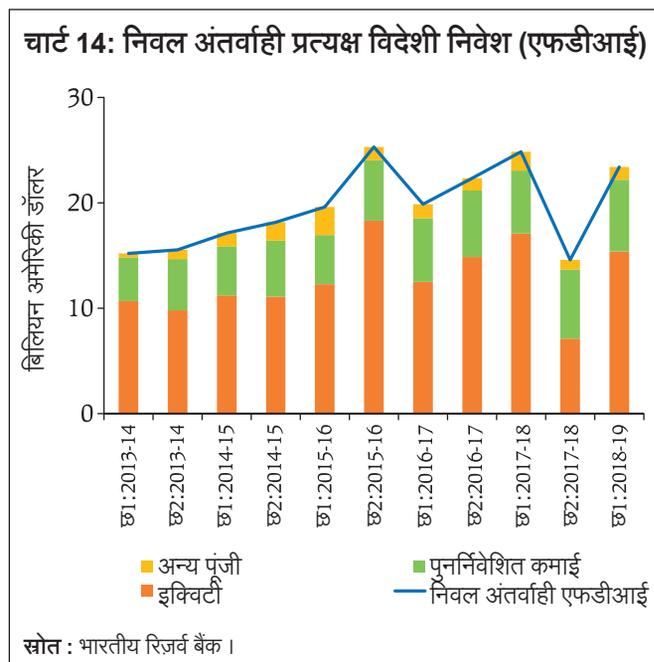
निवल एफडीआई 2018-19 की पहली छमाही में घटकर 17.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया, जो 2017-18 की पहली छमाही में 19.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। इस गिरावट में

<sup>3</sup> 1 मई, 2018 तक ।



निवल अंतर्वाही एफडीआई और निवल बहिर्वाही एफडीआई -दोनों का योगदान रहा (चार्ट 13)। एफडीआई के निवल प्रवाह में 10 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष गिरावट आई (चार्ट 14)। इस अवधि के दौरान, संचार सेवाओं में एफडीआई एक वर्ष पहले के स्तर की तुलना में आधा रह गया, जिसकी आंशिक भरपाई विनिर्माण एवं वित्तीय सेवाओं में होने वाले प्रवाह में हुई वृद्धि ने की।

तुलना से पता चलता है कि एफडीआई के मामले में भारत का प्रदर्शन वैश्विक प्रवृत्ति से बेहतर रहा है, जिस पर



वैश्विक आर्थिक और नीतिगत माहौल का विपरीत प्रभाव पड़ा (बॉक्स I)।

देश-वार पैटर्न से पता चलता है कि अप्रैल 2000 से एफडीआई का लगभग आधा प्रवाह मॉरिशस और सिंगापुर के माध्यम से हुआ, जिन्होंने दोहरे कर परिवर्जन समझौता (डीटीए) के तहत भारत के साथ क्रमशः 1982 एवं 1994 में हस्ताक्षर किया है। डीटीए इन देशों की निवासी संस्थाओं को भारतीय प्रतिभूतियों के अंतरण में पूंजी अर्जन कर से छूट प्रदान करता है। शेयरों पर पूंजी अर्जन के स्रोत आधारित करारोपड़, निधियों की फेरी (राउंड ट्रिपिंग) को रोकने, राजस्व हानि को नियंत्रित करने और दोहरे गैर-करारोपण<sup>4</sup> की रोकथाम के उद्देश्य से वर्ष 2016 में इन समझौतों में संशोधन किया गया।

देश-वार देखा जाए तो 2018-19 की पहली छमाही में सिंगापुर और मॉरिशस शीर्ष स्रोत वाले देश बने रहे। महत्वपूर्ण बात यह है कि मॉरिशस के माध्यम से होने वाले एफडीआई इक्विटी प्रवाह में तीव्र गिरावट आई, जो संशोधित डीटीए के प्रभाव को दर्शाता है। भारत और सिंगापुर के बीच दिसंबर 2016 में हुए संशोधित डीटीए के बावजूद बाद वाला (अर्थात सिंगापुर) भारत में एफडीआई का शीर्ष निवेशक बना रहा (सारणी 1)।

**सारणी 1: भारत में होने वाले देश-वार एफडीआई इक्विटी प्रवाह (भा.रि. बैंक एवं सरकार के मारफत)**

देश	छ1:2018-19		छ1:2017-18	
	राशि (बिलियन अमेरिकी डॉलर)	हिस्सा (%)	राशि (बिलियन अमेरिकी डॉलर)	हिस्सा (%)
सिंगापुर	8.0	40.0	4.5	20.3
मॉरिशस	3.0	15.2	9.8	44.4
जापान	1.8	8.9	0.7	3.1
नीदरलैंड्स	1.5	7.7	1.9	8.6
अमेरिका	0.8	4.2	1.3	5.8
यूके	0.8	4.1	0.3	1.2
दक्षिण कोरिया	0.6	2.8	0.1	0.4
हांगकांग	0.5	2.7	0.4	2.0
जर्मनी	0.5	2.5	0.9	4.1
कनाडा	0.4	2.0	0.2	0.8
अन्य	2.0	9.8	2.0	9.3
<b>कुल</b>	<b>20.1</b>		<b>22.0</b>	

स्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक ।

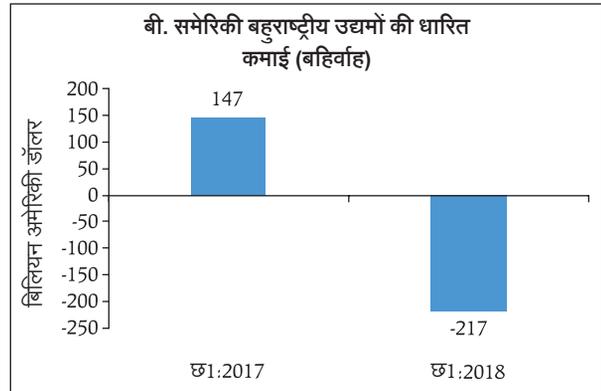
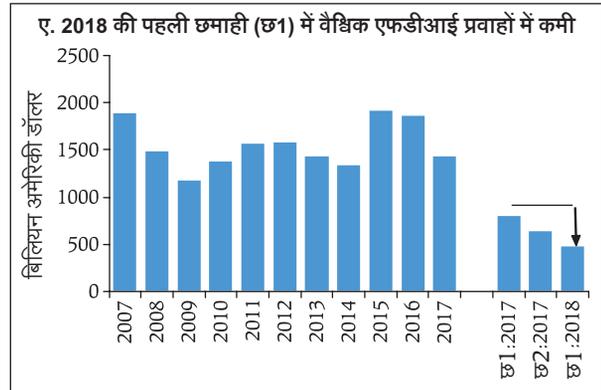
<sup>4</sup> इस प्रोटोकॉल के साथ, वित्तीय वर्ष 2017-18 से भारत में निवासी किसी कंपनी में 01 अप्रैल 2017 या उसके बाद अर्जित किए गए शेयरों के हस्तांतरण से होने वाले पूंजी अर्जन पर भारत को करारोपड़ का अधिकार प्राप्त होता है, जबकि इसके साथ ही 01 अप्रैल 2017 से पहले अर्जित शेयरों में किए जाने वाले निवेशों को इससे संरक्षण भी प्रदान किया गया है। इसके अलावा, 01 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2019 के बीच लेन-देन अवधि के दौरान होने वाले इस तरह के पूंजी अर्जन के संबंध में कर दर भारत की घरेलू कर दर की 50 प्रतिशत होगी, जो लाभ को सीमित करने संबंधी धारा (लिमिटेड ऑफ बनेफिट आर्टिकल) की शर्तों को पूरा किए जाने के अधीन होगी। भारत में पूर्ण घरेलू कर दर वित्तीय वर्ष 2019-20 से आगे लगाई जाएगी (भारत सरकार, 10 मई 2016)।

### बॉक्स I – वैश्विक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में मंदी

वैश्विक स्तर पर, 2016 से एफडीआई का प्रवाह कम हो गया है। एफडीआई के प्रवाह में ईएमई की तुलना में उन्नत अर्थव्यवस्थाओं पर अधिक असर हुआ है। निवेश प्रतिफल की दर में आमतौर पर गिरावट आई है, किंतु वैश्विक एफडीआई में कमी का निर्धारण वैश्विक मूल्य शृंखला (जीवीसी) की वृद्धि ठहर जाने से भी हुआ। वस्तुतः, जीवीसी की प्रतिभांगिता वृद्धि, जिसका एफडीआई प्रवाह से बहुत घनिष्ठ सह-संबंध है, में उन्नत और ईएमई -दोनों अर्थव्यवस्थाओं में कमी आई है।

संयुक्त राष्ट्र के व्यापार एवं विकास से संबंधित सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) के अनुमानों के अनुसार 2018 की पहली छमाही में वैश्विक उत्पादन की गति तेज होने के बावजूद वैश्विक एफडीआई प्रवाह में 41 प्रतिशत की गिरावट आई (चार्ट ए)। इस गिरावट का कारण, अन्य बातों के साथ, अमेरिका आधारित पैतृक कंपनियों के उनकी विदेश स्थित सहयोगी कंपनियों में धारित कमाई को बहुत अधिक मात्रा में वापस लेना था (चार्ट बी)। वर्ष 2017 की समाप्ति पर, अमेरिकी सुधार पैकेज को लागू करने के बाद यह वापसी स्पष्ट रूप से देखी गई। इस पैकेज के तहत बहुराष्ट्रीय कंपनियों को विदेशों में अर्जित लाभ की वापसी किए जाने पर 35 प्रतिशत के स्थान पर एकबारगी 15.5 प्रतिशत की विशेष दर सुविधा प्रदान की गई और साथ ही फेडरल कॉरपोरेट आयकर दर की 35 प्रतिशत की दर में कटौती करते हुए यह 21 प्रतिशत कर दी गई ( फाइनेंशियल टाइम्स, 2018)। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार संबंधों में बढ़ती अनिश्चितता, हाल के वर्षों में पण्य मूल्यों में आई कमी और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में निवेश की सख्ती से जांच किया जाना वैश्विक एफडीआई प्रवाह की गिरावट में योगदान करने वाले अन्य महत्वपूर्ण कारक थे।

#### चार्ट 1: एफडीआई का वैश्विक प्रवाह



स्रोत : यूएनसीटीएडी

#### संदर्भ

फाइनेंशियल टाइम्स, यूएस टैक्स कट सैंड टु हैव लिटिल इम्पैक्ट ऑन इन्वेस्टमेंट, 29 अक्टूबर 2019.

यूएनसीटीएडी (2018), वर्ल्ड इन्वेस्टमेंट ट्रेंड्स मॉनिटर, अक्टूबर 2018.

भारत के बहिर्नोन्मुख एफडीआई में भी 2004 से, भारत से विदेशों में होने वाले निवेश के अनुरूप विस्तार हुआ है। वर्ष 2018-19 की पहली छमाही में हाने वाला निवल बहिर्वाही एफडीआई भारतीय संस्थाओं द्वारा विदेशी इक्विटी में होने वाले निवेश में तीव्र वृद्धि के कारण हुआ। एफडीआई में हुए कुल बहिर्वाही एफडीआई का आधा भाग अमेरिका, सिंगापुर और नीदरलैंड्स को प्राप्त हुआ (सारणी 2)। भारतीय संस्थाओं ने व्यापक रूप से इन क्षेत्रों में निवेश किया, नामतः - वित्तीय, बीमा, बैंकिंग, विनिर्माण, कृषि, खनन एवं थोक व्यापार। कुल बहिर्वाही एफडीआई में इन क्षेत्रों का योगदान 90 प्रतिशत रहा।

#### सारणी 2: देश-वार बहिर्वाही एफडीआई

देश	छ1:2018-19		छ1:2017-18	
	राशि (बिलियन अमेरिकी डॉलर)	हिस्सा (%)	राशि (बिलियन अमेरिकी डॉलर)	हिस्सा (%)
अमेरिका	1.4	25.1	0.8	13.8
सिंगापुर	0.8	14.4	1.8	32.5
नीदरलैंड्स	0.5	9.5	0.4	7.6
यूएई	0.5	9.0	0.2	2.9
कैमन आइलैंड	0.4	7.6	0.0	0.0
यूके	0.3	6.2	0.5	8.3
स्विटजरलैंड	0.3	5.0	0.2	2.9
रूस	0.3	4.6	0.3	4.5
मॉरिशस	0.2	3.0	0.7	12.3
श्रीलंका	0.1	1.0	0.0	0.5
जर्मनी	0.04	0.8	0.02	0.4
अन्य	0.001	0.014	0.001	0.014
<b>कुल</b>	<b>5.5</b>		<b>5.6</b>	

टिप्पणी : आंकड़ों में इक्विटी, ऋण एवं उपयोग की गई गारंटी।

स्रोत : भारतीय रिजर्व बैंक।

### III.2 विदेशी पोर्टफोलियो निवेश

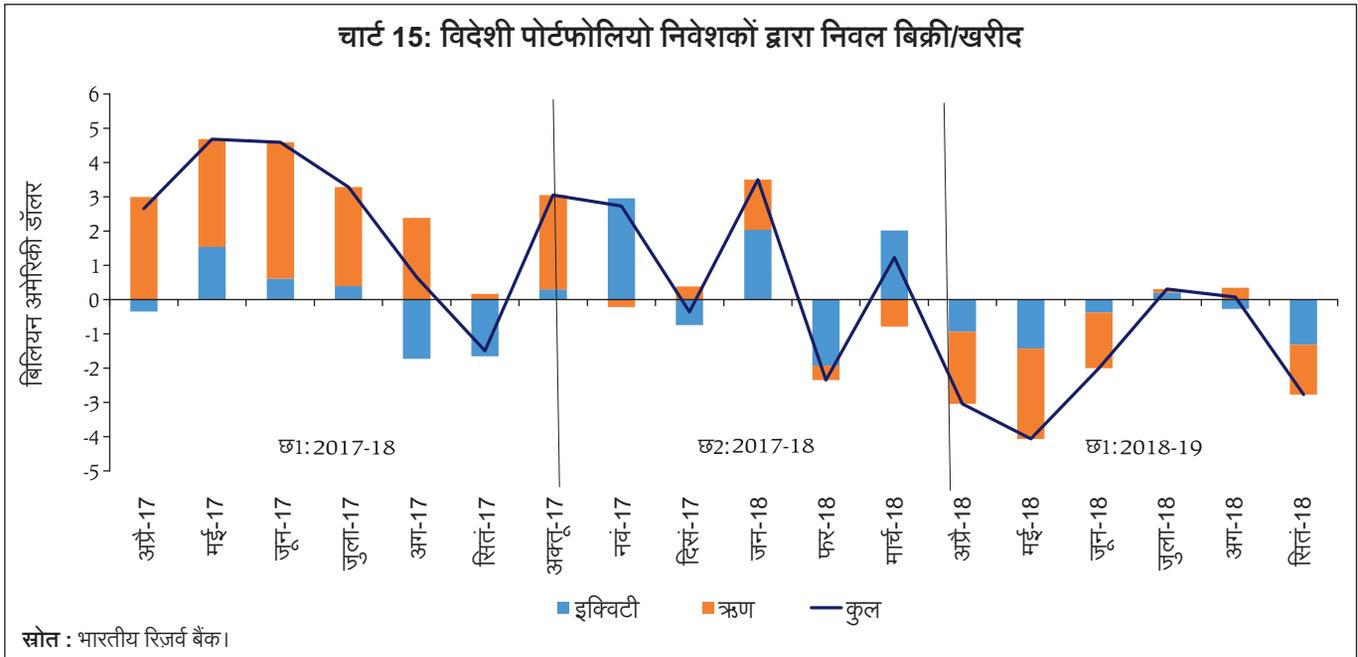
बीओपी में, पोर्टफोलियो निवेश की परिभाषा इस प्रकार की गई है – ऐसे सीमा पार के लेनदेन एवं पोजिशन्स जिसमें प्रत्यक्ष निवेश या आरक्षित आस्तियों में शामिल प्रतिभूतियों को छोड़कर अन्य डेट या इक्विटी प्रतिभूतियां आती हैं। चूंकि पोर्टफोलियो प्रवाहों को वैश्विक वित्तीय स्थितियों एवं घरेलू अर्थव्यवस्था को सदमा पहुंचने के प्रति संवेदनशील माना जाता है, इसलिए उन्हें अन्य प्रकार के पूंजी प्रवाहों की अपेक्षा अधिक अस्थिर माना जाता है (पग्लियारी एवं हन्नन, 2017)। ऐसा 2018 में पूरे ईएमई में देखने को मिला।

2017-18 में भारत में अत्यधिक निवल विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) प्रवाह हुआ जो 2018-19 की पहली छमाही में उलट गया। समीक्षाधीन अवधि के दौरान की गई घोषणा के अनुसार एफपीआई के विभिन्न मानदंडों में उदारता बरतने के बावजूद बहिर्वाह हुआ, जैसे (i) केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों (जी-सेक) में एफपीआई निवेश की सीमा को 0.5 प्रतिशत बढ़ाकर 2018-19 में प्रतिभूतियों के बकाया स्टॉक का 5.5 प्रतिशत कर देना, (ii) केंद्र (ट्रेजरी बिलों सहित) और राज्य सरकारों की डेट प्रतिभूतियों में निवेश करने वाले एफपीआई निवेशकों के लिए न्यूनतम अवशिष्ट परिपक्वता आवश्यकता मानदंड में उदारता बरतना एवं (iii) किसी जी-सेक में कुल एफपीआई निवेश की सीमा को 20 प्रतिशत से बढ़ाकर उस प्रतिभूति के बकाया स्टॉक का 30 प्रतिशत कर देना। तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उतार-चढ़ाव के बारे में बढ़ती चिंताओं, वैश्विक स्तर पर व्यापार में तनाव बढ़ने,

संयुक्त राज्य की मौद्रिक नीति में सख्ती, संयुक्त राज्य के डॉलर की मजबूती एवं भू-राजनीतिक मामलों की वजह से पोर्टफोलियो का वैश्विक स्तर पर पुनर्संतुलन किया गया, जिसमें भारत के साथ-साथ ईएमई को बाहर रखा गया। अन्य घरेलू नीतिगत परिवर्तनों के बीच, जैसे, 2017-18 में एफपीआई द्वारा पार्टिसिपेटरी नोट्स जारी करने के संबंध में बने मानदंडों में सख्ती बरतने एवं 2018-19 में इक्विटी पर दीर्घ-कालिक पूंजी लाभ कर को पुनः लागू करने की वजह से पोर्टफोलियो निवेशकों के उत्साह को खराब भी आया होगा क्योंकि ये परिवर्तन प्रतिलाभ को धीरे-धीरे कम आकर्षक बनाते हैं।

एफपीआई घरेलू पूंजी बाजारों के डेट और इक्विटी दोनों वर्गों में निवल विक्रेता थे, परंतु जुलाई-अगस्त 2018 के दौरान वे अस्थायी रूप से निवल क्रेता बने। 2018-19 की पहली छमाही में, निवल आधार पर, एफपीआई ने एक वर्ष पहले के 14.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर की निवल खरीद के विरुद्ध 11.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर की बिक्री की (चार्ट 15)। क्षेत्र-वार, 45.4 प्रतिशत के योगदान के साथ सरकारी क्षेत्र (अर्थात्, जी-सेक) का एफपीआई बहिर्वाह अधिकतम था और तत्पश्चात् क्रमशः बैंकिंग क्षेत्र (11.8 प्रतिशत), अन्य वित्तीय सेवाएं (15.2 प्रतिशत), ऑटोमोबाइल एवं ऑटो कॉम्पोनेन्ट्स क्षेत्र (14.1 प्रतिशत) एवं धातु तथा खनन क्षेत्र (6.1 प्रतिशत) का योगदान अधिक था। सितंबर 2018 के अंत में, सरकारी ऋण एवं कॉर्पोरेट बांड बाजार में क्रमशः 62.1 प्रतिशत (अर्थात्, केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में 71.6 प्रतिशत एवं राज्य विकास ऋणों (एसडीएल) में 6.4 प्रतिशत) तथा 75.5 प्रतिशत तक की एफपीआई सीमाओं का उपयोग किया गया। एफपीआई स्टॉक का एक बड़ा हिस्सा

चार्ट 15: विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा निवल बिक्री/खरीद



संयुक्त राज्य, मॉरिशस, लक्समबर्ग, सिंगापुर एवं यूके में कार्यरत पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा धारण किया गया था।

### III.3 अन्य निवेश

बीओपी में अन्य निवेश में मुख्यतः ईसीबी, व्यापार ऋण एवं बैंकिंग क्षेत्र की आस्तियों और देयताओं में परिवर्तन से संबंधित प्रवाह शामिल हैं।

#### बाह्य वाणिज्यिक उधारियां

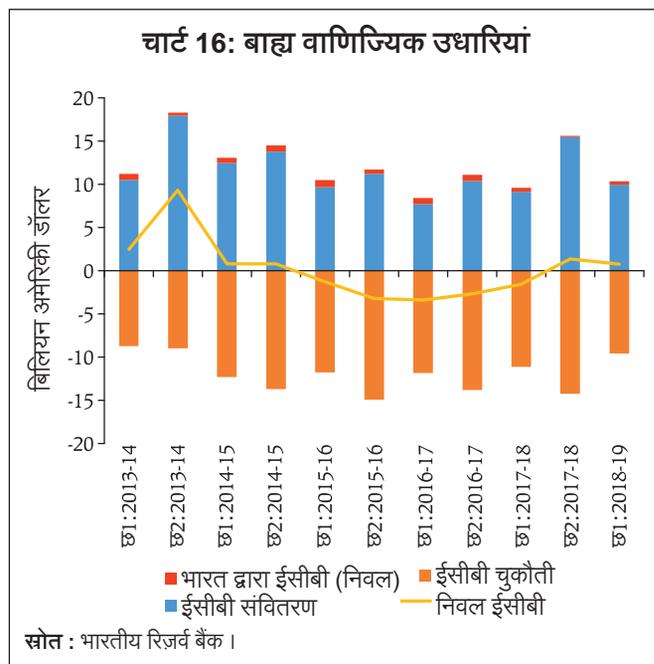
ईसीबी वे वाणिज्यिक ऋण हैं जो योग्य निवासी संस्थाओं द्वारा मान्यताप्राप्त अनिवासी संस्थाओं से उठाये जाते हैं। इन ऋणों को प्राप्त करने के लिए न्यूनतम परिपक्वता, अनुमति/ गैर-अनुमति प्राप्त अंतिम उपयोग एवं अधिकतम समग्र लागत सीमा जैसे मापदंडों पर बने दिशानिर्देशों का अनुपालन करना होता है। वर्ष 2018-19 की पहली छमाही में ईसीबी को उदार बनाने के लिए विभिन्न उपाय किए गए जिसमें शामिल हैं (i) सभी ट्रेक्स एवं रुपया मूल्यवर्गीकृत बांड्स के अंतर्गत समग्र लागत को तर्कसंगत बनाना, (ii) स्वचालित मार्ग के अंतर्गत प्रत्यक्ष विदेशी इक्विटी धारक से उधार लेने के लिए इक्विटी की तुलना में ईसीबी देयता के अनुपात में वृद्धि करना, (iii) योग्य उधरकर्ताओं की सूची में विस्तार तथा (iv) अंतिम-उपयोग मानदंडों को तर्कसंगत बनाना

निवल ईसीबी (संबद्ध उद्यमों द्वारा अंतर-कॉर्पोरेट ऋणों को छोड़कर) 2015-16 से 2017-18 की पहली छमाही के दौरान ऋणात्मक थे क्योंकि मूल धन की चुकौती नए उधार से अधिक हो चुकी थी। तथापि, वे 2017-18 की दूसरी छमाही में धनात्मक

हो गए थे और 2018-19 की पहली छमाही में 0.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवल अंतर्वाह पाया गया (चार्ट 16)। 2018-19 की पहली छमाही में ईसीबी करार के क्षेत्रगत वितरण दर्शाते हैं कि ईसीबी मुख्य रूप से वित्तीय सेवाओं, दूरसंचार सेवाओं, पेट्रोलियम एवं ऑटो एक्ससरीस क्षेत्रों में आनेवाले संस्थाओं द्वारा उठाए गए थे। इतना ही नहीं, ईसीबी मुख्यतः पूर्व के ऋणों के पुनर्वित्तीयन, पूंजीगत वस्तुओं के आयात, आगे उधार देने एवं स्थानीय पूंजीगत वस्तुओं पर रुपये में व्यय करने के प्रयोजन से उठाए गए थे। अनुमोदनों के स्वरूप बताते हैं कि इस अवधि के दौरान 83 प्रतिशत ईसीबी<sup>5</sup> अस्थिर ब्याज दर आधार पर उठाए गए थे। फिर भी, ईसीबी के अंतर्गत सितंबर 2015 से अनुमत रुपया मूल्यवर्गीकृत बांड के प्रवाह उनके एक वर्ष पूर्व के स्तर की तुलना में 2018-19 की पहली छमाही में करीब-करीब नगण्य थे।

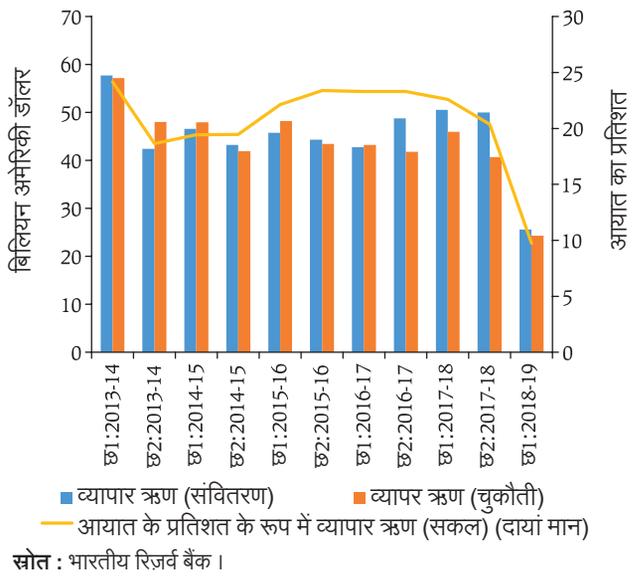
#### व्यापार ऋण

विदेशी आपूर्तिकर्ताओं, बैंकों और वित्तीय संस्थाओं द्वारा पाँच वर्षों तक की परिपक्वता वाले आयातों के लिए प्रत्यक्ष रूप से व्यापार ऋण प्रदान किए जाते हैं। वित्त के स्रोत के आधार पर, इस प्रकार के व्यापार ऋणों को आपूर्तिकर्ता ऋणों या क्रेता ऋणों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। 2018-19 की पहली छमाही में व्यापार ऋण प्रवाहों में एक वर्ष पहले के उसके स्तर की तुलना में लगभग आधे से ज्यादा गिरावट आई। आरबीआई ने मार्च 2018 से वचन पत्र/ चुकौती आश्वासन पत्र (एलओयू/ एलओसी) जारी करने की प्रथा को समाप्त कर दिया है जिसका अब तक एडी श्रेणी-1 बैंकों की मध्यस्थता में भारत में आयात हेतु क्रेता ऋण की भारी मात्रा के पीछे हाथ रहा है। भले ही क्रेता ऋण में गिरावट को उच्चतर आपूर्तिकर्ता ऋण की मदद से अंशतः नियंत्रण में कर लिया गया था लेकिन उससे इस कमी की पूरी तरह से भरपाई नहीं की जा सकी। तदनुसार, आयात की तुलना में व्यापार ऋण का अनुपात भी 2017-18 की पहली छमाही के 22.6 प्रतिशत से 2018-19 की पहली छमाही में घट कर 9.7 प्रतिशत रह गया (चार्ट 17)। आयातकों ने व्यापार ऋण में कमियों को पूरा करने के लिए अपने-अपने बैंकों से रुपया संसाधन (अर्थात, कार्यशील पूंजी सीमाएं) आहरित किया हो सकता है। भले ही व्यापार ऋण की चुकौती में तेजी से गिरावट आई लेकिन निवल व्यापार ऋण एक वर्ष पूर्व के अपने स्तर से 2018-19 की पहली छमाही में



<sup>5</sup> विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांड (एफसीसीबी) एवं रुपया मूल्यवर्गीकृत बांड (आरडीबी) सहित।

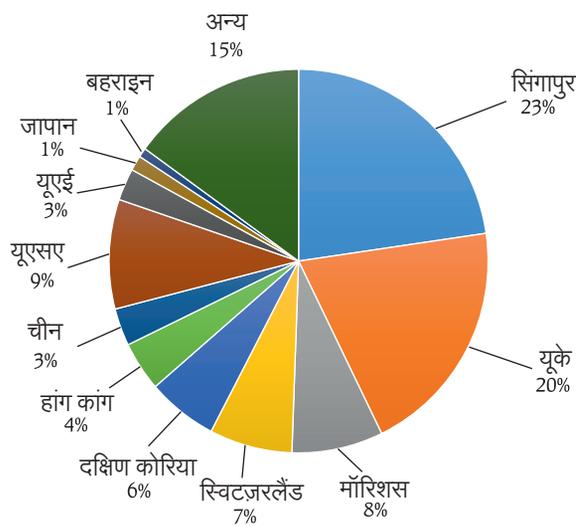
<sup>6</sup> एडी श्रेणी-1 बैंक: वे वाणिज्यिक बैंक, राज्य सहकारी बैंक एवं शहरी सहकारी बैंक जो आरबीआई द्वारा समय-समय पर जारी दिशानिर्देशों के अनुसार सभी चालू एवं पूंजी खाता लेनदेनों के संबंध में विदेशी मुद्रा में संव्यवहार करने के लिए अधिकृत हों।

**चार्ट 17: आयातकों द्वारा उठाए गए व्यापार ऋण**

71.6 प्रतिशत गिरा। 2018-19 की पहली छमाही में अनुमोदनों के आधार पर अनुमान लगाया गया है कि व्यापार ऋण के मुख्य स्रोत सिंगापुर, यूके, यूएसए एवं मॉरिशस हैं जिनका कुल निर्गमों में 60 प्रतिशत हिस्सा है (चार्ट 18)।

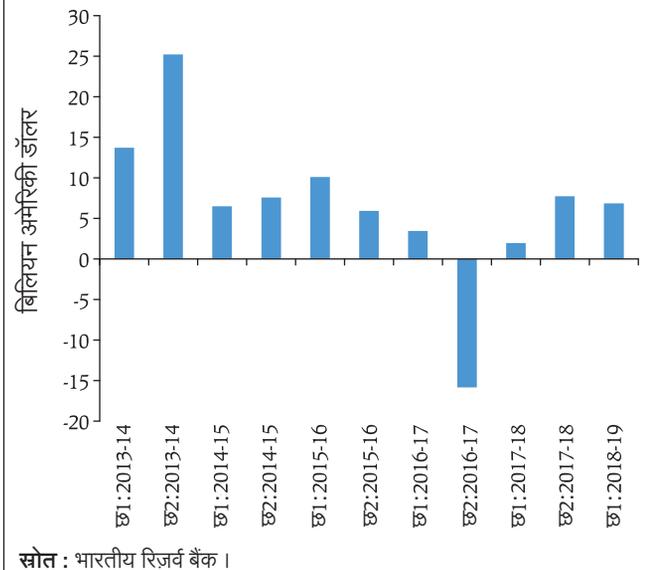
#### मुद्राएं एवं जमाराशियां

वित्तीय लेखा में, बैंकिंग पूंजी के तीन घटक होते हैं: (ए) वाणिज्यिक बैंकों की विदेशी आस्तियां, (बी) वाणिज्यिक बैंकों की

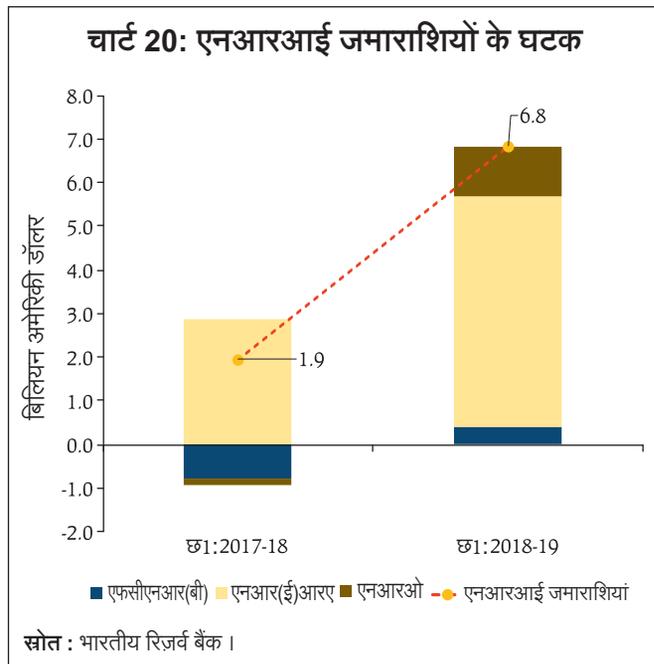
**चार्ट 18: 2018-19 की पहली छमाही में व्यापार ऋण के स्रोत**

विदेशी देयताएं, एवं (सी) अन्य।<sup>7</sup> अनिवासी जमाराशियों में भारी वृद्धि तथा भारत में वाणिज्यिक बैंकों द्वारा विदेश में धारित निवल वित्तीय आस्तियों में संचलन, बैंकिंग पूंजी के अंतर्गत होने वाले प्रवाहों के प्रमुख वाहक हैं। अनिवासी जमाराशियों का निवल प्रवाह एक वर्ष पूर्व के 1.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर से जबरदस्त रूप से बढ़कर 2018-19 की पहली छमाही में 6.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर पर पहुंचा, जिसे अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपया के मूल्य में हास एवं स्रोत देशों, विशेष रूप से खाड़ी क्षेत्रों में बेहतर आय स्थितियों से लाभ मिला (चार्ट 19)। अनिवासी जमा खातों के अंतर्गत प्रवाह मुख्यतः यूएई, यूएसए, यूके और साउदी अरब से हुए थे।

योजना-वार, समीक्षाधीन अवधि के दौरान अनिवासियों द्वारा जमा की गई कुल राशियों में रुपया मूल्यवर्गीकृत खातों अर्थात्, अनिवासी (बाह्य) रुपया खाता (एनआरई) एवं अनिवासी सामान्य खाता (एनआरओ) के अंतर्गत जमा राशियों का योगदान क्रमशः 77 प्रतिशत एवं 17 प्रतिशत था (चार्ट 20)। सितंबर 2018 के अंत में, 82 प्रतिशत कुल बकाया अनिवासी जमाराशियां रुपया

**चार्ट 19: अनिवासी जमाराशियां (निवल)**

<sup>7</sup> बैंकिंग पूंजी के अंतर्गत 'अन्य' में आरबीआई के जमा लेखा विभाग (डीएडी) के पास विदेशी केंद्रीय बैंकों एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, जैसे, अंतरराष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (आईबीआरडी), अंतरराष्ट्रीय विकास संघ (आईडीए), एशियाई विकास बैंक (एडीबी), अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी), अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास निधि (आईएफएडी) आदि, की राशि में संचलन के साथ-साथ लंदन एवं टोकियो में भारत के दूतावासों द्वारा विदेश में धारित राशि में संचलन शामिल हैं।



मूल्यवर्गीकृत थीं और शेष अनुमत परिवर्तनीय मुद्राओं में अर्थात्, अमेरिकी डॉलर, यूके पाउंड, जापानी येन, कनाडा डॉलर एवं ऑस्ट्रेलियाई डॉलर।

### III.4 आरक्षित (रिज़र्व) आस्तियां

आरक्षित आस्तियां भुगतान संतुलन संबंधी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने, विनिमय बाजारों में मध्यक्षेप एवं अन्य संबंधित प्रयोजनों (जैसे मुद्रा पर विश्वास को बनाए रखना,

### सारणी 3: भारत के विदेशी मुद्रा रिज़र्व का संघटन

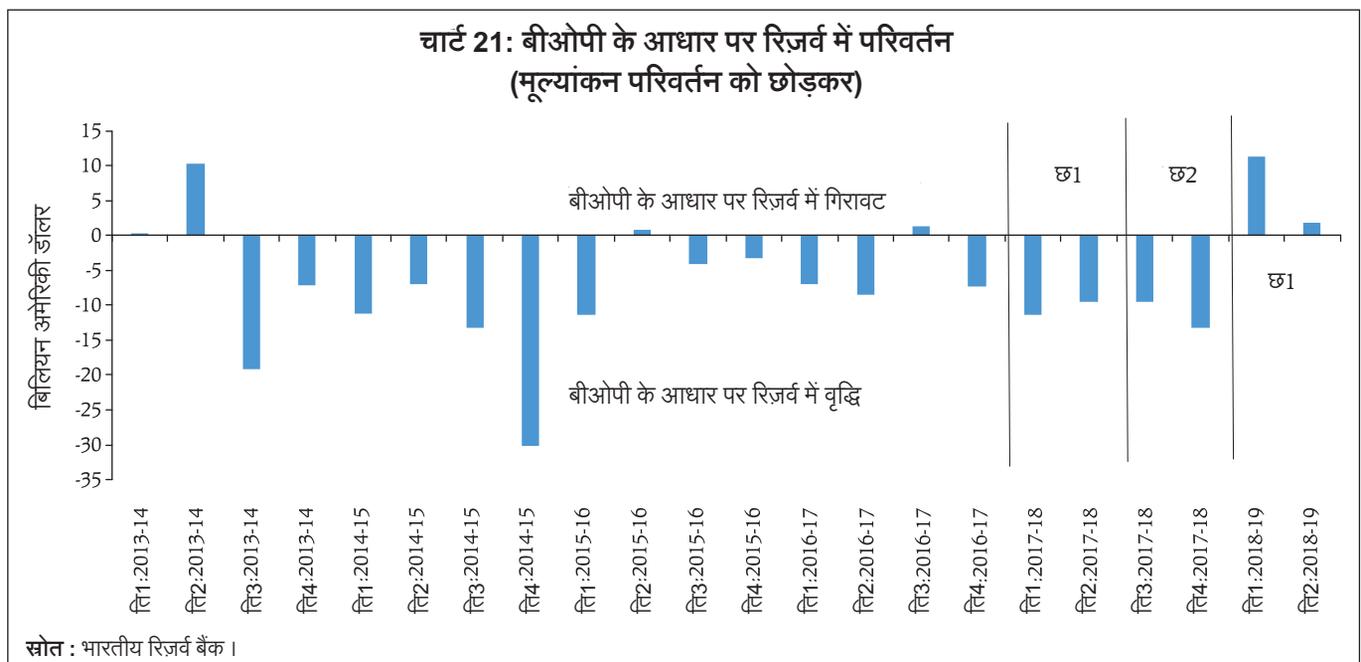
(बिलियन अमेरिक डॉलर)

के अंत में	एफसीए	सोना	एसडीआर	आरटीपी	कुल
2013-14	276.4	21.6	4.5	1.8	304.2
2014-15	317.3	19.0	4.0	1.3	341.6
2015-16	336.1	20.1	1.5	2.5	360.2
2016-17	346.3	19.9	1.4	2.3	370.0
2017-18	399.4	21.5	1.5	2.1	424.5
सितं. 2018 के अंत में	376.2	20.3	1.5	2.5	400.5

स्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक ।

जो विदेश से उधार लेने के लिए एक आधार के रूप में काम करता है) के लिए सहज रूप से उपलब्ध होते हैं। भारत में, आरक्षितियों में शामिल हैं - विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए), सोना, आईएमएफ में रिज़र्व ट्रान्च पोजिशन (आरटीपी) एवं विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) (सारणी 3)।

2018-19 की पहली छमाही में निवल पूंजी प्रवाह भारत के सीएडी का पूरी तरह से वित्तपोषण नहीं कर सके और इस वजह से विदेशी मुद्रा रिज़र्व में बीओपी आधार पर 13.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर की कमी आई (अर्थात्, मूल्यांकन प्रभाव को छोड़कर) (चार्ट 21)। सांकेतिक संदर्भ में अप्रैल-सितंबर 2018 के दौरान विदेशी मुद्रा रिज़र्व में गत वर्ष की इसी अवधि के 30.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि की तुलना में 24.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर की गिरावट आई। मूल्यांकन हानि मुख्य रूप से प्रमुख मुद्राओं



की तुलना में अमेरिकी डॉलर के मूल्य में वृद्धि की वजह से हुई, जो गत वर्ष के 9.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर के अभिलाभ की तुलना में 2018-19 की पहली छमाही में 10.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गई थी।

#### IV. बाह्य कर्ज एवं अंतरराष्ट्रीय देयताओं में संचलन

बाह्य कर्ज एवं निवल अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति (एनआईआईपी) में संचलनों से सीएडी के वित्तपोषण एवं उसके संघटक का पता चलता है।<sup>8</sup> वास्तव में, इन अंतर्निहित निर्धारक-तत्वों की बदौलत रिजर्व की पर्याप्तता, चालू खाता घाटे की संवहनीयता और इस प्रकार बाह्य खतरों से अर्थव्यवस्था को होने वाले जोखिमों का आकलन करने में मदद मिलती है।

सैद्धांतिक तौर पर, बीओपी में वित्तीय लेखा के साथ-साथ अन्य परिवर्तनों से समय के दो बिंदुओं के बीच निवल आईआईपी में संचलनों का पता चलता है:

$$NIIP_t - NIIP_{t-1} = CAB_t + SFA_t$$

इसमें सीएबी चालू खाता शेष है और एसएफए से तात्पर्य स्टॉक-प्रवाह समायोजन टर्म से है जो 'मूल्यांकन प्रभाव' (विदेशी आस्तियों और विदेशी देयताओं के मूल्यों एवं विनिमय दरों में संचलनों के कारण उनकी धारिताओं पर निवल पूंजी अभिलाभ) एवं अन्य परिवर्तन जैसे आंकड़ों में संशोधन दर्शाते हैं।

सीएडी का वित्तपोषण करने के लिए कर्ज पैदा करने वाले पूंजी अंतर्वाहों पर अपेक्षाकृत रूप से निर्भरता को कम करने की बदौलत 2018-19 की पहली छमाही में भारत का बाह्य कर्ज घटा। इसके अतिरिक्त, भारतीय रुपया और प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर के मूल्य में वृद्धि के परिणामस्वरूप मूल्यांकन अभिलाभ से बाह्य कर्ज के स्टॉक में भारी गिरावट आई। मूल्यांकन प्रभावों को हटा दिया जाए तो बाह्य कर्ज मार्च 2018 के अंत की तुलना में सितंबर 2018 के अंत में 19.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर गिरने के बजाय 6.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़ा होता। सितंबर 2018 के अंत में जीडीपी की तुलना में बाह्य कर्ज का अनुपात 20.8 प्रतिशत पर रहा, जो मार्च 2018 के अंत के अपने 20.5

<sup>8</sup> सकल बाह्य ऋण की स्थिति कुल आईआईपी देयताओं के बराबर होती है, जिसमें सभी इक्विटी (इक्विटी शेयर और अन्य इक्विटी) एवं निवेश निधि शेयर और वित्तीय डेरिवेटिव्स तथा कर्मचारी स्टॉक विकल्प (ईएसओ) शामिल नहीं हैं, ताकि उनके आंकड़ों की आपस में तुलना की जा सके (आईएमएफ, 2009)।

प्रतिशत के स्तर से मामूली रूप से अधिक है। अन्य कर्ज प्रोफाइल के नाजुकपन संकेतक, यद्यपि वह मार्च 2018 के अंत की अपेक्षा कुछ बदतर हुआ, पूर्व-टेपर टैन्ट्रम काल के स्तरों से मजबूत थे (सारणी 4)।

जैसा भाग III में उल्लेख किया गया है, सीएडी का वित्तपोषण करने के लिए निवल विदेशी पूंजी प्रवाहों एवं 2018-19 की पहली छमाही में विदेशी मुद्रा आरक्षित आस्तियों के आहरण, इन दोनों का सहारा लिया गया। इन परिवर्तनों के अनुरूप, भारतीय निवासियों के समुद्रपारीय वित्तीय आस्तियों के साथ-साथ भारत में स्वाधिकृत विदेशी आस्तियों में इस अवधि के दौरान गिरावट आई। बाद वाले में भारी गिरावट के कारण भारत पर अनिवासियों का निवल दावा मार्च 2018 के अंत के अपने स्तर से 28 बिलियन अमेरिकी डॉलर गिरा, परिणामस्वरूप इस अवधि में निवल आईआईपी 16.3 प्रतिशत से सीमांत रूप से घटकर जीडीपी का 16.1 प्रतिशत रह गया। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश एवं पोर्टफोलियो निवेश में गिरावट के कारण भारत में विदेश-स्वाधिकृत आस्तियों में कमी आई। भारतीय निवासियों की सीमापार विदेशी आस्तियों में 26.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर की कुल गिरावट

#### सारणी 4: बाह्य संवेदनशीलता संकेतक

(प्रतिशत, जब तक अन्यथा इंगित किया गया हो)

संकेतक	मार्च-अंत 2013	मार्च-अंत 2018	सित-अंत 2018
1. जीडीपी की तुलना में बाह्य कर्ज का अनुपात	22.4	20.5	20.8
2. कुल कर्ज की तुलना में अल्पावधि कर्ज का अनुपात (वास्तविक परिपक्वता)	23.6	19.3	20.4
3. कुल कर्ज की तुलना में अल्पावधि कर्ज का अनुपात (अवशिष्ट परिपक्वता)	42.1	42.0	43.8
4. कुल कर्ज की तुलना में रिजर्व का अनुपात	71.3	80.2	78.5
5. रिजर्व की तुलना में अल्पावधि कर्ज का अनुपात	33.1	24.1	26.1
6. रिजर्व की तुलना में अल्पावधि कर्ज (अवशिष्ट परिपक्वता) का अनुपात	59.0	52.3	55.8
7. आयात के लिए रिजर्व कवर (माहों में)	7.0	10.9	9.5
8. कर्ज चुकौती अनुपात (चालू प्राप्ति की तुलना में कर्ज चुकौती हेतु भुगतान)	5.9	7.5	6.5
9. बाह्य कर्ज (बिलियन अमेरिकी डॉलर)	409.4	529.7	510.4
10. निवल अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति (एनआईआईपी) (बिलियन अमेरिकी डॉलर)	-326.7	-419.9	-391.9
11. एनआईआईपी/ जीडीपी अनुपात	-17.8	-16.3	-16.1
12. सीएडी/ जीडीपी अनुपात	4.8	1.9	2.7*

\* अप्रैल-सितंबर।

स्रोत : आरबीआई।

में विदेशी मुद्रा आरक्षित आस्तियों में गिरावट का 90 प्रतिशत योगदान था।

मूल रूप से निवल आईआईपी स्टॉक चालू खाता शेष<sup>9</sup> का संचयन होता है और उसका स्तर बाह्य क्षेत्र देयताओं की स्थिरता के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है। अंतरराष्ट्रीय अनुभव दर्शाते हैं कि उच्चतर निवल अंतरराष्ट्रीय देयताओं वाले देशों को बाह्य क्षेत्र की संवेदनशीलताओं का ज्यादा खतरा रहता है। किसी देश के निवल आईआईपी का आकलन हमेशा उसके प्रारंभिक या संवहनीय स्तर के विरुद्ध किया जाता है। आईआईपी एवं सीएडी का प्रारंभिक या संवहनीय स्तर एक गतिशील माप है जो संकट की संभावना को प्रभावित करने वाले अंतर्निहित समष्टि आर्थिक मापदंडों में संचलन के साथ-साथ बदलता है। इसके अनुसार (गोयल 2012) 1993-2016 अवधि के डेटा को लेते हुए 12 समकक्षी ईएमई के लिए एक पैल प्रोबिट मॉडल का उपयोग करते हुए एक प्रारंभिक सीमा तय की गई :

$$p_i = \text{prob} [Y_i = 1 | X_i] = f(\text{GD}, \text{niip}, \text{IC}, \text{RP}, \text{STD}, \text{ELR})$$

यहां,  $p_i$ ,  $i$ th देश में संकट की संभावना है जिसे बाइनरी डिपेन्डेंट वेरीअबल  $Y_i$  द्वारा दर्शाया गया है और इस  $Y_i$  को संकट की अनुपस्थिति या उपस्थिति के हिसाब से शून्य या एक अंक दिया गया है।  $X$  रिग्रेसर का वेक्टर है और माना जाता है कि यह संकट की संभावना को प्रभावित करता है।  $\text{GD}$  संयुक्त राज्य की तुलना में प्रत्येक ईएमई की प्रति व्यक्ति वृद्धि का अंतर है,  $\text{NIIP}$  जीडीपी की तुलना में एनआईआईपी का अनुपात है,  $\text{IC}$  आयात कवर है जिसे माहों की संख्या के रूप में मापा जाता है,  $\text{RP}$  रिस्क प्रीमिया है जिसे संयुक्त राज्य कॉर्पोरेट के एए रेटड बान्डों की तुलना में बीबीबी रेटड बान्डों के प्रतिफल स्प्रेड द्वारा मापा जाता है,  $\text{STD}$  कुल बाह्य कर्ज में अवशिष्ट परिपक्वता के रूप में अल्प-कालिक कर्ज का हिस्सा है और  $\text{ELR}$  प्रत्येक देश की अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति में देयता की तुलना में इक्विटी का अनुपात है। इस प्रकार प्राप्त एनआईआईपी की प्रारंभिक सीमा/ संवहनीय स्तर का उपयोग निम्नलिखित पहचान का इस्तेमाल करते हुए सीएबी के संवहनीय स्तर की गणना करने के लिए किया जा सकता है:

$$\text{niip}(1) - \text{niip}(0) =$$

$$\text{cab}(1) + \text{vc}(1) - \frac{(\text{g}(1) + \pi(1)(1 + \text{g}(1)))}{(1 + \text{g}(1))(1 + \pi(1))} * \text{niip}(0);$$

यहां  $\text{cab}$ , जीडीपी की तुलना में चालू खाता शेष का अनुपात है;  $\text{g}$  और  $\pi$  क्रमशः वास्तविक जीडीपी वृद्धि एवं मुद्रास्फीति

<sup>9</sup> ऐसा तभी होता है जब अवधि के दौरान मूल्यांकन प्रभाव एवं भूल-चूक शून्य होते हैं।

दर्शाती हैं, तथा  $\text{vc}$  मूल्यांकन परिवर्तन है जिसे शून्य माना गया है।  $\text{niip}(1)$  एक अनुमानित प्रारंभिक सीमा है और बाहरी संकट से बचने के लिए इसका उल्लंघन नहीं किया जाना चाहिए। भारत के लिए  $\text{niip}$  की अनुमानित सीमा के आधार पर भारत के सीएडी का संवहनीय स्तर जीडीपी का 2.3 प्रतिशत आंका गया है।<sup>10</sup>

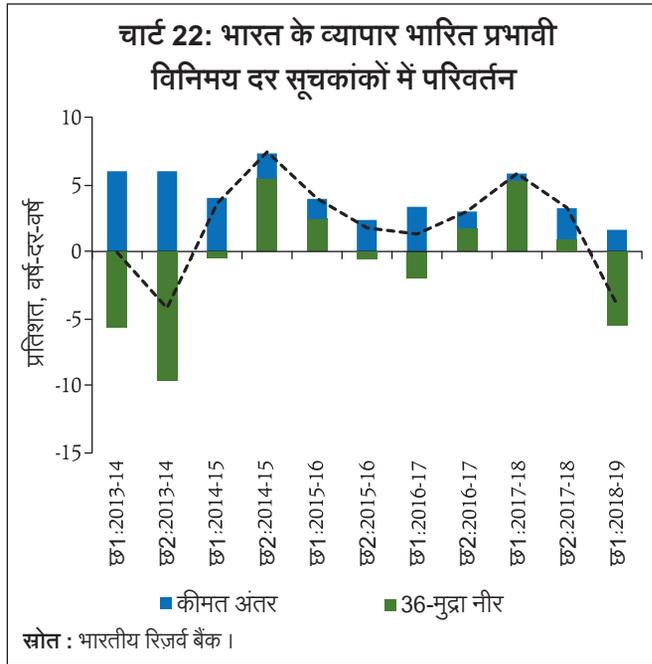
## V. वास्तविक एवं सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर

एक खुली अर्थव्यवस्था के मामले में, बीओपी में बदलाव से विदेशी मुद्रा की मांग या आपूर्ति में परिवर्तन का पता चलता है और इस प्रकार विनिमय दर का स्तर प्रभावित होता है। जब विनिमय दर को वास्तविक प्रभावी संदर्भों में परिभाषित किया जाता है तब इससे देश के संपूर्ण निर्यात प्रतिस्पर्धा को मापने में मदद मिलती है।

प्रभावी विनिमय दर सूचकांक देश की द्विपक्षीय विनिमय दर में संचलन का सार प्रस्तुत करने के साथ ही उसके व्यापार के भागीदारों की सूची प्रस्तुत करता है। प्रायः, ये सूचकांक किसी देश की वस्तुओं एवं सेवाओं की बाहरी प्रतिस्पर्धाओं में विनिमय दर में परिवर्तनों के आधार पर बदलाव को दर्शाता है और द्विपक्षीय विनिमय दरों की अपेक्षा विनिमय दरों के समष्टिआर्थिक प्रभावों को बेहतर तरीके से प्रकट करता है। सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर (नीर) सूचकांक सांकेतिक द्विपक्षीय विनिमय दरों में संचलन के आधार पर प्रतिस्पर्धा में परिवर्तन को प्रकट करता है। जब नीर सूचकांक को भिन्न-भिन्न व्यापार भागीदारों के मूल्य में अंतर के अनुसार समायोजित किया जाता है तो वह वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (रीर) सूचकांक कहलाता है। दोनों सूचकांक साथ मिलकर सार संकेतक के रूप में काम आते हैं जिससे स्वदेश की अंतरराष्ट्रीय कीमत/ लागत प्रतिस्पर्धा में परिवर्तन का पता लगाया जाता है।

अमेरिकी डॉलर की तुलना में समकक्ष अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राएं दबाव में आने के कारण 2018-19 की पहली छमाही के दौरान विनिमय दर बाजार अपेक्षाकृत रूप से परिवर्तनशील थे। अमेरिकी फेड द्वारा मौद्रिक नीति को सामान्य बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों एवं कई ईएम में देश विशिष्ट कारकों की वजहों से जोखिम से बचाव की नींव पड़ी जिसके कारण विदेशी निवेशकों ने इन देशों की आस्तियों की छटनी की। परिणामस्वरूप, अन्य देशों के बीच अर्जेंटीना, तुर्की एवं ब्राजील की मुद्राओं में 2018-19 की पहली छमाही के दौरान 15 प्रतिशत की गिरावट आई है

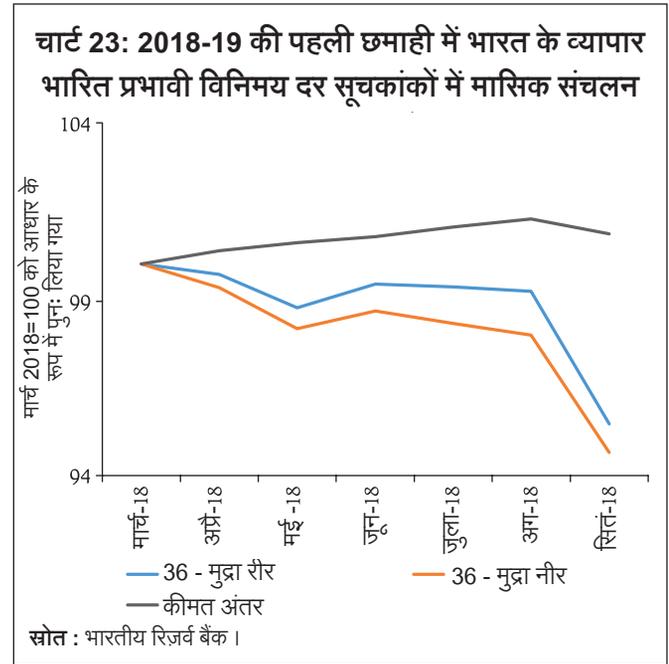
<sup>10</sup> निवल आईआईपी बाह्य संवहनीयता दृष्टिकोण का एक अभिन्न हिस्सा है जिसका उपयोग वास्तविक सीएबी एवं उस स्तर, जो देश की निवल आईआईपी स्थिति को किसी न किसी बेंचमार्क स्तर पर स्थिर करेगा, के बीच के अंतर का परिकलन करते हुए विनिमय दर में अनेकरूपता को मापने के लिए किया जाता है (आईएमएफ, 2016)।



(वर्ष-दर-वर्ष)। संपूर्ण रूप से, 2018-19 की पहली छमाही के दौरान (वर्ष-दर-वर्ष) अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारत के व्यापार बास्केट में 41.9 प्रतिशत भार वाली मुद्राओं का मूल्यहास हुआ। भारतीय रुपया भी दबाव में आया, जिसके मूल्य में हास होने के साथ अवधि के दौरान पक्षपातपूर्ण ट्रेडिंग हुई और उसमें सांकेतिक संदर्भों में डॉलर की तुलना में 6.1 प्रतिशत की गिरावट आई (वर्ष-दर-वर्ष)। तथापि, सांकेतिक प्रभावी संदर्भों में 2018-19 की पहली छमाही के दौरान रुपया 5.5 प्रतिशत गिरा (वर्ष-दर-वर्ष) (चार्ट 22) क्योंकि कुछ समकक्ष अर्थव्यवस्था की मुद्राओं में रुपया की अपेक्षा अमेरिकी डॉलर की तुलना में ज्यादा मूल्यहास हुआ। अवधि के दौरान भारत की वास्तविक प्रभावी विनिमय दर में कुछ हद तक गिरावट आई क्योंकि अपेक्षाकृत मूल्य दबावों की वजह से कुछ सांकेतिक मूल्यहास बेअसर हो गया (चार्ट 23)।

## VI. निष्कर्ष

2018-19 की पहली छमाही में भारत के बीओपी को दो बड़े विपरीत झटकों का सामना करना पड़ा। पहला, कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में तेजी से वृद्धि की वजह से आयात-निर्यात मूल्य-स्थिति में हानि हुई जिसका व्यापार घाटे पर बुरा प्रभाव पड़ा। दूसरा, एफपीआई के बहिर्वाहों के कारण सीएडी के वित्तपोषण के लिए आरक्षित निधियों से आहरण की जरूरत आन पड़ी। कच्चे



तेल के लिए आयात पर भारत की निरंतर निर्भरता, सीएडी को अंतरराष्ट्रीय कीमतों में जाइरेशन के प्रति अधिक संवेदनशील बनाता है। अधिपूर्ति पर लगाम लगाने के लिए ओपेक द्वारा प्रस्तावित उत्पादन कटौतियों की प्रभावकारिता के संबंध में अनिश्चितता के बीच 2018-19 की तीसरी तिमाही में तेल की कीमतों में थोड़ी गिरावट आई लेकिन संभावना अभी भी अस्थिर है। बाह्य परिवेश अभी भी नाजुक है क्योंकि विश्व स्तर पर वृद्धि, व्यापार एवं औद्योगिक गतिविधि की गति कम हुई है। फिर भी, अमेरिका और चीन के बीच के वर्तमान व्यापार युद्ध एवं मार्च 2019 में ब्रेकिजट की संभावना से भारत के निर्यातकों को अवसर प्राप्त हो सकता है, यदि द्विपक्षीय व्यापार समझौतों पर फिर से बातचीत की जाएं। गौण आय करने वालों को सीमापार कारोबार कर रहे भारतीय बैंकों के माध्यम से विप्रेषणों में लगने वाली लागत को कम करने के जरिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। तथापि, वित्त पक्ष से खतरे हैं क्योंकि मौद्रिक नीति को सामान्य बनाए जाने एवं एक मजबूत अमेरिकी डॉलर से ईएमई को होने वाले पोर्टफोलियो प्रवाहों को डाउनवर्ड जोखिम का सामना करना पड़ता है। कारोबार सुलभता के संदर्भ में भले ही भारत अपने रैंक को बेहतर करता है और उसके निम्नतर बाह्य कर्ज-जीडीपी अनुपात एवं बेहतर रिजर्व पर्याप्तता संकेतकों को देखते हुए उसे समकक्ष अर्थव्यवस्थाओं में कम जोखिम वाली अर्थव्यवस्था मानी जाती है, फिर भी घेरलू रीफॉर्म को गति प्रदान करने की जरूरत है ताकि एफडीआई अंतर्वाहों को आकर्षित किया जा सके।

**संदर्भ**

- Financial Times (2018), Global Greenfield Investment Trends: The fDi Report 2018, <https://www.fdiintelligence.com/Landing-Pages/The-fDi-Report-2018/The-fDi-Report-2018>.
- Government of India (2016), "India and Mauritius sign the Protocol for amendment of the Convention for the Avoidance of Double Taxation and the Prevention of Fiscal Evasion with respect to Taxes on Income and Capital Gains", Press Information Bureau Press Release dated May 10, 2016 at <http://pib.nic.in/newsite/PrintRelease.aspx?relid=145185>.
- Goyal, Rajan (2012), "Sustainable Level of India's Current Account Deficit", *RBI Working Paper Series No. WPS (DEPR: 16/2012*, Reserve Bank of India.
- International Monetary Fund (2006), "Methodology for CGER Exchange Rate Assessments", Prepared by the Research Department, Washington, D.C. International Monetary Fund.
- International Monetary Fund (2009), *Balance of payments and international investment position manual*, Washington, D.C.: International Monetary Fund.
- Jain, Rajeev, Dharendra Gajbhiye and Soumasree Tewari (2018), "Globalising People: India's Inward Remittances", *RBI Bulletin*, Vol. LXXII, No.11, pp.45-55.
- Pagliari, Maria Sole and Swarnali Ahmed Hannan (2017), "The Volatility of Capital Flows in Emerging Markets: Measures and Determinants", *IMF Working Paper No. WP/17/41*, International Monetary Fund, Washington, D.C.
- Reserve Bank of India (2016), Annual Report 2015-16.
- Reserve Bank of India (2018), Annual Report 2017-18.
- United Nations (2009), *System of National Accounts 2008*, United Nations Organisation, New York.
- World Bank (2018), Migration and Remittances: Recent Developments and Outlook, *Migration and Development Brief No. 30* (December), Washington, D.C.
- World Bank (2019), *Doing Business 2019: Training for Reform*, The World Bank Group, Washington, D.C.
- World Trade Organization (2018), *World Trade Statistical Review 2018*, World Trade Organization, Geneva.



## भारत का कॉर्पोरेट बॉण्ड बाजार: बाजार की सूक्ष्म संरचना से जुड़े मुद्दे\*

भारत में उद्योग जगत और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने की दृष्टि से कॉर्पोरेट बॉण्ड बाजार का विकास अत्यधिक महत्वपूर्ण है। अब तक किए गए विभिन्न उपायों के बावजूद, भारत में व्यापक तौर पर कॉर्पोरेट बॉण्ड बाजार की सूक्ष्म संरचना में बहुत कम परिवर्तन लाया जा सका है। इसी परिप्रेक्ष्य में यह आलेख भारत के कॉर्पोरेट बॉण्ड बाजार के संबंध में हाल के वर्षों (2010-18) के लिए उपलब्ध आंकड़ों को खंगालते हुए मांग और आपूर्ति से जुड़े उन विविध कारकों का विश्लेषण करता है जो भारत में बॉण्ड बाजार की प्रगति में बाधक रहे हैं। यह पाया गया है कि गैर वित्तीय कंपनियों द्वारा किए जा रहे कुल कर्ज-वित्तपोषण में बाजार आधारित स्रोतों की हिस्सेदारी धीरे-धीरे बढ़ी है लेकिन ऐसा बड़े आकार वाली फर्मों में ही हो सका है। यद्यपि कॉर्पोरेट बॉण्ड बाजार में वित्त और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी कंपनियों का वर्चस्व है, तथापि इस बाजार के निर्गम आधार को विविधता प्रदान करने में म्यूचुअल फंड भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं।

### भूमिका

दीर्घावधि कर्ज के लिए एक संवेदनशील बाजार का विकास आवश्यक है ताकि निजी क्षेत्र के कारोबार की वित्तीय जरूरतों को पूरा किया जा सके, और ऐसा खास तौर पर तेजी से आधुनिक होती अर्थव्यवस्था की भौतिक जरूरतों को पूरा करने के संदर्भ में भी आवश्यक है। फिर भी, अब तक किए जा चुके अनेक प्रयासों के बावजूद,<sup>1</sup> भारत में कॉर्पोरेट बॉण्ड बाजार का विकास अभी भी संतोषजनक स्तर से बहुत दूर है। जून 2017 में जीडीपी की तुलना में कॉर्पोरेट कर्ज का अनुपात यूएस के 123 प्रतिशत और

\* यह आलेख आर्थिक और नीति विभाग के वित्तीय बाजार प्रभाग से संबद्ध अनुसंधान अधिकारी श्रोमोना गांगुली द्वारा तैयार किया गया है। आलेख में व्यक्त किए गए विचार लेखिका के निजी विचार हैं और ये भारतीय रिजर्व बैंक के दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व नहीं करते।

<sup>1</sup> कॉर्पोरेट बॉण्ड बाजार के विस्तार हेतु सेबी द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों में अन्य बातों के साथ-साथ ये भी शामिल थे- एक्सचेंजों द्वारा सूचना भंडारों की स्थापना, समेकित आंकड़े उपलब्ध कराने वाले निक्षेपागार, निजी प्लेसमेंट बाजारों में बेहतर पारदर्शिता लाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक बहियाँ तैयार करने की प्रणाली, बाजार में चलनिधि की उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों का अनुमान आसान बनाने के उद्देश्य से एक्सचेंजों पर त्रिपक्षीय रेपो ट्रेडिंग, अंतरराष्ट्रीय प्रतिभूति पहचान संख्याओं (आईएसआईएन) के अंतर्गत एक ही उधारकर्ता द्वारा पुनः निर्गम तथा समेकन के माध्यम से द्वितीयक बाजार ट्रेडिंग हेतु चलनिधि की स्थिति में सुधार (पाटिल, 2004; सेबी, 2016, 2017, 2018, 2018ए)।

चीन के 19 प्रतिशत की तुलना में भारत में 17 प्रतिशत के बहुत ही निम्न स्तर पर था (सारणी 1)। यह दर्शाता है कि माँग और आपूर्ति से जुड़े बहुत सारे कारकों के जटिल घात-प्रतिघात से ये स्थितियाँ लंबी अवधि से बनी हुई हैं। पहला यह कि, निवेशक कम हैं। कॉर्पोरेट बॉण्डों की माँग मुख्य रूप से संस्थागत निवेशकों तक ही सीमित है और खुदरा निवेशकों की हिस्सेदारी बकाया निर्गमों के केवल 3 प्रतिशत के बराबर ही है। यहाँ तक कि संस्थागत निवेशकों में भी, बाई और होल्ड श्रेणी को मिलाकर देखने पर भी, बीमा कंपनियों और म्यूचुअल फंडों के लिए निवेश हेतु बनाए गए विवेकपूर्ण मानदण्डों के कारण कॉर्पोरेट बॉण्डों की माँग में कमी आयी है।<sup>2</sup> वर्ष 2016-17 के दौरान जीवन बीमा कंपनियों ने अपने कुल निवेश का लगभग आधा हिस्सा और सामान्य, स्वास्थ्य और पुनर्बीमा कंपनियों ने अपने कुल निवेश का 36% निवेश केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों में किया था। इसके बिलकुल विपरीत, इन कंपनियों द्वारा अन्य प्रतिभूतियों में निवेश इनके द्वारा किए गए कुल निवेश के 5% से भी कम रहा (आईआरडीआई, 2016-17)। विदेशी निवेशक जो भारत में कॉर्पोरेट बॉण्ड बाजार को विस्तार और गहराई देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते थे, उन पर निवेश हेतु निर्धारित सीमाओं के कारण बंधन लगा रहा। हालांकि, हाल के वर्षों में एफपीआई के लिए कॉर्पोरेट बॉण्डों में निवेश की सीमा बढ़ाई गयी है और साथ-ही-साथ, धारण कर में कटौती भी की गयी है, तथापि एफआईआई इन बढ़ी हुई सीमाओं का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि बाजार में चलनिधि कम हो गयी है। अंतिम, बॉण्डों की तुलना में बैंक ऋणों को प्राथमिकता देते हैं क्योंकि ऋणों को बाजार दरों पर आकलित किए बिना (मार्कड टु बाजार) किए बिना आगे के वर्षों में दर्शाया जा सकता है (सीएफएसआर)।

आपूर्ति पक्ष की ओर देखें तो, वित्त जुटाने के अन्य माध्यमों की तुलना में कर्ज आधारित लिखतों के माध्यम से लिए गए उधार पर लागत अधिक आने और कॉर्पोरेट कर्ज बाजार में अपर्याप्त चलनिधि के कारण फर्म बाजार निर्गमों से दूर भागती हैं। बड़ी कॉर्पोरेट फर्म ओवरसीज़ बाजार से कर्ज की उगाही कर सकती हैं और उसकी लागत, हेजिंग पर आने वाली लागत को समायोजित करने के बाद भी, घरेलू बाजार-आधारित स्रोतों से लिए जाने वाले

<sup>2</sup> बीमा कंपनियों तथा पेंशन निधियों के लिए निवेश हेतु विवेकपूर्ण मानदण्डों में प्रावधान किया गया है कि इन कंपनियों के पोर्टफोलियों का 25 प्रतिशत हिस्से का निवेश एए से कम रेटिंग वाले बॉण्डों में किया जाए।

उधार से कम ही होती है (सिंह, 2007)। परिचालनगत अन्य बाधाओं में शामिल हैं- अलग-अलग निर्गमों का बकाया स्टॉक जिससे द्वितीयक बाजार में ट्रेडिंग पर नकारात्मक असर पड़ता है, केंद्रीय प्रतिपक्षी (सीसीपी) सुविधा वाले सक्रिय ट्रेडिंग प्लैटफॉर्म का उपलब्ध न होना, क्रेडिट डिफाल्ट स्वैप (सीडीएस) के बाजार में चलनिधि का अभाव और अलग-अलग राज्यों में कॉर्पोरेट बॉण्डों पर अलग-अलग स्टाम्प शुल्क लगाया जाना।

इसी पृष्ठभूमि में यह आलेख बैंकिंग साहित्य में कॉर्पोरेट कर्ज बाजार पर आधारित साहित्य की उपेक्षा के कारण उत्पन्न हुए असंतुलन को अर्थपूर्ण और विश्लेषणात्मक तरीके से दूर करने का एक प्रयास है। हालांकि आंकड़े जुटाना बहुत ही चुनौतीपूर्ण था, तथापि इस आलेख में भारत की गैर वित्तीय फर्मों के वित्तीयन के तरीकों का परीक्षण करते हुए और कॉर्पोरेट बॉण्ड निर्गमों पर उपलब्ध अमानकीकृत आंकड़ों का समेकन करते हुए भारत में कॉर्पोरेट बॉण्ड बाजार पर एक समग्र दृष्टि डालने की कोशिश की गयी है।

आगे के आलेख को छह भागों में बांटा गया है। भाग 2 विभिन्न देशों में मौजूद कॉर्पोरेट बॉण्ड बाजारों के अनुभवों से सीख लेने के उद्देश्य से इन बाजारों का देश-वार तुलनात्मक आकलन प्रस्तुत करता है। भाग 3 में कर्ज के ऐसे विविध स्रोतों का विश्लेषण किया गया है जिनके माध्यम से भारत में गैर वित्तीय फर्मों द्वारा कर्ज लिया जा रहा है। भाग 4 में भारत में कॉर्पोरेट कर्ज निर्गमों की प्रकृति का संक्षिप्त ब्योरा देते हुए हाल के वर्षों में निर्गम आधार में विविधता लाने में म्यूचुअल फण्डों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। भाग 5 में भारत में कॉर्पोरेट कर्ज के लिए निजी प्लेसमेंट बाजार की आधारभूत विशेषताओं को स्पष्ट किया गया है और इसमें आने वाले विविध श्रेणियों के कॉर्पोरेट बॉण्डों पर जोखिम प्रीमियम और कूपन-दरों को प्रभावित करने वाले कारकों को अनुभव के आधार पर स्पष्ट करने का प्रयास भी किया गया है। भाग 6 में निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए हैं।

## II. देशवार अनुभव

अधिकांश उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई), विशेष रूप से एशिया की, में वित्तीय प्रणाली ऐसी हैं जहाँ बैंकों का वर्चस्व रहता है और सरकारी स्वामित्व वाली विकास वित्त संस्थाएं होती हैं जो समग्र औद्योगिक नीति और विकास हेतु निर्धारित कार्ययोजना के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए अर्थव्यवस्था के विनिर्दिष्ट क्षेत्रों

के लिए संसाधन जुटाने का कार्य करती हैं। कुछ विशिष्ट उदाहरणों के तौर पर ब्राजील के ब्राजीलियन डेवेलपमेंट बैंक (बीएनडीईएस), जापान के जापान डेवेलपमेंट बैंक, और दक्षिण कोरिया के कोरिया डेवेलपमेंट बैंक का नाम लिया जा सकता है जिन्होंने युद्ध के बाद पुनर्निर्माण और सरकार द्वारा प्रायोजित उद्योगों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। 1990 के दशक तक पूर्वी एशिया के निर्यात-उन्मुख औद्योगीकरण में बैंकों के प्रभुत्व वाली वित्तीय प्रणाली सर्वाधिक महत्वपूर्ण बनी रही। लेकिन जब 1997-98 में पूर्वी एशियाई संकट आया तो वित्तीय बाजारों को इस प्रकार विकसित करने की आवश्यकता बहुत शिद्धत के साथ महसूस की गई ताकि कारोबारी संभावनाओं से भरे और तेजी से विकसित होते कॉर्पोरेट सेक्टर के दीर्घावधि वित्तपोषण की आवश्यकता को पूरा किया जा सके। आस्ति-देयता असंतुलन और विदेशी कर्ज के उच्च स्तर के कारण बैंकिंग क्षेत्र को लगे गहरे आघातों के साथ-साथ बैंकिंग क्षेत्र पर बढ़ती अत्यधिक निर्भरता एक भलीभांति विभेदीकृत बॉण्ड बाजार, विशेष रूप से कॉर्पोरेट बॉण्ड बाजार के विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ ताकि बैंकों द्वारा किए जा रहे वित्त पोषण में आ रही कमी को पूरा किया जा सके। एशियाई वित्तीय संकट से यह तथ्य उभर कर सामने आया कि बॉण्ड बाजार और बैंकों को परस्पर प्रतिस्पर्धी बनने की आवश्यकता नहीं है बल्कि उन्हें तो बड़ी और छोटी फर्मों के वित्तपोषण में एक दूसरे के पूरक की भूमिका में रहना है (ग्लिन्टेलबर्ग एट. अल. 2006)।

भारत में, विकास वित्त संस्थाओं (डीएफआई) पर गठित कार्यदल (आरबीआई, 2004) की रिपोर्ट में की गई सिफारिशों के आधार पर विकास बैंकों को धीरे-धीरे यूनिवर्सल बैंकों में बदल दिया गया। इस परिप्रेक्ष्य में, भारत के लिए कॉर्पोरेट बॉण्ड बाजार का विकास अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, विशेष रूप से इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी दीर्घावधि वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति के माध्यम के रूप में, जो लगभग 4.5 ट्रिलियन यूएस डालर है जिसमें वर्ष 2040 तक के लिए 526 बिलियन यूएस डालर का संचयी इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश अंतराल शामिल है (आर्थिक सर्वेक्षण, 2017-18), वर्तमान में कॉर्पोरेट कर्ज और जीडीपी के अनुपात के मामले में भारत कुछ विकासशील देशों जैसे – मलेशिया, दक्षिण कोरिया, ब्राजील और तुर्की से पीछे है (सारणी 1)। साथ ही, द्वितीयक बाजार में कॉर्पोरेट कर्ज का व्यापार काफी धीमी गति से बढ़ा है और अक्टूबर 2018 में कॉर्पोरेट बॉण्डों के व्यापार का कुल मासिक मूल्य ₹1210 बिलियन था।

**सारणी 1: कॉर्पोरेट कर्ज बाजार की पहुंच (जीडीपी के प्रतिशत के रूप में) - जून 2018**

देश	कॉर्पोरेट बॉण्ड जीडीपी अनुपात
यूएस	123.47
चीन	18.86
जापान	14.57
दक्षिण कोरिया	74.30
सिंगापुर	34.02
मलेशिया	44.50
भारत	17.16
ब्राजील*	99.05
तुर्की**	142.06

\*: 2014 से संबंधित डेटा; \*\*: 2015 से संबंधित डेटा।

स्रोत : क्रिसिल एसोचैम रिपोर्ट (जनवरी 2018) और आईएमएफ का निजी कर्ज डाटाबेस।

भारत की गैर वित्तीय फर्मों द्वारा किए जा रहे वित्तपोषण की प्रकृति से भी अन्य देशों की तुलना में भारत में अपेक्षाकृत कम विकसित कॉर्पोरेट कर्ज बाजार का पता चलता है। भारत में ऐसी फर्मों का अनुपात अधिकांश विकासशील देशों की तुलना में अधिक है जिनके लिए कार्यशील पूंजी के प्राथमिक स्रोत बैंक हैं (सारणी-2)। इसके अलावा, सर्वाधिक संपार्श्विकों वाले देशों के अनुपात के साथ-साथ संपार्श्विकों के मूल्य (ऋण के अनुपात के रूप में) के मामले में भी भारत अग्रगण्य है। इससे भारत में आसित समर्थित उधार के प्रचलन का संकेत मिलता है जिसका आशय यह है कि भारत की वित्तीय प्रणाली एक ऐसी प्रणाली है जो अपेक्षाकृत कम विकसित है और जिसमें अप्रतिभूत उधार से जुड़े ऋण-जोखिम के आकलन की कुशलता सीमित है (बैनर्जी एट. अल., 2012)।

**iii) भारत के कॉर्पोरेट कर्ज बाजार की गतिविधियां**

भारत में व्यवसायरत गैर वित्तीय फर्मों के कर्ज संविभाग के विश्लेषण से कर्ज के स्रोतों तथा समय के साथ इसके संघटन में हुए परिवर्तन के बारे में महत्वपूर्ण सूचनाएं मिलती हैं। पिछले दशक के दौरान डिवेंचरों और कमर्शियल पेपर जैसे बाजार आधारित स्रोतों से लिए गए कर्ज का अनुपात बढ़ा है हालांकि इन फर्मों द्वारा लिए गए कुल कर्ज का 45% ही बैंकों से लिया गया है (चार्ट1)। इसके अलावा, हाल के वर्षों में बैंकों से लिए गए इस उधार का 75% प्रतिभूत था। प्रमोटर्स से प्राप्त ऋण और अंतर-कॉर्पोरेट ऋण जैसे कर्ज के गैर-बैंक, गैर बाजार-आधारित स्रोतों की हिस्सेदारी 2-4% रही जबकि कुल कर्ज में विदेशी मुद्रा उधारियों का हिस्सा 14% रहा।

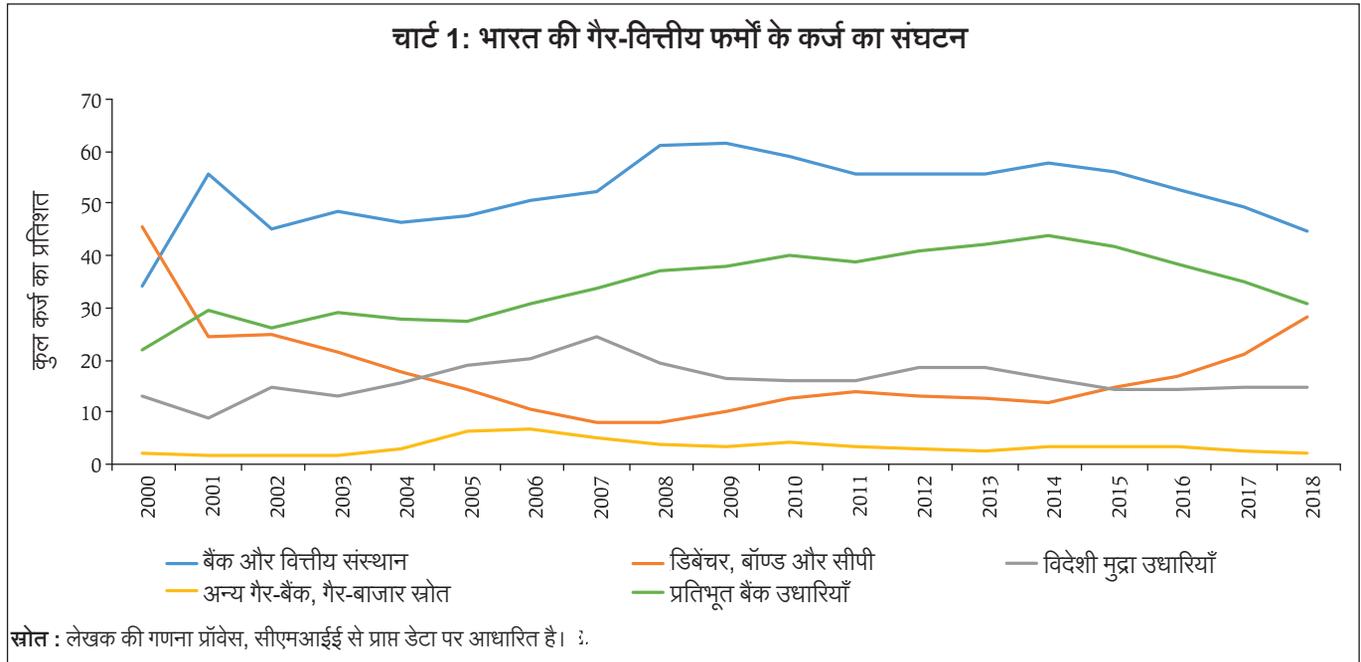
गैर वित्तीय फर्मों की विभिन्न आकार-श्रेणियों (डेसाइल द्वारा निरूपित जहाँ डेसाइल 1 में सबसे बड़ी कंपनियों को शामिल किया गया है और डेसाइल 9 में अपेक्षाकृत छोटी कंपनियाँ शामिल हैं) द्वारा लिए गए कर्ज के स्रोतों के प्राथमिक विश्लेषण से इस बात का पता चलता है कि अपेक्षाकृत बड़ी गैर-वित्तीय फर्में ही बाजार-आधारित कर्ज लेना पसंद करती हैं। आकार-श्रेणी 3-9 के लिए कुल कर्ज में बाजार-आधारित स्रोतों की हिस्सेदारी 6% से कम थी और केवल सबसे बड़ी दो श्रेणियों अर्थात् श्रेणी 1-2 के लिए बाजार-आधारित स्रोतों की हिस्सेदारी 27-28 प्रतिशत के आस-पास थी (सारणी 3)। छोटे आकार वाली फर्में, जिनमें से कई बिना रेटिंग वाली हैं और उनका कारोबार भी उतने बड़े पैमाने

**सारणी 2: निजी कारोबार क्षेत्र द्वारा बैंकों से लिया गया कर्ज**

देश (वर्ष)	संपार्श्विक की आवश्यकता वाले ऋणों का हिस्सा (%)	ऋण के लिए आवश्यक संपार्श्विक का मूल्य (ऋण राशि के % के रूप में)	निवेशों के वित्तपोषण के लिए बैंकों का इस्तेमाल करने वाली फर्मों का हिस्सा (%)	आंतरिक रूप से वित्तपोषित निवेशों का हिस्सा (%)	कार्यशील पूंजी के वित्तपोषण के लिए बैंकों का इस्तेमाल करने वाली फर्मों का हिस्सा (%)	बैंकों द्वारा वित्तपोषित कार्यशील पूंजी का हिस्सा (%)
चीन (2012)	77.6	197	14.7	89.6	22.1	6.4
भारत (2014)	84.7	255.1	30.3	71.8	36.4	17.8
इण्डोनेशिया (2015)	80.4	241.1	36.6	66.0	32.0	9.9
फिलीपींस (2015)	51.0	156.7	12.4	81.2	12.4	5.1
रूस (2012)	84.2	154.0	11.3	84.3	21.3	8.1
दक्षिण अफ्रीका (2007)	71.2	103.6	34.8	68.5	21.1	7.1
थाईलैण्ड (2016)	93.4	320.1	15.3	86.4	28.9	15.4
तुर्की (2013)	28.9	199.2	44.2	61.0	42.4	16.0

स्रोत : उद्यम सर्वेक्षण, विश्व बैंक।

**चार्ट 1: भारत की गैर-वित्तीय फर्मों के कर्ज का संघटन**



पर नहीं है जिसका लाभ उन्हें निजी प्लेसमेंट बाजार में मिल सके, उनके लिए अभी भी बैंक ही कर्जपोषण के प्रमुख स्रोत बने हुए हैं। कॉर्पोरेट बॉण्ड निर्गमों से जुड़े आंकड़े इन बातों की पुष्टि करते हैं।

इसके अलावा, अलग-अलग प्रकार की इकाइयों में और विभिन्न आयु श्रेणियों में इस कर्ज के संघटन में काफी अंतर देखा गया। वर्ष 2017 के दौरान कुल कर्ज में बाजार-आधारित स्रोतों की हिस्सेदारी निजी क्षेत्र की कंपनियों (10 प्रतिशत) की तुलना में सरकारी कंपनियों (22 प्रतिशत) में अधिक थी। ऐसी फर्म जिन्होंने

1991 के बाद करोबार प्रारंभ किया, उनके कुल कर्ज में बाजार-आधारित स्रोतों की हिस्सेदारी बहुत कम रही (सारणी 4)। इससे इस बात के संकेत मिलते हैं कि कॉर्पोरेट कर्ज बाजार का आकलन अपेक्षाकृत बड़ी और स्थापित कंपनियों के आधार पर किया जाता है।

वित्तीय कंपनियों की बात करें तो, उनके कुल कर्ज में डिबेंचरों और बॉण्डों के माध्यम से उगाहे गए कर्ज का अनुपात लगभग 28-30 प्रतिशत रहा। फिर भी गैर-वित्तीय कंपनियों की तरह ही इनके कुल कर्ज में डिबेंचरों और बॉण्डों के माध्यम से उगाहे गए कर्ज का अपेक्षाकृत अधिक अनुपात केवल बड़े आकार वाली वित्तीय कंपनियों में ही देखा गया (चार्ट 2)।

निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र द्वारा संसाधनों की उगाही में हुई वृद्धि ने बहुतायत में उद्योग जगत को दिए जाने वाले बैंक-क्रेडिट में हुई

**सारणी 3: सभी आकार श्रेणियों की गैर-वित्तीय कंपनियों के लिए कर्ज के स्रोत (मार्च 2018 के अंत में)**

आकार श्रेणियाँ*	बैंक और वित्तीय संस्थान	डिबेंचर, बॉण्ड और सीपी	विदेशी मुद्रा उधारियाँ	अन्य गैर-बैंक, गैर-बाजार स्रोत
दशांश 1	43.9	28.5	15.2	1.7
दशांश 2	55.6	26.8	5.5	4.9
दशांश 3	79.1	5.2	4.7	4.9
दशांश 4	72.1	2.8	4.1	13.6
दशांश 5	70.4	2.3	0.8	10.5
दशांश 6	81.0	-	-	11.7
दशांश 7	38.4	2.1	-	37.2
दशांश 8	85.1	-	-	14.7
दशांश 9	51.2	-	-	15.4

\*: प्रॉवेस डेटाबेस में आकार को कंपनी की कुल आय और कुल आस्तियों के तीन वर्ष के औसत के रूप में पारिभाषित किया गया है। इस नमूने में दशांश 1 में सबसे बड़ी कंपनियाँ शामिल हैं।

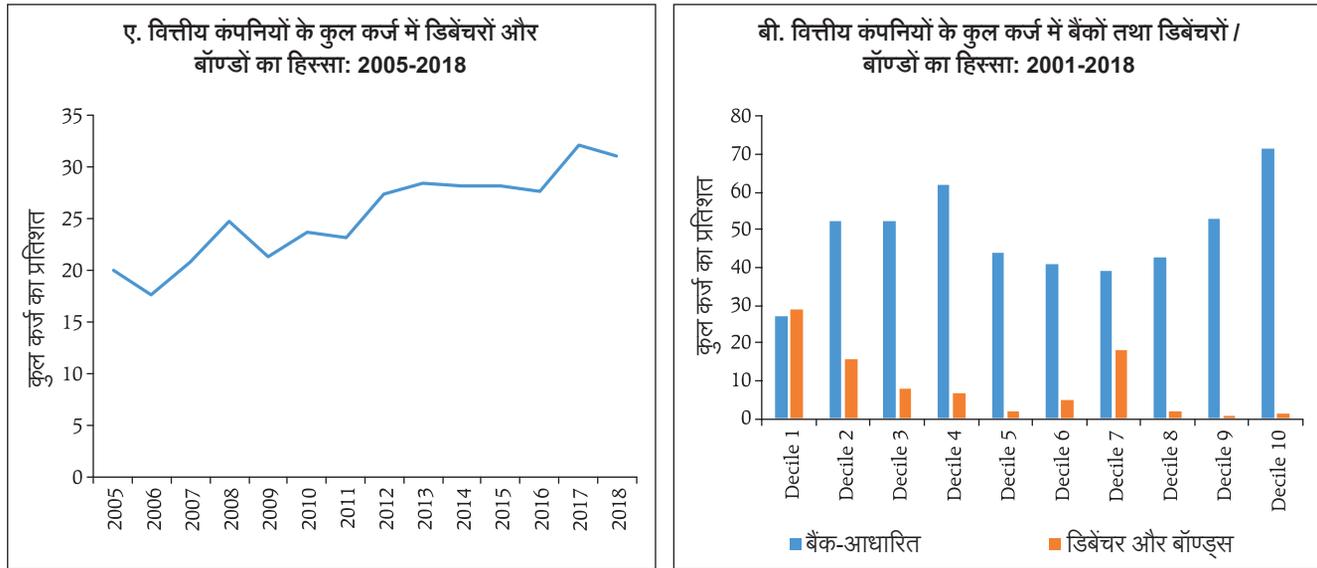
स्रोत : लेखक की गणना प्रॉवेस, सीएमआईई से प्राप्त डेटा पर आधारित है।

**सारणी 4: सभी आयु श्रेणियों में कॉर्पोरेट कर्ज का संघटन (मार्च 2017 के अंत की स्थिति)**

	बैंक और वित्तीय संस्थान (%)	बाजार-आधारित स्रोत (%)
1950 से पूर्व	47.4	31.7
1951 से 1971 के बीच	33.9	20.2
1972 और 1985 के बीच	50.8	23.3
1986 और 1990 के बीच	47.3	22.2
1991 के बाद	51.5	15.1

स्रोत : लेखक की गणना प्रॉवेस, सीएमआईई से प्राप्त डेटा पर आधारित है।

**चार्ट 2: वित्तीय कंपनियों का कर्ज वित्तपोषण**



स्रोत : लेखक की गणना प्रॉक्स, सीएमआईईई से प्राप्त डेटा पर आधारित है।

वृद्धि का ही अनुसरण किया। ऐसा संभवतः इस तथ्य के कारण है कि बैंकों द्वारा औद्योगिक क्षेत्र को दिए जाने वाले कुल क्रेडिट का 80 प्रतिशत से अधिक ऐसी बड़ी फर्मों को दिया जाता है जो कर्ज बाजार से भी संसाधनों की उगाही करती हैं (चार्ट 3)।

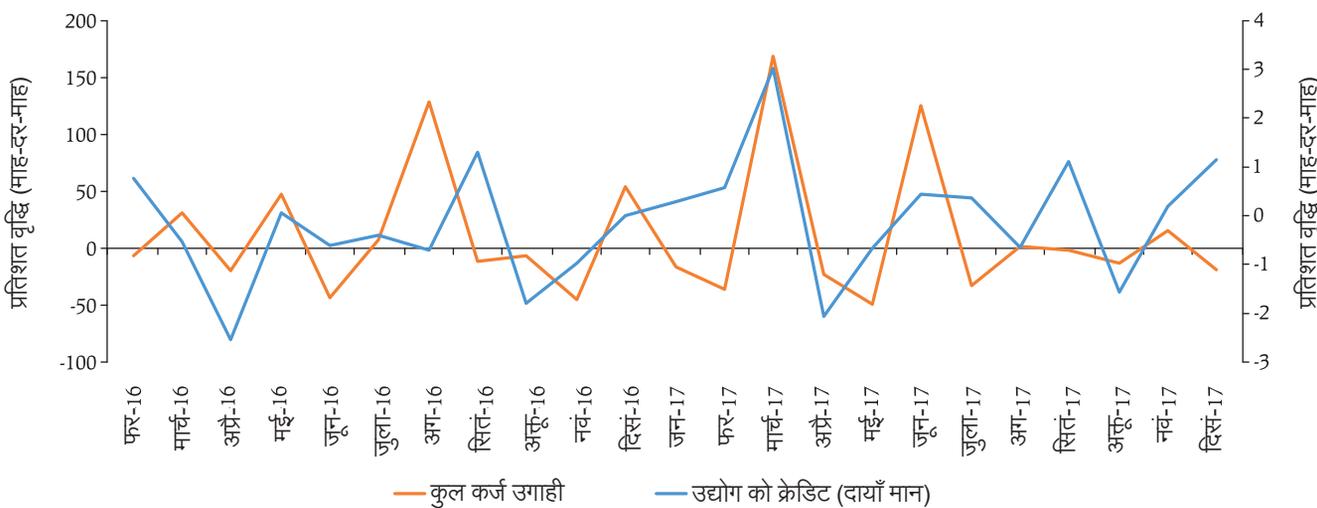
भारतीय कॉर्पोरेट जगत द्वारा सार्वजनिक/निजी/अधिकार निर्गमों के जरिए किए गए कुल संसाधन संग्रहण में अधिकांश हिस्सेदारी कर्ज की होती है जबकि इक्विटी लगभग 38 प्रतिशत

होती है। कर्ज बाजार की सबसे उल्लेखनीय विशेषता यह है कि कर्ज के बड़े भाग (लगभग 99 प्रतिशत) का निजी प्लेसमेंट किया जाता है जिसमें विनियामकों द्वारा अनेक उपाय किए जाने के बावजूद अभी तक कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

**IV. गतिविधि : प्राथमिक एवं द्वितीयक बाजार**

कॉर्पोरेट कर्ज के लिए प्राथमिक बाजार में किए जाने वाले निर्गमों के क्षेत्रवार वर्गीकरण में वित्त और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों

**चार्ट 3: कर्ज के सार्वजनिक और निजी प्लेसमेंट और उद्योग को बैंक ऋण के माध्यम से कॉर्पोरेट द्वारा लिए गए कुल कर्ज में वृद्धि**



स्रोत : भारिबैंक, सेबी।

## सारणी 5: बॉण्ड निर्गमों का रेटिंगवार संघटन : प्राथमिक बाजार

(कुल प्रतिशत)

वर्ष/रेटिंग	एएए	एए	ए	ए1	बीबीबी	बीबी	बी	सी	लागू नहीं	कुल
2017-18	48.2	19.8	3.7	0.0	1.0	0.4	0.1	0.0	26.6	100.0
अप्रै-18	20.7	21.0	4.6	0.8	1.4	1.1	0.0	0.5	49.9	100.0
मई-18	76.4	9.8	0.7	0.0	0.9	0.3	0.0	0.0	11.9	100.0
जून-18	64.7	9.3	1.6	0.0	6.6	2.5	0.0	0.0	15.4	100.0
जुला-18	17.0	69.1	3.0	0.0	0.1	0.2	0.0	0.0	10.6	100.0
अग-18	70.1	18.8	0.7	0.2	2.2	0.1	0.0	0.0	8.0	100.0
सितं-18	64.4	6.3	2.0	0.3	1.0	0.0	0.0	0.0	26.0	100.0
2018-19 (नवंबर तक)	56.4	18.3	2.2	0.1	1.8	0.6	0.0	0.1	20.5	100.0

स्रोत : सीसीआईएल।

का बोलबाला दिखायी पड़ता है और वर्ष 2017-19 के दौरान इनकी सम्मिलित हिस्सेदारी कुल संचयी बकाया मूल्य का 90-92 प्रतिशत थी। विनिर्माण क्षेत्र का हिस्सा 01 प्रतिशत से भी कम था। प्राथमिक बाजार में जो बॉण्ड जारी किए गए उनमें से अधिकांश (56 प्रतिशत) की परिपक्वता अवधि 2-5 वर्ष थी। पिछले दो वर्षों के दौरान प्राथमिक बाजार में बकाया कुल राशि का आधे से अधिक हिस्सा सर्वोत्तम रेटिंग (ए ए ए) वाले बॉण्डों का था (सारणी 5)।

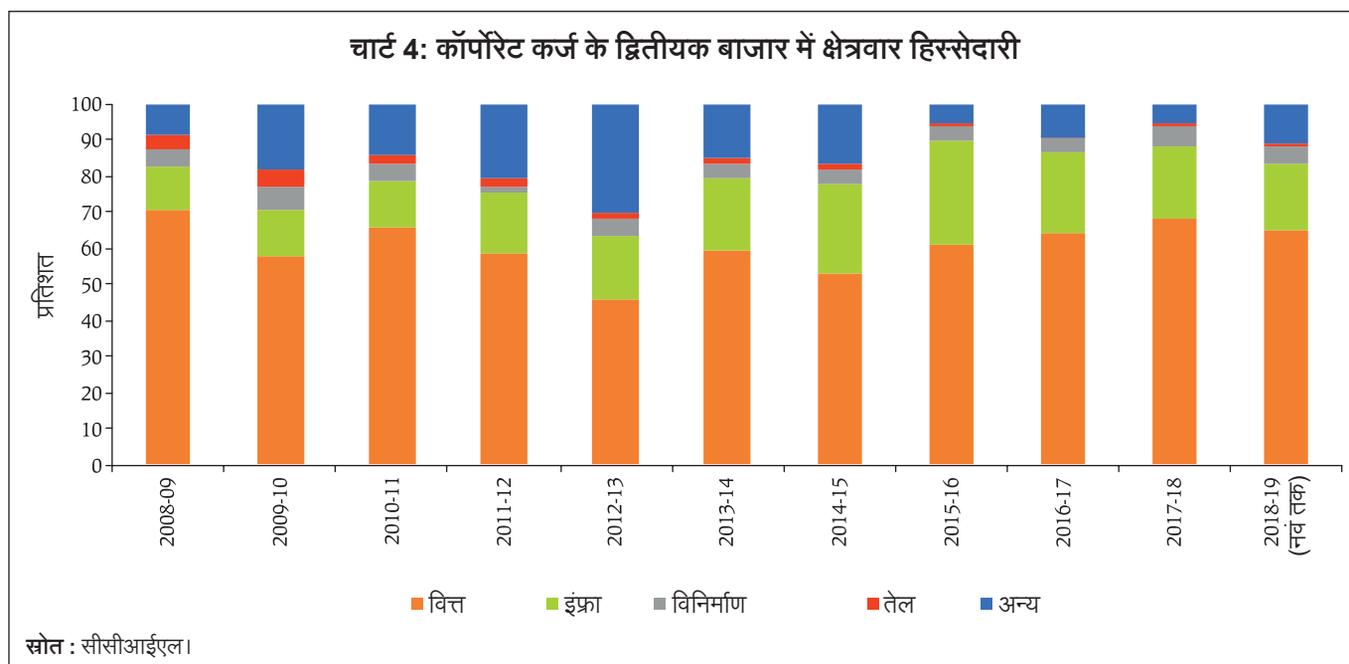
द्वितीयक बाजार में भी सेक्टर-वार और रेटिंग-वार वैसा ही संघटन देखने को मिलता है जहाँ कुल कारोबार का लगभग 80% वित्त और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों ने किया है (चार्ट 4)। इसी प्रकार,

द्वितीयक बाजार में हुए कुल कारोबार का लगभग 80% सर्वोत्तम रेटिंग वाले बॉण्डों द्वारा किया गया है (सारणी 6)।

कॉर्पोरेट कर्ज बाजार में उच्च रेटिंग वाले बॉण्डों की बढ़ती मौजूदगी का कारण संकुचित होता बाजार और उच्च जोखिम-प्रतिलाभ समीकरण वाले बॉण्डों का कारोबार करने की क्षमता रखने वाले निवेशकों की सीमित संख्या को माना जा सकता है। यह भी देखा गया है कि निवेशेतर श्रेणी के बॉण्डों की तुलना में उच्च रेटिंग वाले बॉण्डों का स्प्रेड काफी कम होता है (चार्ट 5)।

प्राथमिक बाजार में, मूल्यानुसार सर्वश्रेष्ठ 5 निर्गमों की हिस्सेदारी नवंबर 2018 में हुए कुल निर्गमों की 53 प्रतिशत थी। द्वितीयक बाजार में भी इसी प्रकार का उच्च संकेन्द्रण दिखायी दिया

चार्ट 4: कॉर्पोरेट कर्ज के द्वितीयक बाजार में क्षेत्रवार हिस्सेदारी



स्रोत : सीसीआईएल।

**सारणी 6: द्वितीयक बाजार में किए गए कारोबार का रेटिंग-वार संघटन**

वर्ष	कुल राशि (करोड़)			हिस्सा	
	एएए	बीबीबी से नीचे	कुल	एएए	बीबीबी से नीचे/ गैर-निवेश
2008-09	1,07,549	22,282	1,45,828	73.75	15.28
2009-10	2,94,268	59,285	4,02,157	73.17	14.74
2010-11	3,79,542	1,03,081	5,98,604	63.40	17.22
2011-12	4,10,152	1,31,281	5,91,979	69.28	22.18
2012-13	4,10,581	2,30,744	7,36,348	55.76	31.34
2013-14	6,96,917	1,17,902	9,72,156	71.69	12.13
2014-15	7,16,087	1,27,264	10,13,504	70.65	12.56
2015-16	5,76,773	1,39,785	9,05,333	63.71	15.44
2016-17	5,78,952	4,01,231	11,24,988	51.46	35.67
2017-18	8,33,499	2,51,384	13,50,033	61.74	18.62
2018-19 (नवंबर तक)	4,82,637	51,042	6,65,611	72.51	7.67

स्रोत : सीसीआईएल।

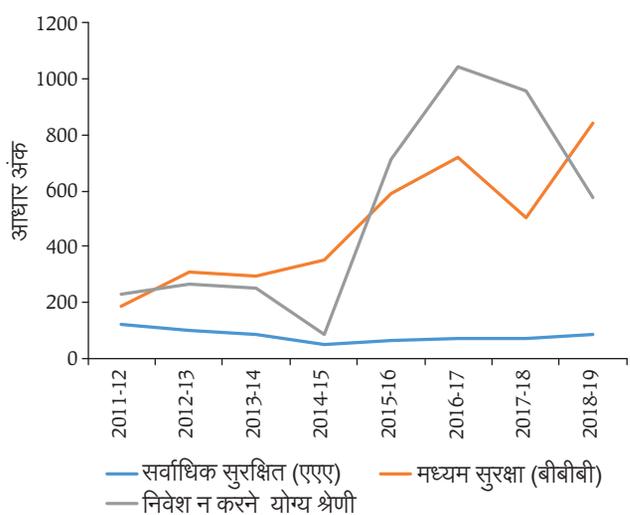
और शीर्षस्थ 25 बॉण्डों द्वारा किया गया व्यापार कुल व्यापार का लगभग एक तिहाई रहा (सारणी 7)।

म्युचुअल फंड (एमएफ) उद्योग ने नवाचार, उचित मूल्य अनुसंधान, चलनिधि की स्थिति और पारदर्शी बॉण्ड मूल्यांकन को प्रोत्साहित करके भारत में कॉर्पोरेट बॉण्ड बाजार के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। इसके अलावा, कॉर्पोरेट बॉण्ड के द्वितीयक बाजार व्यापार को बढ़ावा देने में भी एमएफ की भूमिका महत्वपूर्ण रही है क्योंकि अन्य सभी श्रेणियों के निवेशक आम तौर पर बॉण्ड को उसकी परिपक्वता तक रखते हैं। अल्पावधि डेट

फंडों की प्रबंधनाधीन आस्तियों (एयूएम) ने, जो कॉर्पोरेट ऋण संविभाग में सबसे बड़ी निवेश हैं, कॉर्पोरेट बॉण्ड और सीपी के साथ तीव्र गति से वृद्धि की है और ये कुल विनियोजित निधि के लगभग 77 प्रतिशत तक पहुँच गयी हैं (चार्ट 6)। इसके बिलकुल विपरीत, सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) में निवेश कुल फंड का केवल 6 प्रतिशत रहा।

सेक्टर-वार देखें तो, रियल एस्टेट, एनबीएफसी और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा जारी किए गए बॉण्ड कॉर्पोरेट बॉण्ड में डेट एमएफ द्वारा किए गए कुल निवेश का क्रमशः 1 प्रतिशत, 19 प्रतिशत और 23 प्रतिशत हैं। दिलचस्प है कि “अन्य”<sup>3</sup> श्रेणी की हिस्सेदारी लगभग 57 प्रतिशत है, जिससे इस

**चार्ट 5: सभी प्रकार की रेटिंग वाले कॉर्पोरेट बॉण्डों का स्प्रेड (औसत)**



स्रोत : सीसीआईएल।

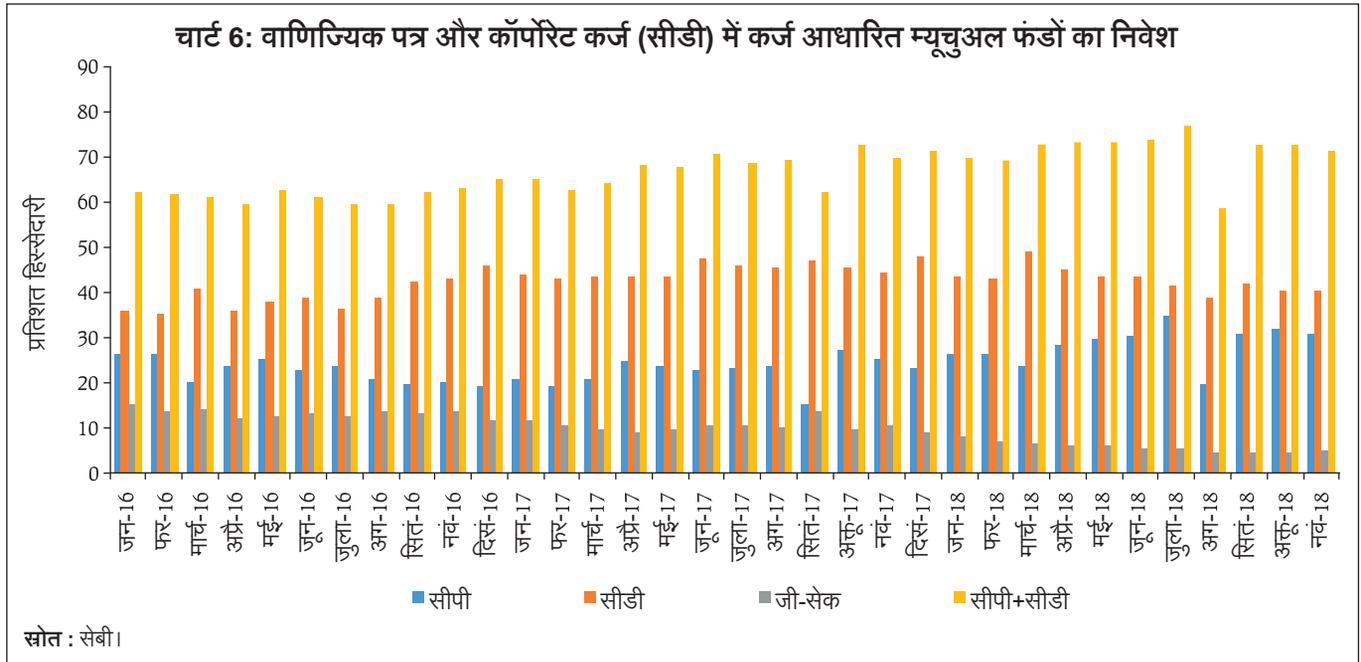
**सारणी 7: सर्वाधिक कारोबार करने वाले 25 बॉण्डों की हिस्सेदारी**

वर्ष	सर्वाधिक कारोबार करने वाले 25 बॉण्ड : कारोबार की राशि (₹ करोड़)	किए गए कुल कारोबार की राशि (₹ करोड़)	सर्वाधिक कारोबार करने वाले 25 बॉण्डों का वार्षिक प्रतिफल	कारोबार की कुल राशि में सर्वश्रेष्ठ 25 बॉण्डों का हिस्सा
2010	23,277	66,276	7.3	35.1
2011	23,583	49,834	9.5	47.3
2012	20,636	51,227	9.6	40.3
2013	20,358	82,044	9.1	24.8
2014	29,257	75,032	9.6	39.0
2015	19,746	80,081	8.7	24.7
2016	23,990	85,557	8.6	28.0
2017	40,582	1,45,994	8.1	27.8
2018 (नवंबर तक)	43,145	86,239	8.7	50.0

नोट : अन्य सभी वर्षों के लिए आंकड़े मार्च के हैं।

स्रोत : सीसीआईएल।

<sup>3</sup> रियल एस्टेट और एनबीएफसी से भिन्न क्षेत्रों वाली कंपनियों द्वारा जारी किए गए बॉण्ड।

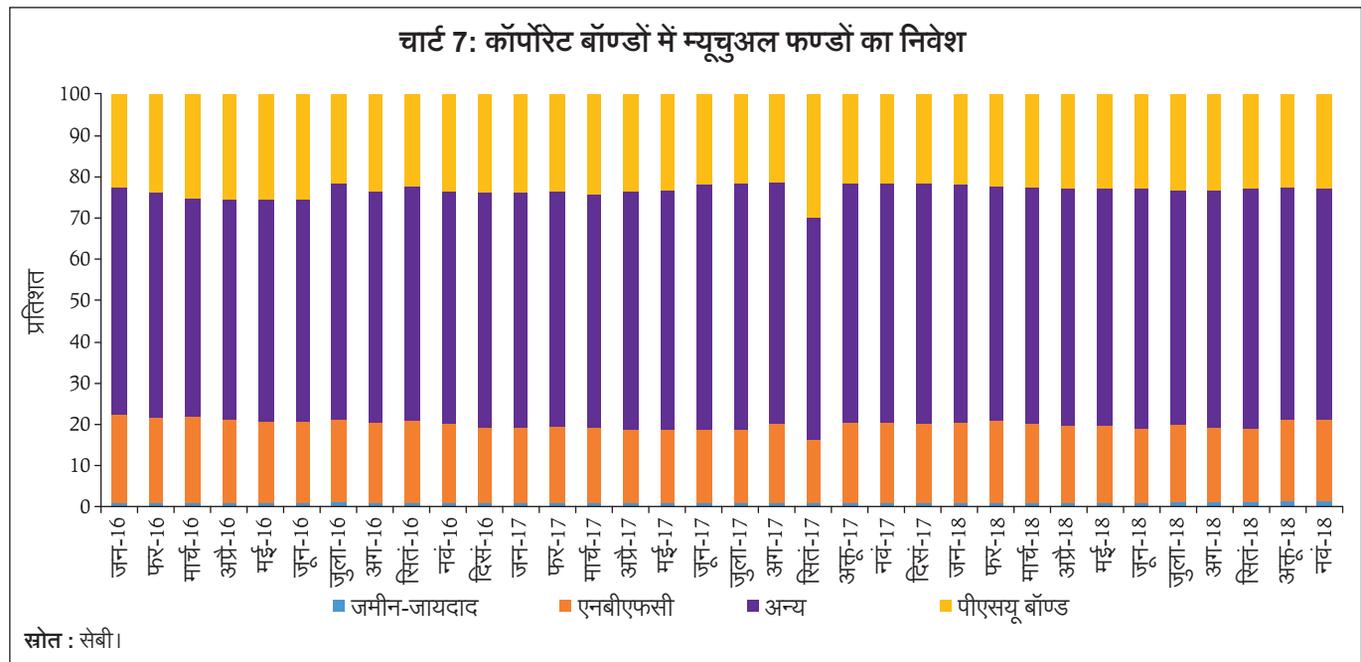


बात के संकेत मिलते हैं कि उच्च जोखिम-प्रतिलाभ संयोजन वाले बॉण्ड की मांग उत्पन्न करने में एमएफ द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभायी जा रही है (चार्ट 7)।

**V. निजी प्लेसमेंट बाजार**

भारत के कॉर्पोरेट ऋण बाजार में निजी प्लेसमेंट के वर्चस्व होने के बावजूद, इस क्षेत्र के कारोबार पर बहुत कम शोध हुआ है, जिसका मुख्य कारण विस्तृत डेटा की कमी है। सहज ही अनुमान

लगाया जा सकता है कि प्राइवेट प्लेसमेंट का वर्चस्व होने का अर्थ है कि इस बाजार में अच्छी तरह से विकसित बाजार की सभी विशेषताएं मौजूद नहीं हैं और मौजूदा स्थितियां दर्शाती हैं कि बाजार जानकारी-प्रधान है और वहाँ संबंध आधारित-उधार व्यवस्था चल रही है जिसमें निवेशक उधारकर्ता से संबंधित सार्वजनिक रूप से अनुपलब्ध जानकारी एकत्र करने में उसी तरह सक्रिय दिखते हैं जैसे बैंक (जेम्स एंड स्मिथ, 2000)। हालांकि,



बैंकों द्वारा दिए जा रहे उधार और कर्ज के प्राइवेट प्लेसमेंट के बीच मुख्य अंतर यह है कि प्राइवेट प्लेसमेंट बाजार में प्रमुख रूप से बीमा कंपनियां कारोबार करती हैं क्योंकि उनकी देनदारियां दीर्घकालिक और निश्चित स्वरूप की होने से वे ऐसे बाजारों में निवेश की ओर आकर्षित होती हैं। नतीजतन, कर्ज की अवधि और सूचना असंगति की दृष्टि से यह बाजार बैंक ऋण बाजार से बहुत अलग है (कैरी, एट अल, 1994)।

यह देखना दिलचस्प है कि कॉर्पोरेट ऋण के निजी प्लेसमेंट बाजार में भी कुल उधार राशि का लगभग आधा हिस्सा प्रतिभूत ऋणों का था (चार्ट 8)। कॉर्पोरेट ऋण के निजी प्लेसमेंट बाजार में निजी वित्तीय कंपनियों का वर्चस्व है और 2015-16 से 2017-18 की अवधि में उनकी हिस्सेदारी कुल उगायी गयी राशि का 47 प्रतिशत है।

बॉण्डों की औसत अवधि 4.8 वर्ष है और सार्वजनिक कंपनियों में यह उनके निजी समकक्षों की तुलना में अधिक है। निजी कंपनियों के लिए कूपन दरें सार्वजनिक कंपनियों की तुलना में अधिक थीं, जिससे जोखिम के प्रति अलग-अलग नज़रिए का संकेत मिलता है। निजी गैर-वित्तीय कंपनियों के लिए कूपन दर सर्वाधिक है (सारणी 8)।

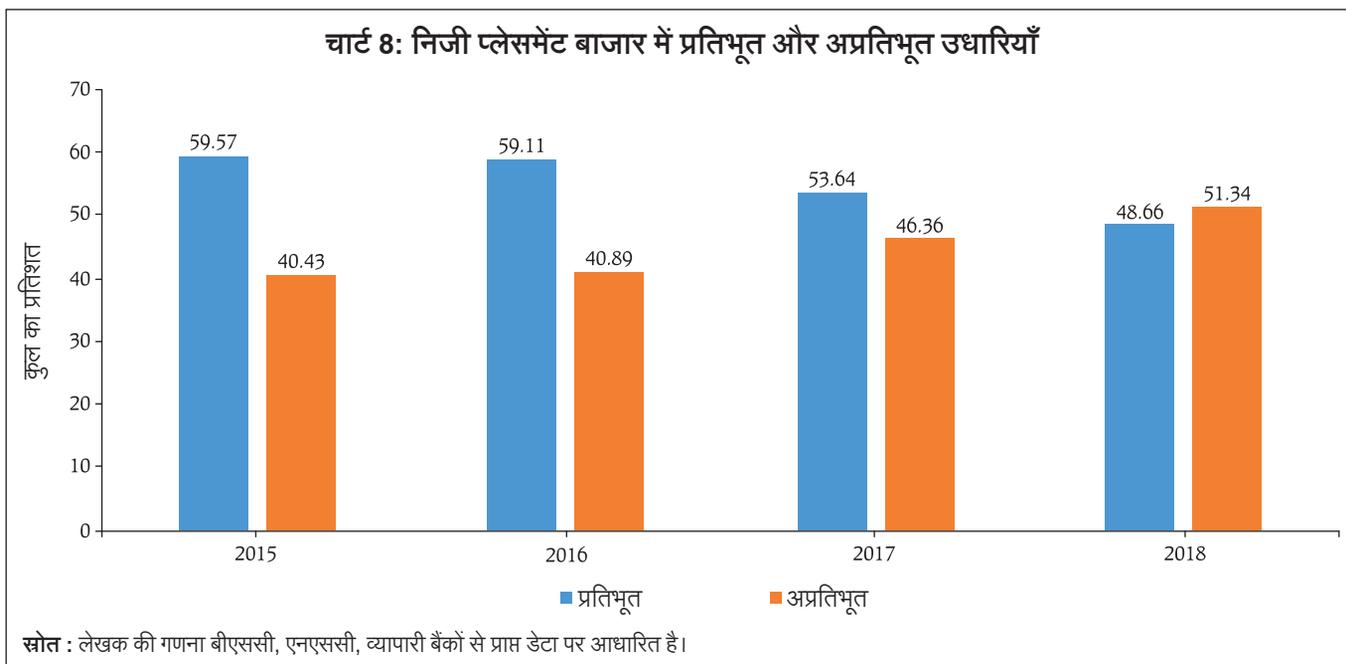
**सारणी 8: निजी प्लेसमेंट बाजार संरचना : 2015-16 से 2017-18**

स्वामित्व / क्रियाकलाप	उगाही गयी कुल राशि (₹ करोड़)	हिस्सेदारी	औसत अवधि (वर्ष में)	औसत कूपन दर (%)
<b>1. निजी</b>	<b>11,29,876</b>	<b>64.2</b>	<b>4.5</b>	<b>9.3</b>
1.1 वित्तीय	8,33,991	47.4	4.1	9.1
1.2 गैर-वित्तीय	2,95,884	16.8	6.2	9.8
<b>2. सार्वजनिक</b>	<b>6,29,985</b>	<b>35.8</b>	<b>8.5</b>	<b>8.1</b>
2.1 वित्तीय	4,65,934	26.5	8.3	8.2
2.2 गैर-वित्तीय	1,64,051	9.3	9.1	8.0
<b>कुल</b>	<b>17,59,860</b>	<b>100.0</b>	<b>4.8</b>	<b>9.2</b>

स्रोत : लेखक की गणना बीएससी, एनएससी, व्यापारी बैंकों से प्राप्त डेटा पर आधारित है।

निजी प्लेसमेंट के मामले में बॉण्ड की कीमत निर्धारण करते समय अक्सर आने वाली बाधा होती है निजी प्लेसमेंट वाले बॉण्डों से संबन्धित विस्तृत और एकसमान डेटा का उपलब्ध न होना। हालांकि, उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर, यह समझने का प्रयास किया गया है कि ऋण की अवधि, सुरक्षा-से जुड़े कारकों और साथ ही आम तौर पर मौजूद ब्याज दरों से निजी प्लेसमेंट बाजार में कूपन की दरें कैसे प्रभावित होती हैं। विशेष रूप से, अनुभव के आधार पर यह समझने की कोशिश की गयी है कि जोखिम और प्रतिलाभ के

**चार्ट 8: निजी प्लेसमेंट बाजार में प्रतिभूत और अप्रतिभूत उधारियाँ**



बीच सकारात्मक संबंध क्या कॉर्पोरेट ऋण के निजी प्लेसमेंट बाजार पर भी लागू होता है।

उपलब्ध आकड़ों के आधार पर निजी प्लेसमेंट मार्केट में कूपन दर के निर्धारकों के अनुभवजन्य विश्लेषण के लिए प्रमुख चरों के दो सेटों पर विचार करना आवश्यक है - i) सुरक्षा से जुड़ी विशेषताएं जैसे- सुरक्षा से जुड़े जोखिम, सेक्टर (निजी/सार्वजनिक), परिचालन की प्रकृति (वित्तीय/गैर-वित्तीय), अवधि, और ऋण का प्रकार (प्रतिभूत/अप्रतिभूत) ii) ब्याज दर के सामान्य माहौल को दर्शाने वाले समष्टि-चर और बॉण्डों में निहित जोखिम के प्रति बाजार के आकलन के संकेतक के रूप में बेंचमार्क 10 वर्षीय जी-सेक दर की तुलना में एएए रेटिंग वाले कॉर्पोरेट बॉण्डों के स्प्रेड को दर्शाने वाले चर। रेटिंग एजेंसियों द्वारा प्रदान की गयी रेटिंग को बॉण्डों से जुड़े जोखिम का संकेतक माना जाता है। बॉण्डों की रेटिंग अक्सर एक से अधिक रेटिंग एजेंसियों द्वारा की जाती है और विभिन्न एजेंसियों द्वारा की गयी रेटिंग की तुलना करने का फिलहाल कोई सिद्धांत मौजूद नहीं है। कोई मानक प्रक्रिया मौजूद न होने के कारण इस आलेख में अपनाया गया दृष्टिकोण इस प्रकार है : बॉण्डों को उनसे जुड़े जोखिम के आधार पर तीन वर्गों में बांटा गया है। किसी भी एजेंसी द्वारा एएए रेटिंग वाले बॉण्डों को बाजार में सबसे सुरक्षित लिखत माना जाता है और इसके बाद एएए से कम रेटिंग प्राप्त ऐसे सभी बॉण्डों को रखा जाता है जो कम से कम 'ए' श्रेणी में आते हों। शेष बॉण्डों यानि, बीबीबी या उससे नीचे तथा बिना रेटिंग वाले बॉण्डों को अपेक्षाकृत जोखिम भरे बॉण्डों की श्रेणी में रखा जाता है। ऐसे मामलों में जब एक से अधिक रेटिंग एजेंसी द्वारा बॉण्ड को रेटिंग दी गयी हो, तो सबसे कम रेटिंग का उपयोग किया जाता है।

2015-2018 की अवधि में, निजी प्लेसमेंट वाले बॉण्डों की कूपन दरों का आकलन बॉण्ड की अवधि, उसके स्वामित्व की प्रकृति (निजी/सार्वजनिक), परिचालन के क्षेत्र (वित्तीय/गैर-वित्तीय), ऋण की प्रकृति (प्रतिभूत/अप्रतिभूत) और ऊपर बताए गए तरीके से बॉण्ड की रेटिंग के आधार पर आकलित बॉण्ड-जोखिम को देखते हुए किया जाता है। सार्वजनिक, वित्तीय, प्रतिभूत (एसईसी) तीन छद्म चर हैं जो स्वामित्व की प्रकृति, परिचालन के प्रकार और ऋण देने की श्रेणी को समाहित करते हैं। एएए और सी ऐसे दो चर हैं जिन्हें क्रमशः दो वर्गों एएए बॉण्ड और सर्वाधिक जोखिम वाले बॉण्ड के रूप में पारिभाषित किया गया है जबकि शेष श्रेणी को आधार के रूप में लिया गया है। आमतौर पर चल रही ब्याज दरों

और निजी बॉण्ड के सापेक्ष जोखिम के बारे में बाजार की धारणा को व्यक्त करने के लिए जिन चरों का इस्तेमाल किया गया है, वे हैं क्रमशः 10 साल की जी-सेक प्रतिफल (जीआईएनडी10) हैं और एएए रेटिंग वाले कॉर्पोरेट बॉण्ड (10 वर्ष) का स्प्रेड (सीओआरपी एएए)। तदनुसार, नीचे निर्दिष्ट मॉडल परिकल्पित किया गया है।

$$COUPON_{it} = \alpha + \beta_1 TENURE_{it} + \beta_2 GIND10_{it} + \beta_3 CORPAAA_{it} + \beta_4 PUBLIC_{it} + \beta_5 FINANCIAL_{it} + \beta_6 SEC_{it} + \beta_7 AAA_{it} + \beta_8 C_{it} + \beta_9 (TENURE_{it}) * (PUBLIC_{it}) + \beta_{10} (TENURE_{it}) * (FINANCIAL_{it}) + \varepsilon_{it}$$

परिकल्पित गुणांकों के अनुमानित संकेत हैं (तालिका 9)। यह देखा गया था कि निजी प्लेसमेंट वाले बॉण्डों की कूपन दर और उसकी अवधि में सकारात्मक संबंध है, जिससे यह संकेत मिलता है कि दीर्घावधि वाले बॉण्डों में अपेक्षाकृत उच्च जोखिम-प्रतिलाभ

सारणी 9: अनुमानित परिणाम

चर	गुणांक
अवधि	0.00532 (0.0075)
जीआईएनडी10	1.352*** (0.0878)
सीओआरपीएएए	0.0130*** (0.00251)
सार्वजनिक	-0.509*** (0.204)
वित्तीय	-0.394*** (0.082)
सिक्यूरिटी	-0.172** (0.0982)
एएए	-1.030*** (0.0491)
सी	3.982*** (0.163)
इंटरैक्शन डमी 1	-0.00917 (0.0076)
इंटरैक्शन डमी 2	0.00368 (0.0085)
अचर	-0.904 (0.737)
टिप्पणी	5.988
आर-स्क्वायर	0.273
माध्य वीआईएफ	2.93

नोट : भिन्नता (Heteroscedasticity) – सुसंगत तटस्थ मानक त्रुटियाँ कोष्ठक में दी गयी हैं; सभी चरों के लिए भिन्नता स्फीति कारक (वीआईएफ) 10 से कम थे, जो इस बात की ओर संकेत करते थे कि बहुसमरंखिकता की समस्या गंभीर नहीं थी।

\*\*\*: पी<0.01, \*\*: पी<0.05, \*: पी<0.1.

संयोजन देखने को मिलता है। हालांकि, अनुमानित परिणाम बताते हैं कि बॉण्ड का कार्यकाल इसके कूपन को निर्धारित करने वाला महत्वपूर्ण कारक नहीं है जिसका कारण शायद यह भी है कि अलग-अलग जोखिम प्रोफाइल वाले बॉण्डों से जुड़े आंकड़े एक साथ रखे जाते हैं। इसी तरह, आशा के अनुकूल, प्रतिभूत ऋण की कूपन दर अपेक्षाकृत कम होती है। इसके अलावा, कूपन दरें काफी हद तक प्लेसमेंट के दिन मौजूद 10 साल की जी-सेक प्रतिफल और 10 साल के जी-सेक की तुलना में एएए के स्प्रेड के अनुरूप ही रही हैं।

**सार्वजनिक और वित्तीय** दोनों के गुणांक नकारात्मक और महत्वपूर्ण हैं, जिसका तात्पर्य यह है कि यदि बॉण्ड किसी सार्वजनिक या वित्तीय कंपनी द्वारा जारी किया जाता है, तो उसकी कूपन दर कम होगी जो इस बात की ओर संकेत है कि पहले वाले मामले में सार्वजनिक गारंटी निहित है। दोनों छद्म चर एएए और सी महत्वपूर्ण हैं जो संकेत करते हैं कि बॉण्ड की जोखिम दर इसकी कूपन दर निर्धारित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है। विभिन्न रेटिंग श्रेणियों के लिए बनी जोखिम प्रीमियम की संरचना कम रेटिंग / बिना रेटिंग वाले बॉण्डों पर काफी उच्च जोखिम-प्रीमियम दर्शाती है। अनुभव के आधार पर प्राप्त परिणामों में एएए रेटिंग वाले बॉण्डों और जोखिम भरे बॉण्डों (बीबीबी या उससे नीचे की रेटिंग वाले) की कूपन दरों के बीच अंतर औसतन 5.02 प्रतिशत पाया गया। अंततः ये दोनों अंतःक्रियात्मक छद्म चर निरर्थक पाए जाते हैं, जो इंगित करता है कि निजी प्लेसमेंट वाले बॉण्डों के कूपन और उनकी अवधि के बीच संबंध पर बॉण्डों के स्वामित्व या उनके परिचालन की प्रकृति का कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ता। सारांश रूप में कहें तो, ये परिणाम दर्शाते हैं कि निजी प्लेसमेंट बाजार में भी, कम रेटिंग वाले बॉण्डों को निवेशक अधिक जोखिमपूर्ण मानते हैं। भारत के कॉर्पोरेट ऋण बाजार में एएए रेटिंग वाले बॉण्डों के वर्चस्व का संभवतः यही कारण है।

## VI. निष्कर्ष

कारोबारी तेजी और गहनता की दृष्टि से देखें तो भारत में कॉर्पोरेट ऋण बाजार की समष्टिगत संरचना में विकास होना अभी बाकी है। बाजार के प्राथमिक और द्वितीयक दोनों संविभागों में इन्फ्रास्ट्रक्चर और वित्तीय सेवा कंपनियों द्वारा जारी बॉण्डों का वर्चस्व बना हुआ है जबकि विनिर्माण से जुड़ी फर्मों की हिस्सेदारी नगण्य है। कॉर्पोरेट ऋण का प्लेसमेंट बहुतायत में निजी क्षेत्र द्वारा है और यह कुल उगाही गयी राशि के औसतन 98 प्रतिशत

के अत्यधिक उच्च स्तर पर है। निजी प्लेसमेंट बाजार में बॉण्डों की विभिन्न श्रेणियों पर कूपन की दरें कई कारकों से प्रभावित होती हैं जैसे बॉण्डों की अवधि, रेटिंग, निर्गम का प्रकार, 10 वर्ष जी-सेक प्रतिफल में उतार-चढ़ाव और जोखिम के बारे में बाजार की समग्र धारणा।

बाजार की बैडविड्थ को बढ़ाने के लिए कई नीतिगत उपायों पर विचार किया जा सकता है। राज्यों में कॉर्पोरेट बॉण्डों पर लगने वाले स्टाम्प शुल्क को तर्कसंगत बनाने के अलावा सीडीएस के लिए एक चलनिधि बहुल बाजार का विकास करने और सार्वजनिक निर्गम / सूचीबद्धता को प्रोत्साहन दिए जाने को प्राथमिकता दिया जाना आवश्यक है। इसके साथ ही, उच्च जोखिम की धारणा के कारण कॉर्पोरेट बॉण्ड बाजार में निवेशकों की संख्या अभी भी बहुत कम है। इस संदर्भ में, कॉर्पोरेट बॉण्ड जारी करने वालों से जुड़ी जानकारी के प्रचार-प्रसार में क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों (सीआरए) की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां बाजार में जंक बॉण्ड की उपस्थिति की पहचान करने में भी मददगार बनती हैं।

दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी), 2016 के लागू हो जाने से, जिसने पहले से मौजूद अन्य सभी समाधान फ्रेमवर्कों का स्थान ले लिया है, कॉर्पोरेट बॉण्ड बाजार में निवेशकों का विश्वास मजबूत होने की आशा है। वर्ष 2016-17 के संघीय बजट में क्रेडिट संवर्धन निधि की घोषणा किए जाने से कॉर्पोरेट बॉण्ड बाजार में इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियों की पहुँच बढ़ेगी और रिजर्व बैंक द्वारा लाए गए व्यापक एक्सपोजर फ्रेमवर्क से इसमें मदद मिलेगी। 2018-19 की बजट घोषणा में बड़े कॉर्पोरेट के लिए यह अनिवार्य बना दिया गया है कि वे वित्त संबंधी अपनी कुल आवश्यकताओं के 25% की पूर्ति बॉण्ड बाजार से करें। आगे चलकर, इस घोषणा के क्रियान्वयन और अर्ध बॉण्ड उत्पादों के विकास के परिणामस्वरूप भारत में कारोबारी संभावनाओं से भरपूर और चलनिधि बहुल कॉर्पोरेट बॉण्ड बाजार के विकास में काफी प्रगति होने की संभावना है।

## References

Banerji, S., Gangopadhyay, K., Patnaik, I., and Shah, A. (2012), "New thinking on corporate bond market in India", *NIPFP Working Paper No 2012-106*. Available at [https://nipfp.org.in/media/medialibrary/2013/04/WP-2012\\_106\\_0.pdf](https://nipfp.org.in/media/medialibrary/2013/04/WP-2012_106_0.pdf)

- Carey, M.; Prowse, S.; Rea, J.; Udell, G. (1994), "The economics of the private placement market", *Federal Reserve Bulletin* 80(1), 5-6.
- Committee on Financial Sector Reforms (CFSR) (2008), "A hundred small steps: report of the committee on financial sector reforms", Planning Commission, Government of India,
- Ministry of Finance (2008), "Economic Survey", Government of India. Available at <http://mofapp.nic.in:8080/economicsurvey/>
- Gyntelberg, J., Ma, G., and Remolona, E. (2006), "Developing corporate bond markets in Asia". *BIS Papers*, 26, 13-21.
- IRDAI (2017), "Annual Report 2016-17", Available at [https://www.irdai.gov.in/ADMINCMS/cms/frmGeneral\\_NoYearList.aspx?DF=AR&mid=11.1](https://www.irdai.gov.in/ADMINCMS/cms/frmGeneral_NoYearList.aspx?DF=AR&mid=11.1)
- James, C., & Smith, D. C. (2000), "Are banks still special? New evidence on their role in the corporate capital-raising process". *Journal of Applied Corporate Finance*, 13(1), 52-63.
- Patil, R. (2004), "Corporate Debt Market: New Beginnings". *Economic and Political Weekly*, 39(12), 1237-1246.
- RBI (2004), "Report of the Working Group on Development Financial Institutions", Available at <https://www.rbi.org.in/Scripts/PublicationReportDetails.aspx?UrlPage=&ID=387>.
- SEBI (2016), "Report of the Working Group on Development of Corporate Bond Market in India", Available at [https://www.sebi.gov.in/reports/reports/aug-2016/report-of-the-working-group-on-development-of-corporate-bond-market-in-india\\_33004.html](https://www.sebi.gov.in/reports/reports/aug-2016/report-of-the-working-group-on-development-of-corporate-bond-market-in-india_33004.html)
- SEBI (2017), "Consultation Paper on Consolidation and re-issuance of debt securities issued under the SEBI (Issue and Listing of Debt Securities) Regulations, 2008", Available at [https://www.sebi.gov.in/reports/reports/feb-2017/consolidation-and-re-issuance-of-debt-securities-issued-under-the-sebi-issue-and-listing-of-debt-securities-regulations-2008\\_34120.html](https://www.sebi.gov.in/reports/reports/feb-2017/consolidation-and-re-issuance-of-debt-securities-issued-under-the-sebi-issue-and-listing-of-debt-securities-regulations-2008_34120.html)
- SEBI (2018), "Expanding India's Corporate Bond Market: Bonds of Growth-Assessing the Supply Demand Matrix". Speech by Shri Ajay Tyagi, Chairman, SEBI at CRISIL's 5<sup>th</sup> Annual Seminar on October 24, 2018. *SEBI Bulletin*, November 2018.
- SEBI (2018a), "Consultation Paper Designing a Framework for Enhanced Market Borrowings by large Corporates", Available at [https://www.sebi.gov.in/reports/reports/jul-2018/consultation-paper-for-designing-a-framework-for-enhanced-market-borrowings-by-large-corporates\\_39641.html](https://www.sebi.gov.in/reports/reports/jul-2018/consultation-paper-for-designing-a-framework-for-enhanced-market-borrowings-by-large-corporates_39641.html)
- Singh, B. (2007), "Corporate choice for overseas borrowings: The Indian evidence", *RBI Occasional Paper*, Volume 28, No 3, Winter 2007.

## वर्ष 2017-18 में कारोबारी रुझान और प्रत्याशाएं\*

इस आलेख में वर्ष 2017-18 के दौरान किए गए विनिर्माण क्षेत्र के औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण (आईओएस) के प्रमुख निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए हैं। इस सर्वेक्षण में मांग की स्थितियों में स्थिर संभावना के साथ लगातार सुधार दर्शाया गया है। इनपुट, विशेषतः कच्चे माल की लागतों के रुझानों के बारे में चिंता बनी हुई है; जिससे गुंजाइश सीमित हुई है, जैसाकि बिक्री कीमतों में सुधार से परिलक्षित है। विनिर्माण क्षेत्र में सकल मूल्य (जीवीए) संवृद्धि तथा थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति की गतिविधियों का पता लगाने के लिए सर्वेक्षण डेटा से निकाली गई गतिकी कारक सूचियों को उपयोगी पाया गया।

### प्रस्तावना

मौजूदा गतिविधियों और स्थितियों को प्रगतिशील विधि से जानने के लिए औद्योगिक/ व्यवसाय संभावना सर्वेक्षणों को व्यापक रूप से काम में लाया जाता है, विशेष रूप से केंद्रीय बैंकों द्वारा, ताकि आर्थिक गतिविधियों की तुरंत उपलब्ध होने वाली जानकारी, जिसमें कभी संशोधन न करना पड़ा हो, के आधार पर अधिक बार अनुसरण और विश्लेषण किया जा सके (हैन्सन एंड जैन्सन, 2003; केविन एंड रोज़वाल, 2015; अम्स्टैड एंड एटर, 2000)। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने उभरती हुई बाजार अर्थव्यवस्थाओं के बीच इस प्रकार के सर्वेक्षणों की पहल की। इसका प्रमुख औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण (आईओएस) 1998 में शुरू हुआ और तब से लगातार पिछले 20 वर्षों में मासिक अंतराल पर 81 डेटा संगुटन सेट में प्रचुर सूचना प्राप्त हो रही है। प्राप्त प्रतिसादों को एकत्र करके आईओएस एकक कारोबार मूल्यांकन सूचकांक (बीएआई) प्रस्तुत करता है, जो मौजूदा स्थितियों और कारोबारी प्रत्याशा सूचकांक (बीईआई)

का संपुटन करता है, जिसमें अगली तिमाही के लिए संभावना का सारांश दिया जाता है। यह अनुभवजन्य रूप से दर्शाया गया है कि भारत में विनिर्माण गतिविधियों के व्यवहार को स्पष्ट करने के लिए बीईआई में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण शक्तियां हैं (लक्ष्मी एंड मल्ल, 2015; आरबीआई, जून 2017)।

इस पृष्ठभूमि में इस आलेख का अभिप्रेरण दो तरह से है। पहला, यह 2017-18 में विनिर्माण क्षेत्र के रुझानों से उत्पन्न संदेशों, जो वर्ष के दौरान किए गए सर्वेक्षणों के चार चरणों में किए गए मतदान से उभरे हैं, का समेकन और सार प्रस्तुत करता है। अब पीछे मुड़कर देखना दिलचस्प होगा कि इस सर्वेक्षण में वर्ष के दौरान होने वाली गतिविधियों को कितने निकट से दर्शाया गया है, जिसमें कॉर्पोरेट बिक्री संवृद्धि में बढ़ोतरी और पूंजी उपयोग में उछाल के साथ ही विनिर्माण में जीवीए वृद्धि में परिवर्तन और सकल नियत पूंजी निर्माण प्रमुख रहे। दूसरा, इस आलेख में समय अपरिवर्तनीय चर जैसी सीमाओं को संबोधित करके निकट भविष्य की संभावना के अनुमान में अधिक सुस्पष्टता लाने का प्रयास किया गया है। इन प्रयासों में गतिशील तत्व सूचकांक (डीएफआई) का प्रस्ताव किया गया है जो कम से कम विनिर्माण जीवीए वृद्धि और विनिर्माण नीति के तात्कालिक अनुमान में बीईआई की पूर्वसूचना को बेहतर बनाता है।

आलेख के शेष भाग को 5 भागों में बांटा गया है। भाग 2 में अंतरराष्ट्रीय प्रथाओं के परिप्रेक्ष्य में आरबीआई के आईओएस को परखने के लिए विभिन्न देशों के कारोबारी प्रवृत्ति औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण अनुभवों की जांच की गई है। भाग 3 में आईओएस में 2017-18 के दौरान किए गए सर्वेक्षण विनिर्माण स्थितियों के प्रमुख मापदंडों के अनुभवजन्य तथ्यों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया है। भाग 4 में विनिर्माण जीवीए संवृद्धि के पूर्वानुमान/ तात्कालिक अनुमान के लिए वैकल्पिक विधि का निर्धारण किया गया है, जिसने कुशलता और स्थिरता के साथ बीईआई की पूर्वानुमान लगाने की शक्तियों से बेहतर प्रदर्शन किया है। भाग 5 में कुछ नीतिगत परिप्रेक्ष्य में सारांश दिया गया है।

### 2. विभिन्न देशों की प्रथाएं

अमेरिका, यूके, जापान और आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के अन्य सदस्य देशों सहित

\* जुगनू अंसारी तथा एस.मजूमदार, उद्यम सर्वेक्षण प्रभाग, सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग (डीएसआइएम)। इस आलेख में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के हैं। सर्वेक्षण डेटा का अद्यतन दौर 5 अक्टूबर 2018 को आरबीआई की वेबसाइट <https://rbi.org.in/scripts/PublicationsView.aspx?Id=18713> पर प्रकाशित किया गया है। पिछला लेख आरबीआई बुलेटिन के जून 2017 अंक में प्रकाशित किया गया था, जिसे [https://rbi.org.in/Scripts/BS\\_ViewBulletin.aspx?Id=16933](https://rbi.org.in/Scripts/BS_ViewBulletin.aspx?Id=16933)।

## सारणी 1: अन्य देशों में औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण का अनुभव

कारोबार प्रवृत्ति सर्वेक्षण मापदंड	ऑस्ट्रेलिया	ब्राजील	कनाडा	फ्रांस	जर्मनी	भारत	इंडोनेशिया	जापान	न्यूजीलैंड	साउथ अफ्रीका	यूनाइटेड किंगडम	यूनाइटेड स्टेट्स
वर्ष से आयोजित	1966	1995	1998	1959	1961	1998	2002	1957	1961	1986	1977	1968
संयुक्त संकेतक (बीईआई)	√	√	√			√	√	√	√	√	√	√
क्षमता का उपयोग	√	√		√	√	√	√	√	√	√	√	√
रोजगार	√	√	√			√	√	√	√	√		√
तैयार माल की सूची	√	√				√	√	√	√	√		
आदेश बहियां	√	√		√	√	√	√		√	√	√	
उत्पादन	√	√				√	√		√	√		
बिक्री कीमत	√		√			√		√	√	√		

स्रोत : ओईसीडी आंकड़े

विभिन्न विकसित देशों, मध्य पूर्वी यूरोप की परिवर्तनशील अर्थव्यवस्थाओं और एशिया पसिफिक क्षेत्र के देशों में नियमित रूप से कारोबारी प्रवृत्ति/ रुझान/ संभावना / प्रत्याशा सर्वेक्षण किए जाते हैं। अनेक देशों में कारोबारों द्वारा स्वयं ही अंतर्निहित समष्टि आर्थिक और वित्तीय स्थितियों का आकलन करने के लिए विविध सर्वेक्षण किया जाना प्रचलित है (सारणी 1)। ओईसीडी, द यूरोपियन यूनियन, द एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) तथा यूनाइटेड नेशन्स इकॉनॉमिक एंड सोशल काउंसिल फॉर एशिया एंड पसिफिक (एस्केप) जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं इन सर्वेक्षणों को सुसंगत बनाने का कार्य कर रही हैं, ताकि विभिन्न देशों के बीच समन्वय और तुलना की जा सके। ऐसे सर्वेक्षणों से प्राप्त संकेत कारोबार चक्र विश्लेषण के लिए प्रमुख संकेतकों का निर्माण करने और अल्पकालिक संभावना आकलन के सारांश मापक विकसित करने के लिए उपयोगी पाए गए हैं (हैन्सन एंड जैन्सन 2003)।

मुद्रास्फीति लक्ष्य वाले ज्यादातर देशों<sup>1</sup> के सर्वेक्षणों में उन मांग और कीमत मापदंडों को अधिकतम कवरेज दिया जाता है जिन्हें राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व के लिए उपयुक्त माना जाता है। फिलाडेल्फिया फेडरल रिजर्व बैंक द्वारा किए गए प्रतिष्ठित विनिर्माण कारोबार संभावना सर्वेक्षण का उद्देश्य उत्तर पूर्व

<sup>1</sup> प्रमुख मुद्रास्फीति लक्ष्य वाले देश ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, जापान न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, यूनाइटेड किंगडम, यूएसए।

अमेरिका में विनिर्माण स्थितियों को जानना था, किंतु इसे व्यापक रूप से पूरे देश का आकलन<sup>2</sup> दर्शाने वाला माना जाता है। केंद्रीय बैंकों के अलावा राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय भी कारोबारी प्रवृत्तियां सर्वेक्षण आयोजित करते हैं।

ब्राजील में विनिर्माण उद्योग का सर्वेक्षण बहुत कुछ भारतीय अनुभव के समान है। यह मासिक रूप से आयोजित गुणात्मक सर्वेक्षण है। इसके परिणामों को कारोबारी संभावना के संबंध में अर्थव्यवस्था की स्थिति के बारे में प्रमुख संकेतों की पहचान के लिए प्रयोग किया जाता है। कनाडा में बैंक ऑफ कनाडा के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा इस प्रकार का सर्वेक्षण इसी अंतराल पर किया जाता है। इसमें सकल घरेलू उत्पाद में उनके योगदान के आधार पर चयनित फर्मों के वरिष्ठ प्रबंधन को लक्ष्य किया जाता है। बैलेंस ऑफ ओपिनियन का अनुमान -100 और +100 के बीच लगाया जाता है, जोकि आरबीआई के आईओएस के ही अनुरूप है। इंडोनेशिया में अभीष्ट व्यापक कवरेज वाला कारोबारी प्रवृत्ति सर्वेक्षण किया जाता है। इसमें कारोबारी राजस्व, उत्पादन क्षमता का उपयोग, रोजगार औसत कार्य-समय, घरेलू और सीमा-पर मांग जैसी व्यापक कारोबारी स्थितियों के संबंध में तिमाही आधार पर जानकारी प्राप्त की जाती है। इस सर्वेक्षण में विनिर्माण

<sup>2</sup> फेडरल रिजर्व बैंक ऑफ फिलाडेल्फिया का द मैनुफैक्चरिंग बिजनेस आउटलुक सर्वे विनिर्माताओं का मासिक सर्वेक्षण है। सहभागी समग्र कारोबारी गतिविधियों, और उनकी फर्म की गतिविधियों के विभिन्न उपायों में बदलाव की दिशा: रोजगार, कार्य के घंटे, नए और पुरे न किए गए ऑर्डर, शिपमेंट, मालसूचियां, डिलीवरी समय, अदा की गई कीमतें और प्राप्त की गई कीमतों का उल्लेख करते हैं। यह सर्वेक्षण मई 1968 से प्रत्येक माह में आयोजित किया जाता है।

जीडीपी में उनके योगदान के आधार पर 2500 कंपनियों के प्रतिदर्श शामिल किए जाते हैं।

### 3. अनुभवजन्य तथ्य

आरबीआई के आईओएस पर वापिस आते हुए, सर्वेक्षण अनुसूची में उन 2500 विनिर्माण कंपनियों के नियत पैनल को परखा जाता है जिनकी प्रदत्त पूंजी ₹5 मिलियन से अधिक है। पैनल को आवधिक रूप से अद्यतन किया जाता है (नई कंपनियों को जोड़कर या बंद/ विलयन की गई कंपनियों को घटाकर)। प्रतिसाद की दर लगभग 45- 50 प्रतिशत है।

सर्वेक्षण अनुसूची में गुणात्मक प्रश्न निहित हैं और प्रत्यर्थी कंपनियों के वरिष्ठ प्रबंधन कर्मी अथवा वित्तीय प्रमुख इसके लक्ष्य होते हैं। इसमें 5 खंड हैं: खंड 1 पहचान खंड है; खंड 2 में उत्पाद का ब्योरा मांगा जाता है; खंड 3 में कंपनी की प्रदत्त पूंजी, वार्षिक उत्पादन और क्षमता उपयोग के बारे में आकार, श्रेणी संबंधी ब्योरा मांगा जाता है; खंड 4 में कंपनी के उत्पादन में आई बाधाओं संबंधी प्रतिसाद मांगा जाता है, और खंड 5 में 19 मुख्य मापदंडों पर गुणात्मक प्रश्नों का मूल्यांकन किया जाता है।<sup>3</sup>

स्टॉक वेरिबल के लिए दिए गए विकल्पों, जैसे उत्पादन क्षमता, लंबित आदेश, क्षमता उपयोग का स्तर, रोजगार और माल सूची की सामान्य स्थिति के साथ तुलना की जाती है, जबकि फ्लोर वेरिबल, जैसे उत्पादन, आदेश बही, निर्यात, आयात, वित्त की उपलब्धता पर सिलसिलेवार जवाब, अर्थात् संबंधित तिमाही में होने वाले परिवर्तन मांगे जाते हैं। सर्वेक्षण में दो समय अवधियां शामिल हैं - पिछली तिमाही की तुलना में वर्तमान तिमाही का मूल्यांकन और वर्तमान तिमाही की तुलना में आगामी तिमाही की प्रत्याशाएं। एक तीन प्वाइंट स्केल पर प्रतिक्रियाएं एकत्र की जाती हैं। सर्वेक्षण का फील्ड वर्क निजी मार्केट रिसर्च एजेंसियों के माध्यम से किया जाता है तथा अपेक्षित जानकारी प्राप्त करने हेतु मेल और टेलीफोन, दोनों साधनों का प्रयोग किया जाता है।

<sup>3</sup> प्रमुख मापदंड हैं समग्र कारोबारी स्थिति, वित्तीय स्थिति, कार्यशील पूंजी वित्त आवश्यकताएं, वित्त की उपलब्धता, उत्पादन, आदेश बहियां, कच्चे माल की लागत, वित्त की लागत, माल सूचियों का स्तर (कच्चा माल और तैयार वस्तुएं, दोनों), रोजगार, निर्यात, आयात, क्षमता उपयोग संकेतक, बिक्री मूल्य और लाभ मार्जिन।

### 3.1 कार्यपद्धति

सर्वेक्षण के परिणामों का सार निवल प्रतिसाद (एनआर) नामक एकल मात्रात्मक माप के माध्यम से निकाला जाता है, जो सामान्यतः आशावादी और निराशावादी प्रतिसादों के बीच अंतर दर्शाता है। तटस्थ प्रतिसादों को शून्य मूल्य दिया जाता है, जिसकी व्याख्या “कोई बदलाव नहीं / यथास्थिति” (एनसी) के रूप में की जाती है।<sup>4</sup> अतएव, एनआर का मूल्य -100 से +100 तक हो सकता है। एनआर का धनात्मक मूल्य वृद्धि / आशावाद दर्शाता है जबकि 0 से कम मूल्य संकुचन / निराशावाद का द्योतक है। तथापि, इस आलेख में सभी मापदंडों के एनआर की गणना “वृद्धि” और “कमी” के अनुपातों में अंतर के रूप में की गई है, ताकि अंतर्निहित / लक्षित मेक्रो वेरिबलों से सीधे तुलना की जा सके। इसलिए, लागत मापदंडों के लिए एनआर के धनात्मक मूल्य निराशावाद के द्योतक हैं। इस आलेख के शेष भाग में एनआर का प्रयोग सर्वेक्षण के परिणामों का विश्लेषण करने और विभिन्न मापदंडों पर निगाह रखने के लिए किया गया है। समग्र प्रस्तुति के लिए “कोई परिवर्तन नहीं” अर्थात् एनसी जवाब देने वाले उत्तरदाताओं के अनुपात के बारे में जानकारी भी एनआर के साथ शामिल की गई है।<sup>5</sup>

इस भाग में प्रस्तुत मांग की स्थितियां, वित्तीय स्थिति, मूल्य स्थिति और समग्र कारोबारी स्थितियों में 2017-18 अर्थात् सर्वेक्षण के 78 - 81 के दौर (जनवरी-मार्च 2018) पर ध्यान केंद्रित किया गया है। पूरा परिदृश्य दिखाने के लिए दौर 62 (अप्रैल-जून 2013) की समय शृंखला गतिविधियों को पृष्ठभूमि के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

<sup>4</sup> यदि आई, एन और डी एक विशिष्ट मापदंड में वृद्धि के प्रतिशत, बदलाव नहीं और कमी का प्रतिनिधित्व करते हैं, तो एनआर =  $100 \times (\text{आई} - \text{डी})$  और एनसी =  $100 \times \text{एन}$  होगा।

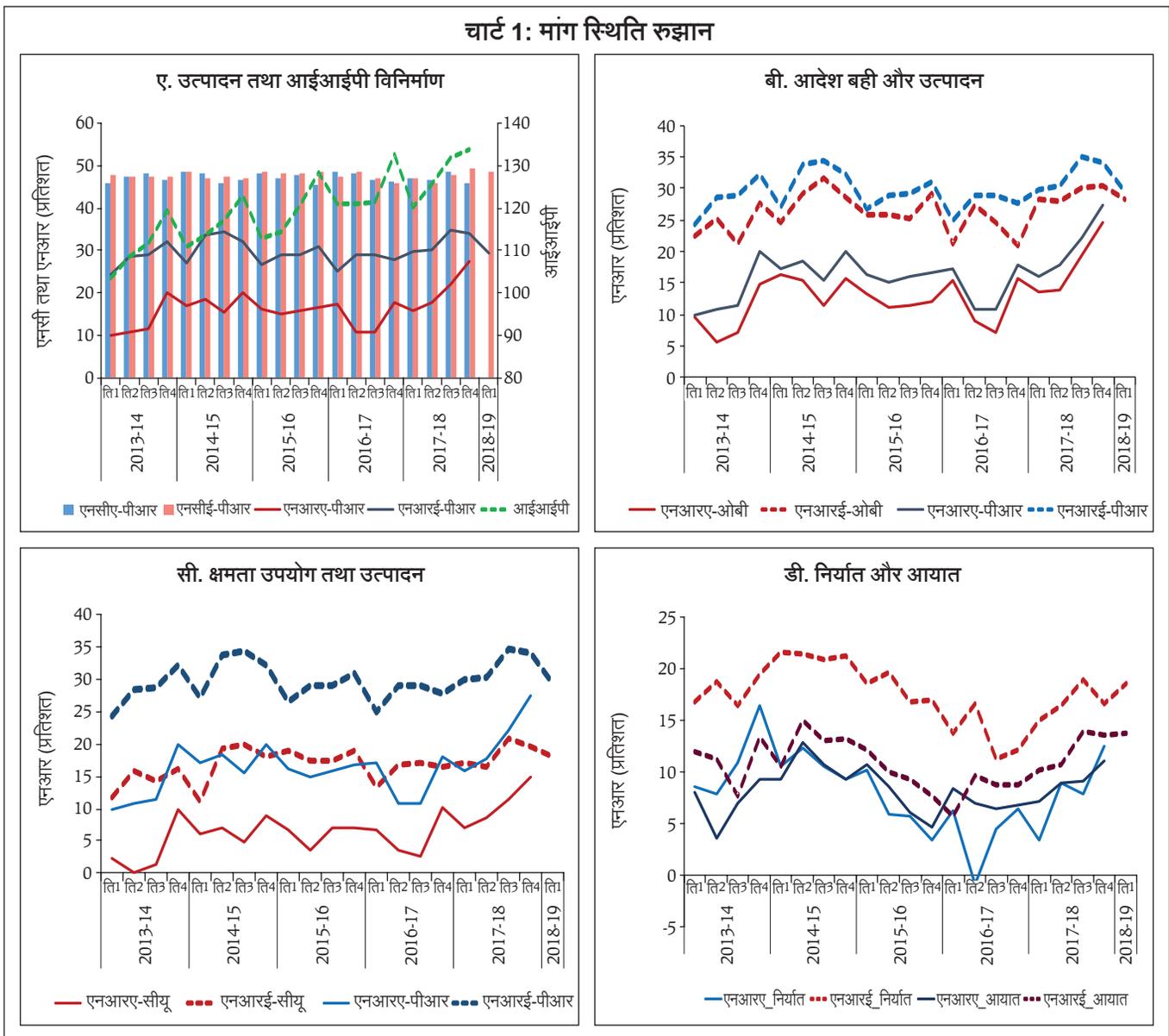
<sup>5</sup> उदाहरणार्थ, यदि स्टडी वेरिबल में वृद्धि, परिवर्तन नहीं और कमी बताने वाले प्रत्यर्थियों का अनुपात पिछली तिमाही की तुलना में क्रमशः 10%, 90% और 0% हो, तो 10% का निवल प्रतिसाद यह स्पष्ट करेगा/ बताएगा कि प्रत्यर्थियों ने स्टडी वेरिबल में वृद्धि का आकलन किया है, जो इस तथ्य को निष्प्रभ कर देगा कि बदलाव नहीं के लिए मतदान अधिकांश अनुपात में था। दूसरी ओर, यदि संबंधित अनुपात 50%, 10% और 40% हों, तो इस मामले में 10% का निवल प्रतिसाद प्रत्यर्थियों के बीच मतभेद दर्शाएगा, जिसका मतलब प्रतिसाद की समग्र दिशा अनिर्णायक होना होगा। यदि एनसी लगभग 50% हो (उदा. उत्पादन, समग्र कारोबारी स्थिति), तो एनआर का विवेचन अधिक निर्णायक होगा। सामान्यतः चार्टों में एनसी के बहुत अधिक या बहुत कम मूल्य ही दर्शाए जाते हैं।

### 3.2 मांग की स्थितियां

अर्थव्यवस्था में समग्र मांग स्थितियों पर भारतीय विनिर्माताओं की समझ को प्रमुख मापदंडों, जैसे उत्पादन (पीआर) आदेश बही (ओबी), क्षमता का उपयोग (सीयू), माल सूची (आईएनवी), निर्यात (ईएक्सपी), आयात (आईएमपी) तथा रोजगार को एक साथ जोड़ कर पढ़ते हुए उनके मूल्यांकन के आधार पर लिया गया है। निवल प्रतिसादों पर मापे गए उत्पादन पर रुझान (एनआरई- पीआर)<sup>6</sup> में वर्ष के दौरान क्रमिक वृद्धि हुई

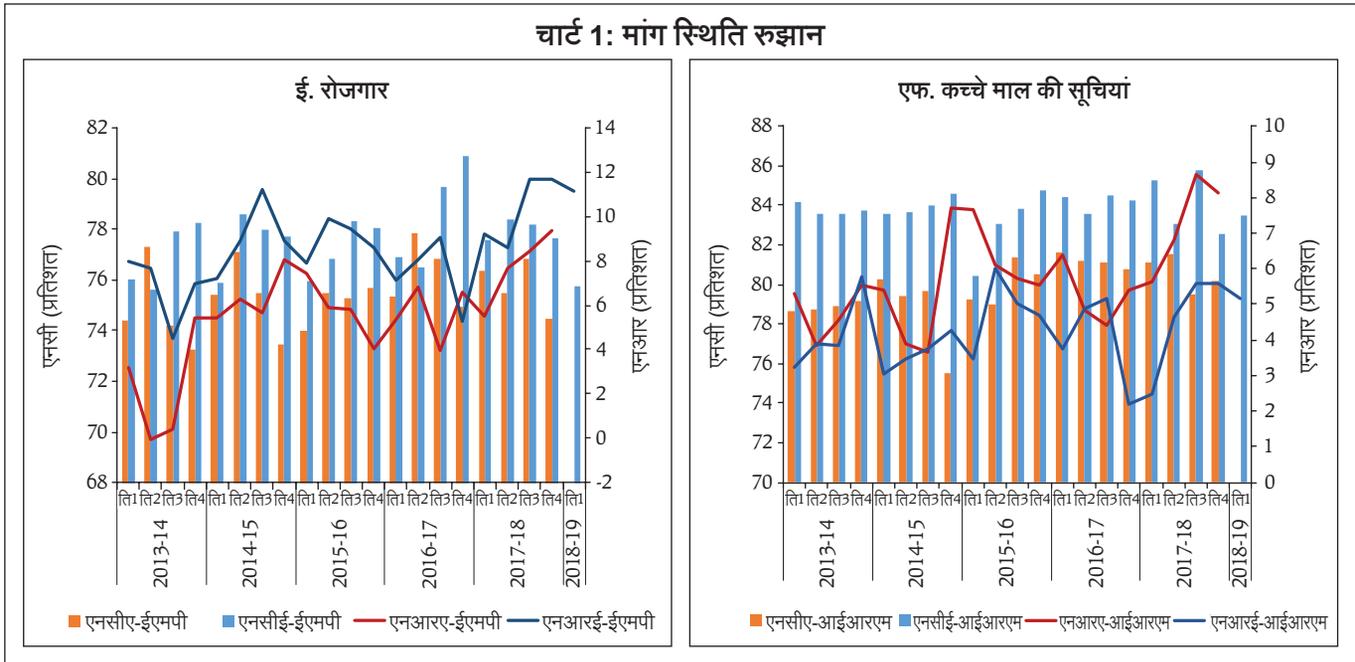
और यह 2017-18 की पहली तिमाही में उच्च स्तर पर पहुंचा। एक क्रमबद्ध रूप से चलते हुए उत्पादन (एनआरई- पीआर) पर प्रत्याशाएं एनआरए-पीआर से अधिक रहीं, हालांकि चौथी तिमाही में इसमें कमी आई और यह 2018-19 की पहली तिमाही तक जारी रही। एनआरए-पीआर के अनुसार सर्वेक्षण के प्रतिसादों के कारण व्यापक रूप से अंतर्निहित विनिर्माण गतिविधियों का पता लगाया जा सका, जैसाकि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) (चार्ट 1ए) में दर्शाया गया है। विशेष रूप से, पूर्ण

चार्ट 1: मांग स्थिति रुझान



<sup>6</sup> एनआरए-पीआर और एनआरई-पीआर उत्पादन के मूल्यांकन और प्रत्याशाओं के निवल प्रतिसाद हैं।

**चार्ट 1: मांग स्थिति रुझान**



अवधि के दौरान उत्पादन (एनसीए-पीआर तथा एनसीई-पीआर)<sup>7</sup> पर परिवर्तन नहीं प्रतिसादों का अनुपात लगभग 50% रहा।

आदेश बहियों (ओबी) पर विनिर्माताओं के आकलन और प्रत्याशाएं मोटे तौर पर उत्पादन के अनुसार ही हैं, जो अंतर्निहित मांग में क्रमिक सुधार दर्शाती हैं, जबकि संभावनाएं स्थिर हैं (चार्ट 1बी)। मांग का एक अन्य संकेतक अर्थात् क्षमता का उपयोग (सीयू) का उत्पादन की तर्ज पर उस सीमा तक विकसित होने का आकलन किया गया, जहां तक सामान्यतः उद्यम अपनी स्थापित क्षमता का वास्तव में उपयोग करता है, तथा 2017-18 की दूसरी छमाही और 2018-19 की पहली तिमाही में सीयू पर संभावना उत्पादन के साथ-साथ कम होती दिखाई दी (चार्ट 1 सी)। वर्ष के दौरान जैसे ही मांग की स्थितियां मजबूत हुईं, वर्ष की दूसरी छमाही में निर्यातों के आयातों से आगे बढ़ जाने के साथ ही निर्यातों और आयातों के संबंध में उत्तरदाताओं का आकलन और प्रत्याशाएं बढ़ीं (चार्ट 1 डी)।

रोजगार मापदंड में अंशकालिक और पूर्णकालिक कर्मचारी तथा अनियत मजदूर शामिल हैं। यह विशेषतः धीमी गति वाला वेरिअबल है तथा प्रतिसादों में एनसी का अनुपात प्रबल रहता है (सामान्यतः 70-80 प्रतिशत)। वर्ष 2015-16 में रोजगार स्थिति में गिरावट के बाद 2016-17 की तीसरी तिमाही में विमुद्रीकरण

की अवधि को छोड़कर 2016-17 में रोजगार स्थिति में मामूली सुधार हुआ तथा 2017-18 में रोजगार स्थिति और अधिक मजबूत हुई। (चार्ट 1 ई)

चूंकि कंपनियां जहां मांग या कीमतों में बड़े परिवर्तन अपेक्षित हों, ऐसी स्थिति को छोड़ कर कच्चे माल की सूचियों (आईआरएम) के स्थिर स्तर का लक्ष्य बनाती हैं, इसलिए इस मापदंड के प्रतिसाद में एनसी प्रबल है (लगभग 80 प्रतिशत), हालांकि 2017-18 के दौरान एनआर में थोड़ी सी बढ़ोतरी मांग स्थिति में धीरे धीरे सुधार दर्शाती है (चार्ट 1 एफ)।

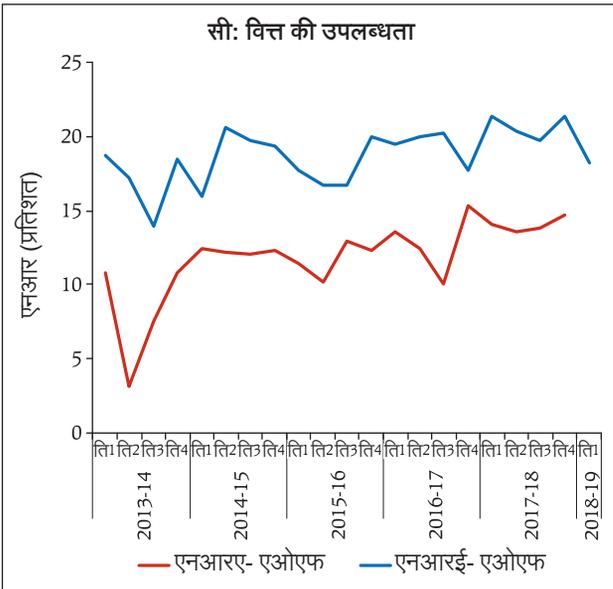
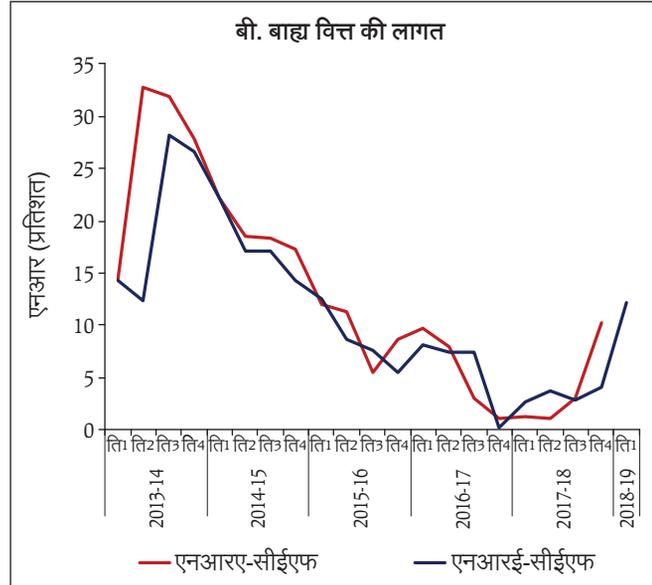
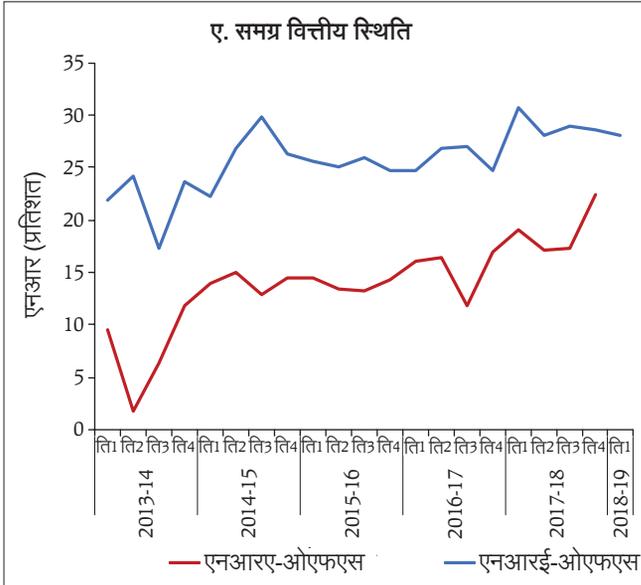
### 3.3 वित्तीय स्थिति

चूंकि अर्थव्यवस्था में अंतर्निहित मांग में हुए बदलाव के प्रति कारोबारी प्रतिसादों को वित्तीय स्थितियों से प्रोत्साहित या संकुचित किया जा सकता है, अतः समग्र वित्तीय स्थिति और बाह्य वित्त की लागत और उपलब्धता पर निवल प्रतिसादकारोबारी योजनाओं पर कार्यनीतियां बनाने की विनिर्माताओं की योग्यता पर उपयोगी जानकारी प्रदान करता है।

पिछले कुछ वर्षों में उत्तरदाताओं ने समग्र वित्तीय स्थिति (ओएफएस) पर सकारात्मक रुझान व्यक्त किया है। वर्ष 2016-17 की चौथी तिमाही से इस रुझान में और सुधार देखा गया है, जो प्रणाली में अतिरिक्त चलनिधि दर्शाता है। वर्ष 2017-18 का आउटलुक मोटे तौर पर स्थिर रहा है। (चार्ट 2 ए)। बाह्य वित्त

<sup>7</sup> एनसीए-पीआर और एनसीई-पीआर उत्पादन के मूल्यांकन और प्रत्याशाओं के प्रतिसाद हैं - कोई बदलाव नहीं। इस आलेख में ओबी, सीयू, आईएनवी, ईएक्सपी, आईएमपी आदि जैसे अन्य मापदंडों के लिए इन प्रतीकों का एकसमान रूप से प्रयोग किया गया है।

चार्ट 2: वित्तीय स्थिति का रुख



में इकाई की कीमत) और लाभ अंतर की तुलना में विनिर्माता के कीमत को महत्व दिया गया है। इस संदर्भ में कीमतों और लागत पर उत्तरदाताओं का रुख उल्लेखनीय है क्योंकि उत्पादन गतिविधि की लागत को बिक्री कीमत एवं लाभ में रूपांतरित करने की उनकी योग्यता का मूल्यांकन करने के लिए मौजूदा बाजार की गतिविधियों के विरुद्ध उन्हें मांग एवं वित्तीय स्थिति का ठीक-ठीक अनुमान लगाने की जरूरत है।

वर्ष 2017-18 में विनिर्माताओं के लिए कच्चे माल की लागत (सीआरएम) की चिंता सदैव बनी रही क्योंकि कुल प्रतिसाद के लगभग 50 प्रतिशत में सीआरएम की वृद्धि का अनुमान लगाया गया था, विशेषकर 2017-18 की चौथी तिमाही में जिसमें डबल्यूपीआई मुद्रास्फीति के साथ निकट सह-संचालन था (चार्ट 3ए)।

इन अंतर्निहित गतिविधियों के समान बिक्री कीमत (एसपी) पर एनआर 2017-18 की तीसरी तिमाही से सुधर गया तथा 2017-18 की चौथी तिमाही में संभावना में और सुधार हुआ, यद्यपि सीआरएम से संबंधित संभावना की तुलना में वे तुलनात्मक रूप से औसत थे जो यह दर्शा रहा था कि धीमी गति से ही सही किन्तु कीमत क्षमता में सुधार हो रहा है (चार्ट 3बी)।

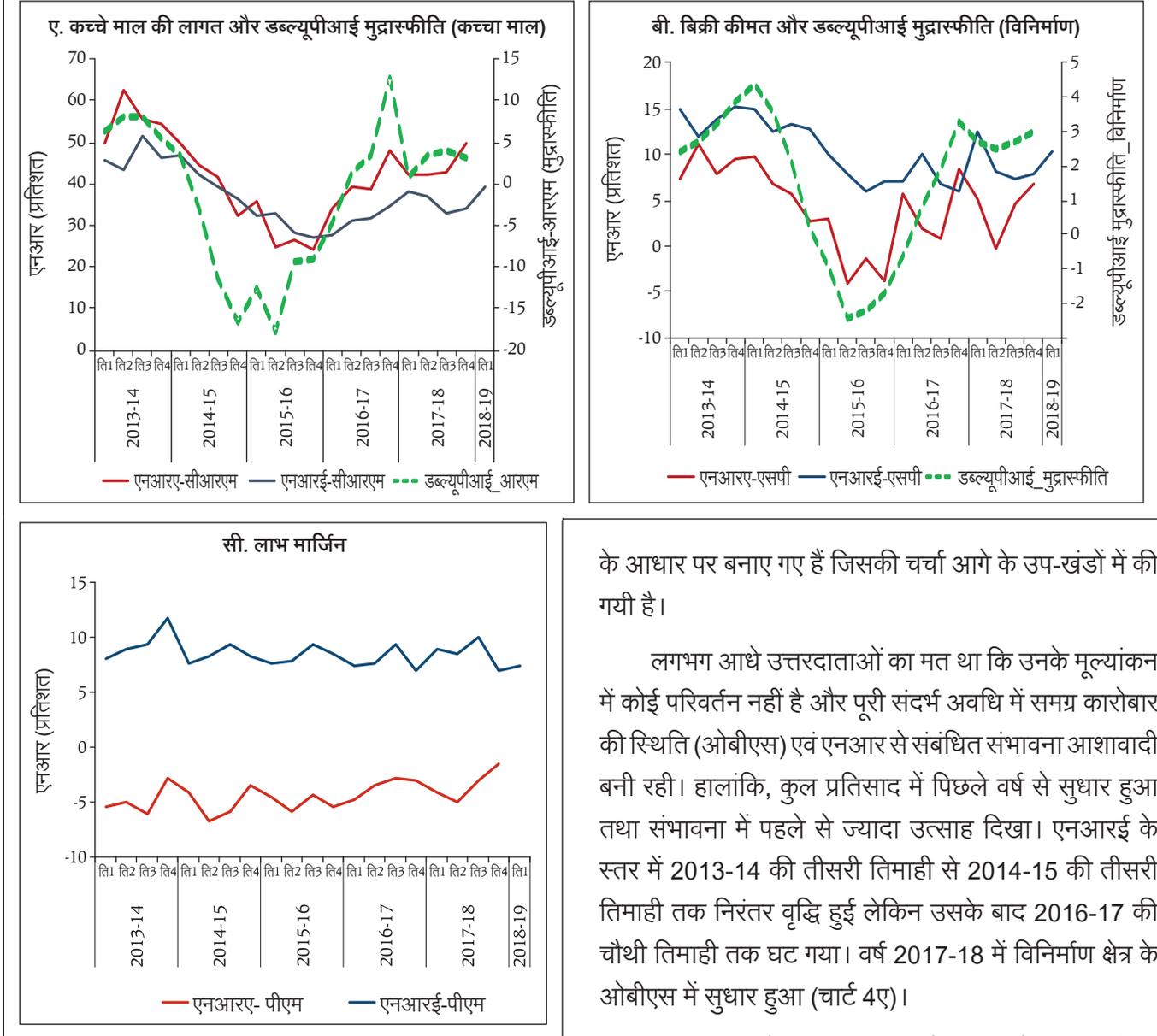
इन प्रत्याशाओं को दर्शाते हुए लाभ अंतर (पीएम) (निवल बिक्री के प्रतिशत के रूप में सकल लाभ) से संबंधित कुल प्रतिसादों में बहुत परिवर्तन नहीं हुआ। वास्तव में, वर्तमान स्थिति की मूल्यांकन थोड़ी नकारात्मक रही जो लाभ अंतर में कमी की

की लागत (सीईएफ) पर एनआर 2017-18 की तीसरी तिमाही से धीरे-धीरे बढ़ने लगा तथा 2017-18 की चौथी तिमाही और 2018-19 की पहली तिमाही के लिए संभावना में आगे और वृद्धि की आशा है (चार्ट 2बी)। वर्ष 2017-18 के दौरान वित्त की उपलब्धता (एओएफ) स्थिर रही (चार्ट 2सी)।

### 3.4 कीमत स्थिति

कीमत संबंधी प्रश्नों के उत्तर इस बात पर ढूँढे जाते हैं कि कच्चे माल की लागत और बिक्री कीमत में वृद्धि, कमी अथवा कोई परिवर्तन हुआ है या नहीं। इस विश्लेषण में बाजार (इक्स फैक्टरी

**चार्ट 3: कीमत स्थिति पर रुख**



ओर इशारा करता है। 2017-18 की दूसरी तिमाही से लाभ अंतर से संबंधित मूल्यांकन ने अस्थायी बहाली का संकेत दिया। 2017-18 की चौथी तिमाही में तेज गिरावट के बाद 2018-19 की पहली तिमाही में संभावना में मामूली सुधार हुआ (चार्ट 3सी)।

### 3.5 समग्र कारोबार की स्थिति

विनिर्माण क्षेत्र में समग्र कारोबार की स्थिति को सर्वेक्षण अनुसूची में प्रत्यक्ष प्रश्न के माध्यम से शामिल किया गया है और मिश्रित कारोबारी सूचकांक उन मानदंडों से संबंधित प्रतिसादों

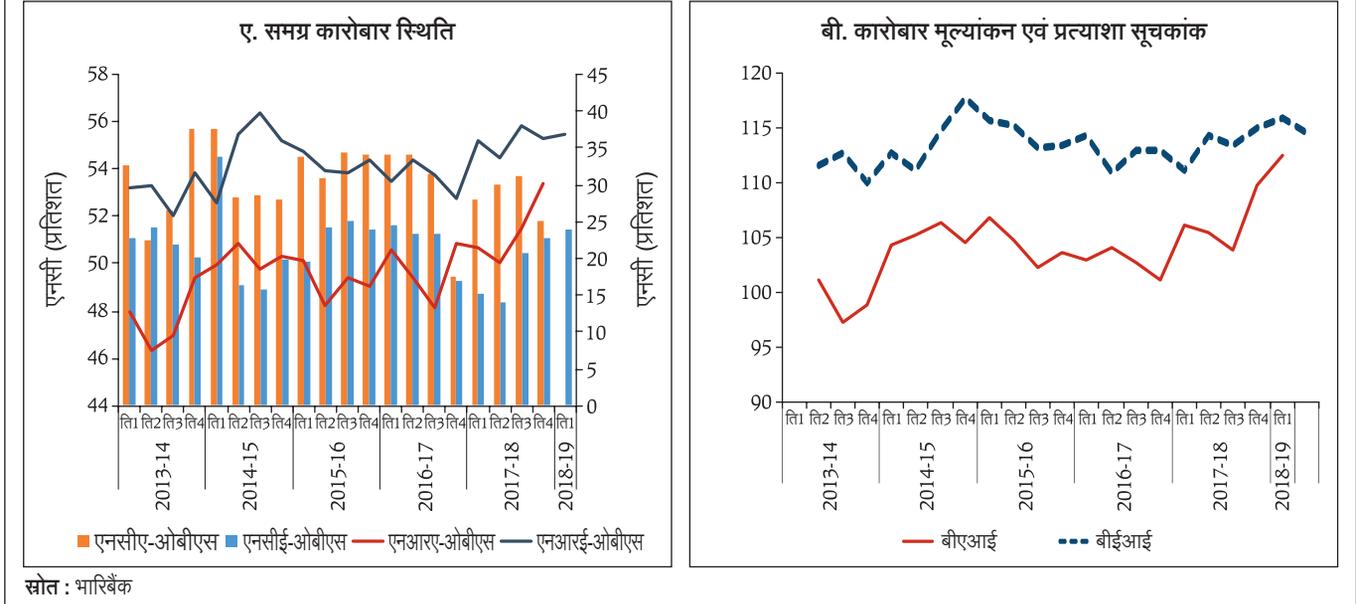
के आधार पर बनाए गए हैं जिसकी चर्चा आगे के उप-खंडों में की गयी है।

लगभग आधे उत्तरदाताओं का मत था कि उनके मूल्यांकन में कोई परिवर्तन नहीं है और पूरी संदर्भ अवधि में समग्र कारोबार की स्थिति (ओबीएस) एवं एनआर से संबंधित संभावना आशावादी बनी रही। हालांकि, कुल प्रतिसाद में पिछले वर्ष से सुधार हुआ तथा संभावना में पहले से ज्यादा उत्साह दिखा। एनआरई के स्तर में 2013-14 की तीसरी तिमाही से 2014-15 की तीसरी तिमाही तक निरंतर वृद्धि हुई लेकिन उसके बाद 2016-17 की चौथी तिमाही तक घट गया। वर्ष 2017-18 में विनिर्माण क्षेत्र के ओबीएस में सुधार हुआ (चार्ट 4ए)।

प्राप्त प्रतिसादों का मिलान करने पर कारोबार मूल्यांकन सूचकांक (बीएआई) एवं कारोबार प्रत्याशा सूचकांक (बीईआई)<sup>8</sup> के रूप में विनिर्माण क्षेत्र के लिए संभावना की झलक प्राप्त करना संभव है। इनकी गणना वर्तमान और प्रत्याशित नौ निष्पादन मानदंडों पर विभिन्न उद्योगों के प्रतिसादों के भारित औसत के रूप में की जाती है। यह सूचकांक 0 से 200 तक होता है तथा

<sup>8</sup> कारोबार मूल्यांकन और प्रत्याशा सूचकांक भारत (विभिन्न उद्योग समूह के जीवीए की हिस्सेदारी) कुल प्रतिसाद के रूप में व्युत्पन्न मिश्रित संकेतक हैं जो संबंधित हैं (1) समग्र कारोबार स्थिति; (2) उत्पादन; (3) आदेश बही; (4) कच्चे माल की सूची; (5) तैयार माल की सूची; (6) लाभ अंतर; (7) रोजगार; (8) निर्यात; एवं (9) क्षमता उपयोग।

चार्ट 4: कारोबार स्थिति



100 अंक संकुचन से वृद्धि को अलग करता है। प्रत्याशाओं पर आधारित सूचकांक आमतौर पर अधिक होता है। 2017-18 की दूसरी तिमाही के बाद, रुख में काफी सुधार हुआ है जो विनिर्माण गतिविधि के विस्तार को दर्शाता है। 2017-18 की चौथी तिमाही में बीईआई मामूली तौर पर 115.8 से घटकर 2018-19 की पहली तिमाही में 114.6 हो गया यद्यपि यह विस्तार क्षेत्र में बना रहा (चार्ट 4बी)।

#### 4. विनिर्माण की संभावना: एक वैकल्पिक दृष्टिकोण

इस खंड में, टाइम वेरीइंग मॉडल के भीतर प्रधान घटक विश्लेषण (पीसीए) के माध्यम से वर्गगत सूचना को मिलाकर आईओएस द्वारा उत्पन्न एनआर पर डाइनेमिक फैक्टर मॉडल (डीएफएम) का प्रयोग किया जाता है जो अग्रता और पश्चता को बताता है। सन्नहित फिल्टरिंग तकनीक सीरीज विशिष्ट “नॉइज़” को हटा देती है और आंकड़ों के उन हिस्सों को बनाए रखती है जो विचाराधीन सीरीज के लिए सामान्य हैं। जैसा कि साहित्य में प्रदर्शित किया गया है, यह वृहद सर्वेक्षण डेटासेट से सभी मूल्यवान जानकारी को एक ही सामान्य कारक सूचकांक में सार प्रस्तुत करता है (हैन्सन, जानसन, और लोफ, 2003; कबूण्डी, 2006; बेक एंड मोगलियानी, 2015)। भारतीय संदर्भ में, डाइनेमिक फैक्टर मॉडल का उपयोग भारत में मौद्रिक नीति संचरण से संबंधित अपारंपरिक मौद्रिक नीति के प्रभाव की

परीक्षा करने हेतु ग्लोबल स्पीलओवर्स का संकेतक (आईजीएस) विकसित करने के लिए किया गया है (पटेल एवं अन्य, 2016)।

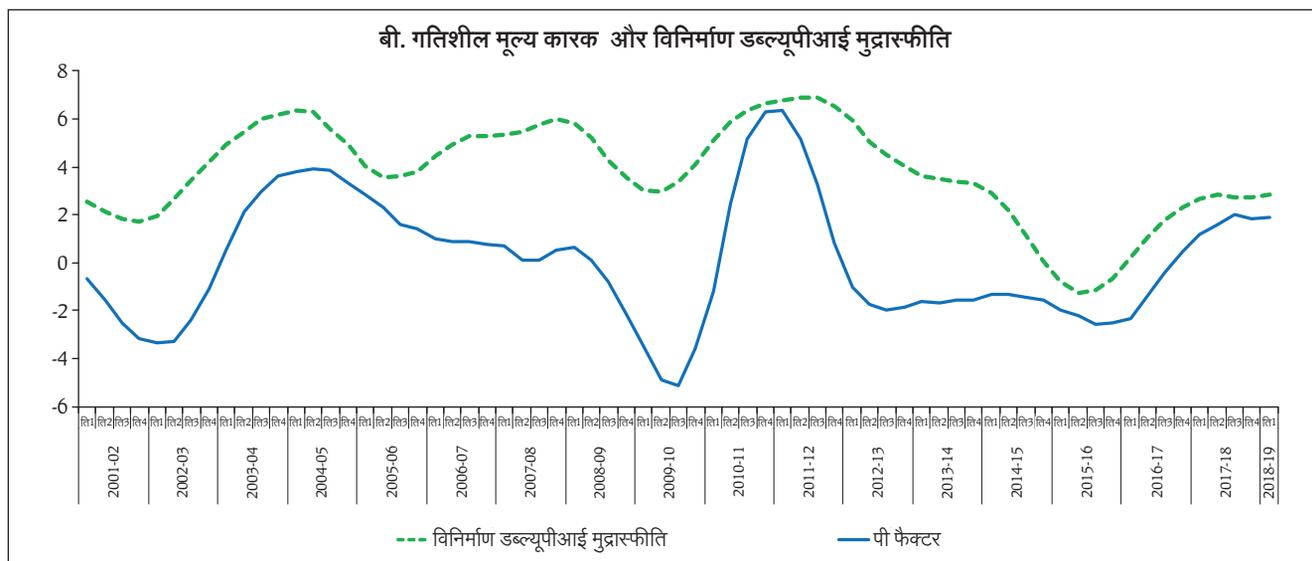
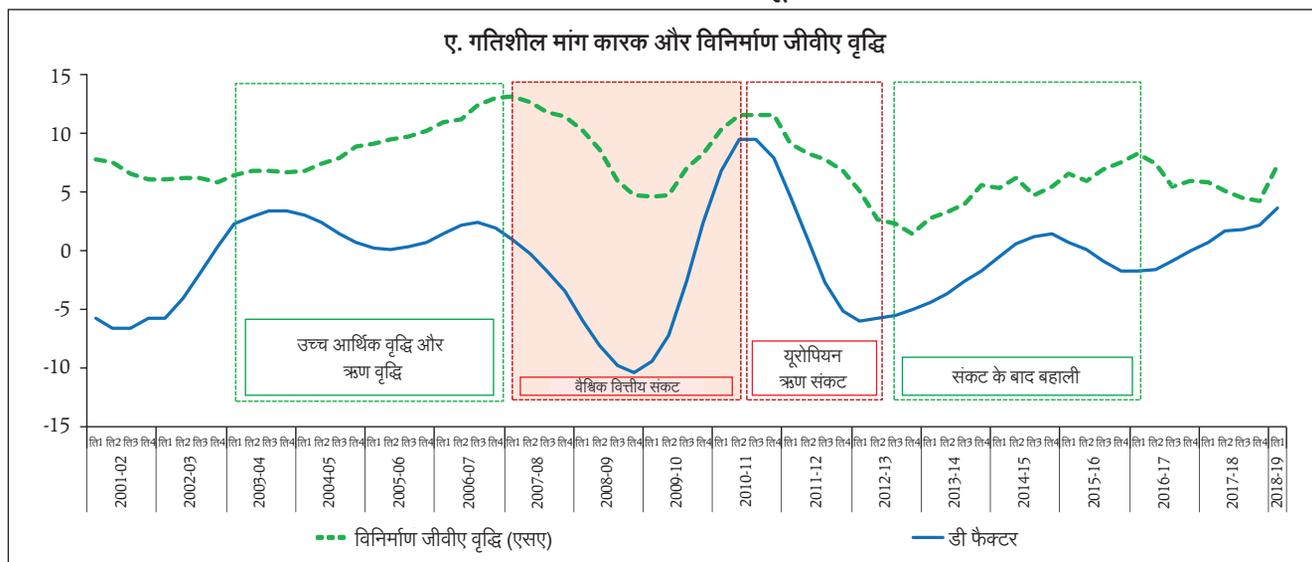
आईओएस में सर्वेक्षण किए गए विभिन्न मानदंडों के कुल प्रतिसाद (प्रत्याशा) का उपयोग 2001-02 की पहली तिमाही से 2018-19 की पहली तिमाही की अवधि के दौरान मांग स्थिति<sup>9</sup> के लिए डीफैक्टर तथा कीमत / लागत स्थिति के लिए पीफैक्टर के रूप में डाइनेमिक फैक्टर सूचियाँ (डीएफआई) बनाने के लिए किया गया है। मांग एवं कीमत के लिए डीएफआई क्रमशः विनिर्माण जीवीए वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) (मसृणित सीरीज<sup>10</sup>) तथा विनिर्माण डबल्यूपीआई मुद्रास्फीति के एक दम साथ-साथ चलते हैं (चार्ट 5ए एवं 5बी)।

जहां बीईआई का निर्माण प्रत्येक पैरामीटर के लिए निश्चित (बराबर) भार का उपयोग करके किया जाता है, वहीं डीएफआई के पैरामीटर भार को गतिशील रूप से निरूपित किया जाता है। पहले मानदंडों को बीईआई में उपयोग किए जाने वाले बड़े मानदंडों के बजाय डीएफआई में पीसीए के माध्यम से प्राप्त किया जाता है। इस आयाम में कमी करने से मानदंड-विशिष्ट नॉइज़ को कम करने में मदद मिलती है। परस्पर-सहसंबंध विश्लेषण में डीफैक्टर बीईआई की तुलना में विनिर्माण जीवीए वृद्धि को बेहतर

<sup>9</sup> विवरण के लिए कृपया परिशिष्ट का संदर्भ लें।

<sup>10</sup> मसृणन नॉइज़ घटकों को छोड़ते समय टाइम सीरीज से संकेतों को निकालने के लिए होल्ड-विटर्स विधियों का उपयोग करता है।

**चार्ट 5: डायनेमिक फैक्टर सूचकांक**



टिप्पणी : समष्टि चर वस्तुएं मौसमी समायोजित हैं।

तरीके से ट्रैक करता है। प्रतिगमन निदान (परिशिष्ट में सारणी ए1) बीईआई के मुकाबले डीफैक्टर के लिए भी ज्यादा अच्छा है। विनिर्माण डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति के अग्रणी संकेतक के रूप में

पीफैक्टर का परस्पर-सहसंबंध काफी अधिक है, जो बाद वाले के मामले में अपनी बेहतर पूर्वानुमान शक्ति को अभिप्रमाणित करता है (सारणी 2)।

**सारणी 2: संयुक्त सर्वेक्षण संकेतकों और वास्तविक चर वस्तुओं के बीच परस्पर सहसम्बन्ध**

(अ) बीईआई और डी फैक्टर के साथ विनिर्माण जीवीए वृद्धि			(आ) विनिर्माण डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति के साथ पी फैक्टर	
अग्रणी बीईआई/डी फैक्टर	बीईआई	डीफैक्टर	अग्रणी पीफैक्टर	पीफैक्टर
-4	-0.04	0.21	-4	0.33
-3	0.14	0.35	-3	0.47
-2	0.36	0.38	-2	0.66
-1	0.51	0.64	-1	0.77
0	0.65	0.79	0	0.63

## 5. निष्कर्ष

संयोजन के रूप में देखा जाए तो वर्ष 2017-18 के लिए आईओएस के चार राउंड ने निर्माताओं के सामने मांग की स्थितियों में क्रमिक सुधार का संकेत दिया, जबकि 2018-19 की पहली तिमाही के लिए संभावना स्थिर दिखाई दिया। वर्ष 2017-18 की चौथी तिमाही में समग्र वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ लेकिन प्रत्याशाएं चिंताग्रस्त बनी रही। कीमत के मोर्चे पर, कच्चे माल की कीमत से संबंधित रुख 2017-18 की तीसरी तिमाही से और खराब हो गया, जबकि बिक्री कीमतों के संबंध में कुछ सुधार स्पष्ट थे। आईओएस डेटा पर आधारित डाइनेमिक फैक्टर सूचकांक विनिर्माण जीवीए वृद्धि और विनिर्माण डबल्यूपीआई मुद्रास्फीति के निर्माण के लिए प्रमुख संकेतक पैदा करते हैं जो क्रांतिकारी परिवर्तन को ट्रैक करने में सक्षम हैं और तात्कालिक अनुमान / पूर्वानुमान प्रयोजनों के लिए आर्थिक गतिविधि के अग्रणी संकेतकों के आरबीआई के पैनल में शामिल करने हेतु भविष्य के अनुसंधान अभ्यर्थियों के लिए काफी गुंजाइश की पेशकश करते हैं।

### संदर्भ

Amstad, Marlene and Richard Etter (2000), "A New Approach to indicate Changes in Business Cycles in the Manufacturing Industries Using Markov Switching Models on Business Survey Indicators in Economic Surveys and Data Analysis", *CIRET Conference Proceedings*, pp. 283-305.

Bec F., and Mogliani M. (2015), "Nowcasting French GDP in real-time with surveys and "blocked" regressions: Combining forecasts or pooling information?",

*International Journal of Forecasting*, vol. 31(4), 1021-1042

Business Tendency Surveys: A Handbook (2003), *OECD*  
Hansson J., Jansson P., Lof M. (2003), "Business Survey Data: Do They Help in Forecasting the Macro Economy?", *Working Paper*, No. 84, National Institute of Economic Research.

Kabundi A. (2006), "Estimation of Economic Growth in France Using Business Survey Data", *IMF Working Paper* No. 04/69

Kevin Lane and Tom Rosewall, (2015), "Firm-level Capacity Utilisation and the Implications for Investment, Labour and Prices", *RBA Bulletin*.

Lekshmi, O. and Mall, O.P., (2015), "Forward looking surveys for tracking Indian economy: an evaluation", *BIS IFC Bulletin* No 39.

Patra, M.D, Pattanaik, S., John, J., Behera, H.K. (2016), "Monetary Policy Transmission in India: Do Global Spillovers Matter?", *RBI Occasional Papers*, Vol. 37, No.1 & 2

Piette C., and Langenus G. (2013), "Using survey data for predicting Belgian quarterly GDP growth", Research Department, National Bank of Belgium.

Stock, J. and M. Watson (2011), "Dynamic Factor Models", *Oxford Handbook of Economic Forecasting*, Oxford Press, ISBN-10: 0195398645.

### परिशिष्ट

ए. डायनामिक फैक्टर मॉडल

$$Z_t = \gamma(L)F_t + I_t$$

$$\theta(L)F_t = \eta_t$$

$Z_t$  = सर्वेक्षण डाटा सीरीज;  $F_t = Z_t$  से व्युत्पन्न कारक;  $I_t$  = विशिष्टता गति की सीरीज;  $\eta_t$  = सामान्य आघात और  $L$  लैग संचालक।  
पूर्वानुमान मॉडल

$$\emptyset(L) (1 - L)^d Y_t = \theta F_t + \theta(L)\varepsilon_t$$

जहां,  $Y_t$  = GVA वृद्धि और डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति,  $F_t$  = मांग (डी फैक्टर) और कीमत (पी फैक्टर) के लिए डायनामिक फैक्टर।

#### सारणी अ1: जीवीए वृद्धि पर आधारित अनुमान का परिणाम

चर वस्तुएँ	(1) जीवीए	(2) जीवीए	(3) जीवीए
एल.जीवीए	1.433*** (0.108)	1.217*** (0.111)	1.373*** (0.112)
एल 2.जीवीए	-0.533*** (0.108)	-0.253** (0.120)	-0.564*** (0.109)
डीफैक्टर_प्रत्याशा		0.089*** (0.022)	
बीईआई_प्रत्याशा			0.081 (0.050)
स्थिर	0.732** (0.325)	0.269 (0.314)	1.437*** (0.540)
समायोजित.आर-स्क्वेयर	0.9104	0.9204	0.9039
एन	68	68	68
आरएमएसई	0.879	0.790	0.868

**टिप्पणी:**  $L$ . लैग संचालक को दर्शाता है, मांग मानदण्डों हेतु प्रत्याशित के लिए डी फैक्टर\_प्रत्याशा डायनामिक फैक्टर है। कोष्ठकों में मानक त्रुटियाँ दर्शाई गई हैं;

\*\*\*  $p < 0.01$ , \*\*  $p < 0.05$ , \*  $p < 0.1$ .

उत्पादन, क्षमता उपयोगिता, रोजगार, क्षमता उपयोगिता और ऑर्डर बही के एनआरई का उपयोग करते हुए डी फैक्टर तैयार किया गया है।

## सारणी ए 2: विनिर्माण डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति पर आधारित अनुमानों का परिणाम

चर वस्तुएँ	(1) डब्ल्यूपीआईएनएफ	(2) डब्ल्यूपीआईएनएफ
एल.डब्ल्यूपीआईएनएफ	1.359*** (0.104)	1.199*** (0.111)
एल2.डब्ल्यूपीआईएनएफ	-0.552*** (0.104)	-0.435*** (0.106)
पीफैक्टर _ प्रत्याशा		0.126*** (0.042)
स्थिर	0.743*** (0.238)	0.905*** (0.230)
समायोजित आर-स्क्वेयर	0.839	0.851
एन	68	68
आरएमएसई	1.057	0.995

**टिप्पणी:** L. लैंग संचालक को दर्शाता है, कीमत मानदण्डों के लिए प्रत्याशित एनआर के लिए पी फैक्टर \_ प्रत्याशा डायनामिक फैक्टर है;

कोष्ठकों में मानक त्रुटियाँ दर्शाई गई हैं; \*\*\*  $p < 0.01$ , \*\*  $p < 0.05$ , \*  $p < 0.1$ .

बिक्री कीमत, कच्चे माल की लागत, बाढ़ वित्त की लागत तथा लाभ मार्जिन के एनआरई का उपयोग करके पी फैक्टर तैयार किया गया है।

# वर्तमान सांख्यिकी

चुनिंदा आर्थिक संकेतक  
भारतीय रिज़र्व बैंक  
मुद्रा और बैंकिंग  
मूल्य और उत्पादन  
सरकारी खाते और खज़ाना बिल  
वित्तीय बाजार  
बाह्य क्षेत्र  
भुगतान और निपटान प्रणालियाँ  
अवसरिक श्रृंखलाएं



## विषयवस्तु

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
1	चुनिदा आर्थिक संकेतक	45
	<b>भारतीय रिज़र्व बैंक</b>	
2	भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां	46
3	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन	47
4	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमेरिकी डालर का क्रय/विक्रय	48
4ए	भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	49
5	भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं	49
	<b>मुद्रा और बैंकिंग</b>	
6	मुद्रा स्टॉक मात्रा	50
7	मुद्रा स्टॉक (एम <sub>3</sub> ) के स्रोत	51
8	मौद्रिक सर्वेक्षण	52
9	कुल चलनिधि राशियां	52
10	भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण	53
11	आरक्षित मुद्रा- घटक और स्रोत	53
12	वाणिज्यिक बैंक सर्वेक्षण	54
13	अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के निवेश	54
14	भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	55
15	प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का विनियोजन	56
16	सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार विनियोजन	57
17	भारतीय रिज़र्व बैंक में खाते रखने वाले राज्य सहकारी बैंक	58
	<b>मूल्य और उत्पादन</b>	
18	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2012=100)	59
19	अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	59
20	मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य	59
21	थोक मूल्य सूचकांक	60
22	औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधार: 2011-12=100)	63
	<b>सरकारी खाते और खज़ाना बिल</b>	
23	केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में	63
24	खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप	64
25	खज़ाना बिलों की नीलामी	64
	<b>वित्तीय बाजार</b>	
26	दैनिक मांग मुद्रा दरें	65
27	जमाराशि प्रमाण-पत्र	66
28	वाणिज्यिक पत्र	66
29	चुनिदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर	66
30	गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम	67

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
	<b>बाह्य क्षेत्र</b>	
31	विदेशी व्यापार	68
32	विदेशी मुद्रा भंडार	68
33	अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां	68
34	विदेशी निवेश अंतर्वाह	69
35	निवासी भारतीयों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना के अंतर्गत जावक विप्रेषण	69
36	भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (आरईईआर) और सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर (एनईईआर) सूचकांक	70
37	बाह्य वाणिज्यिक उधार	70
38	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	71
39	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (बिलियन ₹)	72
40	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (मिलियन अमेरिकी डॉलर में)	73
41	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (बिलियन ₹ में)	74
42	अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति	75
	<b>भुगतान और निपटान प्रणालियाँ</b>	
43	भुगतान प्रणाली संकेतक	76
	<b>अवसरिक शृंखलाएं</b>	
44	लघु बचत	77
45	केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप	78
46	केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण	79
47	विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा ली गई वित्तीय सहायता	80
48	राज्य सरकारों द्वारा किए गए निवेश	81
49	राज्य सरकारों की बाज़ार उधारियां	82

टिप्पणियां: .. = उपलब्ध नहीं।

- = शून्य/नगण्य

प्रा/अ = प्रारंभिक/अनंतिम

आंसं = आंशिक रूप से संशोधित

## सं. 1: चुनिंदा आर्थिक संकेतक

मद	2017-18	2017-18		2018-19	
		ति1	ति2	ति1	ति2
	1	2	3	4	5
<b>1 वस्तु क्षेत्र (% परिवर्तन)</b>					
1.1 आधार मूल्यों पर जीवीए	6.5	5.6	6.1	8.0	6.9
1.1.1 कृषि	3.4	3.0	2.6	5.3	3.8
1.1.2 उद्योग	5.5	-0.4	7.1	10.8	6.5
1.1.3 सेवाएं	7.6	8.5	6.4	7.5	7.5
1.1क अंतिम खपत व्यय	7.2	8.7	6.3	8.4	8.0
1.1ख सकल नियत पूंजी निर्माण	7.6	0.8	6.1	10.0	12.5
	2017-18	2017		2018	
		अक्टूबर	नवंबर	अक्टूबर	नवंबर
	1	2	3	4	5
1.2 औद्योगिक उत्पादन सूचकांक	4.4	1.8	8.5	8.1	-
<b>2 मुद्रा और बैंकिंग (% परिवर्तन)</b>					
2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक					
2.1.1 जमाराशियां	6.2	8.7	3.0	9.0	10.8
2.1.2 ऋण	10.0	6.8	9.3	14.6	16.2
2.1.2.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	10.2	7.4	9.6	14.8	16.3
2.1.3 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	9.5	15.5	3.6	3.2	2.0
2.2 मुद्रा स्टॉक मात्रा					
2.2.1 आरक्षित मुद्रा (एम0)	27.4	-5.1	30.4	17.4	18.9
2.2.2 स्थूल मुद्रा (एम3)	9.2	6.1	8.4	10.0	10.4
<b>3 अनुपात (%)</b>					
3.1 आरक्षित नकदी निधि अनुपात	4.00	4.00	4.00	4.00	4.00
3.2 सांविधिक चलनिधि अनुपात	19.50	19.50	19.50	19.50	19.50
3.3 नकदी-जमा अनुपात	5.1	4.8	4.7	4.7	4.8
3.4 ऋण-जमा अनुपात	75.5	73.0	73.5	76.7	77.1
3.5 वृद्धिशील ऋण-जमा अनुपात	117.3	108.2	250.9	118.3	111.6
3.6 निवेश-जमा अनुपात	29.0	30.8	31.0	29.2	28.5
3.7 वृद्धिशील निवेश-जमा अनुपात	43.0	748.8	853.3	34.0	17.8
<b>4 ब्याज दरें (%)</b>					
4.1 नीति रिपो दर	6.00	6.00	6.00	6.50	6.50
4.2 रिवर्स रिपो दर	5.75	5.75	5.75	6.25	6.25
4.3 सीमांत स्थायी सुविधा दर	6.25	6.25	6.25	6.75	6.75
4.4 बैंक दर	6.25	6.25	6.25	6.75	6.75
4.5 आधार दर	8.65/9.45	8.95/9.45	8.95/9.45	8.85/9.45	8.95/9.45
4.6 एमसीएलआर (एक दिन के लिए)	7.80/7.95	7.70/8.05	7.70/8.05	8.05/8.40	8.15/8.45
4.7 एक वर्ष से अधिक की मीयादी जमा दर	6.25/6.75	6.25/6.75	6.00/6.75	6.25/7.25	6.25/7.50
4.8 बचत जमा दर	3.50/4.00	3.50/4.00	3.50/4.00	3.50/4.00	3.50/4.00
4.9 मांग मुद्रा दर (भारित औसत)	6.15	5.85	5.89	6.50	6.39
4.10 91-दिवसीय खजाना बिल (प्राथमिक) आय	6.11	6.11	6.15	6.94	6.77
4.11 182-दिवसीय खजाना बिल (प्राथमिक) आय	6.33	6.18	6.25	7.23	7.06
4.12 364-दिवसीय खजाना बिल (प्राथमिक) आय	6.49	6.22	6.28	7.48	7.22
4.13 10-वर्षीय सरकारी प्रतिभूतियों पर आय (एफबीआईएल)	7.42	7.00	7.25	7.84	7.64
<b>5 आरबीआई संदर्भ दर और फारवर्ड प्रीमिया</b>					
5.1 भा.रु.-अमेरिकी डालर हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	65.04	65.09	64.73	73.37	69.66
5.2 भा.रु.-यूरो हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	80.62	75.68	76.72	83.41	79.36
5.3 फारवर्ड प्रीमिया अमेरिकी डालर					
1-माह (%)	4.61	4.52	4.26	4.58	4.31
3-माह (%)	4.37	4.36	4.08	4.36	4.02
6-माह (%)	4.21	4.36	4.39	4.33	4.13
<b>6 मुद्रास्फीति (%)</b>					
6.1 अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	3.6	3.6	4.9	3.4	2.3
6.2 औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	3.1	3.2	4.0	5.2	4.9
6.3 थोक मूल्य सूचकांक	2.9	3.7	4.0	5.3	4.6
6.3.1 प्राथमिक वस्तुएं	1.3	3.7	5.6	1.8	0.9
6.3.2 ईंधन और पावर	8.2	10.9	8.4	18.4	16.3
6.3.3 विनिर्मित उत्पाद	2.7	2.6	2.7	4.5	4.2
<b>7 विदेशी व्यापार (% परिवर्तन)</b>					
7.1 आयात	20.9	8.7	23.7	17.6	4.3
7.2 निर्यात	10.0	-2.0	31.0	17.9	0.8

टिप्पणी : फाइनेंसियल बेंचमार्क इंडिया प्रा.लि. (एफबीआईएल) ने भारतीय रिजर्व बैंक के 31 मार्च 2018 के परिपत्र एफएमआरडी.डीआईआरडी.7/14.03.025/ 2017-18 के अनुसार जी सेक बेंचमार्क का प्रकाशन शुरू किया है। एफबीआईएल ने 10 जुलाई 2018 से संदर्भ दरों का प्रसारण शुरू किया है।

## भारतीय रिज़र्व बैंक

## सं. 2: भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां\*

(बिलियन ₹)

मद	अंतिम शुक्रवार/शुक्रवार की स्थिति						
	2017-18	2017	2018				
			दिसंबर	नवंबर 30	दिसंबर 7	दिसंबर 14	दिसंबर 21
	1	2	3	4	5	6	7
<b>1 निर्गम विभाग</b>							
<b>1.1 देयताएं</b>							
1.1.1 संचलन में नोट	18,044.20	16,676.69	19,701.13	19,881.88	19,981.09	20,041.83	19,992.41
1.1.2 बैंकिंग विभाग में रखे गए नोट	0.15	0.16	0.10	0.10	0.13	0.13	0.13
<b>1.1/1.2 कुल देयताएं (जारी किए गए कुल नोट) या आस्तियां</b>	<b>18,044.35</b>	<b>16,676.85</b>	<b>19,701.23</b>	<b>19,881.98</b>	<b>19,981.22</b>	<b>20,041.96</b>	<b>19,992.54</b>
<b>1.2 आस्तियां</b>							
1.2.1 सोने के सिक्के और बुलियन	733.81	699.06	719.43	719.43	719.43	719.43	719.43
1.2.2 विदेशी प्रतिभूतियां	17,303.70	15,970.44	18,973.40	19,154.19	19,253.47	19,314.25	19,264.84
1.2.3 रुपया सिक्का	6.84	7.35	8.40	8.36	8.31	8.28	8.27
1.2.4 भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां	-	-	-	-	-	-	-
<b>2 बैंकिंग विभाग</b>							
<b>2.1 देयताएं</b>							
2.1.1 जमाराशियां	9,854.76	8,505.63	6,418.65	5,944.04	6,452.25	6,780.19	7,050.87
2.1.1.1 केंद्र सरकार	68.08	1.01	1.01	1.01	1.00	1.01	1.00
2.1.1.2 बाजार स्थिरीकरण योजना	-	946.73	-	-	-	-	-
2.1.1.3 राज्य सरकारें	6.51	0.42	0.42	0.42	0.43	0.42	0.43
2.1.1.4 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	5,256.86	4,883.32	5,017.79	4,743.15	5,438.22	4,821.14	5,331.73
2.1.1.5 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	48.28	36.14	34.04	35.83	33.55	34.23	34.42
2.1.1.6 गैर-अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	25.49	18.48	19.85	21.26	21.48	20.10	21.42
2.1.1.7 अन्य बैंक	305.66	260.05	281.47	282.48	282.78	280.15	286.12
2.1.1.8 अन्य	4,143.88	2,359.47	1,049.97	859.89	667.54	1,623.13	1,375.75
2.1.1.9 भारत के बाहर के वित्तीय संस्थान	-	-	14.10	-	7.25	-	-
2.1.2 अन्य देयताएं	9,141.27	8,613.90	10,437.29	10,776.75	11,170.46	10,533.79	10,559.47
<b>2.1/2.2 कुल देयताएं या आस्तियां</b>	<b>18,996.03</b>	<b>17,119.52</b>	<b>16,855.94</b>	<b>16,720.79</b>	<b>17,622.71</b>	<b>17,313.98</b>	<b>17,610.34</b>
<b>2.2 आस्तियां</b>							
2.2.1 नोट और सिक्के	0.15	0.17	0.10	0.10	0.13	0.13	0.13
2.2.2 विदेश में रखे शेष	8,887.95	8,882.23	6,942.10	7,100.32	7,390.39	6,713.52	6,748.99
2.2.3 ऋण और अग्रिम							
2.2.3.1 केन्द्र सरकार	-	-	316.59	106.05	127.32	-	-
2.2.3.2 राज्य सरकारें	7.39	41.42	7.18	69.99	70.52	5.67	7.62
2.2.3.3 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	2,739.78	869.66	1,132.96	900.18	1,376.29	1,779.89	1,881.09
2.2.3.4 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	0.35	-	-	-	-	-	-
2.2.3.5 भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.6 नाबार्ड	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.7 एक्विजम बैंक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.8 अन्य	106.75	57.77	56.28	54.84	51.81	59.31	59.71
2.2.3.9 भारत के बाहर की वित्तीय संस्थाएं	-	-	14.10	-	7.25	-	-
2.2.4 खरीदे और भुनाए गए बिल							
2.2.4.1 आंतरिक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.4.2 सरकारी खजाना बिल	-	-	-	-	-	-	-
2.2.5 निवेश	6,369.76	6,558.20	7,560.65	7,662.89	7,766.89	7,918.77	8,070.78
2.2.6 अन्य आस्तियां	883.90	710.08	825.98	826.42	832.11	836.69	842.02
2.2.6.1 सोना	673.37	635.74	753.82	753.82	756.45	759.11	759.11

\* डाटा अनंतिम है।

## सं. 3: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन

(बिलियन ₹)

दिनांक	चलनिधि समायोजन सुविधा				एमएसएफ	स्थायी चलनिधि सुविधाएं	बाजार स्थिरीकरण योजना	ओएमओ (एकमुश्त)		निवल अंतर्वेशन (+)/ अवशोषण (-) (1+3+5+6+9-2-4-7-8)
	रिपो	रिवर्स रिपो	परिवर्तन-शील रिपो दर	परिवर्तन-शील रिर्व्स रिपो दर				विक्रय	क्रय	
नव. 1, 2018	38.71	286.16	-	250.04	1.03	-	-	-	-	-496.46
नव. 2, 2018	38.46	151.82	235.02	300.10	0.15	-0.75	-	-	100.02	-79.02
नव. 3, 2018	3.00	297.80	-	-	-	-	-	-	-	-294.80
नव. 5, 2018	41.73	258.42	-	506.67	8.06	1.63	-	-	-	-713.67
नव. 6, 2018	132.00	205.79	230.03	-	-	-	-	-	-	156.24
नव. 7, 2018	-	20.75	-	-	-	-	-	-	-	-20.75
नव. 8, 2018	-	154.78	-	-	4.75	-	-	-	-	-150.03
नव. 9, 2018	157.43	227.07	235.04	-	12.61	-	-	-	100.00	278.01
नव. 12, 2018	63.43	138.39	-	-	7.45	-	-	-	-	-67.51
नव. 13, 2018	38.56	336.74	635.05	-	-	-	-	-	-	336.87
नव. 14, 2018	37.56	282.81	-	-	0.20	-	-	-	-	-245.05
नव. 15, 2018	37.46	504.41	-	-	0.30	-	-	-	-	-466.65
नव. 16, 2018	38.61	304.40	235.00	400.07	-	-	-	-	120.00	-310.86
नव. 17, 2018	21.23	165.65	-	-	-	-	-	-	-	-144.42
नव. 19, 2018	38.61	293.13	-	250.07	0.26	-3.11	-	-	-	-507.44
नव. 20, 2018	74.11	136.21	230.01	-	10.60	-0.07	-	-	-	178.44
नव. 21, 2018	-	121.70	-	-	17.00	-	-	-	-	-104.70
नव. 22, 2018	141.58	241.59	235.01	-	-	3.18	-	-	-	138.18
नव. 23, 2018	-	288.75	-	-	7.53	-	-	-	-	-281.22
नव. 26, 2018	45.41	177.68	-	109.36	0.25	-	-	-	80.00	-161.38
नव. 27, 2018	38.46	198.00	107.20	118.62	0.35	-0.71	-	-	-	-171.32
नव. 28, 2018	39.71	208.68	-	-	2.00	0.71	-	-	-	-166.26
नव. 29, 2018	38.96	258.87	-	144.55	0.51	-0.16	-	-	-	-364.11
नव. 30, 2018	82.31	249.05	110.50	121.71	3.11	-	-	-	100.00	-74.84

## सं. 4: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमेरिकी डालर का क्रय/विक्रय

## I) ओटीसी सेगमेंट में परिचालन

मद	2017-18	2017	2018	
		नवंबर	अक्टूबर	नवंबर
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमेरिकी डालर) (1.1-1.2)	33,689.00	864.00	-7,204.00	-644.00
1.1 क्रय (+)	52,068.00	2,570.00	945.00	3,127.00
1.2 विक्रय (-)	18,379.00	1,706.00	8,149.00	3,771.00
2 संविदा दर पर ₹ के बराबर (बिलियन ₹)	2,228.28	60.55	-536.10	-55.62
3 संचयी (मार्च के अंत से) (मिलियन अमेरिकी डालर)	33,689.00	18,017.00	-25,866.00	-26,510.00
(बिलियन ₹)	2,228.27	1,184.25	-1,825.25	-1,880.87
4 माह के अंत में बकाया निवल वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमेरिकी डालर)	20,853.00	30,615.00	-2,888.00	-1,924.00

## ii) मुद्रा फ्यूचर्स सेगमेंट में परिचालन

मद	2017-18	2017	2018	
		नवंबर	अक्टूबर	नवंबर
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमेरिकी डालर) (1.1-1.2)	0.00	0.00	0.00	0.00
1.1 क्रय (+)	3,935.00	0.00	2,875.00	51.00
1.2 विक्रय (-)	3,935.00	0.00	2,875.00	51.00
2 माह के अंत में बकाया निवल मुद्रा वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमेरिकी डालर)	0.00	0.00	-51.00	0.00

**सं. 4ए: भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार)  
परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमेरिकी डॉलर)**

(अमेरिकी मिलियन डालर)

मद	30 नवंबर 2018 तक		
	दीर्घ (+)	अल्प (-)	निवल (1-2)
	1	2	3
1. 1 माह तक	732	230	502
2. 1 माह से अधिक और 3 माह तक	2,091	1,165	926
3. 3 माह से अधिक और 1 वर्ष तक	6,371	9,723	-3,352
4. 1 वर्ष से अधिक	0	0	0
<b>कुल (1+2+3+4)</b>	<b>9,194</b>	<b>11,118</b>	<b>-1,924</b>

**सं. 5: भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं**

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार की स्थिति								
	2017-18	2017	2018					नवंबर 23	दिसंबर 21
			दिसंबर 22	जुलाई 20	अगस्त 31	सितंबर 28	अक्टूबर 26		
	1	2	3	4	5	6	7	8	
1 सीमांत स्थायी सुविधा	—	4.9	29.8	1.3	42.0	—	7.5	32.1	
2 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के लिए निर्यात ऋण पुनर्वित्त									
2.1 सीमा	—	—	—	—	—	—	—	—	
2.2 बकाया	—	—	—	—	—	—	—	—	
3 प्राथमिक व्यापारियों के लिए चलनिधि सुविधा									
3.1 सीमा	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	
3.2 बकाया	25.4	20.8	24.3	23.9	19.0	20.3	21.2	20.8	
4 अन्य									
4.1 सीमा	—	—	—	—	—	—	—	—	
4.2 बकाया	—	—	—	—	—	—	—	—	
5 कुल बकाया (1+2.2+3.2+4.2)	25.4	25.6	54.2	25.1	61.0	20.3	28.7	52.9	

## मुद्रा और बैंकिंग

## सं. 6: मुद्रा स्टॉक मात्रा

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31 /माह के नियत अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की बकाया स्थिति				
	2017-18	2017	2018		
		नवंबर 24	अक्टूबर 26	नवंबर 9	नवंबर 23
	1	2	3	4	5
1 जनता के पास मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 - 1.4)	17,597.1	15,815.5	18,751.3	19,388.3	19,244.4
1.1 संचलन में नोट	18,037.0	16,344.5	19,355.7	19,966.4	19,850.1
1.2 रुपये सिक्के का संचलन	249.1	248.2	249.5	249.5	249.5
1.3 छोटे सिक्कों का संचलन	7.4	7.4	7.4	7.4	7.4
1.4 बैंकों के पास नकदी	696.4	784.7	861.3	835.1	862.6
2 जनता की जमाराशियां	15,076.2	12,495.2	13,755.0	13,547.3	13,640.7
2.1 बैंकों के पास मांग जमाराशियां	14,837.1	12,266.0	13,509.2	13,300.0	13,383.0
2.2 रिजर्व बैंक के पास 'अन्य' जमाराशियां	239.1	229.2	245.8	247.3	257.6
<b>3 एम<sub>1</sub> (1+2)</b>	<b>32,673.3</b>	<b>28,310.7</b>	<b>32,506.3</b>	<b>32,935.6</b>	<b>32,885.1</b>
4 डाकघर बचत बैंक जमाराशियां	1,092.1	1,006.0	1,256.2	1,256.2	1,256.2
<b>5 एम<sub>2</sub> (3+4)</b>	<b>33,765.4</b>	<b>29,316.8</b>	<b>33,762.5</b>	<b>34,191.8</b>	<b>34,141.3</b>
6 बैंकों के पास मीयादी जमाराशियां	106,952.6	103,162.4	111,756.4	112,512.0	112,303.0
<b>7 एम<sub>3</sub> (3+6)</b>	<b>139,625.9</b>	<b>131,473.1</b>	<b>144,262.7</b>	<b>145,447.5</b>	<b>145,188.1</b>
8 कुल डाकघर जमाराशियां	3,008.1	2,828.6	3,372.6	3,372.6	3,372.6
<b>9 एम<sub>4</sub> (7+8)</b>	<b>142,633.9</b>	<b>134,301.6</b>	<b>147,635.3</b>	<b>148,820.2</b>	<b>148,560.7</b>

सं. 7: मुद्रा स्टॉक (एम<sub>3</sub>) का स्रोत

(बिलियन ₹)

स्रोत	मार्च 31 / माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2017-18	2017	2018		
		नवंबर 24	अक्टूबर 26	नवंबर 9	नवंबर 23
	1	2	3	4	5
<b>1 सरकार को निवल बैंक ऋण</b>	<b>40,014.0</b>	<b>40,039.7</b>	<b>42,930.4</b>	<b>43,796.1</b>	<b>43,445.9</b>
1.1 आरबीआई का सरकार को निवल ऋण (1.1.1-1.1.2)	4,759.6	4,474.1	6,510.7	7,311.9	7,127.2
1.1.1 सरकार पर दावे	6,435.6	6,603.4	6,889.4	7,313.3	7,251.6
1.1.1.1 केन्द्र सरकार	6,418.4	6,574.3	6,871.6	7,270.9	7,251.6
1.1.1.2 राज्य सरकारें	17.2	29.0	17.8	42.4	0.0
1.1.2 आरबीआई के पास सरकार की जमाराशियां	1,676.0	2,129.2	378.7	1.4	124.4
1.1.2.1 केन्द्र सरकार	1,675.6	2,128.8	378.3	1.0	123.9
1.1.2.2 राज्य सरकारें	0.4	0.4	0.4	0.4	0.4
1.2 सरकार को अन्य बैंक ऋण	35,254.4	35,565.6	36,419.8	36,484.2	36,318.7
<b>2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण</b>	<b>92,137.2</b>	<b>85,124.7</b>	<b>96,237.1</b>	<b>97,029.2</b>	<b>97,242.9</b>
2.1 आरबीआई का वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	140.3	80.6	92.3	93.2	93.2
2.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को अन्य बैंकों द्वारा दिया गया ऋण	91,996.9	85,044.1	96,144.8	96,936.0	97,149.8
2.2.1 वाणिज्यिक बैंकों द्वारा बैंक ऋण	86,254.2	79,347.1	90,339.8	91,114.4	91,326.2
2.2.2 सहकारी बैंकों द्वारा बैंक ऋण	5,666.0	5,609.1	5,720.7	5,733.0	5,737.8
2.2.3 वाणिज्यिक और सहकारी बैंकों द्वारा अन्य प्रतिभूतियों में निवेश	76.7	87.9	84.3	88.7	85.8
<b>3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1 + 3.2)</b>	<b>29,223.0</b>	<b>27,206.6</b>	<b>30,034.7</b>	<b>29,894.3</b>	<b>29,297.1</b>
3.1 आरबीआई की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1.1-3.1.2)	27,607.8	25,930.3	28,712.7	28,572.3	27,975.2
3.1.1 सकल विदेशी आस्तियां	27,609.9	25,932.2	28,714.9	28,574.6	27,977.5
3.1.2 विदेशी देयताएं	2.1	2.0	2.1	2.3	2.3
3.2 अन्य बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	1,615.1	1,276.3	1,321.9	1,321.9	1,321.9
<b>4 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं</b>	<b>256.5</b>	<b>255.7</b>	<b>257.0</b>	<b>257.0</b>	<b>257.0</b>
<b>5 बैंकिंग क्षेत्र की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं</b>	<b>22,004.8</b>	<b>21,153.6</b>	<b>25,196.4</b>	<b>25,529.1</b>	<b>25,054.8</b>
5.1 आरबीआई की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	9,069.9	8,853.4	11,492.6	11,465.0	10,899.7
5.2 अन्य बैंकों की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं (अवशिष्ट)	12,934.9	12,300.2	13,703.8	14,064.1	14,155.2
<b>एम<sub>3</sub> (1+2+3+4-5)</b>	<b>139,625.9</b>	<b>131,473.1</b>	<b>144,262.7</b>	<b>145,447.5</b>	<b>145,188.1</b>

## सं. 8: मौद्रिक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31/माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2017-18	2017	2018		
		नवंबर 24	अक्टूबर 26	नवंबर 9	नवंबर 23
	1	2	3	4	5
<b>मौद्रिक समुच्चय</b>					
एन एम <sub>1</sub> (1.1 + 1.2.1+1.3)	32,673.3	28,310.7	32,506.3	32,935.6	32,885.1
एन एम <sub>2</sub> (एन एम <sub>1</sub> + 1.2.2.1)	80,142.1	74,107.4	82,046.8	82,827.3	82,729.9
एन एम <sub>3</sub> (एन एम <sub>2</sub> + 1.2.2.2 + 1.4 = 2.1 + 2.2 + 2.3 - 2.4 - 2.5)	141,816.7	133,278.1	146,311.0	147,305.8	147,141.2
<b>1 घटक</b>					
1.1 जनता के पास मुद्रा	17,597.1	15,815.5	18,751.3	19,388.3	19,244.4
1.2 निवासियों की कुल जमाराशियां	120,323.4	114,036.3	123,599.2	124,170.5	124,149.1
1.2.1 मांग जमाराशियां	14,837.1	12,266.0	13,509.2	13,300.0	13,383.0
1.2.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	105,486.3	101,770.3	110,090.0	110,870.5	110,766.1
1.2.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	47,468.8	45,796.6	49,540.5	49,891.7	49,844.7
1.2.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	1,931.1	1,273.8	1,622.0	1,516.4	1,687.0
1.2.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	58,017.4	55,973.7	60,549.5	60,978.8	60,921.4
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	239.1	229.2	245.8	247.3	257.6
1.4 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निर्धायन	3,657.1	3,197.1	3,714.7	3,499.8	3,490.0
<b>2 स्रोत</b>					
2.1 देशी ऋण	139,941.3	132,496.5	147,879.7	149,103.4	148,987.5
2.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	40,014.0	40,039.7	42,930.4	43,796.1	43,445.9
2.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं. ऋण	4,759.6	4,474.1	6,510.7	7,311.9	7,127.2
2.1.1.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा सरकार को ऋण	35,254.4	35,565.6	36,419.8	36,484.2	36,318.7
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	99,927.3	92,456.8	104,949.3	105,307.3	105,541.6
2.1.2.1 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैंक ऋण	140.3	80.6	92.3	93.2	93.2
2.1.2.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	99,787.1	92,376.2	104,857.0	105,214.1	105,448.4
2.1.2.2.1 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियां)	7,728.5	7,250.5	8,616.6	8,169.8	8,187.6
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	256.5	255.7	257.0	257.0	257.0
2.3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	26,931.6	25,536.0	27,618.6	27,360.8	26,900.8
2.3.1 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	27,607.8	25,930.3	28,712.7	28,572.3	27,975.2
2.3.2 बैंकिंग प्रणाली की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	-676.2	-394.3	-1,094.1	-1,211.5	-1,074.4
2.4 पूंजी खाता	20,705.2	19,739.5	24,252.8	23,993.2	23,516.2
2.5 अन्य मदें (निवल)	4,607.6	5,270.5	5,191.5	5,422.1	5,487.9

## सं. 9: कुल चलनिधि राशियां

(बिलियन ₹)

समुच्चय	2017-18	2017	2018		
		नवंबर	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर
	1	2	3	4	5
<b>1 एन एम<sub>3</sub></b>	<b>141,816.7</b>	<b>133,278.1</b>	<b>146,318.1</b>	<b>146,311.0</b>	<b>147,141.2</b>
2 डाकघर जमाराशियां	3,008.1	2,828.6	3,336.2	3,372.6	3,372.6
<b>3 एल<sub>1</sub> (1 + 2)</b>	<b>144,824.7</b>	<b>136,106.7</b>	<b>149,654.3</b>	<b>149,683.6</b>	<b>150,513.8</b>
4 वित्तीय संस्थाओं की देयताएं	29.3	29.3	29.3	29.3	29.3
4.1 सावधि मुद्रा उधार	26.6	26.6	26.6	26.6	26.6
4.2 जमा प्रमाण-पत्र	0.3	0.3	0.3	0.3	0.3
4.3 सावधि जमाराशियां	2.5	2.5	2.5	2.5	2.5
<b>5 एल<sub>2</sub> (3 + 4)</b>	<b>144,854.0</b>	<b>136,136.0</b>	<b>149,683.6</b>	<b>149,712.9</b>	<b>150,543.1</b>
6 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के पास जनता की जमाराशियां	319.1	..	319.1	..	..
<b>7 एल<sub>3</sub> (5 + 6)</b>	<b>145,173.1</b>	<b>..</b>	<b>150,002.7</b>	<b>..</b>	<b>..</b>

## सं. 10: भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31/माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2017-18	2017	2018		
		नवंबर 24	अक्तूबर 26	नवंबर 9	नवंबर 23
	1	2	3	4	5
<b>1 घटक</b>					
1.1 संचलन में मुद्रा	18,293.5	16,600.2	19,612.6	20,223.3	20,107.0
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकरों की जमाराशियां	5,655.3	4,680.6	5,080.2	5,138.4	5,103.6
1.2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	5,269.1	4,365.9	4,747.6	4,804.6	4,765.7
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	239.1	229.2	245.8	247.3	257.6
आरक्षित मुद्रा (1.1+1.2+1.3=2.1+2.2+2.3-2.4-2.5)	24,187.8	21,510.0	24,938.6	25,609.0	25,468.2
<b>2 स्रोत</b>					
2.1 भा.रि.बैं.के देशी ऋण	5,393.4	4,177.4	7,461.5	8,244.7	8,135.8
2.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं. ऋण	4,759.6	4,474.1	6,510.7	7,311.9	7,127.2
2.1.1.1 केन्द्र सरकार को निवल भा.रि.बैं. ऋण (2.1.1.1.1+2.1.1.1.2+2.1.1.1.3+2.1.1.1.4-2.1.1.1.5)	4,742.9	4,445.5	6,493.3	7,269.9	7,127.6
2.1.1.1.1 केन्द्र सरकार को ऋण और अग्रिम	-	-	-	142.7	-
2.1.1.1.2 खजाना बिलों में निवेश	-	-	-	-	-
2.1.1.1.3 दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	6,411.5	6,566.7	6,862.8	7,119.7	7,243.1
2.1.1.1.3.1 केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियां	6,411.5	6,566.7	6,862.8	7,119.7	7,243.1
2.1.1.1.4 रुपया सिक्के	6.9	7.7	8.7	8.5	8.5
2.1.1.1.5 केन्द्र सरकार की जमाराशियां	1,675.6	2,128.8	378.3	1.0	123.9
2.1.1.2 राज्य सरकारों को निवल भा.रि.बैं. ऋण	16.8	28.6	17.4	42.0	-0.4
2.1.2 बैंकों पर भा.रि.बैं. के दावे	493.5	-377.3	858.5	839.6	915.4
2.1.2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को ऋण और अग्रिम	493.5	-377.3	858.5	839.6	915.4
2.1.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैं. के ऋण	140.3	80.6	92.3	93.2	93.2
2.1.3.1 प्राथमिक व्यापारियों को ऋण और अग्रिम	25.4	17.9	20.3	21.2	21.2
2.1.3.2 नाबार्ड को ऋण और अग्रिम	-	-	-	-	-
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	256.5	255.7	257.0	257.0	257.0
2.3 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	27,607.8	25,930.3	28,712.7	28,572.3	27,975.2
2.3.1 सोना	1,397.4	1,338.7	1,488.9	1,545.6	1,553.6
2.3.2 विदेशी मुद्रा आस्तियां	26,210.6	24,591.7	27,224.0	27,026.9	26,421.8
2.4 पूंजी खाता	8,584.3	8,150.1	11,249.1	11,098.3	10,488.5
2.5 अन्य मदें (निवल)	485.6	703.2	243.5	366.7	411.2

## सं. 11: आरक्षित मुद्रा - घटक और स्रोत

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31/माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया						
	2017-18	2017	2018				
		दिसंबर 1	अक्तूबर 26	नवंबर 9	नवंबर 16	नवंबर 23	नवंबर 30
	1	2	3	4	5	6	7
आरक्षित मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 = 2.1 + 2.2 + 2.3 + 2.4 + 2.5 - 2.6)	24,187.8	21,849.3	24,938.6	25,609.0	25,606.2	25,468.2	25,567.8
<b>1 घटक</b>							
1.1 संचलन में मुद्रा	18,293.5	16,624.4	19,612.6	20,223.3	20,153.8	20,107.0	19,958.1
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकरों की जमाराशियां	5,655.3	4,983.6	5,080.2	5,138.4	5,202.4	5,103.6	5,353.2
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	239.1	241.4	245.8	247.3	249.9	257.6	256.6
<b>2 स्रोत</b>							
2.1 सरकार को निवल रिज़र्व बैंक ऋण	4,759.6	5,165.3	6,510.7	7,311.9	7,549.7	7,127.2	7,857.7
2.2 बैंकों को रिज़र्व बैंक ऋण	493.5	-864.2	858.5	839.6	630.8	915.4	389.7
2.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को रिज़र्व बैंक ऋण	140.3	82.1	92.3	93.2	93.2	93.2	89.8
2.4 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	27,607.8	25,886.9	28,712.7	28,572.3	28,262.4	27,975.2	27,386.5
2.5 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	256.5	255.7	257.0	257.0	257.0	257.0	257.0
2.6 भा.रि.बैं. की निवल गैर मौद्रिक देयताएं	9,069.9	8,676.5	11,492.6	11,465.0	11,186.9	10,899.7	10,412.7

## सं. 12: वाणिज्यिक बैंक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	माह के नियत अंतिम शुक्रवार / माह के नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2017-18	2017	2018		
			नवंबर 24	अक्टूबर 26	नवंबर 9
	1	2	3	4	5
<b>1 घटक</b>					
1.1 निवासियों की कुल जमाराशियां	112,794.2	106,556.2	116,045.1	116,616.2	116,599.2
1.1.1 मांग जमाराशियां	13,702.8	11,132.3	12,375.9	12,167.7	12,260.0
1.1.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	99,091.4	95,423.8	103,669.2	104,448.5	104,339.2
1.1.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	44,591.1	42,940.7	46,651.1	47,001.8	46,952.6
1.1.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	1,931.1	1,273.8	1,622.0	1,516.4	1,687.0
1.1.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	54,500.3	52,483.1	57,018.0	57,446.7	57,386.6
1.2 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निधायन	3,657.1	3,197.1	3,714.7	3,499.8	3,490.0
<b>2 स्रोत</b>					
2.1 देशी ऋण	127,142.0	120,080.7	133,323.6	133,736.7	133,799.5
2.1.1 सरकार को ऋण	33,174.1	33,469.0	34,348.8	34,417.7	34,250.9
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	93,967.9	86,611.7	98,974.8	99,319.0	99,548.6
2.1.2.1 बैंक ऋण	86,254.2	79,347.1	90,339.8	91,114.4	91,326.2
2.1.2.1.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	86,086.9	78,603.4	89,789.4	90,508.9	90,603.3
2.1.2.2 प्राथमिक व्यापारियों को निवल ऋण	64.3	84.3	98.2	110.9	113.7
2.1.2.3 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश	10.5	19.4	9.8	13.6	10.7
2.1.2.4 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों में)	7,638.9	7,160.9	8,527.0	8,080.1	8,098.0
2.2 वाणिज्यिक बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (2.2.1-2.2.2-2.2.3)	-676.2	-394.3	-1,094.1	-1,211.5	-1,074.4
2.2.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	2,018.0	1,855.7	1,868.0	1,825.9	1,784.5
2.2.2 अनिवासी विदेशी मुद्रा प्रत्यावर्तनीय मीयादी जमाराशियां	1,466.3	1,392.1	1,666.4	1,641.4	1,536.9
2.2.3 समुद्रपार विदेशी मुद्रा उधार	1,227.9	857.9	1,295.7	1,395.9	1,322.1
2.3 निवल बैंक रिजर्व (2.3.1+2.3.2-2.3.3)	5,321.8	5,429.0	4,652.5	4,699.5	4,612.8
2.3.1 भा.रि.बैं. के पास शेष	5,256.9	4,365.9	4,747.6	4,804.6	4,765.7
2.3.2 उपलब्ध नकदी	600.6	685.8	763.4	734.5	762.4
2.3.3 भा.रि.बैं. से ऋण और अग्रिम	535.7	-377.3	858.5	839.6	915.4
2.4 पूंजी खाता	11,879.3	11,347.7	12,762.0	12,653.2	12,786.0
2.5 अन्य मदें (निवल) (2.1+2.2+2.3-2.4-1.1-1.2)	3,457.1	4,014.5	4,360.2	4,455.5	4,462.7
2.5.1 अन्य मांग और मीयादी देयताएं (2.2.3 का निवल)	4,360.8	3,894.0	3,613.8	3,547.2	3,812.7
2.5.2 निवल अंतर-बैंक देयताएं (प्राथमिक व्यापारियों से इतर)	-268.2	-254.4	-393.9	-498.7	-506.9

## सं. 13: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के निवेश

(बिलियन ₹)

मद	30 मार्च, 2018 की स्थिति	2017	2018		
		नवंबर 24	अक्टूबर 26	नवंबर 9	नवंबर 23
	1	2	3	4	5
1 एसएलआर प्रतिभूतियां	33,184.5	33,488.4	34,358.6	34,431.3	34,261.7
2 वाणिज्यिक पत्र	1,159.4	1,059.4	1,654.6	1,188.3	1,076.9
3 निम्नलिखित द्वारा जारी शेयर					
3.1 सरकारी उद्यम	118.7	113.4	112.1	117.0	117.0
3.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	745.3	717.8	733.1	734.2	731.1
3.3 अन्य	42.1	42.2	61.1	62.1	62.0
4 निम्नलिखित द्वारा जारी बांड / डिबेंचर					
4.1 सरकारी उद्यम	1,399.7	1,133.0	1,232.6	1,233.7	1,256.2
4.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	2,222.3	1,893.0	2,247.6	2,255.5	2,267.2
4.3 अन्य	994.6	666.1	1,231.4	1,224.7	1,267.4
5 निम्नलिखित द्वारा जारी लिखत					
5.1 म्यूचुअल फंड	177.3	903.4	436.4	427.4	470.7
5.2 वित्तीय संस्थाएं	895.8	770.3	818.1	837.2	849.4

## सं. 14: भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में) / नियत शुक्रवार की स्थिति							
	सभी अनुसूचित बैंक				सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक			
	2017-18	2017	2018		2017-18	2017	2018	
		नवंबर	अक्टूबर	नवंबर		नवंबर	अक्टूबर	नवंबर
	1	2	3	4	5	6	7	8
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	223	223	223	223	149	149	149	149
<b>1 बैंकिंग प्रणाली के प्रति देयताएं</b>	<b>2,344.9</b>	<b>2,203.3</b>	<b>2,420.7</b>	<b>2,357.2</b>	<b>2,282.0</b>	<b>2,152.1</b>	<b>2,367.8</b>	<b>2,309.7</b>
1.1 बैंकों से मांग और मीयादी जमाराशियां	1,667.5	1,429.5	1,501.3	1,552.2	1,615.6	1,379.9	1,456.9	1,509.2
1.2 बैंकों से उधार राशि	611.7	619.4	774.3	670.8	601.2	619.2	767.2	667.5
1.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	65.7	154.4	145.1	134.2	65.2	153.0	143.7	133.1
<b>2 अन्य के प्रति देयताएं</b>	<b>126,658.9</b>	<b>118,977.0</b>	<b>129,466.9</b>	<b>131,365.4</b>	<b>123,506.3</b>	<b>115,897.2</b>	<b>126,336.7</b>	<b>128,208.4</b>
2.1 कुल जमाराशियां	117,285.4	110,896.5	120,715.1	122,624.6	114,260.5	107,948.3	117,712.5	119,602.9
2.1.1 मांग	13,994.8	11,407.0	12,652.8	13,203.7	13,702.8	11,132.3	12,375.9	12,929.2
2.1.2 मीयादी	103,290.6	99,489.5	108,062.2	109,420.9	100,557.7	96,815.9	105,336.6	106,673.8
2.2 उधार	3,693.9	3,231.7	3,760.8	3,568.8	3,657.1	3,197.1	3,714.7	3,529.9
2.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	5,679.7	4,848.9	4,991.0	5,172.0	5,588.7	4,751.9	4,909.5	5,075.5
<b>3 रिजर्व बैंक से उधार</b>	<b>2,740.1</b>	<b>562.7</b>	<b>1,326.1</b>	<b>1,133.0</b>	<b>2,739.8</b>	<b>562.7</b>	<b>1,326.1</b>	<b>1,133.0</b>
3.1 मीयादी बिल / वचन पत्रों की जमानत पर	—	—	—	—	—	—	—	—
3.2 अन्य	2,740.1	562.7	1,326.1	1,133.0	2,739.8	562.7	1,326.1	1,133.0
4 उपलब्ध नकदी और रिजर्व बैंक के पास शेष	6,029.2	5,191.3	5,649.4	5,920.0	5,857.5	5,051.7	5,511.0	5,778.7
4.1 उपलब्ध नकदी	616.3	704.7	781.2	779.8	600.65	685.8	763.4	761.0
4.2 रिजर्व बैंक के पास शेष	5,412.9	4,486.7	4,868.2	5,140.2	5,256.9	4,365.9	4,747.6	5,017.8
<b>5 बैंकिंग प्रणाली के पास आस्तियां</b>	<b>3,011.8</b>	<b>2,910.6</b>	<b>3,200.0</b>	<b>3,265.8</b>	<b>2,614.6</b>	<b>2,490.7</b>	<b>2,860.0</b>	<b>2,846.8</b>
5.1 अन्य बैंकों के पास शेष	2,041.9	1,855.5	2,136.1	2,193.7	1,860.5	1,677.6	1,964.6	2,022.6
5.1.1 चालू खाते में	156.0	132.1	146.8	117.1	123.1	110.9	127.2	93.1
5.1.2 अन्य खातों में	1,885.9	1,723.4	1,989.3	2,076.6	1,737.4	1,566.7	1,837.4	1,929.5
5.2 मांग और अल्पसूचना पर मुद्रा	360.5	527.6	432.1	386.0	182.4	344.4	296.0	234.3
5.3 बैंकों को अग्रिम	284.1	250.9	344.7	379.8	282.0	249.9	343.8	321.5
5.4 अन्य आस्तियां	325.3	276.6	287.0	306.3	289.6	218.8	255.5	268.4
<b>6 निवेश</b>	<b>34,124.7</b>	<b>34,449.8</b>	<b>35,297.7</b>	<b>35,071.5</b>	<b>33,184.5</b>	<b>33,488.4</b>	<b>34,358.6</b>	<b>34,137.5</b>
6.1 सरकारी प्रतिभूतियां	34,067.4	34,381.2	35,232.8	35,003.0	33,174.1	33,469.0	34,348.7	34,127.0
6.2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	57.3	68.6	64.9	68.5	10.5	19.4	9.9	10.6
<b>7 बैंक ऋण</b>	<b>88,785.3</b>	<b>81,802.9</b>	<b>93,012.3</b>	<b>96,046.3</b>	<b>86,254.2</b>	<b>79,347.1</b>	<b>90,339.8</b>	<b>92,218.8</b>
7क खाद्यान्न ऋण	611.4	935.2	780.6	1,028.6	419.9	743.8	550.3	798.3
7.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	86,451.5	79,679.3	90,754.4	93,854.7	83,984.8	77,281.1	88,128.1	90,072.9
7.2 देशी बिल - खरीदे गए	230.3	198.7	218.2	208.5	203.9	182.6	204.6	195.1
7.3 देशी बिल- भुनाए गए	1,417.3	1,310.6	1,424.9	1,397.3	1,387.5	1,275.8	1,400.0	1,373.6
7.4 विदेशी बिल - खरीदे गए	266.0	230.3	243.7	237.2	263.0	228.1	241.7	234.3
7.5 विदेशी बिल - भुनाए गए	420.3	384.0	371.2	348.6	415.0	379.5	365.3	343.0

## सं. 15: प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का विनियोजन

(बिलियन ₹)

मद	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 30, 2018	2017	2018		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
			नवंबर 24	अक्टूबर 26		
	1	2	3	4	5	6
<b>1 सकल बैंक ऋण</b>	<b>77,303</b>	<b>71,887</b>	<b>80,574</b>	<b>81,652</b>	<b>5.6</b>	<b>13.6</b>
<b>1.1 खाद्यान्न ऋण</b>	<b>419</b>	<b>741</b>	<b>549</b>	<b>721</b>	<b>72.1</b>	<b>-2.8</b>
<b>1.2 गैर-खाद्यान्न ऋण</b>	<b>76,884</b>	<b>71,145</b>	<b>80,026</b>	<b>80,931</b>	<b>5.3</b>	<b>13.8</b>
<b>1.2.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां</b>	<b>10,302</b>	<b>9,882</b>	<b>10,597</b>	<b>10,648</b>	<b>3.4</b>	<b>7.7</b>
<b>1.2.2 उद्योग</b>	<b>26,993</b>	<b>26,041</b>	<b>26,962</b>	<b>27,084</b>	<b>0.3</b>	<b>4.0</b>
1.2.2.1 सूक्ष्म और लघु	3,730	3,592	3,642	3,630	-2.7	1.1
1.2.2.2 मझौले	1,037	947	1,043	1,051	1.4	11.0
1.2.2.3 बड़े	22,226	21,502	22,277	22,403	0.8	4.2
<b>1.2.3 सेवाएं</b>	<b>20,505</b>	<b>17,593</b>	<b>22,081</b>	<b>22,538</b>	<b>9.9</b>	<b>28.1</b>
1.2.3.1 परिवहन परिचालक	1,213	1,145	1,286	1,292	6.6	12.8
1.2.3.2 कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	186	169	194	191	2.8	13.0
1.2.3.3 पर्यटन, होटल और रेस्तरां	365	368	384	384	5.3	4.5
1.2.3.4 नौवहन	63	75	64	64	1.1	-15.4
1.2.3.5 पेशेवर सेवाएं	1,554	1,353	1,714	1,685	8.4	24.5
1.2.3.6 व्यापार	4,669	4,328	4,800	4,795	2.7	10.8
1.2.3.6.1 थोक व्यापार	2,052	1,909	2,096	2,116	3.1	10.8
1.2.3.6.2 खुदरा व्यापार	2,618	2,419	2,704	2,679	2.3	10.7
1.2.3.7 वाणिज्यिक स्थावर संपदा	1,858	1,819	1,868	1,877	1.0	3.2
1.2.3.8 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ (एनबीएफसी)	4,964	3,603	5,626	5,663	14.1	57.2
1.2.3.9 अन्य सेवाएं	5,633	4,732	6,145	6,587	16.9	39.2
<b>1.2.4 व्यक्तिगत ऋण</b>	<b>19,085</b>	<b>17,630</b>	<b>20,386</b>	<b>20,662</b>	<b>8.3</b>	<b>17.2</b>
1.2.4.1 उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	197	180	33	33	-83.4	-81.8
1.2.4.2 आवास	9,746	9,221	10,623	10,774	10.6	16.8
1.2.4.3 मीयादी जमाराशि की जमानत पर अग्रिम	725	537	694	682	-6.0	26.9
1.2.4.4 शेयरों और बांडों की जमानत पर व्यक्तियों को अग्रिम	56	55	61	60	7.4	9.4
1.2.4.5 क्रेडिट कार्ड बकाया	686	637	834	853	24.3	33.8
1.2.4.6 शिक्षा	697	717	693	692	-0.7	-3.5
1.2.4.7 वाहन ऋण	1,898	1,808	1,968	1,987	4.7	9.9
1.2.4.8 अन्य व्यक्तिगत ऋण	5,080	4,475	5,480	5,582	9.9	24.7
<b>1.2अ प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र</b>	<b>25,532</b>	<b>24,017</b>	<b>26,010</b>	<b>26,041</b>	<b>2.0</b>	<b>8.4</b>
1.2अ.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	10,216	9,844	10,532	10,587	3.6	7.5
1.2अ.2 सूक्ष्म और लघु उद्यम	9,964	8,953	9,961	9,957	-0.1	11.2
1.2अ.2.1 विनिर्माण	3,730	3,592	3,642	3,630	-2.7	1.1
1.2अ.2.2 सेवाएं	6,234	5,361	6,319	6,327	1.5	18.0
1.2अ.3 आवास	3,756	3,701	4,041	4,043	7.6	9.2
1.2अ.4 माइक्रो क्रेडिट	264	160	231	230	-12.7	43.7
1.2अ.5 शिक्षा ऋण	607	597	568	568	-6.4	-4.8
1.2अ.6 अजा/अजजा के लिए राज्य प्रायोजित संस्थाएं	3	3	3	3	15.2	24.9
1.2अ.7 कमजोर वर्ग	5,690	5,421	5,958	5,986	5.2	10.4
1.2अ.8 निर्यात ऋण	283	414	197	185	-34.5	-55.3

## सं. 16: सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार विनियोजन

(बिलियन ₹)

उद्योग	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 30, 2018	2017	2018		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष 2018
			नवंबर 24	अक्टूबर 26		
	1	2	3	4	5	6
<b>1 उद्योग</b>	<b>26,993</b>	<b>26,041</b>	<b>26,962</b>	<b>27,084</b>	<b>0.3</b>	<b>4.0</b>
1.1 खनन और उत्खनन (कोयला सहित)	413	326	429	430	4.1	31.8
1.2 खाद्य प्रसंस्करण	1,554	1,389	1,395	1,407	-9.4	1.3
1.2.1 चीनी	290	265	244	239	-17.5	-9.8
1.2.2 खाद्य तेल और वनस्पति	211	189	204	208	-1.6	9.9
1.2.3 चाय	45	47	55	54	22.3	15.6
1.2.4 अन्य	1,008	888	891	906	-10.1	2.0
1.3 पेय पदार्थ और तंबाकू	156	166	136	140	-10.4	-15.9
1.4 वस्त्र	2,099	1,949	1,968	1,984	-5.5	1.8
1.4.1 सूती वस्त्र	1,057	967	971	987	-6.7	2.0
1.4.2 जूट से बने वस्त्र	22	24	20	21	-5.8	-12.5
1.4.3 मानव - निर्मित वस्त्र	243	228	235	237	-2.5	3.9
1.4.4 अन्य वस्त्र	776	730	742	740	-4.7	1.3
1.5 चमड़ा और चमड़े से बने उत्पाद	113	107	113	111	-2.1	3.7
1.6 लकड़ी और लकड़ी से बने उत्पाद	109	105	113	114	4.8	8.3
1.7 कागज़ और कागज़ से बने उत्पाद	306	308	301	303	-1.0	-1.6
1.8 पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद और आणविक ईंधन	651	466	504	536	-17.7	15.1
1.9 रसायन और रासायनिक उत्पाद	1,630	1,549	1,697	1,692	3.8	9.3
1.9.1 उर्वरक	306	240	252	268	-12.2	11.9
1.9.2 औषधि और दवाइयां	484	447	518	508	5.0	13.6
1.9.3 पेट्रो केमिकल्स	387	430	411	395	2.0	-8.3
1.9.4 अन्य	453	431	515	521	15.0	20.8
1.10 रबड़, प्लास्टिक और उनके उत्पाद	424	405	436	436	2.9	7.7
1.11 कांच और कांच के सामान	85	82	103	102	20.5	23.7
1.12 सीमेन्ट और सीमेन्ट से बने उत्पाद	526	532	513	556	5.7	4.5
1.13 मूल धातु और धातु उत्पाद	4,160	4,133	3,779	3,792	-8.9	-8.2
1.13.1 लोहा और स्टील	3,262	3,223	2,881	2,908	-10.8	-9.8
1.13.2 अन्य धातु और धातु से बने उत्पाद	898	910	898	884	-1.6	-2.9
1.14 सभी अभियांत्रिकी	1,553	1,503	1,576	1,580	1.7	5.1
1.14.1 इलेक्ट्रॉनिक्स	344	347	364	369	7.3	6.5
1.14.2 अन्य	1,210	1,157	1,212	1,211	0.1	4.7
1.15 वाहन, वाहन के पुर्जे और परिवहन उपकरण	787	712	777	785	-0.3	10.2
1.16 रत्न और आभूषण	727	681	693	680	-6.5	-0.2
1.17 निर्माण	901	855	920	930	3.2	8.8
1.18 इन्फ्रास्ट्रक्चर	8,909	8,796	9,550	9,579	7.5	8.9
1.18.1 पावर	5,196	5,121	5,339	5,397	3.9	5.4
1.18.2 दूरसंचार	846	844	953	900	6.4	6.6
1.18.3 सड़क	1,665	1,707	1,789	1,822	9.4	6.8
1.18.4 अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर	1,202	1,124	1,469	1,460	21.5	29.9
1.19 अन्य उद्योग	1,890	1,977	1,959	1,928	2.0	-2.5

## सं. 17: भारतीय रिज़र्व बैंक में राज्य सहकारी बैंकों के खाते

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में)/अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की स्थिति								
	2017-18	2017		2018					
		अक्टूबर 27	अगस्त 03	अगस्त 17	अगस्त 31	सितंबर 14	सितंबर 28	अक्टूबर 12	अक्टूबर 26
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	31	32	30	30	30	31	31	30	31
<b>1 कुल जमाराशियां (2.1.1.2+2.2.1.2)</b>	<b>540.9</b>	<b>552.1</b>	<b>537.9</b>	<b>541.5</b>	<b>529.2</b>	<b>547.9</b>	<b>556.6</b>	<b>513.5</b>	<b>543.6</b>
2 मांग और मीयादी देयताएं									
<b>2.1 मांग देयताएं</b>	<b>158.0</b>	<b>168.5</b>	<b>180.5</b>	<b>173.1</b>	<b>162.8</b>	<b>190.4</b>	<b>174.8</b>	<b>160.9</b>	<b>160.4</b>
2.1.1 जमाराशियां									
2.1.1.1 अंतर-बैंक	41.7	41.9	57.7	51.2	50.8	51.2	51.4	53.7	46.4
2.1.1.2 अन्य	89.9	92.1	89.4	87.7	75.9	79.5	88.2	79.1	83.9
2.1.2 बैंकों से उधार	1.2	0.0	3.0	4.2	5.9	11.5	7.5	3.1	3.2
2.1.3 अन्य मांग देयताएं	25.2	34.6	30.4	30.0	30.3	48.2	27.8	25.0	27.0
<b>2.2 मीयादी देयताएं</b>	<b>797.9</b>	<b>870.2</b>	<b>870.8</b>	<b>857.3</b>	<b>855.6</b>	<b>876.6</b>	<b>878.8</b>	<b>842.8</b>	<b>865.5</b>
2.2.1 जमाराशियां									
2.2.1.1 अंतर-बैंक	336.5	402.8	407.7	387.6	388.4	394.5	397.1	399.5	392.5
2.2.1.2 अन्य	451.0	459.9	448.4	453.8	453.3	468.4	468.4	434.5	459.7
2.2.2 बैंकों से उधार	3.1	0.0	7.5	8.8	7.0	6.0	7.3	2.6	6.2
2.2.3 अन्य मीयादी देयताएं	7.3	7.5	7.1	7.1	6.9	7.7	6.1	6.3	7.1
3 रिज़र्व बैंक से उधार	0.0	0.0	0.0	0.4	0.4	0.4	0.4	0.0	0.0
4 अधिसूचित बैंक/राज्य सरकार से उधार	404.8	478.1	415.0	409.0	423.0	439.1	447.6	486.1	487.4
4.1 मांग	112.3	164.0	148.5	140.5	140.8	146.3	151.5	157.0	156.2
4.2 मीयादी	292.5	314.1	266.5	268.5	282.2	292.8	296.1	329.1	331.2
5 उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेष	55.6	43.9	48.0	49.6	46.4	60.4	46.2	46.0	44.8
5.1 उपलब्ध नकदी	2.8	3.1	2.8	2.8	3.1	3.2	3.3	2.6	3.1
5.2 रिज़र्व बैंक के पास शेष	52.8	40.8	45.2	46.8	43.3	57.2	42.9	43.4	41.7
6 चालू खाते में अन्य बैंकों के पास शेष	15.0	8.0	7.5	9.5	8.8	9.5	10.9	7.2	9.0
7 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	295.6	310.4	309.9	308.8	311.7	322.4	316.9	310.8	316.4
8 मांग और अल्प सूचना पर मुद्रा	208.8	230.5	185.3	184.4	169.1	161.0	155.5	180.0	164.3
9 बैंक ऋण (10.1+11)	434.4	467.9	542.8	535.0	540.3	545.7	543.2	530.3	544.0
10 अग्रिम									
10.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	434.4	467.8	542.8	535.0	540.3	545.7	543.2	530.3	543.9
10.2 बैंकों से प्राप्य राशि	668.5	738.6	689.6	702.3	719.0	737.1	762.0	783.0	788.6
11 खरीदे और भुनाए गए बिल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0

# मूल्य और उत्पादन

## सं. 18: उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2012=100)

समूह/उप समूह	2017-18			ग्रामीण			शहरी			मिश्रित		
	ग्रामीण	शहरी	मिश्रित	नव. 17	अक्तू. 18	नव. 18	नव. 17	अक्तू. 18	नव. 18	नव. 17	अक्तू. 18	नव. 18
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
<b>1 खाद्य और पेय पदार्थ</b>	<b>138.6</b>	<b>137.4</b>	<b>138.1</b>	<b>142.4</b>	<b>140.2</b>	<b>140.1</b>	<b>141.5</b>	<b>139.4</b>	<b>139.1</b>	<b>142.1</b>	<b>139.9</b>	<b>139.7</b>
1.1 अनाज और उत्पाद	135.2	133.7	134.7	136.3	139.3	137.1	134.3	137.6	138.1	135.7	138.8	137.4
1.2 मांस और मछली	142.7	143.8	143.1	142.5	147.6	151.2	142.1	144.9	146.3	142.4	146.7	149.5
1.3 अंडा	134.4	134.1	134.3	140.5	134.6	137.0	146.7	133.5	137.8	142.9	134.2	137.3
1.4 दूध और उत्पाद	140.3	138.6	139.6	141.5	141.9	142.0	139.5	141.5	141.6	140.8	141.8	141.9
1.5 तेल और चर्बी	121.7	114.8	119.2	121.6	123.5	122.9	115.2	118.0	118.1	119.2	121.5	121.1
1.6 फल	146.2	137.0	141.9	147.3	144.5	143.5	136.4	139.5	141.4	142.2	142.2	142.5
1.7 सब्जी	146.8	154.3	149.3	168.0	147.6	147.5	185.2	153.0	145.2	173.8	149.4	146.7
1.8 दाल और उत्पाद	136.4	123.6	132.1	135.8	121.4	121.1	122.2	113.2	115.3	131.2	118.6	119.1
1.9 चीनी और उत्पाद	119.8	120.2	119.9	122.5	112.3	111.6	123.9	112.8	112.5	123.0	112.5	111.9
1.10 मसाले	135.0	139.2	136.4	136.0	139.5	140.8	138.3	141.1	141.4	136.8	140.0	141.0
1.11 गैर नशीले पेय पदार्थ	131.1	125.0	128.5	131.9	134.6	137.6	125.4	127.6	128.0	129.2	131.7	133.6
1.12 तैयार भोजन, नाश्ता, मिठाई	149.4	145.1	147.4	151.4	155.2	156.1	146.0	152.0	152.6	148.9	153.7	154.5
<b>2 पान, तंबाकू और मादक पदार्थ</b>	<b>150.0</b>	<b>153.8</b>	<b>151.0</b>	<b>152.1</b>	<b>159.6</b>	<b>161.9</b>	<b>156.2</b>	<b>164.0</b>	<b>164.4</b>	<b>153.2</b>	<b>160.8</b>	<b>162.6</b>
<b>3 कपड़ा और जूते</b>	<b>145.3</b>	<b>132.4</b>	<b>140.2</b>	<b>147.3</b>	<b>149.8</b>	<b>150.9</b>	<b>133.5</b>	<b>139.7</b>	<b>140.5</b>	<b>141.8</b>	<b>145.8</b>	<b>146.8</b>
3.1 कपड़ा	146.1	133.8	141.3	148.2	150.7	151.7	135.0	141.5	142.4	143.0	147.1	148.0
3.2 जूते	140.0	124.7	133.7	141.5	144.5	145.6	125.4	129.8	130.2	134.8	138.4	139.2
<b>4 आवास</b>	--	<b>136.4</b>	<b>136.4</b>	--	--	--	<b>138.6</b>	<b>146.3</b>	<b>146.9</b>	<b>138.6</b>	<b>146.3</b>	<b>146.9</b>
<b>5 ईंधन और लाइट</b>	<b>138.6</b>	<b>123.0</b>	<b>132.7</b>	<b>141.1</b>	<b>149.7</b>	<b>150.5</b>	<b>125.7</b>	<b>133.4</b>	<b>136.7</b>	<b>135.3</b>	<b>143.5</b>	<b>145.3</b>
<b>6 विविध</b>	<b>130.4</b>	<b>124.4</b>	<b>127.5</b>	<b>131.7</b>	<b>139.8</b>	<b>140.1</b>	<b>124.9</b>	<b>132.5</b>	<b>132.2</b>	<b>128.4</b>	<b>136.3</b>	<b>136.3</b>
6.1 घरेलू सामान और सेवा	137.7	128.2	133.2	139.4	147.5	148.0	128.8	135.1	135.8	134.4	141.6	142.2
6.2 स्वास्थ्य	133.9	126.6	131.1	135.8	144.8	145.3	127.4	136.2	136.8	132.6	141.5	142.1
6.3 परिवहन और संचार	121.2	115.3	118.0	121.6	130.8	130.2	115.3	123.3	121.2	118.3	126.9	125.5
6.4 मनोरंजन	132.1	124.6	127.9	133.7	140.1	143.1	125.1	130.7	131.3	128.9	134.8	136.5
6.5 शिक्षा	139.7	135.9	137.4	141.5	148.0	150.2	136.6	145.5	146.1	138.6	146.5	147.8
6.6 व्यक्तिगत देखभाल और प्रभाव	126.5	124.1	125.5	128.1	134.4	133.1	124.9	130.4	130.5	126.8	132.7	132.0
<b>सामान्य सूचकांक (सभी समूह)</b>	<b>137.2</b>	<b>132.5</b>	<b>135.0</b>	<b>140.0</b>	<b>142.2</b>	<b>142.4</b>	<b>134.8</b>	<b>138.9</b>	<b>139.0</b>	<b>137.6</b>	<b>140.7</b>	<b>140.8</b>

स्रोत: केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

## सं. 19: अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

मद	आधार वर्ष	योजक कारक	2017-18	2018		
				नवंबर	अक्तूबर	नवंबर
	1	2	3	4	5	6
1 औद्योगिक कामगार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	2001	4.63	284	288	302	302
2 कृषि श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	5.89	889	905	913	914
3 ग्रामीण श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	-	895	910	920	921

स्रोत: श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार।

## सं. 20: मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य

मद	2017-18	2017	2018	
			नवंबर	अक्तूबर
	1	2	3	4
1 मानक स्वर्ण (₹ प्रति 10 ग्राम)	29,300	29,399	31,489	31,010
2 चांदी (₹ प्रति किलोग्राम)	39,072	39,332	38,307	36,879

स्रोत: मुंबई में सोने और चांदी के मूल्य के लिए इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन लि. मुंबई।

## सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक

(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2017-18	2017	2018			
		1	2	नवंबर	सितंबर	अक्तूबर (अ)	नवंबर (अ)
				3	4	5	6
<b>1 सभी पण्य</b>	<b>100.000</b>	<b>114.9</b>	<b>116.4</b>	<b>120.9</b>	<b>121.7</b>	<b>121.8</b>	
<b>1.1 प्राथमिक वस्तुएं</b>	<b>22.618</b>	<b>130.6</b>	<b>136.0</b>	<b>135.5</b>	<b>136.3</b>	<b>137.2</b>	
<b>1.1.1 खाद्य वस्तुएं</b>	<b>15.256</b>	<b>143.2</b>	<b>151.1</b>	<b>144.5</b>	<b>145.8</b>	<b>146.1</b>	
1.1.1.1 खाद्यान्न (अनाज+दाल)	3.462	142.6	141.7	145.4	146.6	148.6	
1.1.1.2 फल और सब्जियाँ	3.475	155.9	190.2	154.0	157.6	155.2	
1.1.1.3 दूध	4.440	139.7	140.2	143.5	144.1	144.1	
1.1.1.4 अंडा, मांस और मछली	2.402	135.7	137.4	134.3	135.1	137.4	
1.1.1.5 मसाले	0.529	125.2	126.1	133.3	131.8	131.6	
1.1.1.6 अन्य खाद्य वस्तुएं	0.948	144.0	141.2	143.7	143.0	143.8	
<b>1.1.2 खाद्येतर वस्तुएं</b>	<b>4.119</b>	<b>119.6</b>	<b>117.1</b>	<b>124.0</b>	<b>123.4</b>	<b>124.6</b>	
1.1.2.1 फाइबर	0.839	119.0	113.7	130.2	129.8	130.9	
1.1.2.2 तिलहन	1.115	129.9	127.1	138.5	137.6	140.7	
1.1.2.3 अन्य खाद्येतर वस्तुएं	1.960	110.9	108.8	108.7	108.1	108.1	
1.1.2.4 फूल	0.204	148.7	154.8	166.9	166.7	169.3	
<b>1.1.3 खनिज</b>	<b>0.833</b>	<b>122.5</b>	<b>121.9</b>	<b>130.4</b>	<b>129.4</b>	<b>130.4</b>	
1.1.3.1 धात्विक खनिज	0.648	109.1	108.4	116.1	114.1	116.1	
1.1.3.2 अन्य खनिज	0.185	169.3	169.0	180.5	183.2	180.5	
<b>1.1.4 कच्चा तेल और नैसर्गिक गैस</b>	<b>2.410</b>	<b>73.0</b>	<b>78.3</b>	<b>99.8</b>	<b>99.8</b>	<b>104.1</b>	
<b>1.2 ईंधन और बिजली</b>	<b>13.152</b>	<b>93.3</b>	<b>94.6</b>	<b>107.8</b>	<b>111.1</b>	<b>110.0</b>	
<b>1.2.1 कोल</b>	<b>2.138</b>	<b>118.7</b>	<b>117.6</b>	<b>123.2</b>	<b>123.4</b>	<b>123.4</b>	
1.2.1.1 कुकिंग कोल	0.647	134.1	133.6	132.8	133.3	133.3	
1.2.1.2 नॉन-कुकिंग कोल	1.401	112.5	110.4	119.0	119.0	119.0	
1.2.1.3 लिग्नाइट	0.090	104.2	113.5	120.0	120.0	120.0	
<b>1.2.2 खनिज तेल</b>	<b>7.950</b>	<b>82.5</b>	<b>85.2</b>	<b>101.9</b>	<b>107.4</b>	<b>105.5</b>	
<b>1.2.3 बिजली</b>	<b>3.064</b>	<b>103.7</b>	<b>102.7</b>	<b>112.4</b>	<b>112.4</b>	<b>112.4</b>	
<b>1.3 विनिर्मित उत्पाद</b>	<b>64.231</b>	<b>113.8</b>	<b>114.0</b>	<b>118.4</b>	<b>118.8</b>	<b>118.8</b>	
<b>1.3.1 खाद्य उत्पादों का विनिर्माण</b>	<b>9.122</b>	<b>127.4</b>	<b>128.1</b>	<b>129.5</b>	<b>129.5</b>	<b>129.0</b>	
1.3.1.1 मांस का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.134	134.4	133.0	137.7	138.1	138.1	
1.3.1.2 मछली, क्रस्टेशियस, मोलस्क और उनके उत्पादों का प्रसंस्करण एवं परिरक्षण	0.204	128.1	130.9	137.8	141.5	135.2	
1.3.1.3 फल और सब्जियों का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.138	119.1	119.3	114.2	114.0	114.0	
1.3.1.4 सब्जियाँ और पशु तेल एवं चर्बी	2.643	109.4	110.5	119.0	118.6	116.7	
1.3.1.5 डेयरी उत्पाद	1.165	142.1	142.0	136.7	135.7	135.7	
1.3.1.6 अनाज मिल के उत्पाद	2.010	137.4	137.6	142.6	142.8	142.9	
1.3.1.7 स्टार्च और स्टार्च के उत्पाद	0.110	112.6	111.7	111.2	112.5	115.3	
1.3.1.8 बेकरी उत्पाद	0.215	128.8	128.7	129.3	129.6	129.5	
1.3.1.9 चीनी, गुड़ और शहद	1.163	128.0	130.4	111.9	113.4	112.8	
1.3.1.10 कोक, चॉकलेट और चीनी कन्फेक्शनरी	0.175	126.1	125.3	128.1	128.8	126.9	
1.3.1.11 मैक्रोनी, नूडल्स, और कूसकूस और उसके जैसे मैदे से बने उत्पाद	0.026	131.4	128.5	137.6	136.9	136.3	
1.3.1.12 चाय और कॉफी उत्पाद	0.371	129.1	131.3	138.6	136.6	138.3	
1.3.1.13 प्रसंस्कृत मसाले और नमक	0.163	118.2	120.1	121.8	120.6	122.6	
1.3.1.14 प्रसंस्कृत तैयार खाद्य पदार्थ	0.024	127.2	127.2	126.6	126.6	128.8	
1.3.1.15 स्वास्थ्य पूरक	0.225	141.1	140.3	139.5	140.6	142.3	
1.3.1.16 पशु के लिए तैयार खाद्य	0.356	153.0	150.2	158.6	158.7	160.9	
<b>1.3.2 पेय पदार्थों का विनिर्माण</b>	<b>0.909</b>	<b>118.9</b>	<b>119.5</b>	<b>120.3</b>	<b>120.9</b>	<b>121.7</b>	
1.3.2.1 शराब और स्पिरिट	0.408	113.8	113.8	113.7	114.5	115.0	
1.3.2.2 माल्ट लिकर और माल्ट	0.225	117.9	118.3	120.3	121.1	121.7	
1.3.2.3 शीतल पेय, मिनरल वॉटर और बोटलबन्ध पानी के अन्य उत्पाद	0.275	127.4	129.0	130.0	130.1	131.7	
<b>1.3.3 विनिर्मित तंबाकू उत्पाद</b>	<b>0.514</b>	<b>148.4</b>	<b>151.2</b>	<b>150.0</b>	<b>150.6</b>	<b>149.7</b>	
1.3.3.1 तंबाकू के उत्पाद	0.514	148.4	151.2	150.0	150.6	149.7	
<b>1.3.4 वस्त्र विनिर्माण</b>	<b>4.881</b>	<b>113.4</b>	<b>112.9</b>	<b>118.6</b>	<b>119.0</b>	<b>119.1</b>	
1.3.4.1 धागों की कटाई और वस्त्र तैयार करना	2.582	106.2	104.8	112.5	112.9	112.1	
1.3.4.2 बुनाई और तैयार वस्त्र	1.509	122.0	122.7	126.3	127.0	128.4	
1.3.4.3 बुने हुए और क्रॉचिटेड फेब्रिक्स	0.193	108.6	107.6	113.5	113.8	113.8	
1.3.4.4 कपड़ों को छोड़कर निर्मित वस्त्र सामग्री	0.299	124.6	124.2	128.9	128.1	129.1	
1.3.4.5 जोरियाँ, रस्सी, सुतली और नेटिंग	0.098	141.7	140.9	139.9	140.6	142.7	
1.3.4.6 अन्य वस्त्र	0.201	117.5	116.8	118.1	119.7	118.6	
<b>1.3.5 विनिर्मित तैयार वस्त्र</b>	<b>0.814</b>	<b>136.9</b>	<b>138.9</b>	<b>138.1</b>	<b>139.6</b>	<b>138.1</b>	
1.3.5.1 फर से बने वस्त्रों को छोड़कर वुलन के तैयार वस्त्र	0.593	137.8	137.7	138.9	139.8	138.7	
1.3.5.2 बुने हुए क्रॉचिटेड वस्त्र	0.221	134.5	142.0	136.0	139.1	136.7	

## सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक (जारी)

(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारत	2017-18	2017	2018		
			नवंबर	सितंबर	अक्तूबर (अ)	नवंबर (अ)
				1	2	3
<b>1.3.6 चमड़ा और उससे बने हुए उत्पाद का विनिर्माण</b>	<b>0.535</b>	<b>120.1</b>	<b>119.6</b>	<b>122.3</b>	<b>122.0</b>	<b>121.5</b>
1.3.6.1 चमड़े की टैनिंग और ड्रेसिंग; ड्रेसिंग और फर की रंगायी	0.142	110.9	108.8	111.0	110.0	110.1
1.3.6.2 सामान, हैंडबैग, काठी और दोहन	0.075	131.2	131.1	135.3	137.1	135.5
1.3.6.3 जूते चप्पल	0.318	121.6	121.7	124.4	123.8	123.3
<b>1.3.7 लकड़ी के विनिर्माण और लकड़ी और कॉर्क के उत्पाद</b>	<b>0.772</b>	<b>131.5</b>	<b>130.6</b>	<b>132.4</b>	<b>132.7</b>	<b>133.5</b>
1.3.7.1 आरा मिलिंग और लकड़ी के उत्पाद	0.124	120.5	122.9	122.9	123.7	125.5
1.3.7.2 विनियर शीट, प्लायवुड का विनिर्माण, लॅमिन बोर्ड, पार्टिकल बोर्ड और अन्य पॅनल और बोर्ड	0.493	131.5	130.6	135.8	136.4	136.9
1.3.7.3 बिल्डरों की बढ़ईगीरी	0.036	159.8	157.7	156.4	156.5	156.9
1.3.7.4 लकड़ी के डिब्बे	0.119	134.5	130.5	121.2	119.8	120.4
<b>1.3.8 कागज़ और कागज़ के उत्पाद का विनिर्माण</b>	<b>1.113</b>	<b>118.9</b>	<b>118.0</b>	<b>123.0</b>	<b>123.9</b>	<b>125.3</b>
1.3.8.1 लुगदी, कागज़ और कागज़ बोर्ड	0.493	122.3	121.3	128.9	131.1	132.8
1.3.8.2 लहरदार कागज़ और पेपर बोर्ड और कागज़ के पात्र और पेपर बोर्ड	0.314	116.1	113.7	115.5	115.0	117.0
1.3.8.3 कागज़ की अन्य सामग्री और पेपर बोर्ड	0.306	116.2	117.0	121.4	121.4	121.6
<b>1.3.9 मुद्रण और रिकार्डेड मीडिया का पुनरुत्पादन</b>	<b>0.676</b>	<b>143.7</b>	<b>142.7</b>	<b>148.2</b>	<b>146.9</b>	<b>146.5</b>
1.3.9.1 मुद्रण	0.676	143.7	142.7	148.2	146.9	146.5
<b>1.3.10 रसायन और रासायनिक उत्पाद का विनिर्माण</b>	<b>6.465</b>	<b>112.5</b>	<b>112.4</b>	<b>119.6</b>	<b>120.4</b>	<b>120.8</b>
1.3.10.1 मूल रसायन	1.433	111.2	112.1	126.3	127.5	128.2
1.3.10.2 उर्वरक और नाइट्रोजन यौगिक	1.485	117.1	116.7	120.5	121.2	122.8
1.3.10.3 प्लास्टिक और सिंथेटिक रबड़ प्राथमिक रूप में	1.001	113.0	112.6	119.4	120.2	119.2
1.3.10.4 कीटनाशक और अन्य एग्रेगेमिकल उत्पाद	0.454	115.3	114.0	120.4	122.0	121.0
1.3.10.5 पेन्ट, वार्निश और समान कोटिंग, मुद्रण स्याही और मैसिटक्स	0.491	108.6	106.3	111.5	112.2	113.1
1.3.10.6 साबुन और डिटरजेंट, सफाई और चमकाने की सामग्री, इत्र और शौचालय सफाई की सामग्री	0.612	115.2	115.6	116.0	116.8	117.7
1.3.10.7 अन्य रासायनिक उत्पाद	0.692	110.1	109.5	117.8	118.5	117.9
1.3.10.8 मानव निर्मित फाइबर	0.296	97.5	98.2	106.0	106.7	107.0
<b>1.3.11 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद का विनिर्माण</b>	<b>1.993</b>	<b>121.2</b>	<b>122.1</b>	<b>121.5</b>	<b>124.3</b>	<b>124.3</b>
1.3.11.1 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद	1.993	121.2	122.1	121.5	124.3	124.3
<b>1.3.12 रबड़ और प्लास्टिक उत्पाद का विनिर्माण</b>	<b>2.299</b>	<b>107.6</b>	<b>107.3</b>	<b>109.9</b>	<b>110.1</b>	<b>110.4</b>
1.3.12.1 रबड़ टायर और ट्यूब, रबड़ टायर की रीट्रीडिंग और पुनर्निर्माण	0.609	100.3	100.3	99.1	99.2	99.3
1.3.12.2 रबड़ के अन्य उत्पाद	0.272	91.0	89.9	93.0	92.2	91.9
1.3.12.3 प्लास्टिक उत्पाद	1.418	113.9	113.7	117.8	118.1	118.6
<b>1.3.13 अन्य अधात्विक खनिज उत्पादों का विनिर्माण</b>	<b>3.202</b>	<b>112.7</b>	<b>113.0</b>	<b>115.7</b>	<b>115.8</b>	<b>115.6</b>
1.3.13.1 कांच और कांच उत्पाद	0.295	117.2	117.1	119.8	121.8	121.5
1.3.13.2 आग रोधक उत्पाद	0.223	113.2	111.6	110.4	111.5	112.4
1.3.13.3 मिट्टी से बनी भवन निर्माण सामग्री	0.121	94.0	92.8	95.8	94.5	96.5
1.3.13.4 चीनी मिट्टी के बर्तन और चीनी मिट्टी	0.222	112.5	112.3	112.2	112.2	112.3
1.3.13.5 सीमेन्ट, चूना और प्लास्टर	1.645	113.8	113.2	113.3	113.2	112.9
1.3.13.6 कंक्रीट, सीमेन्ट और प्लास्टर से बनी वस्तुएं	0.292	118.9	118.6	122.6	122.8	121.4
1.3.13.7 पत्थरों को काटना, आकार देना और संवारना	0.234	117.2	116.4	119.9	119.7	119.5
1.3.13.8 अन्य अधात्विक खनिज उत्पाद	0.169	89.9	107.7	139.4	139.5	139.5
<b>1.3.14 मूल धातुओं का विनिर्माण</b>	<b>9.646</b>	<b>101.4</b>	<b>101.3</b>	<b>114.2</b>	<b>114.6</b>	<b>113.9</b>
1.3.14.1 स्टील तैयार करने में प्रयुक्त सामग्री	1.411	98.2	96.6	120.6	118.8	117.1
1.3.14.2 मेटेलिक आयसन	0.653	99.4	98.7	121.5	121.5	119.5
1.3.14.3 नरम इस्पात - अर्ध निर्मित इस्पात	1.274	93.2	92.8	101.6	101.1	100.2
1.3.14.4 नरम इस्पात - लंबे उत्पाद	1.081	95.6	95.4	112.3	111.4	112.1
1.3.14.5 नरम इस्पात - चपटे उत्पाद	1.144	104.9	105.0	122.0	122.7	122.4
1.3.14.6 स्टेनलेस स्टील के अतिरिक्त एलॉय स्टील-आकार	0.067	97.3	95.4	114.6	114.3	113.8
1.3.14.7 स्टेनलेस स्टील अर्ध निर्मित	0.924	98.2	96.1	111.9	114.1	113.2
1.3.14.8 पाइप और ट्यूब	0.205	116.1	116.8	127.4	127.7	127.0
1.3.14.9 कीमती धातु सहित अलौह धातु	1.693	107.9	110.1	112.3	112.9	112.8
1.3.14.10 कार्बिड	0.925	104.8	105.0	111.1	110.2	109.1
1.3.14.11 स्टील से गढ़ी वस्तुएं	0.271	118.4	118.8	116.1	134.9	134.5
<b>1.3.15 मशीनरी और उपकरणों को छोड़कर गढ़े हुए धातु उत्पादों का विनिर्माण</b>	<b>3.155</b>	<b>109.5</b>	<b>111.2</b>	<b>115.3</b>	<b>115.7</b>	<b>116.2</b>
1.3.15.1 इमारती धातु उत्पाद	1.031	105.9	105.3	114.3	114.1	113.5
1.3.15.2 धातु से बने टैंक, जलाशय और डिब्बे	0.660	122.6	128.5	128.7	129.6	129.7
1.3.15.3 बाष्प चालित जनरेटर, सेंट्रल हीटिंग हॉट वाटर बॉयलर्स को छोड़कर	0.145	109.0	109.4	103.7	103.8	108.6
1.3.15.4 धातु की फोर्जिंग, दबाना, स्टेमिंग और रोल फॉर्मिंग, पाउडर धातुकर्म	0.383	90.7	91.5	95.2	95.2	96.7
1.3.15.5 कटलरी, हस्त चालित उपकरण और सामान्य हार्डवेयर	0.208	102.3	97.9	99.7	99.4	99.8
1.3.15.6 अन्य गढ़े हुए धातु उत्पाद	0.728	114.8	118.4	121.9	123.1	124.2
<b>1.3.16 कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल उत्पादों का विनिर्माण</b>	<b>2.009</b>	<b>110.1</b>	<b>110.3</b>	<b>112.2</b>	<b>112.9</b>	<b>113.0</b>
1.3.16.1 इलेक्ट्रॉनिक पुरजे	0.402	103.7	103.2	101.3	101.1	102.4
1.3.16.2 कंप्यूटर और संबंधित उपकरण	0.336	127.4	127.4	135.1	135.1	135.1

## सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक (समाप्त)

(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारत	2017-18	2017	2018		
			नवंबर	सितंबर	अक्टूबर (अ)	नवंबर (अ)
		1	2	3	4	5
1.3.16.3 संचार उपकरण	0.310	110.6	115.7	117.4	117.3	116.5
1.3.16.4 उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स	0.641	103.1	101.4	103.4	105.5	104.9
1.3.16.5 मापने, जांचने, नेविगेशन और नियंत्रण उपकरण	0.181	106.9	107.8	108.6	108.6	111.2
1.3.16.6 हाथ घड़ी और दीवार घड़ी	0.076	137.8	136.1	138.5	138.5	138.6
1.3.16.7 विभासन, विद्युत चिकित्सकीय एवं विद्युत उपचारात्मक उपकरण	0.055	102.9	102.3	103.6	106.0	99.8
1.3.16.8 ऑप्टिकल उपकरण और फोटोग्राफिक उपकरण	0.008	108.0	113.1	107.5	107.5	107.2
<b>1.3.17 इलेक्ट्रिकल उपकरण का विनिर्माण</b>	<b>2.930</b>	<b>109.6</b>	<b>109.7</b>	<b>111.5</b>	<b>111.6</b>	<b>112.1</b>
1.3.17.1 विद्युत मोटर्स, जनरेटर, ट्रांसफार्मर और बिजली वितरण और नियंत्रण संबंधी उपकरण	1.298	105.8	105.5	106.4	106.5	108.7
1.3.17.2 बैटरी और एक्ज्युम्युलेटर	0.236	117.4	116.6	118.2	118.3	118.3
1.3.17.3 डेटा संचरण या छवियों के सजीव प्रसारण के लिए फाइबर ऑप्टिक केबल	0.133	116.5	112.7	129.6	127.5	126.3
1.3.17.4 अन्य इलेक्ट्रॉनिक और बिजली के वायर और केबल	0.428	105.7	107.3	111.3	112.1	111.9
1.3.17.5 वायरिंग संबंधी चीजें और बिजली के प्रकाश और सजावट के उपकरण	0.263	109.9	112.0	108.8	109.3	105.9
1.3.17.6 घरेलू उपकरण	0.366	121.3	121.5	122.1	121.7	121.9
1.3.17.7 अन्य इलेक्ट्रिकल उपकरण	0.206	107.2	107.8	109.1	108.9	108.4
<b>1.3.18 मशीनरी और उपकरणों का विनिर्माण</b>	<b>4.789</b>	<b>108.9</b>	<b>109.3</b>	<b>111.6</b>	<b>111.4</b>	<b>111.7</b>
1.3.18.1 इंजन और टर्बाइन, एयरक्राफ्ट, वाहन और दुपहिया वाहनों के इंजन को छोड़कर	0.638	102.3	101.4	103.5	102.7	103.3
1.3.18.2 तरल बिजली उपकरण	0.162	115.3	115.2	118.5	116.8	118.8
1.3.18.3 अन्य पंप, कंप्रेसर, नल और वाल्व	0.552	108.6	108.7	108.5	108.5	109.1
1.3.18.4 बेयरिंग, गियर्स, गेयरिंग और ड्राइविंग उपकरण	0.340	109.0	111.7	111.2	112.4	111.3
1.3.18.5 ओवन, फर्नेस और फर्नेस बर्नर भट्टियां	0.008	78.5	79.5	77.5	77.5	77.4
1.3.18.6 माल उठाने एवं चढ़ाने – उतारने वाले उपकरण	0.285	105.8	106.4	108.8	108.8	110.3
1.3.18.7 कार्यालय मशीनरी और उपकरण	0.006	130.2	130.2	130.2	130.2	130.2
1.3.18.8 सामान्य प्रयोजन के अन्य उपकरण	0.437	127.3	128.7	130.4	130.1	129.9
1.3.18.9 कृषि और वानिकी मशीनरी	0.833	112.8	112.8	117.3	117.6	117.8
1.3.18.10 धातु निर्माण करनेवाली मशीनरी और मशीन टूल्स	0.224	99.6	98.7	103.6	102.6	102.6
1.3.18.11 खनन, उत्खनन और निर्माण के लिए मशीनरी	0.371	75.0	74.6	76.6	76.5	76.5
1.3.18.12 खाद्य, पेय और तंबाकू प्रसंस्करण के लिए मशीनरी	0.228	121.1	123.2	125.9	127.0	128.0
1.3.18.13 कपड़ा, परिधान और चमड़े के उत्पादन से जुड़ी मशीनरी	0.192	117.4	119.3	119.9	118.9	119.3
1.3.18.14 अन्य विशेष प्रयोजनों के लिए मशीनरी	0.468	119.5	120.7	124.1	123.2	122.8
1.3.18.15 अक्षय ऊर्जा उत्पादन मशीनरी	0.046	70.4	70.8	67.0	67.0	67.0
<b>1.3.19 मोटर वाहन, ट्रेलरों और अर्ध-ट्रेलरों का विनिर्माण</b>	<b>4.969</b>	<b>110.7</b>	<b>110.3</b>	<b>112.9</b>	<b>112.9</b>	<b>113.7</b>
1.3.19.1 मोटर वाहन	2.600	112.6	112.1	113.5	113.4	114.3
1.3.19.2 मोटर वाहन पुरजे और सहायक उपकरण	2.368	108.6	108.4	112.2	112.4	113.1
<b>1.3.20 अन्य परिवहन उपकरणों का विनिर्माण</b>	<b>1.648</b>	<b>110.2</b>	<b>110.8</b>	<b>111.5</b>	<b>112.0</b>	<b>112.1</b>
1.3.20.1 जहाजों और तैरने वाली – वस्तुओं का निर्माण	0.117	158.8	158.8	158.8	158.8	158.8
1.3.20.2 रेलवे इंजन और रोलिंग स्टॉक	0.110	104.0	104.7	103.8	103.9	103.4
1.3.20.3 मोटर साइकल	1.302	105.3	106.1	106.4	106.9	107.0
1.3.20.4 साइकल और अवैध गाड़ी	0.117	121.3	120.1	128.2	128.9	129.0
1.3.20.5 अन्य परिवहन उपकरण	0.002	119.9	119.7	124.1	124.8	124.8
<b>1.3.21 फर्नीचर का विनिर्माण</b>	<b>0.727</b>	<b>120.3</b>	<b>121.0</b>	<b>127.5</b>	<b>127.3</b>	<b>128.4</b>
1.3.21.1 फर्नीचर	0.727	120.3	121.0	127.5	127.3	128.4
<b>1.3.22 अन्य विनिर्माण</b>	<b>1.064</b>	<b>109.2</b>	<b>112.0</b>	<b>107.0</b>	<b>107.1</b>	<b>107.1</b>
1.3.22.1 आभूषण और संबंधित सामग्री	0.996	106.7	109.5	103.8	104.0	104.0
1.3.22.2 संगीत उपकरण	0.001	171.0	175.9	167.1	167.5	177.1
1.3.22.3 खेल के सामान	0.012	126.0	125.6	127.8	128.5	128.6
1.3.22.4 खेल और खिलौने	0.005	128.2	129.2	132.6	130.7	132.4
1.3.22.5 चिकित्सा और दंत चिकित्सा उपकरण और सामग्री	0.049	151.9	157.6	160.6	160.6	160.7
<b>2 खाद्य सूचकांक</b>	<b>24.378</b>	<b>137.3</b>	<b>142.5</b>	<b>138.9</b>	<b>139.7</b>	<b>139.7</b>

स्रोत : आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, वाणिज्यिक और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार।

## सं. 22: औद्योगिक उत्पादन का सूचकांक (आधार: 2011-12=100)

उद्योग	भारांक	2016-17	2017-18	अप्रैल-अक्तूबर		अक्तूबर	
				2017-18	2018-19	2017	2018
	1	2	3	4	5	6	7
सामान्य सूचकांक	100.00	120.0	125.3	121.0	127.8	122.5	132.4
<b>1 क्षेत्रवार वर्गीकरण</b>							
1.1 खनन	14.37	102.5	104.9	97.0	100.7	100.8	107.9
1.2 विनिर्माण	77.63	121.0	126.6	122.3	129.2	123.7	133.5
1.3 बिजली	7.99	141.6	149.2	152.0	162.3	149.8	166.0
<b>2 उपयोग आधारित वर्गीकरण</b>							
2.1 मूल वस्तुएं	34.05	117.5	121.8	118.2	124.2	122.1	129.4
2.2 पूंजीगत माल	8.22	101.5	105.6	98.8	107.4	97.6	114.0
2.3 मध्यवर्ती माल	17.22	122.3	125.1	121.7	123.4	122.6	124.8
2.4 बुनियादी/निर्माण वस्तुएं	12.34	125.0	132.0	128.1	139.2	132.0	143.5
2.5 उपभोक्ता टिकाऊ माल	12.84	122.6	123.6	122.3	133.8	119.0	139.9
2.6 उपभोक्ता गैर-टिकाऊ माल	15.33	126.5	139.9	131.6	137.5	132.1	142.6

स्रोत : केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

## सरकारी खाते और खजाना बिल

## सं. 23: केन्द्र सरकार के खाते - एक नजर में

(राशि बिलियन ₹ में)

मद	वित्तीय वर्ष	अप्रैल - नवंबर			
	2018-19 (बजट अनुमान)	2018-19 (वर्तमान)	2017-18 (वर्तमान)	बजट अनुमान का प्रतिशत	
				2018-19	2017-18
	1	2	3	4	5
<b>1 राजस्व प्राप्तियां</b>	<b>17,257.4</b>	<b>8,703.1</b>	<b>8,048.6</b>	<b>50.4</b>	<b>53.1</b>
1.1 कर राजस्व (निवल)	14,806.5	7,316.7	6,993.9	49.4	57.0
1.2 करेतर राजस्व	2,450.9	1,386.4	1,054.7	56.6	36.5
<b>2 पूंजीगत प्राप्तियां</b>	<b>7,164.8</b>	<b>7,429.0</b>	<b>6,739.5</b>	<b>103.7</b>	<b>106.8</b>
2.1 ऋण की वसूली	122.0	104.7	94.7	85.8	79.4
2.2 अन्य प्राप्तियां	800.0	158.1	523.8	19.8	72.2
2.3 उधारियां और अन्य देयताएं	6,242.8	7,166.3	6,121.1	114.8	112.0
<b>3 कुल प्राप्तियां (1+2)</b>	<b>24,422.1</b>	<b>16,132.1</b>	<b>14,788.2</b>	<b>66.1</b>	<b>68.9</b>
4 राजस्व व्यय	21,417.7	14,217.8	12,947.0	66.4	70.5
4.1 ब्याज भुगतान	5,758.0	3,482.3	3,098.0	60.5	59.2
5 पूंजी व्यय	3,004.4	1,914.3	1,841.2	63.7	59.4
<b>6 कुल व्यय (4+5)</b>	<b>24,422.1</b>	<b>16,132.1</b>	<b>14,788.2</b>	<b>66.1</b>	<b>68.9</b>
7 राजस्व घाटा (4-1)	4,160.3	5,514.7	4,898.4	132.6	152.5
8 राजकोषीय घाटा {6-(1+2.1+2.2)}	6,242.8	7,166.3	6,121.1	114.8	112.0
9 सकल प्राथमिक घाटा [8-4.1]	484.8	3,683.9	3,023.1	759.9	1288.9

स्रोत : महालेखानियंत्रक, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और यूनिशन बजट 2018-19।

**सं. 24: खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप**

(बिलियन ₹)

मद	2016-17	2017		2018				
		दिसंबर 1	अक्टूबर 26	नवंबर 2	नवंबर 9	नवंबर 16	नवंबर 23	नवंबर 30
	1	2	3	4	5	6	7	8
<b>1 91-दिवसीय</b>								
1.1 बैंक	323.7	291.0	378.8	393.4	391.3	358.7	311.0	340.0
1.2 प्राथमिक व्यापारी	243.5	221.3	191.5	217.3	233.7	191.2	203.4	174.8
1.3 राज्य सरकारें	146.2	894.9	625.7	695.7	725.7	756.5	751.0	779.0
1.4 अन्य	343.4	643.5	734.5	665.1	620.7	667.9	673.4	643.8
<b>2 182-दिवसीय</b>								
2.1 बैंक	216.2	379.9	380.2	384.3	396.0	385.5	371.9	375.3
2.2 प्राथमिक व्यापारी	316.5	219.5	369.8	428.6	418.8	434.7	477.1	471.5
2.3 राज्य सरकारें	193.6	80.3	357.3	345.3	345.3	344.5	344.5	344.5
2.4 अन्य	120.9	116.2	269.3	205.7	203.8	199.0	170.4	172.4
<b>3 364-दिवसीय</b>								
3.1 बैंक	512.3	364.6	510.7	511.5	574.4	540.8	566.7	535.1
3.2 प्राथमिक व्यापारी	551.8	609.6	700.2	799.2	738.0	758.3	759.4	779.9
3.3 राज्य सरकारें	26.3	29.7	180.9	180.9	180.9	180.9	180.9	180.9
3.4 अन्य	326.4	351.1	574.8	494.9	515.7	548.9	541.3	572.2
<b>4 14-दिवसीय मध्यवर्ती</b>								
4.1 बैंक	—	—	—	—	—	—	—	—
4.2 प्राथमिक व्यापारी	—	—	—	—	—	—	—	—
4.3 राज्य सरकारें	1,560.6	1,328.7	1,294.8	1,146.3	779.0	757.8	1,361.8	1,276.3
4.4 अन्य	5.1	4.7	4.7	5.3	7.5	8.5	6.3	4.9
<b>कुल खज़ाना बिल (14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल को छोड़कर)#</b>	<b>3,320.8</b>	<b>4,201.6</b>	<b>5,273.8</b>	<b>5,322.0</b>	<b>5,344.3</b>	<b>5,367.0</b>	<b>5,351.1</b>	<b>5,369.4</b>

# 14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल बिक्री योग्य नहीं है, ये बिल 91 दिवसीय, 182 दिवसीय और 364 दिवसीय खज़ाना बिलों जैसे नहीं हैं। यह बिल स्वरूप के अनुसार मध्यवर्ती हैं क्योंकि राज्य सरकारों के दैनिक न्यूनतम नकदी शेष में कमी को पूरा करने के लिए परिसमाप्त किए जाते हैं।

**सं. 25: खज़ाना बिलों की नीलामी**

(राशि बिलियन ₹ में)

नीलामी की तारीख	अधिसूचित राशि	प्राप्त बोलियां			स्वीकृत बोलियां			कुल निर्गम (6+7)	कट-ऑफ मूल्य	कट-ऑफ मूल्य पर निहित प्रतिफल (प्रतिशत)
		संख्या	कुल अंकित मूल्य		संख्या	कुल अंकित मूल्य				
			प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी		प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
<b>91-दिवसीय खज़ाना बिल</b>										
अक्टूबर 31	70	60	311.42	86.68	34	69.99	86.68	156.67	98.30	6.9366
नवंबर 6	70	46	227.75	53.01	27	69.99	53.01	123.00	98.30	6.9366
नवंबर 14	70	56	459.74	48.01	38	69.99	48.01	118.00	98.31	6.8951
नवंबर 20	70	57	871.03	20.02	17	69.98	20.02	90.00	98.33	6.8121
नवंबर 28	70	68	345.86	148.01	38	69.99	148.01	218.00	98.34	6.7706
<b>182-दिवसीय खज़ाना बिल</b>										
अक्टूबर 31	40	55	168.10	0.02	30	39.98	0.02	40.00	96.52	7.2308
नवंबर 6	40	44	198.72	10.02	22	39.98	10.02	50.00	96.52	7.2308
नवंबर 14	40	55	245.79	0.00	22	40.00	0.00	40.00	96.55	7.1662
नवंबर 20	40	53	250.78	0.00	15	40.00	0.00	40.00	96.58	7.1017
नवंबर 28	40	60	231.36	0.02	23	39.98	0.02	40.00	96.60	7.0587
<b>364-दिवसीय खज़ाना बिल</b>										
अक्टूबर 31	40	95	193.53	0.09	38	39.91	0.09	40.00	93.06	7.4780
नवंबर 6	40	82	260.92	0.09	11	39.91	0.09	40.00	93.11	7.4202
नवंबर 14	40	85	248.26	0.01	11	39.99	0.01	40.00	93.19	7.3277
नवंबर 20	40	78	257.22	0.00	29	40.00	0.00	40.00	93.24	7.2700
नवंबर 28	40	80	249.74	0.09	22	39.91	0.09	40.00	93.28	7.2239
<b>नकद प्रबंधन बिल</b>										
जून 4	200	58	819.35	—	45	200.00	—	200.00	99.63	6.4548
जून 11	250	86	1,598.72	—	47	250.00	—	250.00	98.74	6.6538
जून 25	200	62	1,647.38	—	39	200.00	—	200.00	99.20	6.5412
जुलाई 10	200	75	2,068.86	—	25	200.00	—	200.00	98.77	6.4934
अक्टूबर 15	150	77	1,295.13	—	26	150.00	—	150.00	98.91	6.8175

## वित्तीय बाजार

## सं. 26: दैनिक मांग मुद्रा दरें

(वार्षिक प्रतिशत)

स्थिति के अनुसार	दरों का दायरा		भारत औसत दरें
	उधार लेना/उधार देना		उधार लेना/उधार देना
	1		2
नवंबर	1, 2018	5.00-6.60	6.41
नवंबर	2, 2018	5.00-7.00	6.39
नवंबर	3, 2018	4.60-6.50	6.01
नवंबर	5, 2018	5.00-6.85	6.41
नवंबर	6, 2018	5.00-6.70	6.43
नवंबर	9, 2018	4.90-6.60	6.47
नवंबर	12, 2018	5.10-6.60	6.46
नवंबर	13, 2018	5.10-6.60	6.42
नवंबर	14, 2018	5.10-6.55	6.34
नवंबर	15, 2018	5.10-6.50	6.34
नवंबर	16, 2018	5.10-6.50	6.34
नवंबर	17, 2018	4.60-6.60	6.17
नवंबर	19, 2018	5.00-6.50	6.39
नवंबर	20, 2018	5.00-6.65	6.43
नवंबर	22, 2018	5.00-6.75	6.47
नवंबर	26, 2018	5.00-6.60	6.44
नवंबर	27, 2018	5.00-6.60	6.38
नवंबर	28, 2018	5.00-6.75	6.36
नवंबर	29, 2018	5.00-7.05	6.38
नवंबर	30, 2018	5.00-6.55	6.40
दिसंबर	1, 2018	5.05-6.50	6.18
दिसंबर	3, 2018	5.00-6.55	6.33
दिसंबर	4, 2018	5.00-6.50	6.35
दिसंबर	5, 2018	5.00-6.80	6.37
दिसंबर	6, 2018	5.00-6.75	6.35
दिसंबर	7, 2018	5.00-6.60	6.41
दिसंबर	10, 2018	5.00-6.55	6.42
दिसंबर	11, 2018	5.00-6.60	6.48
दिसंबर	12, 2018	5.00-6.70	6.52
दिसंबर	13, 2018	5.00-6.85	6.41
दिसंबर	14, 2018	5.00-6.55	6.39
दिसंबर	15, 2018	4.10-6.65	6.49

टिप्पणी: नोटिस मुद्रा सहित।

## सं. 27: जमा प्रमाणपत्र

मद	2017		2018		
	नवंबर 24	अक्टूबर 12	अक्टूबर 26	नवंबर 9	नवंबर 23
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (बिलियन ₹)	1,218.9	1,589.2	1,540.7	1,312.0	1,485.1
1.1 पखवाड़े के दौरान जारी (बिलियन ₹)	135.1	151.2	102.4	128.8	279.7
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	6.18-6.61	7.00-9.05	6.98-8.45	7.12-8.50	6.92-8.50

## सं. 28: वाणिज्यिक पत्र

मद	2017		2018		
	नवंबर 30	अक्टूबर 15	अक्टूबर 31	नवंबर 15	नवंबर 30
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (बिलियन ₹)	4,736.8	5,944.9	5,876.9	5,847.2	5,606.1
1.1 पखवाड़े के दौरान रिपोर्ट किए गए (बिलियन ₹)	960.2	799.1	949.3	1,066.2	1,300.6
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	6.01-37.73	6.72-17.49	6.87-10.38	6.69-11.73	6.63-11.09

## सं. 29: चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर

(बिलियन ₹)

मद	2017-18	2017		2018				
		नवंबर 24	अक्टूबर 26	नवंबर 2	नवंबर 9	नवंबर 16	नवंबर 23	नवंबर 30
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 मांग मुद्रा	245.5	295.8	352.2	269.4	313.2	339.7	342.2	267.6
2 नोटिस मुद्रा	36.6	4.2	5.2	64.3	9.0	74.5	9.6	97.1
3 मीयादी मुद्रा	9	8.1	7.6	5.4	8.5	6.6	4.0	9.4
4 सीबीएलओ / त्रिपक्षीय रिपो	2,130.1	2,132.7	2,411.7	2,930.5	1,956.7	3,102.2	2,300.0	2,917.6
5 बाजार रिपो	1,921.8	2,021.9	2,948.2	3,001.6	2,366.6	2,463.6	1,748.6	2,188.8
6 कार्पोरेट बांड में रिपो	3.8	3.0	34.8	23.2	25.1	19.8	8.4	45.2
7 फोरेक्स (यूएस मिलियन डॉलर)	55,345	56,366	67,062	76,460	61,900	64,506	55,903	76,552
8 भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां	808.7	1,170.8	599.9	572.1	555.2	648.0	507.8	951.1
9 राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	45.3	23.5	30.4	32.2	60.1	38.6	32.6	80.0
10 खजाना बिल								
10.1 91-दिवसीय	35.5	11.8	50.3	49.2	33.8	56.1	49.4	36.0
10.2 182-दिवसीय	10.2	4.6	12.5	12.6	9.1	9.6	19.4	16.9
10.3 364-दिवसीय	10.3	0.7	11.6	12.0	15.5	27.3	27.8	31.8
10.4 नकदी प्रबंधन बिल	13	—	0.7	0.2	—	—	1.4	1.9
11 कुल सरकारी प्रतिभूतियां (8+9+10)	923.0	1,211.4	705.3	678.2	673.8	779.7	638.3	1,117.7
11.1 भारतीय रिजर्व बैंक	—	41.8	24.0	20.2	34.1	25.3	27.6	22.3

टिप्पणी : मुद्रा बाजार के संपादिक उधार और ऋण दायित्व (सीबीएलओ) खंड को समाप्त किया गया तथा उसके स्थान पर 5 नवंबर 2018से त्रिपक्षीय रिपो लाया गया।

## सं. 30: गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम

(राशि बिलियन ₹ में)

प्रतिभूति और निर्गम का प्रकार	2017-18		2017-18 (अप्रैल-नवंबर)		2018-19 (अप्रैल-नवंबर)*		नवंबर 2017		नवंबर 2018 *	
	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
<b>1 इक्विटी शेयर</b>	<b>214</b>	<b>679.9</b>	<b>125</b>	<b>347.3</b>	<b>102</b>	<b>137.6</b>	<b>19</b>	<b>100.3</b>	<b>5</b>	<b>0.6</b>
1ए प्रीमियम	211	657.8	124	336.0	100	133.1	19	96.7	5	0.4
1.1 पब्लिक	193	466.0	114	310.6	98	126.3	16	94.7	5	0.6
1.1.1 प्रीमियम	190	448.7	113	300.7	96	122.6	16	91.4	5	0.4
1.2 राइट्स	21	213.9	11	36.7	4	11.3	3	5.5	—	—
1.2.1 प्रीमियम	21	209.1	11	35.3	4	10.5	3	5.3	—	—
<b>2 अधिमान शेयर</b>	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
2.1 पब्लिक	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
2.2 राइट्स	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
<b>3 डिबेंचर</b>	<b>7</b>	<b>49.5</b>	<b>4</b>	<b>39.0</b>	<b>14</b>	<b>283.0</b>	—	—	<b>1</b>	<b>2.6</b>
3.1 परिवर्तनीय	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
3.1.1 पब्लिक	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
3.1.2 राइट्स	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
3.2 अपरिवर्तनीय	7	49.5	4	39.0	14	283.0	—	—	1	2.6
3.1.1 पब्लिक	7	49.5	4	39.0	14	283.0	—	—	1	2.6
3.1.2 राइट्स	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
<b>4 बांड</b>	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
4.1 पब्लिक	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
4.2 राइट्स	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
<b>5 कुल (1+2+3+4)</b>	<b>221</b>	<b>729.5</b>	<b>129</b>	<b>386.2</b>	<b>116</b>	<b>420.6</b>	<b>19</b>	<b>100.3</b>	<b>6</b>	<b>3.2</b>
5.1 पब्लिक	200	515.6	118	349.6	112	409.3	16	94.7	6	3.2
5.2 राइट्स	21	213.9	11	36.7	4	11.3	3	5.5	—	—

\* : आंकड़े अनंतिम हैं।

टिप्पणी : अप्रैल 2018 से मासिक डाटा का समेकन निर्गम की समाप्ति की तारीख के आधार पर की जाती है जबकि पूर्व में समेकन का कार्य निर्गम चालू होने की तारीख के आधार पर किया जाता था।

स्रोत : भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी)।

## बाह्य क्षेत्र

## सं. 31: विदेशी व्यापार

मद	इकाई	2017-18	2017		2018			
		1	नवंबर	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अगस्त	नवंबर
			2	3	4	5	6	7
1 निर्यात	बिलियन ₹	19,565.1	1,705.4	1,772.0	1,938.3	2,018.2	1,986.6	1,904.3
	अमेरिकी मिलियन डालर	303,526.2	26,292.7	25,796.0	27,871.0	27,946.8	26,980.4	26,502.2
1.1 तेल	बिलियन ₹	2,414.3	233.7	266.2	263.5	318.1	334.5	369.4
	अमेरिकी मिलियन डालर	37,465.1	3,603.0	3,874.6	3,789.5	4,404.3	4,542.7	5,140.9
1.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	17,150.8	1,471.7	1,505.9	1,674.8	1,700.1	1,652.1	1,534.9
	अमेरिकी मिलियन डालर	266,061.1	22,689.6	21,921.4	24,081.5	23,542.5	22,437.7	21,361.4
2 आयात	बिलियन ₹	30,010.3	2,684.7	3,008.4	3,147.6	3,031.7	3,248.5	3,102.2
	अमेरिकी मिलियन डालर	465,581.0	41,390.2	43,795.2	45,258.3	41,981.7	44,117.2	43,172.9
2.1 तेल	बिलियन ₹	7,003.2	619.3	848.6	830.5	790.9	1,049.2	969.6
	अमेरिकी मिलियन डालर	108,658.7	9,548.5	12,353.3	11,941.4	10,951.3	14,249.3	13,493.4
2.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	23,007.1	2,065.3	2,159.9	2,317.1	2,240.9	2,199.2	2,132.6
	अमेरिकी मिलियन डालर	356,922.3	31,841.7	31,441.9	33,316.9	31,030.4	29,867.9	29,679.5
3 व्यापार शेष	बिलियन ₹	-10,445.2	-979.3	-1,236.4	-1,209.2	-1,013.5	-1,261.8	-1,197.9
	अमेरिकी मिलियन डालर	-162,054.8	-15,097.5	-17,999.2	-17,387.3	-14,034.9	-17,136.8	-16,670.7
3.1 तेल	बिलियन ₹	-4,588.9	-385.6	-582.4	-566.9	-472.8	-714.7	-600.2
	अमेरिकी मिलियन डालर	-71,193.6	-5,945.5	-8,478.7	-8,151.8	-6,547.0	-9,706.6	-8,352.5
3.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	-5,856.3	-593.6	-654.0	-642.3	-540.7	-547.1	-597.7
	अमेरिकी मिलियन डालर	-90,861.2	-9,152.1	-9,520.5	-9,235.5	-7,487.9	-7,430.2	-8,318.2

स्रोत : वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय तथा वाणिज्यिक और उद्योग मंत्रालय।

## सं. 32: विदेशी मुद्रा भंडार

मद	इकाई	2017	2018					
		दिसंबर 22	नवंबर 16	नवंबर 23	नवंबर 30	दिसंबर 7	दिसंबर 14	दिसंबर 21
		1	2	3	4	5	6	7
1 कुल भंडार	बिलियन ₹	25,936	28,302	28,015	27,425	27,765	28,157	27,537
	अमेरिकी मिलियन डालर	404,922	393,580	392,785	393,718	393,735	393,121	393,288
1.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	बिलियन ₹	24,376	26,459	26,171	25,668	26,004	26,389	25,772
	अमेरिकी मिलियन डालर	380,680	368,541	367,700	368,488	368,497	367,866	367,971
1.2 स्वर्ण	बिलियन ₹	1,335	1,551	1,554	1,473	1,473	1,476	1,479
	अमेरिकी मिलियन डालर	20,716	20,962	20,998	21,150	21,150	21,187	21,224
1.3 एसडीआर	एसडीआरएस मिलियन	1,061	1,052	1,052	1,052	1,052	1,052	1,052
	बिलियन ₹	96	104	104	101	103	104	102
	अमेरिकी मिलियन डालर	1,503	1,454	1,457	1,455	1,457	1,450	1,459
1.4 आईएमएफ में आरक्षित भाग की स्थिति	बिलियन ₹	130	188	187	183	186	188	184
	अमेरिकी मिलियन डालर	2,023	2,624	2,630	2,626	2,630	2,618	2,634

## सं. 33: अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां

(अमेरिकी मिलियन डालर)

योजना	बकाया				प्रवाह	
	2017-18	2017	2018		2017-18	2018-19
		नवंबर	अक्टूबर	नवंबर	अप्रैल-नवंबर	अप्रैल-नवंबर
	1	2	3	4	5	6
1 एनआरआई जमाराशियां	126,182	120,879	121,532	125,684	3,863	6,406
1.1 एफसीएनआर (बी)	22,026	21,170	22,163	20,433	168	-1,593
1.2 एनआर (ई) आरए	90,035	86,870	85,573	90,515	3,533	6,452
1.3 एनआरओ	14,121	12,839	13,796	14,736	162	1,547

## सं. 34: विदेशी निवेश अंतर्वाह

(अमेरिकी मिलियन डालर)

मद	2017-18	2017-18	2018-19	2017	2018	
		अप्रैल-नवंबर	अप्रैल-नवंबर	नवंबर	अक्टूबर	नवंबर
	1	2	3	4	5	6
<b>1.1 निवल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1-1.1.2)</b>	<b>30,286</b>	<b>21,143</b>	<b>22,198</b>	<b>956</b>	<b>3,717</b>	<b>855</b>
<b>1.1.1 भारत में प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1.1-1.1.2)</b>	<b>39,431</b>	<b>27,541</b>	<b>29,496</b>	<b>1,553</b>	<b>4,979</b>	<b>1,229</b>
<b>1.1.1.1 सकल अंतर्वाह/सकल निवेश</b>	<b>60,974</b>	<b>41,821</b>	<b>40,989</b>	<b>4,324</b>	<b>6,540</b>	<b>3,272</b>
1.1.1.1.1 ईक्विटी	45,521	31,551	29,541	3,143	4,755	1,795
1.1.1.1.1.1 सरकारी (एसआईए/एफआईपीबी)	7,797	6,433	2,032	18	72	210
1.1.1.1.1.2 भारतीय रिजर्व बैंक	29,569	19,669	23,556	2,327	3,918	1,378
1.1.1.1.1.3 शेयरों की अधिप्राप्ति	7,491	5,020	3,514	741	709	151
1.1.1.1.1.4 अनिगमित निकायों की ईक्विटी पूंजी	664	428	439	56	56	56
1.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	12,542	8,088	8,912	1,061	1,061	1,061
1.1.1.1.3 अन्य पूंजी	2,911	2,182	2,536	121	724	417
<b>1.1.1.2 प्रत्यावर्तन/विनिवेश</b>	<b>21,544</b>	<b>14,280</b>	<b>11,493</b>	<b>2,772</b>	<b>1,560</b>	<b>2,044</b>
1.1.1.2.1 ईक्विटी	21,325	14,105	11,292	2,762	1,555	2,022
1.1.1.2.2 अन्य पूंजी	219	175	201	10	5	22
<b>1.1.2 भारत द्वारा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.2.1+1.1.2.2+ 1.1.2.3-1.1.2.4)</b>	<b>9,144</b>	<b>6,398</b>	<b>7,298</b>	<b>596</b>	<b>1,262</b>	<b>373</b>
1.1.2.1 ईक्विटी पूंजी	5,254	3,608	4,316	454	722	225
1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	2,853	1,902	1,951	238	238	238
1.1.2.3 अन्य पूंजी	4,525	3,309	2,552	227	496	210
1.1.2.4 प्रत्यावर्तन/विनिवेश	3,487	2,421	1,520	323	193	300
<b>1.2 निवल संविभागीय निवेश (1.2.1+1.2.2+1.2.3-1.2.4)</b>	<b>22,115</b>	<b>19,959</b>	<b>-12,983</b>	<b>1,591</b>	<b>-4,926</b>	<b>1,707</b>
1.2.1 जीडीआर/एडीआर	-	-	-	-	-	-
1.2.2 एफआईआई	22,165	19,873	-14,853	1,627	-5,105	1,758
1.2.3 अपतटीय निधियां और अन्य	-	-	-	-	-	-
1.2.4 भारत द्वारा संविभागीय निवेश	50	-86	-1,870	36	-179	51
<b>1 विदेशी निवेश अंतर्वाह</b>	<b>52,401</b>	<b>41,102</b>	<b>9,215</b>	<b>2,547</b>	<b>-1,209</b>	<b>2,562</b>

## सं. 35: वैयक्तिक निवासियों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना (एलआरएस) के अंतर्गत जावक विप्रेषण

(मिलियन अमेरिकी डालर)

मद	2017-18	2017	2018		
		नवंबर	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर
	1	2	3	4	5
<b>1 एलआरएस के अंतर्गत जावक विप्रेषण</b>	<b>11,333.6</b>	<b>830.8</b>	<b>1,138.6</b>	<b>1,093.6</b>	<b>996.8</b>
1.1 जमाराशियां	414.9	22.2	29.5	29.7	29.4
1.2 अचल संपत्ति की खरीद	89.6	5.6	8.0	9.0	6.6
1.3 इक्विटी / डेट में निवेश	441.8	43.1	47.7	29.7	24.9
1.4 उपहार	1,169.7	99.0	97.1	90.9	102.2
1.5 दान	8.5	0.4	0.5	0.3	0.6
1.6 यात्रा	4,022.1	271.0	399.2	373.8	339.7
1.7 निकट संबंधियों का रखरखाव	2,937.4	235.2	198.7	192.9	208.0
1.8 चिकित्सा उपचार	27.5	2.9	2.0	2.6	3.4
1.9 विदेश में शिक्षा	2,021.4	136.3	335.9	344.0	267.7
1.10 अन्य	200.6	15.1	20.1	20.8	14.2

**सं. 36: भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (रीर) और  
सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (नीर)**

मद	2016-17	2017-18	2017	2018	
			दिसंबर	नवंबर	दिसंबर
	1	2	3	4	5
<b>36-मुद्रा निर्यात और व्यापार आधारित भारांक (आधार: 2004-05=100)</b>					
1 व्यापार आधारित भारांक					
1.1 नीर	74.65	76.94	77.21	71.82	72.89
1.2 रीर	114.52	119.71	122.05	112.84	114.53
2 निर्यात आधारित भारांक					
2.1 नीर	76.38	78.89	79.15	73.16	74.34
2.2 रीर	116.45	121.94	124.17	114.91	116.76
<b>6-मुद्रा व्यापार आधारित भारांक</b>					
1 आधार : 2004-05 (अप्रैल-मार्च) =100					
1.1 नीर	66.86	68.13	68.07	62.60	63.44
1.2 रीर	125.17	129.87	131.95	121.85	123.67
2 आधार : 2016-17 (अप्रैल-मार्च) =100					
2.1 नीर	100.00	101.90	101.81	93.63	94.89
2.2 रीर	100.00	103.75	105.42	97.35	98.80

**सं. 37: बाह्य वाणिज्यिक उधार — पंजीकरण**

(राशि अमेरिकी मिलियन डालर में)

मद	2017-18	2017	2018	
		नवंबर	अक्तूबर	नवंबर
	1	2	3	4
1 स्वचालित मार्ग				
1.1 संख्या	769	63	79	78
1.2 राशि	20,397	2,012	1,402	1,296
2 अनुमोदन मार्ग				
2.1 संख्या	38	6	1	2
2.2 राशि	8,471	1,027	9	770
3 कुल (1+2)				
3.1 संख्या	807	69	80	80
3.2 राशि	28,868	3,039	1,411	2,066
4 भारत औसत परिपक्वता (वर्षों में)	6.10	6.80	7.00	6.20
5 ब्याज दर (प्रतिशत)				
5.1 6 महीने के लिबॉर पर भारत औसत मार्जिन या अस्थिर दर के ऋणों के लिए संदर्भ दर	1.34	0.80	1.53	0.92
5.2 सावधि दर के ऋणों के लिए ब्याज दर की सीमा	0.00-12.25	0.00-11.00	0.20-11.50	0.00-15.00

## सं. 38: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(मिलियन अमेरिकी डालर)

मद	जुलाई-सितंबर 2017 (आ.सं)			जुलाई-सितंबर 2018 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
<b>समग्र भुगतान शेष (1+2+3)</b>	<b>292,554</b>	<b>283,055</b>	<b>9,499</b>	<b>290,177</b>	<b>292,044</b>	<b>-1,868</b>
<b>1 चालू खाता (1.1+1.2)</b>	<b>145,498</b>	<b>152,454</b>	<b>-6,956</b>	<b>160,007</b>	<b>179,119</b>	<b>-19,112</b>
<b>1.1 पण्य</b>	<b>76,082</b>	<b>108,536</b>	<b>-32,455</b>	<b>83,399</b>	<b>133,432</b>	<b>-50,034</b>
<b>1.2 अदृश्य मर्दे (1.2.1+1.2.2+1.2.3)</b>	<b>69,417</b>	<b>43,918</b>	<b>25,499</b>	<b>76,609</b>	<b>45,687</b>	<b>30,922</b>
1.2.1 सेवाएं	47,409	29,032	18,377	50,094	29,844	20,250
1.2.1.1 यात्रा	6,962	5,332	1,630	7,038	5,813	1,225
1.2.1.2 परिवहन	4,206	4,175	31	4,641	5,086	-446
1.2.1.3 बीमा	635	542	92	646	396	250
1.2.1.4 जीएनआईई	126	145	-19	140	261	-122
1.2.1.5 विविध	35,479	18,837	16,642	37,629	18,287	19,342
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	19,295	1,325	17,969	20,755	1,472	19,283
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	9,084	9,559	-475	9,408	9,690	-282
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	1,321	1,574	-253	1,311	1,132	180
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	536	215	321	606	278	328
1.2.2 अंतरण	17,522	1,850	15,672	20,891	1,560	19,331
1.2.2.1 आधिकारिक	108	212	-104	35	215	-180
1.2.2.2 निजी	17,414	1,638	15,776	20,856	1,346	19,511
1.2.3 आय	4,486	13,036	-8,550	5,623	14,282	-8,659
1.2.3.1 निवेश आय	3,456	12,472	-9,016	4,549	13,691	-9,141
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षति पूर्ति	1,030	564	466	1,074	592	482
<b>2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)</b>	<b>147,055</b>	<b>130,165</b>	<b>16,890</b>	<b>129,255</b>	<b>112,925</b>	<b>16,330</b>
<b>2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)</b>	<b>87,191</b>	<b>72,714</b>	<b>14,477</b>	<b>75,386</b>	<b>69,132</b>	<b>6,254</b>
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	20,046	7,635	12,411	14,997	7,126	7,872
2.1.1.1 भारत में	18,979	4,288	14,692	14,246	4,055	10,191
2.1.1.1.1 इक्विटी	15,107	4,253	10,854	10,185	3,894	6,291
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	3,043	-	3,043	3,456	-	3,456
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	829	34	795	606	161	445
2.1.1.2 विदेश में	1,067	3,347	-2,281	751	3,071	-2,320
2.1.1.2.1 इक्विटी	1,067	1,041	26	751	1,112	-361
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	713	-713	0	747	-747
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	1,593	-1,593	0	1,212	-1,212
2.1.2 संविभाग निवेश	67,145	65,079	2,066	60,388	62,006	-1,618
2.1.2.1 भारत में	67,016	64,579	2,437	59,216	61,616	-2,400
2.1.2.1.1 एफआईआई	67,016	64,579	2,437	59,216	61,616	-2,400
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	52,492	55,924	-3,432	50,860	52,179	-1,319
2.1.2.1.1.2 ऋण	14,524	8,655	5,869	8,356	9,436	-1,081
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	128	500	-372	1,173	391	782
<b>2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)</b>	<b>33,438</b>	<b>30,582</b>	<b>2,857</b>	<b>23,120</b>	<b>16,933</b>	<b>6,187</b>
2.2.1 बाह्य सहायता	1,259	1,176	82	1,216	1,264	-48
2.2.1.1 भारत द्वारा	14	31	-17	12	30	-18
2.2.1.2 भारत को	1,245	1,145	100	1,204	1,234	-30
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	8,156	9,376	-1,220	8,494	7,047	1,447
2.2.2.1 भारत द्वारा	2,964	2,672	292	1,515	1,349	166
2.2.2.2 भारत को	5,192	6,704	-1,512	6,979	5,698	1,281
2.2.3 भारत को अल्पावधि	24,023	20,029	3,994	13,411	8,622	4,789
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	23,614	20,029	3,585	7,392	8,622	-1,230
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	409	0	409	6,019	0	6,019
<b>2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)</b>	<b>16,876</b>	<b>16,702</b>	<b>174</b>	<b>21,194</b>	<b>20,672</b>	<b>522</b>
2.3.1 वाणिज्यिक बैंक	16,790	16,702	88	21,194	20,670	524
2.3.1.1 आस्तियां	2,566	4,936	-2,370	5,370	5,638	-268
2.3.1.2 देयताएं	14,224	11,766	2,458	15,823	15,031	792
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	12,187	11,476	711	15,402	12,075	3,326
2.3.2 अन्य	86	0	86	0	2	-2
<b>2.4 रुपया ऋण चुकौती</b>	<b>0</b>	<b>2</b>	<b>-2</b>	<b>0</b>	<b>1</b>	<b>-1</b>
<b>2.5 अन्य पूंजी</b>	<b>9,549</b>	<b>10,166</b>	<b>-616</b>	<b>9,555</b>	<b>6,187</b>	<b>3,368</b>
<b>3 भूल-चूक</b>	<b>-</b>	<b>436</b>	<b>-436</b>	<b>914</b>	<b>-</b>	<b>914</b>
<b>4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)</b>	<b>0</b>	<b>9,499</b>	<b>-9,499</b>	<b>1,868</b>	<b>0</b>	<b>1,868</b>
4.1 आईएमएफ	0	0	0	-	-	-
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि -/ कमी +)	-	9,499	-9,499	1,868	0	1,868

## सं. 39: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(बिलियन ₹)

मद	जुलाई-सितंबर 2017 (आं.सं)			जुलाई-सितंबर 2018 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
<b>समग्र भुगतान शेष (1+2+3)</b>	<b>18,808</b>	<b>18,197</b>	<b>611</b>	<b>20,356</b>	<b>20,487</b>	<b>-131</b>
<b>1 चालू खाता (1.1+1.2)</b>	<b>9,354</b>	<b>9,801</b>	<b>-447</b>	<b>11,225</b>	<b>12,566</b>	<b>-1,341</b>
<b>1.1 पण्य</b>	<b>4,891</b>	<b>6,978</b>	<b>-2,086</b>	<b>5,851</b>	<b>9,361</b>	<b>-3,510</b>
<b>1.2 अदृश्य मदें (1.2.1+1.2.2+1.2.3)</b>	<b>4,463</b>	<b>2,823</b>	<b>1,639</b>	<b>5,374</b>	<b>3,205</b>	<b>2,169</b>
1.2.1 सेवाएं	3,048	1,866	1,181	3,514	2,094	1,421
1.2.1.1 यात्रा	448	343	105	494	408	86
1.2.1.2 परिवहन	270	268	2	326	357	-31
1.2.1.3 बीमा	41	35	6	45	28	18
1.2.1.4 जीएनआईई	8	9	-1	10	18	-9
1.2.1.5 विविध	2,281	1,211	1,070	2,640	1,283	1,357
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	1,240	85	1,155	1,456	103	1,353
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	584	615	-31	660	680	-20
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	85	101	-16	92	79	13
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	34	14	21	43	20	23
1.2.2 अंतरण	1,126	119	1,008	1,466	109	1,356
1.2.2.1 आधिकारिक	7	14	-7	2	15	-13
1.2.2.2 निजी	1,120	105	1,014	1,463	94	1,369
1.2.3 आय	288	838	-550	394	1,002	-607
1.2.3.1 निवेश आय	222	802	-580	319	960	-641
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	66	36	30	75	42	34
<b>2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)</b>	<b>9,454</b>	<b>8,368</b>	<b>1,086</b>	<b>9,067</b>	<b>7,922</b>	<b>1,146</b>
<b>2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)</b>	<b>5,605</b>	<b>4,675</b>	<b>931</b>	<b>5,288</b>	<b>4,850</b>	<b>439</b>
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	1,289	491	798	1,052	500	552
2.1.1.1 भारत में	1,220	276	945	999	284	715
2.1.1.1.1 इक्विटी	971	273	698	714	273	441
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	196	0	196	242	0	242
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	53	2	51	43	11	31
2.1.1.2 विदेश में	69	215	-147	53	215	-163
2.1.1.2.1 इक्विटी	69	67	2	53	78	-25
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	46	-46	0	52	-52
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	102	-102	0	85	-85
2.1.2 संविभाग निवेश	4,317	4,184	133	4,236	4,350	-113
2.1.2.1 भारत में	4,308	4,152	157	4,154	4,322	-168
2.1.2.1.1 एफआईआई	4,308	4,152	157	4,154	4,322	-168
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	3,375	3,595	-221	3,568	3,660	-93
2.1.2.1.1.2 ऋण	934	556	377	586	662	-76
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	8	32	-24	82	27	55
<b>2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)</b>	<b>2,150</b>	<b>1,966</b>	<b>184</b>	<b>1,622</b>	<b>1,188</b>	<b>434</b>
2.2.1 बाह्य सहायता	81	76	5	85	89	-3
2.2.1.1 भारत द्वारा	1	2	-1	1	2	-1
2.2.1.2 भारत को	80	74	6	84	87	-2
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	524	603	-78	596	494	101
2.2.2.1 भारत द्वारा	191	172	19	106	95	12
2.2.2.2 भारत को	334	431	-97	490	400	90
2.2.3 भारत को अल्पावधि	1,544	1,288	257	941	605	336
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	1,518	1,288	231	519	605	-86
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	26	0	26	422	0	422
<b>2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)</b>	<b>1,085</b>	<b>1,074</b>	<b>11</b>	<b>1,487</b>	<b>1,450</b>	<b>37</b>
2.3.1 वाणिज्यिक बैंक	1,079	1,074	6	1,487	1,450	37
2.3.1.1 आस्तियां	165	317	-152	377	396	-19
2.3.1.2 देयताएं	914	756	158	1,110	1,054	56
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	783	738	46	1,080	847	233
2.3.2 अन्य	6	0	6	0	0	-
<b>2.4 रुपया ऋण चुकोती</b>	<b>0</b>	<b>0</b>	<b>-</b>	<b>0</b>	<b>0</b>	<b>-</b>
<b>2.5 अन्य पूंजी</b>	<b>614</b>	<b>654</b>	<b>-40</b>	<b>670</b>	<b>434</b>	<b>236</b>
<b>3 भूल-चूक</b>	<b>0</b>	<b>28</b>	<b>-28</b>	<b>64</b>	<b>0</b>	<b>64</b>
<b>4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)</b>	<b>0</b>	<b>611</b>	<b>-611</b>	<b>131</b>	<b>0</b>	<b>131</b>
4.1 आईएमएफ	-	-	-	0	0	0
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि - / कमी +)	0	611	-611	131	0	131

## सं. 40: बीपीएम6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(मिलियन अमेरिकी डालर)

मद	जुलाई-सितंबर 2017 (अं.सं.)			जुलाई-सितंबर 2018 (प्र.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
<b>1 चालू खाता (1.अ+1आ+1.इ)</b>	<b>145,490</b>	<b>152,435</b>	<b>-6,944</b>	<b>160,007</b>	<b>179,098</b>	<b>-19,091</b>
<b>1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1.अ.ख.)</b>	<b>123,491</b>	<b>137,568</b>	<b>-14,078</b>	<b>133,493</b>	<b>163,277</b>	<b>-29,784</b>
<b>1.अ.क. माल (1.अ.क.1 से 1.अ.क.3)</b>	<b>76,082</b>	<b>108,536</b>	<b>-32,455</b>	<b>83,399</b>	<b>133,432</b>	<b>-50,034</b>
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	75,534	102,823	-27,289	83,400	124,201	-40,801
1.अ.क.2 वाणिज्यिक के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	548	0	548	-1	-	-1
1.अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	-	5,714	-5,714	-	9,231	-9,231
<b>1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)</b>	<b>47,409</b>	<b>29,032</b>	<b>18,377</b>	<b>50,094</b>	<b>29,844</b>	<b>20,250</b>
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्ववाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	32	9	24	58	8	50
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	52	109	-58	43	259	-216
1.अ.ख.3 परिवहन	4,206	4,175	31	4,641	5,086	-446
1.अ.ख.4 यात्रा	6,962	5,332	1,630	7,038	5,813	1,225
1.अ.ख.5 निर्माण	517	366	152	766	635	131
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	635	542	92	646	396	250
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	1,321	1,574	-253	1,311	1,132	180
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	142	1,290	-1,147	162	1,942	-1,780
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	19,985	1,653	18,332	21,425	1,869	19,557
1.अ.ख.10 अन्य कारोबारी सेवाएं	9,084	9,559	-475	9,408	9,690	-282
1.अ.ख.11 वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	371	723	-353	447	774	-328
1.अ.ख.12 अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	126	145	-19	140	261	-122
1.अ.ख.13 अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं हैं	3,974	3,555	420	4,008	1,978	2,031
<b>1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)</b>	<b>4,486</b>	<b>13,036</b>	<b>-8,550</b>	<b>5,623</b>	<b>14,282</b>	<b>-8,659</b>
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	1,030	564	466	1,074	592	482
1.आ.2 निवेश आय	2,727	12,350	-9,623	3,474	13,397	-9,923
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	1,418	5,905	-4,487	1,777	6,220	-4,443
1.आ.2.2 सविभाग निवेश	70	3,442	-3,372	53	3,516	-3,463
1.आ.2.3 अन्य निवेश	153	2,995	-2,842	135	3,648	-3,513
1.आ.2.4 रिज़र्व आस्तियां	1,086	8	1,078	1,508	13	1,495
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	728	122	607	1,075	293	782
<b>1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)</b>	<b>17,514</b>	<b>1,830</b>	<b>15,684</b>	<b>20,891</b>	<b>1,539</b>	<b>19,352</b>
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तोत्तर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	17,414	1,638	15,776	20,856	1,346	19,511
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और/अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	16,854	1,352	15,502	20,224	991	19,233
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	560	286	274	633	354	278
1.इ.2 सामान्य सरकार	100	193	-93	35	193	-159
<b>2. पूँजी खाता (2.1+2.2)</b>	<b>83</b>	<b>115</b>	<b>-31</b>	<b>75</b>	<b>96</b>	<b>-21</b>
2.1 अनुत्पादित वित्तोत्तर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	20	41	-22	2	4	-2
2.2 पूँजी अंतरण	64	73	-10	72	92	-19
<b>3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)</b>	<b>146,980</b>	<b>139,569</b>	<b>7,411</b>	<b>131,048</b>	<b>112,851</b>	<b>18,198</b>
<b>3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)</b>	<b>20,046</b>	<b>7,635</b>	<b>12,411</b>	<b>14,997</b>	<b>7,126</b>	<b>7,872</b>
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	18,979	4,288	14,692	14,246	4,055	10,191
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	18,150	4,253	13,897	13,640	3,894	9,747
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	15,107	4,253	10,854	10,185	3,894	6,291
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	3,043	-	3,043	3,456	-	3,456
3.1.अ.2 ऋण लिखत	829	34	795	606	161	445
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	829	34	795	606	161	445
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	1,067	3,347	-2,281	751	3,071	-2,320
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	1,067	1,754	-687	751	1,859	-1,108
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	1,067	1,041	26	751	1,112	-361
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	-	713	-713	-	747	-747
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	1,593	-1,593	0	1,212	-1,212
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	-	1,593	-1,593	-	1,212	-1,212
<b>3.2 सविभाग निवेश</b>	<b>67,145</b>	<b>65,079</b>	<b>2,066</b>	<b>60,388</b>	<b>62,006</b>	<b>-1,618</b>
3.2अ भारत में सविभाग निवेश	67,016	64,579	2,437	59,216	61,616	-2,400
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	52,492	55,924	-3,432	50,860	52,179	-1,319
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	14,524	8,655	5,869	8,356	9,436	-1,081
3.2आ. भारत द्वारा सविभाग निवेश	128	500	-372	1,173	391	782
<b>3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिज़र्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन</b>	<b>4,617</b>	<b>5,670</b>	<b>-1,053</b>	<b>5,623</b>	<b>4,344</b>	<b>1,278</b>
<b>3.4 अन्य निवेश</b>	<b>55,172</b>	<b>51,686</b>	<b>3,486</b>	<b>48,172</b>	<b>39,374</b>	<b>8,798</b>
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	12,273	11,476	797	15,402	12,078	3,324
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट मुवमेंट; एनआरजी)	86	0	86	0	2	-2
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेनेवाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	12,187	11,476	711	15,402	12,075	3,326
3.4.2.3 सामान्य सरकार	-	-	-	-	-	-
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूँजी)	14,018	15,779	-1,761	15,502	16,905	-1,403
3.4.3अ भारत को ऋण	11,040	13,076	-2,036	13,975	15,526	-1,551
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	2,978	2,703	275	1,527	1,379	147
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	42	203	-161	36	142	-106
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	24,023	20,029	3,994	13,411	8,622	4,789
3.4.6 अन्य खाते प्राय: / देय-अन्य	4,815	4,199	616	3,822	1,626	2,196
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	-	-	-	0	0	0
<b>3.5 आरक्षित आस्तियां</b>	<b>0</b>	<b>9,499</b>	<b>-9,499</b>	<b>1,868</b>	<b>0</b>	<b>1,868</b>
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	-	-	-	-	-	-
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	-	-	-	-	-	-
3.5.3 आईएमएफ में रिज़र्व निधियों की स्थिति एन.ए	-	-	-	-	-	-
3.5.4 अन्य रिज़र्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	9,499	-9,499	1,868	-	1,868
<b>4. कुल आस्तियां / देयताएं</b>	<b>146,980</b>	<b>139,569</b>	<b>7,411</b>	<b>131,048</b>	<b>112,851</b>	<b>18,198</b>
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	76,497	68,305	8,193	72,083	62,810	9,273
4.2 ऋण लिखत	65,668	57,566	8,101	53,276	48,415	4,861
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	4,815	13,698	-8,883	5,690	1,626	4,063
<b>5. निवल भूल-चूक</b>	<b>-</b>	<b>436</b>	<b>-436</b>	<b>914</b>	<b>-</b>	<b>914</b>

## सं. 41: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(बिलियन ₹)

मद	जुलाई-सितंबर 2017 (आ.सं)			जुलाई-सितंबर 2018 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
<b>1. चालू खाता (1.अ+1.आ+1.इ)</b>	<b>9,353</b>	<b>9,800</b>	<b>-446</b>	<b>11,225</b>	<b>12,564</b>	<b>-1,339</b>
<b>1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1.अ.ख.)</b>	<b>7,939</b>	<b>8,844</b>	<b>-905</b>	<b>9,365</b>	<b>11,454</b>	<b>-2,089</b>
<b>1.अ.क. माल (1.अ.क.1 से 1.अ.क.3)</b>	<b>4,891</b>	<b>6,978</b>	<b>-2,086</b>	<b>5,851</b>	<b>9,361</b>	<b>-3,510</b>
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	4,856	6,610	-1,754	5,851	8,713	-2,862
1.अ.क.2 वाणिज्यिक के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	35	0	35	-0	0	-0
1.अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	0	367	-367	0	648	-648
<b>1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)</b>	<b>3,048</b>	<b>1,866</b>	<b>1,181</b>	<b>3,514</b>	<b>2,094</b>	<b>1,421</b>
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्ववाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	2	1	2	4	1	4
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	3	7	-4	3	18	-15
1.अ.ख.3 परिवहन	270	268	2	326	357	-31
1.अ.ख.4 यात्रा	448	343	105	494	408	86
1.अ.ख.5 निर्माण	33	24	10	54	45	9
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	41	35	6	45	28	18
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	85	101	-16	92	79	13
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	9	83	-74	11	136	-125
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	1,285	106	1,179	1,503	131	1,372
1.अ.ख.10 अन्य कारोबारी सेवाएं	584	615	-31	660	680	-20
1.अ.ख.11 वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	24	47	-23	31	54	-23
1.अ.ख.12 अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	8	9	-1	10	18	-9
1.अ.ख.13 अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं हैं	256	229	27	281	139	142
<b>1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)</b>	<b>288</b>	<b>838</b>	<b>-550</b>	<b>394</b>	<b>1,002</b>	<b>-607</b>
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	66	36	30	75	42	34
<b>1.आ.2 निवेश आय</b>	<b>175</b>	<b>794</b>	<b>-619</b>	<b>244</b>	<b>940</b>	<b>-696</b>
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	91	380	-288	125	436	-312
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	5	221	-217	4	247	-243
1.आ.2.3 अन्य निवेश	10	193	-183	10	256	-246
1.आ.2.4 रिजर्व आस्तियां	70	1	69	106	1	105
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	47	8	39	75	21	55
<b>1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)</b>	<b>1,126</b>	<b>118</b>	<b>1,008</b>	<b>1,466</b>	<b>108</b>	<b>1,358</b>
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्ततार निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	1,120	105	1,014	1,463	94	1,369
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	1,084	87	997	1,419	70	1,349
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	36	18	18	44	25	20
1.इ.2 सामान्य सरकार	6	12	-6	2	14	-11
<b>2. पूँजी खाता (2.1+2.2)</b>	<b>5</b>	<b>7</b>	<b>-2</b>	<b>5</b>	<b>7</b>	<b>-1</b>
2.1 अनुत्पादित वित्ततार आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	1	3	-1	0	0	-0
2.2 पूँजी अंतरण	4	5	-1	5	6	-1
<b>3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)</b>	<b>9,449</b>	<b>8,973</b>	<b>476</b>	<b>9,193</b>	<b>7,917</b>	<b>1,277</b>
<b>3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)</b>	<b>1,289</b>	<b>491</b>	<b>798</b>	<b>1,052</b>	<b>500</b>	<b>552</b>
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	1,220	276	945	999	284	715
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	1,167	273	893	957	273	684
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	971	273	698	714	273	441
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	196	0	196	242	0	242
3.1.अ.2 ऋण लिखत	53	2	51	43	11	31
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	53	2	51	43	11	31
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	69	215	-147	53	215	-163
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	69	113	-44	53	130	-78
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	69	67	2	53	78	-25
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	0	46	-46	0	52	-52
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	102	-102	0	85	-85
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	0	102	-102	0	85	-85
<b>3.2 संविभाग निवेश</b>	<b>4,317</b>	<b>4,184</b>	<b>133</b>	<b>4,236</b>	<b>4,350</b>	<b>-113</b>
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	4,308	4,152	157	4,154	4,322	-168
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	3,375	3,595	-221	3,568	3,660	-93
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	934	556	377	586	662	-76
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	8	32	-24	82	27	55
<b>3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिजर्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन</b>	<b>297</b>	<b>365</b>	<b>-68</b>	<b>394</b>	<b>305</b>	<b>90</b>
<b>3.4 अन्य निवेश</b>	<b>3,547</b>	<b>3,323</b>	<b>224</b>	<b>3,379</b>	<b>2,762</b>	<b>617</b>
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	789	738	51	1,080	847	233
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट म्यूटम; एनआरजी)	6	0	6	0	0	-0
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेनेवाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	783	738	46	1,080	847	233
3.4.2.3 सामान्य सरकार	-	-	-	-	-	-
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	-	-	-	-	-	-
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूँजी)	901	1,014	-113	1,087	1,186	-98
3.4.3अ भारत को ऋण	710	841	-131	980	1,089	-109
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	191	174	18	107	97	10
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	3	13	-10	3	10	-7
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	1,544	1,288	257	941	605	336
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	310	270	40	268	114	154
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	-	-	-	0	0	0
<b>3.5 आरक्षित आस्तियां</b>	<b>0</b>	<b>611</b>	<b>-611</b>	<b>131</b>	<b>0</b>	<b>131</b>
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	-	-	-	-	-	-
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	-	-	-	-	-	-
3.5.3 आईएमएफ में रिजर्व निधियों की स्थिति एन.ए	-	-	-	-	-	-
3.5.4 अन्य रिजर्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	611	-611	131	0	131
<b>4. कुल आस्तियां / देयताएं</b>	<b>9,449</b>	<b>8,973</b>	<b>476</b>	<b>9,193</b>	<b>7,917</b>	<b>1,277</b>
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	4,918	4,391	527	5,057	4,406	651
4.2 ऋण लिखत	4,222	3,701	521	3,737	3,396	341
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	310	881	-571	399	114	285
<b>5. निवल भूत-वृक</b>	<b>-</b>	<b>28</b>	<b>-28</b>	<b>64</b>	<b>-</b>	<b>64</b>

## सं. 42: अंतरराष्ट्रीय निवेश की स्थिति

(मिलियन अमेरिकी डालर)

मद	वित्तीय वर्ष / समाप्त तिमाही की स्थिति							
	2017-18		2017		2018			
			सितंबर		जून		सितंबर	
	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं
1	2	3	4	5	6	7	8	
1 विदेश/भारत में प्रत्यक्ष निवेश	157,373	378,965	153,514	363,949	160,717	372,393	163,036	362,164
1.1 इक्विटी पूंजी और पुनर्निवेशित अर्जन	103,734	363,190	101,566	347,959	106,443	356,627	107,551	346,526
1.2 अन्य पूंजी	53,640	15,775	51,947	15,991	54,274	15,766	55,486	15,638
2 संविभाग निवेश	2,665	272,418	2,456	253,966	1,704	254,519	922	238,093
2.1 इक्विटी	1,246	155,106	2,408	150,074	1,477	144,433	696	135,249
2.2 ऋण	1,418	117,312	48	103,892	227	110,086	227	102,843
3 अन्य निवेश	48,235	401,286	44,679	380,428	41,332	393,031	41,530	397,640
3.1 व्यापार ऋण	1,696	103,156	1,263	93,590	1,357	99,586	904	104,172
3.2 ऋण	8,225	159,939	5,952	156,397	7,023	157,611	7,073	158,345
3.3 मुद्रा और जमाराशियां	20,790	126,456	19,175	118,266	16,294	124,506	16,628	122,137
3.4 अन्य आस्तियां/देयताएं	17,524	11,736	18,288	12,175	16,658	11,328	16,925	12,986
4 रिज़र्व्स	424,545	–	400,205	–	405,740	–	400,525	–
5 कुल आस्तियां/देयताएं	632,818	1,052,669	600,854	998,343	609,493	1,019,943	606,014	997,897
6 आईआईपी (आस्तियां - देयताएं)		-419,851		-397,489		-410,450		-391,883

## भुगतान और निपटान प्रणाली

## सं. 43: भुगतान प्रणाली संकेतक

प्रणाली	मात्रा (मिलियन)				मूल्य (बिलियन ₹)			
	2017-18	2018			2017-18	2018		
		सितंबर	अक्टूबर	नवंबर		सितंबर	अक्टूबर	नवंबर
	1	2	3	4	5	6	7	8
<b>1 आरटीजीएस</b>	<b>124.46</b>	<b>10.40</b>	<b>11.86</b>	<b>10.97</b>	<b>1,467,431.99</b>	<b>131,257.97</b>	<b>142,152.55</b>	<b>130,030.07</b>
1.1 ग्राहक लेनदेन	120.71	10.14	11.58	10.70	1,036,698.74	91,806.84	97,944.08	91,162.92
1.2 अंतरबैंक लेनदेन	3.72	0.26	0.28	0.27	130,426.03	12,230.50	13,912.67	11,922.19
1.3 अंतरबैंक समाशोधन	0.024	0.002	0.002	0.002	300,307.22	27,220.63	30,295.81	26,944.96
<b>2 सीसीआईएल परिचालित प्रणाली</b>	<b>3.50</b>	<b>0.31</b>	<b>0.32</b>	<b>0.25</b>	<b>1,074,802.02</b>	<b>93,394.77</b>	<b>115,017.56</b>	<b>89,962.85</b>
2.1 सीबीएलओ	0.20	0.02	0.02	0.00	283,307.58	25,897.95	32,597.57	2,693.59
2.2 सरकारी प्रतिभूतियों का समाशोधन	1.12	0.09	0.09	0.09	370,363.78	30,728.67	39,571.40	53,489.45
2.2.1 एकमुश्त	0.92	0.07	0.07	0.06	113,998.80	7,560.09	7,701.86	7,378.19
2.2.2 रिपो	0.199	0.017	0.021	0.016	256,364.98	23,168.58	31,869.53	22,603.13
2.2.3 त्रिपक्षीय रिपो	-	-	-	0.02	-	-	-	23,508.13
2.3 विदेशी समाशोधन	2.17	0.20	0.21	0.16	421,130.66	36,768.15	42,848.59	33,779.81
<b>3 पेपर समाशोधन</b>	<b>1,171.31</b>	<b>88.05</b>	<b>98.90</b>	<b>86.62</b>	<b>81,934.93</b>	<b>6,345.80</b>	<b>7,025.57</b>	<b>6,226.16</b>
3.1 चेक टूकेशन प्रणाली	1,138.05	87.28	97.80	85.67	79,451.24	6,289.79	6,948.47	6,153.57
3.2 एमआईसीआर समाशोधन	-	-	-	-	-	-	-	-
3.2.1 आरबीआई के केन्द्र	-	-	-	-	-	-	-	-
3.2.2 अन्य केन्द्र	-	-	-	-	-	-	-	-
3.3 गैर-एमआईसीआर समाशोधन	33.27	0.77	1.10	0.95	2,483.68	56.01	77.10	72.59
<b>4 खुदरा इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन</b>	<b>5,467.29</b>	<b>552.46</b>	<b>612.11</b>	<b>591.65</b>	<b>192,017.98</b>	<b>20,328.48</b>	<b>22,035.92</b>	<b>21,034.97</b>
4.1 ईसीएस नामे	1.54	0.04	0.04	0.03	9.72	0.31	0.25	0.25
4.2 ईसीएस जमा (एनईसीएस शामिल है)	6.14	0.52	0.66	0.47	118.64	10.28	16.03	12.14
4.3 ईएफटी/एनईएफटी	1,946.36	181.01	209.04	194.21	172,228.52	18,015.50	19,227.03	18,246.68
4.4 तुरंत भुगतान सेवाएं (आईएमपीएस)	1,009.80	135.74	154.62	149.94	8,924.98	1,256.40	1,403.07	1,347.57
4.5 राष्ट्रीय स्वचालित समाशोधन गृह (एनएसीएच)	2,503.46	235.15	247.75	246.99	10,736.12	1,046.00	1,389.55	1,428.33
<b>5 कार्ड</b>	<b>13,358.62</b>	<b>1,300.42</b>	<b>1,424.97</b>	<b>1,362.14</b>	<b>38,214.64</b>	<b>3,613.73</b>	<b>4,042.86</b>	<b>3,839.04</b>
5.1 क्रेडिट कार्ड	1,412.97	139.03	161.97	146.65	4,626.33	464.72	565.96	519.94
5.1.1 एटीएम का प्रयोग	7.81	0.80	0.91	0.80	36.68	3.72	4.18	3.76
5.1.2 पीओएस का प्रयोग	1,405.16	138.23	161.06	145.85	4,589.65	461.01	561.78	516.18
5.2 डेबिट कार्ड	11,945.65	1,161.39	1,263.00	1,215.49	33,588.31	3,149.01	3,476.90	3,319.10
5.2.1 एटीएम का प्रयोग	8,602.26	798.65	869.61	838.92	28,987.61	2,690.60	2,933.92	2,778.69
5.2.2 पीओएस का प्रयोग	3,343.39	362.75	393.39	376.57	4,600.70	458.41	542.98	540.41
<b>6 प्रीपेड भुगतान लिखत (पीपीआई)</b>	<b>3,459.05</b>	<b>357.86</b>	<b>420.20</b>	<b>394.17</b>	<b>1,416.34</b>	<b>177.49</b>	<b>221.28</b>	<b>185.19</b>
6.1 एम-वॉलेट	3,025.98	324.16	368.45	347.32	1,086.75	151.02	187.86	161.08
6.2 पीपीआई कार्ड	432.63	33.70	51.75	46.84	310.41	26.47	33.42	24.11
6.3 पेपर वाउचर	0.44	0.00	0.00	0.00	19.19	-	-	-
<b>7 मोबाइल बैंकिंग</b>	<b>1,872.26</b>	<b>489.51</b>	<b>559.36</b>	<b>573.02</b>	<b>14,738.54</b>	<b>2,174.50</b>	<b>2,470.97</b>	<b>2,458.59</b>
<b>8 कार्ड बकाया</b>	<b>898.56</b>	<b>1,024.22</b>	<b>1,041.28</b>	<b>1,035.64</b>	-	-	-	-
8.1 क्रेडिट कार्ड	37.48	41.78	42.68	43.24	-	-	-	-
8.2 डेबिट कार्ड	861.08	982.45	998.61	992.40	-	-	-	-
<b>9 एटीएम की संख्या (वास्तव में)</b>	<b>222247</b>	<b>221492</b>	<b>220154</b>	<b>220002</b>	-	-	-	-
<b>10 पीओएस की संख्या (वास्तव में)</b>	<b>3083067</b>	<b>3393396</b>	<b>3450355</b>	<b>3510859</b>	-	-	-	-
<b>11 कुल जोड़ (1.1+1.2+2+3+4+5+6)</b>	<b>23,584.20</b>	<b>2,309.49</b>	<b>2,568.37</b>	<b>2,445.79</b>	<b>2,555,510.68</b>	<b>227,897.61</b>	<b>260,199.94</b>	<b>224,333.30</b>

टिप्पणी : पिछले 12 माह अवधि का डाटा अनंतिम है।

मोबाइल बैंकिंग - जुलाई 2017 के आंकड़ों में मोबाइल उपकरण का प्रयोग करते हुए प्रारंभ, संसाधित और अधिकृत किए गए वैयक्तिक और कारपोरेट भुगतानों को ही शामिल किया गया है। अन्य कारपोरेट भुगतान जो मोबाइल का इस्तेमाल करते हुए प्रारंभ, संसाधित और प्राधिकृत नहीं किए गए हैं उन्हें इसमें शामिल नहीं किया गया है।

2.1: 5 नवंबर 2018 से सीसीआईएल ने सीबीएलओ को समाप्त कर दिया है।

2.2.3: 5 नवंबर 2018 से सिक्युरिटीज सेगमेंट के अंतर्गत त्रिपक्षीय रिपो की शुरुआत की गई है।

# अवसरिक शृंखलाएं

## सं. 44: लघु बचत

(बिलियन ₹)

योजना		2017-18	2017	2018		
		1	मई	मार्च	अप्रैल	मई
			2	3	4	5
<b>1. लघु बचत</b>	<b>प्राप्तियां</b>	<b>728.98</b>	<b>48.03</b>	<b>119.83</b>	<b>67.14</b>	<b>89.35</b>
	<b>बकाया</b>	<b>8,039.71</b>	<b>7,387.84</b>	<b>8,039.71</b>	<b>8,106.68</b>	<b>8,196.24</b>
<b>1.1 कुल जमाराशियां</b>	<b>प्राप्तियां</b>	<b>583.32</b>	<b>37.33</b>	<b>75.38</b>	<b>65.83</b>	<b>72.65</b>
	<b>बकाया</b>	<b>5,273.10</b>	<b>4,755.02</b>	<b>5,273.10</b>	<b>5,338.93</b>	<b>5,411.58</b>
1.1.1 डाक घर बचत बैंक जमाराशियां	प्राप्तियां	171.45	4.43	25.16	25.85	20.52
	बकाया	1,092.10	935.69	1,092.10	1,117.95	1,138.47
1.1.2 एमजीएनआरईजी	प्राप्तियां	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	बकाया	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
1.1.3 राष्ट्रीय बचत योजना, 1987	प्राप्तियां	-1.62	-0.32	1.06	-0.43	-0.28
	बकाया	31.38	32.33	31.38	30.95	30.67
1.1.4 राष्ट्रीय बचत योजना, 1992	प्राप्तियां	0.05	-0.04	0.03	-0.06	-0.06
	बकाया	-0.43	-0.58	-0.43	-0.49	-0.55
1.1.5 मासिक आय योजना	प्राप्तियां	16.25	-1.19	8.90	7.04	9.21
	बकाया	1,816.91	1,795.24	1,816.91	1,823.95	1,833.16
1.1.6 वरिष्ठ नागरिक योजना, 2004	प्राप्तियां	122.64	12.01	11.28	10.88	12.29
	बकाया	417.18	314.94	417.18	428.06	440.35
1.1.7 डाक घर मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	196.33	15.26	19.02	15.74	20.53
	बकाया	992.92	821.58	992.92	1,008.66	1,029.19
1.1.7.1 1 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	598.18	527.91	598.18	605.02	614.56
1.1.7.2 2 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	45.97	38.38	45.97	46.45	47.63
1.1.7.3 3 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	61.40	52.64	61.40	62.23	63.23
1.1.7.4 5 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	287.37	202.65	287.37	294.96	303.77
1.1.8 डाक घर आवर्ती जमाराशियां	प्राप्तियां	78.68	7.18	9.63	6.81	10.44
	बकाया	923.20	855.52	923.20	930.01	940.45
	प्राप्तियां	-0.45	0.00	0.31	0.00	0.00
1.1.9 डाक घर सावधि मीयादी जमाराशियां	बकाया	-0.37	0.08	-0.37	-0.37	-0.37
	प्राप्तियां	-0.01	0.00	-0.01	0.00	0.00
1.1.10 अन्य जमाराशियां	बकाया	0.21	0.22	0.21	0.21	0.21
	प्राप्तियां	79.43	7.32	7.32	3.83	14.13
<b>1.2 बचत प्रमाणपत्र</b>	<b>बकाया</b>	<b>2,066.76</b>	<b>1,996.49</b>	<b>2,066.76</b>	<b>2,070.42</b>	<b>2,084.76</b>
1.2.1 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VIII निर्गम	प्राप्तियां	-0.65	-5.04	9.69	1.92	3.59
	बकाया	871.74	860.23	871.74	873.66	877.25
1.2.2 इंदिरा विकास पत्र	प्राप्तियां	-9.56	0.02	-11.75	0.00	1.17
	बकाया	-0.71	8.87	-0.71	-0.71	0.46
1.2.3 किसान विकास पत्र	प्राप्तियां	-155.92	-11.88	-8.96	-11.87	-12.57
	बकाया	379.81	513.30	379.81	367.94	355.37
1.2.4 किसान विकास पत्र-2014	प्राप्तियां	245.88	24.27	18.29	13.89	22.02
	बकाया	706.12	502.21	706.12	720.01	742.03
1.2.5 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VI निर्गम	प्राप्तियां	-0.29	-0.05	0.05	-0.06	0.03
	बकाया	-1.40	-1.18	-1.40	-1.46	-1.43
1.2.6 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VII निर्गम	प्राप्तियां	-0.03	0.00	0.00	-0.05	-0.11
	बकाया	-0.64	-0.62	-0.64	-0.69	-0.80
1.2.7 अन्य प्रमाणपत्र	बकाया	111.84	113.68	111.84	111.67	111.88
<b>1.3 लोक भविष्य निधि</b>	<b>प्राप्तियां</b>	<b>66.23</b>	<b>3.38</b>	<b>37.13</b>	<b>-2.52</b>	<b>2.57</b>
	<b>बकाया</b>	<b>699.85</b>	<b>636.33</b>	<b>699.85</b>	<b>697.33</b>	<b>699.90</b>

टिप्पणी : अप्रैल 2017 से प्राप्तियों पर प्राप्त डाटा निवल प्राप्तियां अर्थात् सकल भुगतानों और सकल प्राप्तियों का अंतर है।

स्रोत : महालेखाकार, डाक और तार।

## सं. 45: केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप

(प्रतिशत)

केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां					
श्रेणी	2017		2018		
	सितंबर	दिसंबर	मार्च	जून	सितंबर
	1	2	3	4	5
<b>(क) कुल (₹ बिलियन में)</b>	51451.83	52813.50	53967.78	54556.81	56028.30
1. वाणिज्यिक बैंक	40.37	41.40	42.68	41.84	41.41
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	0.33	0.33	0.29	0.33	0.37
3. बीमाकृत कंपनियां	23.49	23.63	23.49	24.24	24.61
4. म्यूच्युअल फंड	1.86	1.33	1.00	1.13	1.41
5. सहकारी बैंक	2.62	2.69	2.57	2.59	2.51
6. वित्तीय संस्थाएं	0.78	0.82	0.90	0.93	0.97
7. कॉरपोरेट	1.04	1.09	0.91	1.09	1.01
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	4.58	4.53	4.35	3.84	3.65
9. भविष्य निधियां	5.99	5.32	5.88	5.79	5.71
10. भारतीय रिजर्व बैंक	12.84	11.94	11.62	11.63	11.76
11. अन्य	6.11	6.92	6.30	6.58	6.58
11.1 राज्य सरकार	1.92	1.91	1.91	1.97	1.99

राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां					
श्रेणी	2017		2018		
	सितंबर	दिसंबर	मार्च	जून	सितंबर
	1	2	3	4	5
<b>(ख) कुल (₹ बिलियन में)</b>	22488.35	23329.53	24288.29	24954.61	25668.33
1. वाणिज्यिक बैंक	37.64	38.13	35.79	35.02	34.66
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	0.38	0.51	0.51	0.75	0.58
3. बीमाकृत कंपनियां	34.00	33.35	34.13	34.24	33.74
4. म्यूच्युअल फंड	1.92	1.68	1.64	1.20	1.05
5. सहकारी बैंक	4.82	4.78	4.78	4.79	4.75
6. वित्तीय संस्थाएं	0.22	0.22	0.35	0.35	0.43
7. कॉरपोरेट	0.11	0.13	0.15	0.16	0.17
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	0.16	0.21	0.23	0.15	0.10
9. भविष्य निधियां	18.37	17.05	19.67	20.34	21.04
10. भारतीय रिजर्व बैंक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
11. अन्य	2.37	3.94	2.76	2.99	3.48
11.1 राज्य सरकार	0.00	0.01	0.05	0.06	0.07

खजाना बिल					
श्रेणी	2017		2018		
	सितंबर	दिसंबर	मार्च	जून	सितंबर
	1	2	3	4	5
<b>(ग) कुल (₹ बिलियन में)</b>	5704.50	5102.82	3798.76	5280.07	5657.50
1. वाणिज्यिक बैंक	52.15	48.40	60.74	55.30	47.84
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	1.38	1.67	2.17	1.41	1.86
3. बीमाकृत कंपनियां	4.32	5.22	4.17	3.66	4.55
4. म्यूच्युअल फंड	12.44	10.40	2.27	7.03	10.69
5. सहकारी बैंक	2.33	2.05	2.42	1.29	1.20
6. वित्तीय संस्थाएं	3.54	3.97	3.55	2.36	1.67
7. कॉरपोरेट	1.64	2.12	2.45	1.88	6.67
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9. भविष्य निधियां	0.20	0.02	0.11	0.21	0.01
10. भारतीय रिजर्व बैंक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
11. अन्य	22.01	26.17	22.12	26.87	25.50
11.1 राज्य सरकार	18.73	21.81	16.35	23.11	21.36

## सं. 46: केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण

(बिलियन ₹)

मद	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18 (स.अ.)	2018-19 (ब.अ.)
	1	2	3	4	5	6
<b>1. कुल वितरण</b>	<b>30,002.99</b>	<b>32,852.10</b>	<b>37,606.11</b>	<b>42,659.69</b>	<b>48,579.90</b>	<b>53,611.81</b>
1.1 गतिविधियां	17,142.21	18,720.62	22,012.87	25,379.05	29,324.08	32,025.64
1.1.1 राजस्व	13,944.26	14,830.18	16,682.50	18,784.17	22,525.73	24,390.87
1.1.2 पूंजी	2,785.08	3,322.62	4,120.69	5,012.13	5,857.77	6,745.79
1.1.3 ऋण	412.88	567.82	1,209.68	1,582.75	940.58	888.98
1.2 गैर गतिविधियां	12,427.83	13,667.69	15,108.10	16,726.46	18,542.53	20,762.79
1.2.1 राजस्व	11,413.65	12,695.20	13,797.27	15,552.39	17,684.36	19,839.32
1.2.1.1 ब्याज भुगतान	5,342.30	5,845.42	6,480.91	7,244.48	8,166.36	8,851.50
1.2.2 पूंजी	990.37	946.87	1,273.06	1,157.75	844.41	909.08
1.2.3 ऋण	23.81	25.63	37.77	16.32	13.76	14.40
1.3 अन्य	432.95	463.79	485.14	554.17	713.29	823.38
<b>2. कुल प्राप्तियां</b>	<b>30,013.72</b>	<b>31,897.37</b>	<b>37,780.49</b>	<b>42,884.32</b>	<b>47,718.59</b>	<b>52,780.35</b>
2.1 राजस्व प्राप्तियां	22,114.75	23,876.93	27,483.74	31,322.01	35,923.82	41,185.41
2.1.1 कर प्राप्तियां	18,465.45	20,207.28	22,971.01	26,221.45	30,132.23	34,941.02
2.1.1.1 पण्य और सेवाओं पर कर	11,257.81	12,123.48	14,409.52	16,523.77	18,296.56	22,138.76
2.1.1.2 आय और संपत्ति पर कर	7,176.34	8,051.76	8,522.71	9,656.22	11,802.47	12,775.14
2.1.1.3 संघशासित क्षेत्र (बिना विधान मंडल के) के कर	31.30	32.04	38.78	41.46	33.20	27.12
2.1.2 गैर-कर प्राप्तियां	3,649.30	3,669.65	4,512.72	5,100.56	5,791.59	6,244.38
2.1.2.1 ब्याज प्राप्तियां	401.62	396.22	357.79	332.20	316.10	368.35
2.2 गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियां	391.13	609.55	598.27	690.63	1,651.83	1,428.43
2.2.1 ऋण और अग्रिम की वसूली	93.85	220.72	165.61	209.42	648.80	616.50
2.2.2 विनिवेश से प्राप्त राशि	297.28	388.83	432.66	481.22	1,003.03	811.93
<b>3. सकल वित्तीय घाटा [1-(2.1+2.2)]</b>	<b>7,497.11</b>	<b>8,365.63</b>	<b>9,524.10</b>	<b>10,647.04</b>	<b>11,004.25</b>	<b>10,997.97</b>
<b>उक वित्तपोषण के स्रोत : संस्था-वार</b>						
उक.1 घरेलू वित्तपोषण	7,424.19	8,236.30	9,396.62	10,467.08	10,980.08	11,023.86
उक.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	3,358.58	-374.76	2,310.90	6,171.23	1,447.92	..
उक.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि. बैंक का ऋण	1,081.30	-3,341.85	604.72	1,958.16	-1,448.47	..
उक.1.2 सरकार को गैर-बैंक ऋण	4,065.61	8,611.06	7,085.72	4,295.85	9,532.16	..
उक.2 बाह्य वित्तपोषण	72.92	129.33	127.48	179.97	24.18	-25.89
<b>उख. वित्तपोषण के स्रोत : लिखत-वार</b>						
उख.1 घरेलू वित्तपोषण	7,424.19	8,236.30	9,396.62	10,467.08	10,980.08	11,023.86
उख.1.1 बाजार उधार (निवल)	6,391.99	6,640.58	6,732.98	6,898.21	7,951.99	8,398.36
उख.1.2 लघु बचत (निवल)	-142.81	-565.80	-785.15	-1,050.38	-1,653.29	-1,434.61
उख.1.3 राज्य भविष्य निधियां (निवल)	312.90	343.39	352.61	456.88	406.13	474.19
उख.1.4 आरक्षित निधियां	34.63	51.09	-33.22	-64.36	6.70	31.14
उख.1.5 जमाराशियां और अग्रिम	255.45	275.45	134.70	177.92	168.45	159.10
उख.1.6 नकद शेष	-10.72	954.74	-174.38	-224.63	861.31	831.46
उख.1.7 अन्य	582.75	536.84	3,169.08	4,273.43	3,238.79	2,564.21
उख.2 बाह्य वित्तपोषण	72.92	129.33	127.48	179.97	24.18	-25.89
4. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कुल वितरण	26.7	26.3	27.3	28.0	29.0	28.6
5. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कुल प्राप्तियां	26.7	25.6	27.4	28.1	28.4	28.2
6. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर राजस्व प्राप्तियां	19.7	19.2	20.0	20.5	21.4	22.0
7. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कर प्राप्तियां	16.4	16.2	16.7	17.2	18.0	18.7
8. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर सकल वित्तीय घाटा	6.7	6.7	6.9	7.0	6.6	5.9

...: उपलब्ध नहीं। आरई: संशोधित अनुमान; बीई: बजट अनुमान

स्रोत : केन्द्रीय और राज्य सरकारों का बजट दस्तावेज।

**सं.47: विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा ली गई वित्तीय सहायता**

(बिलियन ₹)

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	नवंबर 2018 के दौरान					
		विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ)		अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए)		ओवरड्राफ्ट (ओडी)	
		प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या
1	2	3	4	5	6	7	
1	आंध्र प्रदेश	5.45	22	12.57	21	4.78	7
2	अरुणाचल प्रदेश	-	-	-	-	-	-
3	असम	-	-	-	-	-	-
4	बिहार	-	-	-	-	-	-
5	छत्तीसगढ़	-	-	-	-	-	-
6	गोवा	0.40	11	0.97	9	-	-
7	गुजरात	-	-	-	-	-	-
8	हरियाणा	-	-	-	-	-	-
9	हिमाचल प्रदेश	-	-	-	-	-	-
10	जम्मू और कश्मीर	-	-	6.05	17	1.80	3
11	झारखंड	-	-	3.57	18	-	-
12	कर्नाटक	-	-	-	-	-	-
13	केरल	-	-	-	-	-	-
14	मध्य प्रदेश	-	-	-	-	-	-
15	महाराष्ट्र	-	-	-	-	-	-
16	मणिपुर	-	-	-	-	-	-
17	मेघालय	-	-	-	-	-	-
18	मिज़ोरम	-	-	-	-	-	-
19	नागालैंड	-	-	-	-	-	-
20	उड़ीसा	-	-	-	-	-	-
21	पुदुचेरी	-	-	-	-	-	-
22	पंजाब	0.07	10	4.93	10	0.89	2
23	राजस्थान	-	-	-	-	-	-
24	तमिलनाडु	-	-	-	-	-	-
25	तेलंगाना	2.45	20	6.57	18	-	-
26	त्रिपुरा	-	-	-	-	-	-
27	उत्तरप्रदेश	-	-	-	-	-	-
28	उत्तराखंड	0.01	15	2.10	15	-	-
29	पश्चिम बंगाल	3.08	6	18.86	3	-	-

- टिप्पणियाँ :**
- 1) राज्य सरकारों द्वारा समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) और निलामी खजाना बिल (एटीबी) के शेषों तथा सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए अन्य निवेशों को संपादिक के तौर पर रखते हुए विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ) प्राप्त की जाती है।
  - 2) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा राज्य सरकारों को उनके अल्प कालिक नकदी असंतुलन से निपटने के लिए अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) दिया जाता है।
  - 3) राज्य सरकारों को उनकी अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) सीमा से अधिक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आग्रिम के तौर पर ओवरड्राफ्ट दिया जाता है।
  - 4) प्राप्त कुल सहायता (एसडीएफ/डब्ल्यूएमए/ओडी) को उन दिनों की संख्या से भाग देने पर, जिनके लिए माह के दौरान सहायता प्राप्त हुई, औसत राशि प्राप्त होती है।
  - 5) -: नाग्य

**स्रोत :** भारतीय रिज़र्व बैंक।

## सं. 48: राज्य सरकारों द्वारा किए गये निवेश

(बिलियन ₹)

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	नवंबर 2018 के दौरान			
		समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ)	गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ)	सरकारी प्रतिभूतियाँ	निलामी खजाना बिल (एटीबी)
	1	2	3	4	5
1	आंध्र प्रदेश	72.53	7.15	0.02	0
2	अरुणाचल प्रदेश	9.23	0.01	--	0
3	असम	45.32	0.42	0	40.00
4	बिहार	54.25	--	0	0
5	छत्तीसगढ़	35.45	--	0.01	2.17
6	गोवा	5.04	2.53	--	0
7	गुजरात	120.02	4.22	0	0
8	हरियाणा	18.19	10.52	0	0
9	हिमाचल प्रदेश	--	--	--	8.00
10	जम्मू और कश्मीर	--	--	--	0
11	झारखंड	0	--	0	0
12	कर्नाटक	26.99	--	0	185.00
13	केरल	18.85	--	0	0
14	मध्य प्रदेश	--	8.10	0.00	0
15	महाराष्ट्र	306.03	--	--	450.00
16	मणिपुर	3.30	0.88	0	0
17	मेघालय	5.35	0.22	0.09	0
18	मिज़ोरम	4.74	0.22	--	0
19	नगालैंड	12.96	0.28	--	0
20	उड़ीसा	117.27	12.69	0.74	263.00
21	पुदुचेरी	3.09	--	--	9.19
22	पंजाब	0	0	0.08	0
23	राजस्थान	--	--	1.29	43.92
24	तमिलनाडु	58.07	--	0.46	303.15
25	तेलंगाना	42.14	6.16	0.01	0
26	त्रिपुरा	2.88	0.04	--	0
27	उत्तरप्रदेश	--	--	1.87	0
28	उत्तराखंड	26.38	0.69	0	0
29	पश्चिम बंगाल	92.99	3.67	2.14	0
	<b>कुल</b>	<b>1081.07</b>	<b>57.80</b>	<b>6.70</b>	<b>1304.43</b>

## सं. 49: राज्य सरकारों की बाज़ार उधारियां

(बिलियन ₹)

क्र.सं.	राज्य	2016-17		2017-18		2018-19						2018-19 में अब तक कुल राशि उठाई गई है	
		सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सितंबर		अक्टूबर		नवंबर		सकल	निवल
						सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	
1	आंध्र प्रदेश	195.00	177.06	228.00	189.22	30.00	30.00	45.43	39.60	20.00	14.17	231.60	211.19
2	अरुणाचल प्रदेश	4.53	2.87	8.88	7.03	-	-	-	-	-	-	4.00	4.00
3	असम	30.90	19.94	77.60	67.97	4.00	4.00	-	-	5.00	5.00	49.00	49.00
4	बिहार	177.00	168.15	100.00	89.08	-	-	-	-	-	-	-	-
5	छत्तीसगढ़	42.00	38.98	81.00	81.00	-	-	15.00	15.00	10.00	10.00	25.00	25.00
6	गोवा	13.20	11.71	18.00	14.00	2.00	2.00	1.00	1.00	2.00	-	12.50	10.50
7	गुजरात	247.20	209.44	240.00	157.85	25.00	15.00	35.88	35.88	37.08	27.08	157.96	137.96
8	हरियाणा	158.00	153.59	166.40	158.40	15.00	15.00	15.00	15.00	30.00	30.00	110.25	105.25
9	हिमाचल प्रदेश	34.00	21.63	46.00	25.51	-	-1.12	5.00	3.00	5.00	3.00	25.00	17.98
10	जम्मू और कश्मीर	27.90	18.99	62.00	39.74	3.00	3.00	3.25	1.13	8.75	6.75	42.00	32.24
11	झारखंड	51.54	47.25	60.00	48.07	5.00	5.00	-	-	-	-	10.00	10.00
12	कर्नाटक	280.07	240.26	220.98	173.48	-	-	75.00	67.00	76.00	76.00	151.00	143.00
13	केरल	173.00	146.86	205.00	162.03	-	-	15.00	15.00	15.00	11.50	145.00	129.65
14	मध्य प्रदेश	161.00	145.51	150.00	131.25	10.00	10.00	20.96	20.96	26.00	19.75	106.96	100.71
15	महाराष्ट्र	400.00	364.72	450.00	364.80	-	-	-	-20.00	-	-	108.69	88.69
16	मणिपुर	6.30	4.78	5.25	2.78	-	-	-	-	0.50	0.50	4.00	4.00
17	मेघालय	10.01	7.18	11.16	9.20	-	-	1.50	1.50	2.50	1.30	4.00	2.80
18	मिज़ोरम	1.70	-0.35	4.24	2.77	-	-	-	-	-	-	-	-0.27
19	नगालैंड	10.70	7.33	11.35	7.66	1.50	1.50	-	-	-	-	3.50	1.90
20	उड़ीसा	76.20	69.90	84.38	84.38	5.00	5.00	-	-	-	-	45.00	45.00
21	पुदुचेरी	5.25	5.25	8.25	4.88	1.00	-	1.00	1.00	0.50	0.50	2.50	1.50
22	पंजाब	136.00	121.44	174.70	133.49	21.00	16.00	23.00	18.00	10.00	10.00	137.54	112.54
23	राजस्थान	160.54	143.25	249.14	167.77	50.00	45.00	15.00	15.00	27.00	12.00	242.30	199.18
24	सिक्कीम	7.44	5.74	9.95	7.45	2.00	2.00	1.25	1.25	1.00	1.00	7.25	7.25
25	तमिलनाडु	372.50	349.94	409.65	360.23	34.70	34.70	35.00	22.50	40.00	32.50	256.40	236.40
26	तेलंगाना	218.61	205.79	246.00	218.28	19.68	19.68	30.00	25.83	30.00	25.83	184.68	170.09
27	त्रिपुरा	9.90	7.53	11.37	11.37	2.00	2.00	-	-	-	-	9.00	9.00
28	उत्तरप्रदेश	410.50	369.05	416.00	371.78	-	-	85.00	75.00	20.00	10.00	185.00	135.00
29	उत्तराखंड	54.50	50.81	66.60	58.30	8.50	8.50	2.50	2.50	5.50	5.50	47.50	43.00
30	पश्चिम बंगाल	344.31	312.30	369.11	253.04	15.00	-3.00	40.00	34.00	20.00	5.00	125.00	41.47
	<b>कुल</b>	<b>3819.79</b>	<b>3426.92</b>	<b>4191.00</b>	<b>3402.81</b>	<b>254.38</b>	<b>214.26</b>	<b>465.77</b>	<b>390.15</b>	<b>391.84</b>	<b>307.39</b>	<b>2432.63</b>	<b>2074.03</b>

- : शून्य

स्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक।

## वर्तमान सांख्यिकी की व्याख्यात्मक टिप्पणियां

### सारणी सं. 1

- 1.2 और 6: वार्षिक आंकड़े महीनों के औसत हैं।  
 3.5 और 3.7: वित्त वर्ष में अब तक वृद्धि के अनुपात से संबंधित है।  
 4.1 से 4.4, 4.8, 4.9 और 5 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार से संबंधित है।  
 4.5, 4.6 और 4.7 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार को पांच प्रमुख बैंकों से संबंधित है।  
 4.10 से 4.12 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम निलामी दिन से संबंधित है।  
 4.13 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम दिन से संबंधित है।  
 7.1 और 7.2: विदेशी व्यापार यूएस डॉलर से संबंधित है।

### सारणी सं. 2

- 2.1.2 : चुकता पूंजी, आरक्षित निधि और दीर्घावधि परिचालनगत निधि शामिल है।  
 2.2.2 : नकदी, सावधि जमाराशियों और अल्पावधि प्रतिभूतियों/बांडों सहित जैसे - आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी।

### सारणी सं. 4

<http://nsdp.rbi.org.in> के 'रिजर्व टैम्पलेट' के अंतर्गत परिपक्वतावार बकाया फॉरवर्ड संविदा की स्थिति दर्शायी गयी है।

### सारणी सं. 5

अन्य को विशेष पुर्नवित्त सुविधा, अर्थात् एक्विजम बैंक को 31 मार्च 2013 से बंद है।

### सारणी सं. 6

- अनुसूचित बैंकों के लिए, मार्च की समाप्ति के आंकड़े सूचना देने के लिए नियत अंतिम शुक्रवार से संबंधित हैं।  
 2.2 : आईएमएफ खाता सं.1 की शेष राशि, आरबीआई कर्मचारी भविष्य निधि, पेंशन निधि, उपदान और अधिवर्षिता निधि शामिल नहीं हैं।

### सारणी सं. 7 और 11

सारणी 7 में 3.1 और सारणी 11 में 2.4: आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांड शामिल हैं।

### सारणी सं. 8

- एनएम<sub>2</sub> और एनएम<sub>3</sub> में एफसीएनआर (बी) जमाराशियां शामिल नहीं हैं।  
 2.4: चुकता पूंजी और आरक्षित राशि शामिल हैं।  
 2.5 : बैंकिंग प्रणाली की अन्य मांग और मीयादी देयताएं शामिल हैं।

### सारणी सं. 9

वित्तीय संस्थाओं में एक्विजम बैंक, सिडबी, नाबार्ड और एनएचबी शामिल हैं।  
 एल<sub>1</sub> और एल<sub>2</sub> मासिक आधार पर और एल<sub>3</sub> तिमाही आधार पर संकलित किए जाते हैं।  
 जहां आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं वहां अंतिम उपलब्ध आंकड़े पुनः दिए गए हैं।

### सारणी सं. 13

कालम सं. (4) और (5) में दर्शाए गए आंकड़े अनंतिम हैं।

### सारणी सं. 14

कालम सं. (4) और (8) में दर्शाए गए आंकड़ें अनंतिम हैं।

### सारणी सं. 15 और 16

डाटा अनंतिम है और चुनिंदा 41 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से संबंधित है जिसमें सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (आईएनजी वैश्य को छोड़कर जिसे अप्रैल 2015 को कोटक महिंद्रा के साथ विलय किया गया है) द्वारा कुल दिये गये कुल खाद्यतर ऋण के 90 प्रतिशत शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अंतर्गत निर्यात ऋण केवल विदेशी बैंक से संबंधित है।

मद 2.1 के अंतर्गत माइक्रो और लघु में विनिर्माण क्षेत्र में माइक्रो और लघु उद्योग को ऋण शामिल है।

मद 5.2 के अंतर्गत माइक्रो और लघु उद्यमों में विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र में माइक्रो तथा लघु उद्यमों को ऋण शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र पुरानी परिभाषा के अनुसार है और दि . 23 अप्रैल 2015 के एफआईडीडी परिपत्र एफआईडीडी.केका. प्लान .बीसी.54/ 04.09.01/2014-15 के अनुरूप नहीं है।

### सारणी सं. 17

2.1.1: राज्य सहकारी बैंकों में सहकारी सोसाइटियों द्वारा अनुरक्षित आरक्षित निधि शामिल नहीं है।

2.1.2 : आरबीआई, एसबीआई, आईडीबीआई, नाबार्ड, अधिसूचित बैंकों और राज्य सरकारों से लिए गए ऋण शामिल नहीं है।

4. : आईडीबीआई और नाबार्ड से लिए गए ऋण शामिल हैं।

### सारणी सं. 24

प्राथमिक व्यापारियों में, प्राथमिक व्यापारी का कारोबार करने वाले बैंक शामिल हैं।

### सारणी सं. 30

प्राइवेट प्लेसमेंट और बिक्री के प्रस्ताव शामिल नहीं हैं।

1: बोनस शेयर शामिल नहीं हैं।

2: संचयी परिवर्तनीय अधिमान शेयर और इक्वी - अधिमान शेयर शामिल हैं।

### सारणी सं. 32

आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांडों में निवेश तथा सार्क स्वैप व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त विदेशी मुद्रा और भारत सरकार द्वारा रिजर्व बैंक को अंतरित एसडीआर शामिल नहीं हैं। अमेरिकी डॉलर में दिखाई गई विदेशी मुद्रा आस्तियों में रिजर्व में रखी गैर यूएस मुद्राओं (जैसे यूरो, स्टर्लिंग, येन और ऑस्ट्रेलिया डॉलर) के मूल्यवृद्धि/मूल्यहास को शामिल किया गया है। विदेशी मुद्रा धारिता को रूपी-अमेरिकी डॉलर आरबीआई धारिता दरों में परिवर्तित किया गया है।

### सारणी सं. 34

1.1.1.1.2 और 1.1.1.1.4 : अनुमान

1.1.1.2 : नवीनतम माह के लिए अनुमान

‘अन्य पूंजी’ एफडीआई उद्यम की मूल और अनुषंगी संस्थाओं/शाखाओं के बीच के ऋण संबंधी लेनदेन से संबंधित है।

हो सकता है कि सूचना देने में हुए समय-अंतराल के कारण ये आँकड़े भुगतान-संतुलन के आंकड़ों से मेल न खाएं।

### सारणी सं. 35

1.10 : जर्नलों के लिए अभिदान, विदेश में किए गए निवेशों का अनुरक्षण, छात्र ऋण चुकौती और क्रेडिट कार्ड भुगतान जैसी मदें शामिल हैं।

**सारणी सं. 36**

सूचकांकों में वृद्धि रुपये की मूल्यवृद्धि या मूल्यहास का संकेतक। 6-मुद्राओं वाले सूचकांक के लिए, आधार वर्ष 2016-17 अस्थिर है जिसे प्रत्येक वर्ष अद्यतन किया जाता है। रीर के आंकड़े उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (संयुक्त) पर आधारित है। इससे संबंधित कार्यपद्धति का विवरण बुलेटिन के दिसंबर 2005 और अप्रैल 2014 अंक में दिया गया है।

**सारणी सं. 37**

ईसीबी/विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांडों के लिए आवेदनों पर आधारित जिन्हें उस अवधि के दौरान ऋण पंजीकरण संख्या दी गई है।

**सारणी सं. 38, 39, 40 और 41**

इन सारणियों के संबंध में व्याख्यात्मक टिप्पणियां आरबीआई बुलेटिन 2012 के दिसंबर अंक में उपलब्ध हैं।

**सारणी सं. 43**

1.3: बहुपक्षीय निवल निपटान समूहों से संबंधित है।

3.1: मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नै - तीन केन्द्रों से संबंधित है।

3.3: 21 बैंकों द्वारा प्रबंधित समाशोधन गृहों से संबंधित है।

6: दिसंबर 2010 से उपलब्ध।

7: आईएमपीएस लेनदेन शामिल हैं।

9: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा खोले गए एटीएम और व्हाइट लेबल एटीएम शामिल है। अप्रैल 2014 से व्हाइट लेबल एटीएम शामिल किए गए हैं।

मोबाइल बैंकिंग - जुलाई 2017 के आंकड़ों में मोबाइल उपकरण का प्रयोग करते हुए प्रारंभ, संसाधित और अधिकृत किए गए वैयक्तिक और कारपोरेट भुगतानों को ही शामिल किया गया है। अन्य कारपोरेट भुगतान जो मोबाइल का इस्तेमाल करते हुए प्रारंभ, संसाधित और प्राधिकृत नहीं किए गए हैं उन्हें इसमें शामिल नहीं किया गया है।

**सारणी सं. 45**

(-): नगण्य को दर्शाता है।

जून 2016 से टेबल फार्मेट संशोधित किया है, जिसमें केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों सहित राज्य सरकारों की स्वामित्ववाली प्रतिभूतियाँ और खज़ाना बिलों सहित शामिल है।

राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में उज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (यूडीएवाई) के अंतर्गत जारी विशेष बान्ड शामिल हैं।

वाणिज्यिक बैंकों के अंतर्गत बैंक के प्राथमिक डीलरों को शामिल किया गया है। तथापि, कुल बकाया प्रतिभूतियों में इसका हिस्सा बहुत कम है।

"अन्य" श्रेणी में राज्य सरकारों, पेंशन निधियां न्यास, संस्थाएं, हिंदू अविभक्त परिवार / वैयक्तिक आदि. शामिल है।

**सारणी सं. 46**

2011-12 से जीडीपी डाटा 2011-12 के आधार पर हैं। वर्ष 2015-16 का डाटा 29 राज्यों से संबंधित हैं।

2015-16 से जीडीपी डाटा 28 फरवरी 2018 को केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी राष्ट्रीय आय के दूसरे अग्रिम से संबंधित है।

जीडीपी के लिए 2016-17 (आरई) और 2017-18 के लिए केंद्रीय बजट 2017-18 से लिए गए हैं।

राष्ट्रीय आपदा आकस्मिकता निधि व्यय को छोड़कर कुल प्राप्तियां और कुल व्यय।

1 और 2: आंकड़े केंद्र सरकार (एनएसएसएफ की पुनःचुकोती सहित) और राज्य सरकार के निवल चुकोती से संबंधित है।

1.3: राज्य द्वारा स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थानों को दिये गये मुआवजे और कार्य से संबंधित है।

2: यह डाटा केंद्र और राज्य सरकारों को दिये गये उधार प्राप्तियों सहित केंद्र और राज्य सरकारों के नकदी शेष में हुए घटबढ़ से संबंधित निवल को दर्शाते हैं।

3ए.1.1: आंकड़े भारतीय रिज़र्व बैंक के अभिलेख के अनुसार हैं।

3बी.1.1: दिनांकित प्रतिभूतियों और 364 दिन के खज़ाना बिलों के माध्यम से प्राप्त उधारियों सहित।

3बी.1.2: राष्ट्रीय लघु बचत निधि (एनएसएसएफ) द्वारा केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा विशेष प्रतिभूतियों में किये गये निवल निवेश को दर्शाते हैं।

3बी.1.6: केंद्र द्वारा राज्य सरकारों को दिये गये अर्थोपाय अग्रिमों सहित।

3बी.1.7: वित्तीय संस्थानों, बीमा और पेंशन निधि, प्रेषण, नकदी शेष निवेश लेखा से लिये गये ऋण, खज़ाना बिलों (364-दिन के खज़ाना बिलों को छोड़कर) सहित।

#### सारणी सं. 47

राज्य सरकारों द्वारा समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) और निलामी खज़ाना बिल (एटीबी) के शेषों तथा सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए अन्य निवेशों को संपाश्विक के तौर पर रखते हुए विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ) प्राप्त की जाती है।

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा राज्य सरकारों को उनके अल्प कालिक नकदी असंतुलन से निपटने के लिए अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) दिया जाता है।

राज्य सरकारों को उनकी अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) सीमा से अधिक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आग्रिम के तौर पर ओवरड्राफ्ट दिया जाता है।

प्राप्त कुल सहायता (एसडीएफ/डब्ल्यूएमए/ओडी) को उन दिनों की संख्या से भाग देने पर, जिनके लिए माह के दौरान सहायता प्राप्त हुई, औसत राशि प्राप्त होती है।

-: नगण्य

#### सारणी सं. 48

समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) वे आरक्षित निधियाँ हैं जो कुछ राज्य सरकारों द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के पास रखी जाती हैं।

नीलामी खज़ाना बिलों (एटीबी) में राज्य सरकारों द्वारा प्राथमिक बाज़ारों में निवेश किए गए 91 दिवसीय, 182 दिवसीय तथा 364 दिनों की खज़ाना बिल शामिल हैं।

--: लागू नहीं (इस योजना का सदस्य नहीं है)।

वर्तमान सांख्यिकी संबंधी अवधारणाएं एवं कार्यप्रणालियां भारतीय रिज़र्व बैंक मासिक बुलेटिन के वर्तमान सांख्यिकी संबंधी व्यापक मार्गदर्शिका (<https://rbi.org.in/scripts/publicationsview.aspx?id=17618>) में उपलब्ध हैं।

‘वर्तमान सांख्यिकी’ का टाइम सीरिज़ डाटा <https://dbie.rbi.org.in> पर उपलब्ध है।

विस्तृत टिप्पणियां भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी संबंधित प्रेस विज्ञप्तियों और बैंक के अन्य प्रकाशनों (जैसे **भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकीय हैंडबुक**) में उपलब्ध हैं।

**भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के प्रकाशन**

प्रकाशन का नाम	मूल्य	
	भारत में	विदेश में
1. भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन 2019	₹300 एक प्रति (काउंटर पर) ₹350 एक प्रति (डाक प्रभार सहित) ₹4,200 (डाक प्रभार सहित एक वर्ष का सदस्यता शुल्क) ₹3,150 (एक वर्ष का रियायती दर) ₹3,360 (एक वर्ष का सदस्यता शुल्क - डाक प्रभार सहित <sup>@</sup> ) ₹2,520 (एक वर्ष का रियायती दर <sup>@</sup> )	15 अमरीकी डॉलर एक प्रति (डाक प्रभार सहित) 180 अमरीकी डॉलर (एक वर्ष का सदस्यता शुल्क) (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
2. भारतीय राज्यों से संबंधित सांख्यिकीय हैंड बुक 2017-18	₹550 (सामान्य) ₹600 (डाक प्रभार सहित)	24 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
3. भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकीय हैंड बुक 2017-18	₹700 (सामान्य) ₹750 (डाक प्रभार सहित) ₹525 (रियायती) ₹575 (रियायती डाक प्रभार सहित)	50 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
4. राज्य वित्त: 2017-18 और 2018-19 के बजटों का अध्ययन	₹600 एक प्रति (काउंटर पर) ₹650 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	24 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
5. रिपोर्ट ऑफ दि कमिटी ऑन फुलर कैपिटल अकाउंट कन्वर्टिबिलिटी (तारापोर समिति की रिपोर्ट II)	₹140 एक प्रति (काउंटर पर) ₹170 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	25 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
6. बैंकिंग शब्दावली (2012)	₹80 एक प्रति (काउंटर पर) ₹120 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
7. अनुवाद के विविध आयाम (हिंदी)	₹165 एक प्रति (काउंटर पर) ₹205 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
8. बैंक में राजभाषा नीति का कार्यान्वयन: दशा और दिशा (हिंदी)	₹150 एक प्रति (काउंटर पर) ₹200 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
9. भारतीय रिज़र्व बैंक सामयिक पेपर खंड 37, 2016	₹200 एक प्रति (काउंटर पर) ₹250 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	18 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
10. भारतीय रिज़र्व बैंक सामयिक पेपर खंड 38, 2017	₹200 एक प्रति (काउंटर पर) ₹250 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	18 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
11. भारतीय रिज़र्व बैंक सामयिक पेपर खंड 39, 2018	₹200 एक प्रति (काउंटर पर) ₹250 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	18 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)

**टिप्पणियाँ :**

1. उपर्युक्त प्रकाशनों में से कई प्रकाशन आरबीआई की वेबसाइट ([www.rbi.org.in](http://www.rbi.org.in)) पर उपलब्ध हैं।
  2. टाइम सीरीज़ डेटा भारतीय अर्थव्यवस्था के डेटाबेस में उपलब्ध हैं (<http://dbie.rbi.org.in>)।
  3. भारतीय रिज़र्व बैंक का इतिहास 1935-1997 (4 खंड), वित्तीय संकट के संदर्भ में केन्द्रीय बैंकिंग की चुनौतियाँ और भारत की क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था: वृद्धि और वित्त भारत के प्रमुख पुस्तक भंडारों में उपलब्ध हैं।
- \* भारत में छात्रों, अध्यापकों / व्याख्याताओं, अकादमिक और शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत रियायत दी जाएगी बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।
- @ इलेक्ट्रॉनिक भुगतान को बढ़ावा देने हेतु, घरेलू ग्राहक जो एनईएफटी के माध्यम से भुगतान करना चाहते हैं, उन्हें 20 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है।

**सामान्य अनुदेश:**

1. बिक्री हुई प्रतियां वापस नहीं ली जाएंगी।
2. प्रकाशन कन्साइनमेंट वीपीपी आधार पर नहीं भेजा जाएगा।
3. जहां कहीं रियायती मूल्य का उल्लेख नहीं है, वहां भारत में छात्रों, अध्यापकों/व्याख्याताओं, अकादमिक और शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत की रियायत दी जाएगी, बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। सामान्यतः प्रकाशन के पिछले अंक उपलब्ध नहीं हैं।
4. प्रकाशनों की (सोमवार से शुक्रवार) तक बिक्री तथा वितरण प्रभाग, कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारिबैं, अमर बिल्डिंग, तल मंजिल, सर पी.एम. रोड, फोर्ट, पोस्ट बॉक्स संख्या 1036, मुंबई - 400 001 पर उपलब्ध हैं। बिक्री अनुभाग का संपर्क नं. 022-2260 3000, विस्तार 4002, ई-मेल: [spsdcs@rbi.org.in](mailto:spsdcs@rbi.org.in) है।
5. सदस्यता शुल्क मुख्यतः एनईएफटी द्वारा किया जाना चाहिए और अग्रेषणपत्र, जिसके साथ एनईएफटी विवरण संलग्न हो, मुख्य महाप्रबंधक, कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, दूसरी मंजिल, मुख्य भवन, मुंबई - 400 001 को संबोधित होना चाहिए। एनईएफटी फार्म में निम्नलिखित जानकारी भरना अपेक्षित है :

लाभार्थी का नाम	कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारिबैं
बैंक का नाम	भारतीय रिजर्व बैंक
शाखा तथा पता	फोर्ट, मुंबई
बैंक शाखा का आईएफएससी	RBISOMBPA04
खाते का प्रकार	चालू खाता
खाता संख्या	41-8691632-86
प्रेषक से प्राप्तकर्ता की जानकारी	अभिदाता का नाम..... अभिदाता सं.....

6. प्रकाशनों को शीघ्रातिशीघ्र भेजने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। तथापि मांग अधिक होने पर 'पहले आओ, पहले पाओ' आधार पर प्रकाशनों की आपूर्ति की जाएगी। औपचारिकताएं पूरा करने और उसके बाद उपलब्ध प्रकाशनों को भेजने में न्यूनतम एक महीने का समय लगेगा। 'प्रकाशन प्राप्त न होने की शिकायत' 2 महीने के अंदर भेजी जाए।
7. कृपया अपनी अंशदान संख्या, नाम, पता तथा ई-मेल आईडी [spsdcs@rbi.org.in](mailto:spsdcs@rbi.org.in) पर मेल करें ताकि हम आपसे संपर्क कर सकें।